TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Mnon - Gsum - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Council of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA. H. P.

Printed at: Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

गरिमहण संस्था....1.6.8.0.5... प्रथा य रेन्ड्राय उच तिन्यती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी



અ) | ૧૨૯.૪૪ . તે. તો. તુર. હિંદશ. જ્ર્યા. મું. હિદ. જ.૨.જૂર. શુવ. વરવા. વ્યય. मैंदे वर्षका तर, में रिकर प्राप्ति हु, रसीट. क्ष्मिक बका क्षेम हींदे. कु, रवर, रक्ष. सम्स मुस मु तम् राच रे र व्या के र दा है। है। है। है। तम् दे नदे क्विदान्दान्डरा व मेट मो क्विना सार्वसाद् न व के में के नदा दे क्वा में सारा क्विना स्थान के स्थ हूंब. त.बेंचेबा, इ.क्ष. मेंबा, इ.क्र. बेंचेबा च पश्चेर. च. चेंचे. चर्चे चेंचे वा प्रति वा प्र वर व विंता वर्र भेदे विंद दे रेश भेद केंस वकुद से दे ते वस्त कुर देहें वि पदे " श्राम्ब्र मुवः हे क्रेन् केन मु 'न्य ' त्यन्य श'वर्र 'ख्रिय' दं खेवब्र' ५ वर्र 'बुव'व'दे दे क्मरामिले हे बर् प्रकार राष्ट्र में के साम भारत हिन के साम भारत है नर्द्र नर्बर्द्ध वर्ध दे हुस्र-१८ र्मा मिलिट मी.भु.स.स्र-मास्र्रीय. यह हर हे वर् के अहा है अ अव वर्ष के अं वर्ष कर वर्ष के वर्ष का वर्ष कर वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के मारेट प्रिट.ची .श्चेंच.क्षे क्षेत्र. प्रत्यम्ब. च्र्रंच. मान्य. प. क्षेत्र चर्मा रेग्रेट... ह्ने च तक्ष स्मिन स्मिन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप वात्रायवेवसासद्रायापीर्



श्चॅन रचेंद्र भूण हो।

क्र-भार्षात्रेम मे प्रोम मे प्रोम मन्। यस स् वधु वखु द्वार माना

सर्द्राश्च वाद्य हेप शु (यम्यादना यामे वाः विकास हर हिदानहिन स्प्रियः धेर हे दिस र्राय महे नामे रहा के रहा थेर रिवे हैं रेरे वार में के दे हैं दे मर्हेर वराइ ररानुराक वेसानु वाके में वहु व दे हेर दे। मारामी क्षेर मर्देर र्हें भवास वर्रे दे हैर वायवाद में द्वे प्रशासिश वर्रे देर मामक द ৽৽বিশ্বীপ মার্ক্রবান ব্রাবাতীবানা স্বাধান স্থান বিশ্বীদ্রা रे लैव इस पाद्र वे के स करें से मह्म प हैर स वर्षितार न सर्ब सुम दर हेस सु द्यम य या हु । यर हो द य माल्य सर्व हे द ना है मा बोद्रायदे खेर है। दे त्यस न्वर यदे महर हैन नहेन स्र्र य स से बेस वि.च.चीटःश्रॅशायाली है। है लशाबुश वि च है से प्रश्नि च है दे लशासी। हे: इत्रा देख: व्याप्त सिंह स्था स्था प्राप्त मा प्रति। इत्रे न सामुख यरः विरायर में अस्त हैर इयायर प्रवाप पर से वुस पर वा रेप्टी पर से वसः नहरू र लेश मु न य संग्रस न हों स सा। न न ने हें खुय स प्येर स बहुर्याक्रद्र मर त्र हो नित्मी हें रद मी महन हैं जिला कर हैंद सर्दे.श्रेभ.लूब ब्रुं ब्रुंब्य यर उहूचे.तर.भू.नुरे.त.रुंदे.कू। ह.केर.लेल.मी.

र्के न या नार क्षेत्र या खुवा सा सेताया दे त्या करा सर्दे ता सुस दे रे ति सम्पर्दे व पर विकुराव देते हैं। दे भ वह्यु वालेश बहेर्दा प्रताय राम है। র্মুর্ এ লেক্সামা । ঐ মহার ঈ্ব অংব ক্রেমান্সাম্পর বহার স্তুং হা। वर्षेर्रार्षुः श्रीर्त्र्रराष्ट्रा वर्षुराहेषाः स्थान्यायाः स्थान्या वर्षेत्राहेषाः स्र मनु ('दारे खुय वा'यद कर्'मामायी रायर देवाब दा सायी र कें। वर्षानु गर्दे में न वर र्दे हें गपदे दें ने रे रे रे में लेशन व दे कर माने याकेरालाका स्वार प्रमान में स्वर निष्ठा में स्वर केरा केरा में प्रमान में स्वर केरा में स्वर स गुरुका है। दे स स के न र चे द स द हुना स प्येंद के न दें के ले र द त नु र बुरायार्च नावरामुक्षाक्ररायामरायदे खुरार्चा साहेकाया है। र्च हैर व व वर्षा व केवा हे हेर यर व्यापर नावना यह कु हिर केवा यह हैर ... र्दे १रे अर्देकर्नेन धायरे दे विकासिकरी है है है के कर अपन्न पान मार्देब से जा जर वर्गुर ज उब केर प्रेर प्येर यदी हिर र्रा। स देश य नाट प्येर य दे.कु.चे.चे.चे.चेश क्र्र.चडु.कुर.क्रर.चड्चा.च.वी व्यक्रि.कु.च.चर.पचीर. दे'नस'क्'नेस'नुस'य'के'नेद'यर'क्ष्म'यर'व्हिन्'य'स' વઃહ્ય.બારું હોં ष्पेत्र **बेट: नेद:पश: नश:य: हेद:णु**⊏: यन्नश:नु:हेद स:प्येत्र:य:देवे:सुदा दे:हाः ਵੇਂ ਕੇ ਅਵ' ਛੇਤੇ ਕਵਾ ਐ' ਤੁਵਾਰਨੇ ਲੈਵਾਰੇਲਾ ਹੁਾਰ ਫੈ ਐ' ਐਕਾਰਨੇ ਵਿੱਕੇ ਹੁਸ਼ਾਰਾਕ ਕੋਵ य ५८ ५५ वर छर बर् गुर वेशयामा थेर हो वेशया संश्व ५५ पदे कर माध्यसाउदाया हे सान्ति नुमुता यदानुदाया कृदार्थेदाय म प्रेकारे।

मु देश तथा भ्रेर में हो होर हो। हे दे दे से सार हे न देश देश देश है पचीर हा। करें र क्षिया स्वाया में विष् विषा वे पा वे क्षिया वे क्षे लेक्षा जिस्ता वे वितायर लेक्षा ने द्वार वितायर विकास के निकास विताय विताय विकास विका ली मानी हुन। भूषाया शुभश श्रां स्तु भार्यीय वाक्रेटा श्रीय तमा हुने सप्ते श्रूल. इटामी ख्राम केर केर के खेर में । दे के स्टार्म पारे के साम केर दे लेखा मा केर दे लेखा मा केर दे लेखा मा केर दे य अरह्मेश्वरतात्र प्रश्निष्ट देशे वर प्रतीर है। प्रह्मेश्वर प्रश्नामा स्था न्वतः रेना यासाधिक हे निर्मा के दे तहे वह विषय है स्थान खुयाद विश्वा गुटा वहें न्यवे ऋषाया महामेना यवे पर्मा केर कर रे स्रोक्षाया केर कर मेना या प्येदा हें भे विदेश भूरे अली मारेटा लीमा करे मी देहू शहा मेटा लासा करे बिटा चार मोबा ४ दर्व भ मान्य सर दिन्य । के हो के सामान्य माने विषय नामा स्विधायायायायारी कर में या प्रतिस्थित प्रति देशायायाय दे दे य के दे वा स्था निषायाना विष्मु प्रिय र्रायर वर्षना श्राय रहे वर्ष के वर्ष के वर्ष स्थान स्थान है के वर्ष चल्या च देते कें रहारेना या अह दहें प्रवे क्या रा स्थार दा दे वा से दार पे बुरा दे प्रतेत दु हे प्रहेर पर क्षाय प्रति दु प्राप्त के प्रति वर प्राप्त वर दि व वुसं यामा भेतर्वि। रेना या भरासुम हेर् भेतर् नाव्रास्त्रम व्राप्त वर्णा व्राप्त वर्णा वर्ण बुना-ल्री ना='य'नर्ड्स'रसालिन हेट.लुरा टे.केंट.ये.मेटुने.ज. ध्य भद्र ख्रिया ठर भी द्रार्थ में भ्राम स्थित में। दे कि वे दे वसाता इस.त.स.र.र.न.भरे.च.कर.कु. खेस.चे.च.च.स.स्चास.च श्रुंस श्रां लीज.च. मैं भक्र निविद्धारी न पार्श्वामान मार्थमान निवास में भारत में भारत में भारत में भारत में भारत में

सावगायरिकुं दे सेराय हेर वर्शा हे हेर र इस जु होर वा साबुस व स्रेर भाके दे दि हेबा हा म हु र परे। हिं र ही वर दर वा के वहा रहे वा केंग देनम् ऑरम्म लेश नुप्त है देनम् ऑर्प म हो। कुर्रिय ही दिस्मेर्पर ने हैन रहानी महर हैन यासँग्याय यहुर वर वृद्विस कुन वै र्रे र वुन वुस " **५**: श्रे.बेश.से. । ७४.वे व ज.स्व. १८.वे.चे. वर.वेश.व.चट. लुर.व रत्। विष.श्र्र.स.स्रेथ.व.रत। स्रेप्.लेस.स.स्रेथ.व.रत। मे. मर्जर मानुकार में दान गटा मेदाया यथ ह्या मेदायर विश्व वाला प्येक या दे रदानी । भक्ष १ हेर अ श्वर चर चिल्। र खेर व व साचा सेरामाना स्थान रहा। सुद् बॅद दर ब्रु रे यु य लेश मु च य बे विषय न र पे र य दे है है र बर्ड र है द या ह्यर पर म हो। पकर पर रचुर परे केंग हा पकर पर लेस म परे रहें ही। र्ने अमेर्ट्र देव नेर व्याप भ्रेंच या है वर मर्हेर या प्रवर्गे हैं हर के वनुहार्स् (गु) न्य देव यथा ४५ वं या न्य या स्त्रीय सामान क्रामा य रे पर्दे पति र्माश्चरा वश्चारा ध्येत व्या देन्य व्या १ देन व्या सामित विवा हगायाञ्चर हेनास साधिवायारे वे देवा होरायर वुषाय साधिवाहे। इदाहेन हर दना नेश र र पुन पर दन्य पर र खेर सी अदाहेन साहिना बैक् संप्रदार्दे के द्वीद यात्रा के रात्रा है दे हैं। से राय है दाणी है दारा सालिया या लामा करें में वित्र र प्रवेश वि. हे गांडर वित्रु वित्र

लूर्याक्रिराञ्ची यात्रमाया मदी क्षेरार्या षदार्षेत् यञ्चे पास प्येन्दे। बेर'म'अर'ब'और'हे'रे'क्चे'वरी'हेर'बेर'मरी'कुर रूटा बेर्'सर किर'मर' दे बुर से द न क्रिन पर छे द प के द कुरे पत्ना के द न दे भ हे खुर सर्देव वर प्रदेव वर्षे हु। मु: यार्सें वर पर प्रवास वृ:याप्ये (पारे व्हर के वें रामे कु: षः श्रृष्मभाषाः भव व । दे प्रश्नाव देव देव प्रश्नाव देव प बर्.मिट.लूर्.त.स.लूब ह्या स.चूब्.सूचीश.बु.सैचीश.का वैश. यामर्चेट लेश नियामर्चेट न हुँ शाय है है यह अर्में राज्ये ही। है हैर ब्रियं वे क्रियो तपु हुं रक्ष भूयो त्ये देश तर पुष्य राजा भूयो जा श्रुवेश तपु वेश. याहेशासु द्वाना यापी मुल्ला वर्सेद्र मध्य द्वा श्रेना या देन में दर्दे या द्वा ชู.ชรู้2.สรู.สรีฆ. นิ.ชรู้ข.ส.พ.จัพ.ล.โะฆ.ตุ 1 .ส.ปะ. 2 มี.ปะ.ชสฆ. चुते दर्दश या श्राह्म वहेना हेरासश रच दुः मूनश स के दे की छैर देश या से देशी दे नशक द्रार्थ में देव नेदायर बुकाय मिया की खेव वाक हैं की सुंगाद है शहरी • देवची.त.रेटाप्रश्चेटश्च.त.रेटाचीचोश.व.रेटापचीजावर वर्षीटार्यु**षेश.वे.च**ट.. र्नेट्स स्ता रे इर दे प्रमूर सर् छ। नाम हे रे मुद्द हर दर दे लेस म न इ. गुरह्न दु कु दर प्रतिक दे दू का स्मित बेटका न इ. हेरा वहें श्रमायास्त्रम् मार्दात्रम् वाचार्या स्त्राच्या स्त्रम् वाच्या स्त्रम् वाच्या स्त्रम् । सर्देश पर नि न विन या सेर यहा सर्व केर स सेवारे विस नान है नहा नाम सेर याकृत्विवायासेदाय भेरादे। सर्केर यर नु न नवाय लेगाया भरादे दार्मायर

यः हैन नु विश्व र री ही य अरा ने अर्दाया लेखा छ वा ने र्देश होन पर कुशाया हो। देश गुरास्यामी इस यम लेश या गुनाहिया नु होना यम होना ये भारती सी। सीना र्षि गया हैर गुँ खेर रे लेखा द्वा या है र गुँ हैर री। अर्द्ध हैर हास निर्देश हास निर्देश विषय हास निर्देश निर्देश निर्देश में महिन में स ग्रिः रूपे नेर तर वेश तर विशान रेपे वा रहे सार् हेर ने विशास स्टर् वनुरायाभित्राक्षां लेखादन्दियास्। वर्षे द्वराद्धानेताम् नुषाच हेराणेखा े वर वहेर्न यन्तर द्वारा यस क्रिनाय णुन हेर्न जै से हार दिन ने प्यान साम कुर बर्दर मर मु न भी र दे। दे स में दिस में दे स क र के र भे द में। गुन हर रदः र्रे रस परे हा रन नेश यहर या न र्रे छेर यर बुबाय न ही रेपट मा मा प्राप्त पा है र र र में मारा भारती हैं। विस्त पार्य मारा में मारा मार्सिना सा रहे द्यार र महिन्द्य पाद्रस्था है। वर्षे याद्रस्था र महिनामे गरा त्रमान्यक्षेद्रमान्य मुन्दि प्रमान्त्रेत्र, नेद्रमाम् ता प्रहिन, मान्ये में मान्ये में पर्. केर. च रूस की . परंश. रह सूर् थ उर् परीट वेश मी. रहा वर्ष वेरू. रहूर . . ह् हुँ नर भहर वश वर हुँ जे. च. पशिश वर वेश वेश तर हुँ जे. च. वहुत्तिंवित्र मुश्च विष्यार्शे १ १ हर भारता इस पर है । या वे मु यस प्रवस्ति । ह्य र्या देश स्ट्रिय विचार विचार विचार हो निय हे ने स्ट्रिय होता सिर् हुनामानावरिम् इर्.त हो। सर हुन सार श्रिमायर प्रविधाय वर हेराल्य पर क्षेत्राच्या व्याहर्त् यदाञ्चन् के गामाना स्यायाध्याया हेशानुपाय **वे व**नुदानरः तिमुरारी रे.पार्श्व मी रुषा व पर्य राष्ट्र या वे मु प्येर राष्ट्र प्राय मुहार या वा प्राय है।

बे दि से के बे में के से में के से में के से के से के से में **ঀ**ঀৣঢ়৽ঀ৽য়৽ড়৾য়৽ঢ়৾। दे৽ড়ঢ়৽ড়৾৻৽য়৽ঢ়৽ঢ়৽ড়ৢৼ৽ৼৗ৾। ঀ৾৾ঀ৽ৼ৽৻ৢয়৽য়৽য়৽য়৽য় कृर्के तम्बर्धानु स्रोत् धरे पुराव मु अट सेर् सम्बर्धित व तम्बर्धानु अट सर्वाम क्षर हो अर हैन मान्धमाया मार्से निव यात्र स्रेर या सरा क्री स्रित प्रित प्रीत च.भ.त्रुथ.हे। श्रेर.हवा भ.चाडेश.च.च्रु.व.च.चे.खेवा.च हेर ग्रेश सुर.तर् होर. र्. १८ हे. यश ब. से ८. १ वी. स. मेड्रेश स. म. लूरे. तपु. पश्चार हेरे रे टे. पर्चीर. र्दे १९ ३ र ५ अद छैन सम्म १ १ १ थ में पर्दे यदे सर्व १ १ ५ र व १ १ ८ द च.लु.ची। रूर.भ.लुर.बुट.झे.व.दुर्चा.क्येट.भ.लुर.ज श्रेर दुर्चा.भ.चश्रंभ. यर मिर्निया अदास अद्भार्ति। अद्भारतिमा माने व्यापा म मिर्निय स्वार ह्ये रायदार् अविवाद हैरायशाद्वरायाय हे क्षर है न हिना स हिन भी है र र्शे अने हेना सान हे या या वा व यह या से राय है या दी भर हैना स हेर प्रेंब राया प्रेंद्र रावे त्रवस ता ही ताम र ही स हेना र हेर यह ··· विद्युराव स्पेत्राहे। अत् हेना साद्रार्थेर क्रु सालेगा या हेदा की हैरारी। अद हेना स निरुषायाया प्रत्यक्ष तुः पर्दा र देवा का किन् हेना सारिन प्रेरायदे क्षेत्रः मु नाइस प से प दे ख़र व नार यस झुड़ हैन नाइस प यह या माय है से द यां क्षे पर विवार का अने पा के र ने निर्मार के र पा के दे पार के र य लट.वर्चीर.रू. हुंश वर्षेट्रताचीट.लुर्च.चे.लट.सुर्च.कु जूची.पश्मीची.केट.... हेन'च'र्येन'है। वेश'च'हेन परे हमानु ह्व च'परे मिशम ह्वदश'च हेन'स्पेन' र्वाः 'भिर्मानम्मानार्वम हेन्यसम्मल्यस्येन्यन्त्रसम्बन्धन्यस्य म्रे.पर्ट्रे,व.चार भ्रे.च.रेट पद्येत वर प्रचीर। प्र्ये.वीट भेर.हवा.स.चहवा.

वासान्तर क्रांचर क्रांचर वीर केरा स्मर हेना स नहेना ना सा धरे कें भारु राते रहा नी सर्का हैना यन राविमा नुष्य मुस्या भेरा भारे हैं ने ही ना भेवा वें। दे अदासूर व्यास व्यास व्यास विकास नाम देश सानु वहेंदि हो। वास विना हुं वर व बुर व दे संस्थित है। इर्देश में या के सेदाय हैद कुछ राह्या देवस ब.वर्ष्ट्र,क्रि.भ्र.भ्रद्धाः श्रेचशाः श्रेचशाः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षे यर्बेश रश प्रदेश भारत माले र बिट में र या भट ही या माले (वि के र वाट मम स्रोत्ताकेर्त्राम् त्राचरास्रोद्राचित्राचेरालेषामाङ्ग् यानामास्रोद य विर्यम् सेर्थं वेशन्य वर्षे अप्यान्य प्रेश वाक ने म्राम्य वेति निक्रम् याकेदाधिकावादे अर वासेदायाकेदार् विचारा विचा य वे दूर्य व क्र केद त्ये र प्रेर पर दे होर है। हे हे सुर हिर पर पर व व व पर र र्भव न न के कर 'अर के कुट वारे 'इर रेवे 'द्रदाने का द्राव विकास वर है पर त्रमः। ने:वसःवःहःश्रनःनुःवयनःवये:कुःनःवःवःवःविःन्दःवःवःवःवःवःवः। यदः अ'विन य'अ'र्स् नस'यदे महन्यय २ हन्यय अव वि। न्या हे हिद क्या मीक्षा प्रह्मेवा प्र अर्थेन था पर गुरानु वह नाक्षा पर रहे हु वा वा महेंद्रा पर """ वनुर व देरे कें गुर हेंच हु क्षेर या अध है रे ख़ैर नहिंद पर है है देरे। देख लिना या रदास लिना या स्वास वासामा रेनास या राह्म या नाल र प्रिंग्यास प्येता દું, ત્રાં કે ક્રિકાર્શ ત્રું ક્રિકા તથા લું ક્ષા તરી નાર્ય ક્રું થયા છે. લીગા કે ક્રીયા લેડ पर्दर्धारे द्वर वीश द्य वर द्वे वर रेवा पास व्यव वा वार मीश व द्वे द्रमः सराक्के पार्हेर यानावेर यर वेराया भेरा के गुराहित याया सामेर। माया है मर्देर सुमः य नारेने वर देन संध्या है त्य नार्त्र केन समी वहना ने लिखा 3.4.

वे'दे'नान्द'क्रेन्स'स प्रेद'ने नार्देर'यर'नुर'ठ्रा'न'हैर'ग्रे' खेर'र्ने। दे'सूर वंनाल्यायायायाया वर्षात् मे प्राप्त वर्षात् मे प्राप्त वर्षात् वर्यात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्यात् वर्षात् वर्यात् वर्यात् वर्षात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् हार्च र्यान्दरानारा। हिन्द्यायर के यानायाना । दे य गुर्ह्सेन हेर्ने में संस्थान । सर्दे न्यूष हुर्ने नर र्यु र प्येत्वी । विसाय नर्म प्येत्वी देन्ना वैशाउदार्ज्ञ वा पत्नाप्तशामिं ये उना नी देव क्रेन कुशाय रे सक्र कि ग्रीस ष्ठिर्यर से द्यर लेख कुर्य या स्ट्रियस कै यर प्रयोग यर के द्री वाय है वरेक् या दे खे. वुर क्यूर वा सर्देर वा से म पानहुत या रेह या साधि हाय हिसा वुर वि द्रिक्ट्री लटाकाण्य ह्रिक्क की नाम स्ट्रिका पर्ट्य कर्षे के नाम की की निका कृर्वंशकर्कुं भेर्प्प गुर्हें यस भेर् में वेर्षण रहें शर्म भेर् ने जा रहें व इसामर नवना या बस्या उर गुरि व केर प्रेय पर प्रेय हीर ही। देश के रहें था व बु मु न ता स्वाया राष्ट्र रहान बु ब कु क प्याया सुर न सा स्वाया स गुन हिंच गुः सुन नमून पर दिशुर र ।। सु न से द या से निमान ने देन न्साय प्रेमने। र्व-न्सायते न्स्य के गुन ह्व प्रायत् न्स्य ने गुन ह्व निर्देश कर्षे कर्षे निर्मायर ही पाने के निर्माय स्थित तमा ही . य. हार त. बुका च य. मा क्राका य नहें र पर पर्वीर। दे . हेर व . पेव. हॅर रे ही के के ही न मार्थ नहां नहां के के हो। दे मार्दे देश तर् स्रित र्व महिट वस रेस मिट वेस छ वाय स्वीस पार्श्व स् । गुर ह्व गुः भूदे देव या नहेव वसा देव गुट लेस नु न या सँग्राय भूस है। देश <u> বী'শূৰ'ইবি'শী'ৰ্ব'অ'ৰ্ম'মম'ৰ্ম'ৰ্ম'ৰ্ম'ৰাপ্ৰ,'আ'আম'ৰ্নম'লীম'ৰ্নী'ৰম'নুষ্' -</u>

य प्रेम के मार मार में रहें य मी दें रहें में रहें या पर हैं ये से से हें व प्रेम हैं व स्था (AC) सते दें भेर क्या वहे**न** हे दें या ना ना सते दें रें भेर हो दें ले हैं। लेगा भे क्या या नाटा भेरा नाया है। स्वाया भेरा या उस लेगा भेरा के है के र है लूर से पते में दश दर्ग व ज्ञान सम द्युर। व र १ है हैन पा सक भे एयादेवे हैं। इस यर से हग परे वे**स यश** हैं निधाय भेंदा हैं विसाद हुत तर प्रचीर हा। रे कि लुबे व हा केर दे हुआ हा कु हो निक सिर्या ता लुरा इश्र शे रंचवा.चरा. रूर्वश्र.च.लट. श्रेटश्र.चर. उचीर. रे। वे इमायर हैंन य द्रायवस य हिर्फेन सदे हैं र रें। देन हे हु सदे हैंन लेव.र.लट.चेम.टे.वंबरा.वर.स्टे.त.ल्या.रंडे.क्र्रा वीर.ह्य.वेट.वंशर. वर्षुः। वर्षे हे हु सावव्यायत्रे देशायाधिकायादेवे हे। बर मी स्थेब रिते हिंया यस मिर घर है। स्ट्री गुन हिंदा गुन हिंदा गुन हिंदा में बा म्निश्यरे देव भेव वे लेखा मु न पर दे ता अटा वहन हेव लेखा मु न पर दे नमृद् नर्हें व नुन प्रमादिं रे ने में वें स्यान धेर लेश न्युन वर मुन प्रेर इसायर देनायान्दर में हिरादाद्रियां में यायदा हुन त्वाया यह रदा विदेशन सर प्रमार है। वाह्या व लट यहें रे. पहुं हा हो रे. त. सट हा देश है सारा दे अर. मु रर्ने म तर होर रा । वाहेश रा हर व पर्वा अर या स स्वास था भर मिस. बिट्रा. तर भू. वे.ही पट्टेरेन बे.ही. च्.रा. अन्य व. ज. पीनेशात भ लूबे. वीं गुनहोंन प्रति मालन नगा नुन्य के नवि से माने से मान

१२१५ हॅ भ के फेर् भ छेर या हा सर्वे ॥ यह इक्य के वह Ñ; द्य.मी.स्या पर्व र्रा देव.पर्व त्या त्य. द्या त्र क्या पर स्था पर द्या पर पर्व व तपु.सुर. लेश.ये. प. ब्रे.ही. रट. पर्वेम. प कर मी वैभारापु. दें मारार हैट यारेट. ८ह्यान बुधानायास्य्यायायानु विश्वान द्रमानु स्थाना पहर पर्देश दे त्या श**र्र** प्रत्ये कुष्म के दे त्य हो स्व दे त्या है दे त्य है स्व दे स्व दे त्या है दे त्य है स्व दे स्व दे त्या है त्या है दे त्या है त्या है दे त्या है दे त्या है दे त्या है दे त्या है त्या है दे त्या है त्या ह नार्र्वः से :बः वरः से : व नुरायः हेर् गुराष्ट्रियः वः धेरः वा देर्द वनायः वः लत्त्रम् भ्राचायर विश्वराय के**र**ालेश्वराय हे स्टियायर हेर्याय वासायाः रर्षे चोश्व.तज् ॥ वधीर.वर.दु.पर्ट्र.प्ट् ग्रे.चौश्व.व.व.वश.तश.ह्र्ट.तत्. बार्सेनाबाबालायात्रमायते हुँ। हैराल्रेर या हैराल्ये हे छिनाय हैराणे खेरारी। ৾ৼৢ৻ঀয়৻ঀ৻ঀয়৾য়৾ৼৢয়৽য়ৼ৻ৼৄ৾ঀ৻য়**৾ৼ**৾৽য়৻ৼ৾ৼৢ৻ড়ৼ৻ঀ৾য়৻ঀ৻ৡ৾ৼড়৾৻৻য়৻৸ঀ৾য়৽৻৾৾৾ रे खुर द न्दर के न र स नुव भ हेर भी ह हैं ले ह। हे के भेर मा स भेर विष् विषा दे त्यार हिंदा दरा यह दिहें दा भेर का भराभा भर वुषा यह का मर हेंना या की क्षे पा दे वे कें। प्रमास केंना या विकास केंना का किना का मान वनुर व। है भूर नु न वर यदे व स्व स स स स दे व स स स स दे व स B्वायाक्रेराल्येदायादाङ्की देवी, वासमसावराजात्यात्रसम्बादरादायात्राताराङ्गरः व। निर्नु झॅन यास प्रेशव। नारानेशवाने झॅनानि हेशासा व्रेन पर्यायव्यस्य व्राप्ता नेत्रे व्यक्ष या हेन् स्वाया पर विद्यार। ने हेन् राप्ते क्षेर। हिंर न निष्ठेश महिंश मा भेर हो। रे केर मि हेर हिंर व लिंह मा शुः ह्रिनाश्चाया वा नाइव क्रिनाश स्था से क्षा ना चा ना से का की का ना से वा है।

ผู้าสูม นาติราธิมาสานาณีศมานานาราพะายผมเชราราณีน นะาลูานน้า मालिट हर्ष त.स.लूब हा वशका कर. रे. मूट. पर ही पर हे हैं है स.चे. प. ह्यां स. य.ज.लट.विश्व.व.हेर.ल्र.व.ट्र.केर.रे.वीट.जश ह्रे.च.च.लेरी ह्रेंचे च.ट्र. ८२.च.लश.७४.चे.च.ल श्र्यं श्र.च.पु.चीव.तपु भवर झी.चरु.कुपे.ग्र्री ेर् पर यामसाविधानु व देग्नारामाध्यम सेन्यसानुसामा हेन्द्री प्रवसानुदे ह्रिन्या शन्त्रये. मी. स्व. मी. सक्य. मंबय. पत्रा क्रय. स् ॥ र. क्रय. स्थित प्रक्रय य र्भेर वें। दें दे हैं प्रदाय स्थानुयाय स्थेर ले द। है है र ले शानु न.ज.श्र्यक.न. श्रुंश.न.ज ट्रे.भर्यूट.न ज.७४१.चै.न.प्रु.चैभ.न भर्यूट.नप्रु.ह्यैर.श्रु... य. १ में . लार. हूं। अर्थर. य. ची अ. य. भ. लु थ. य. य. थे. भू ची. मी. रेश. तर. चेश.च.भ.चीच.चर्णा चेता.दे.दे.कैर.वेभ.चश.ह्रेट.चग्र.भ.ह्येचेश.हेर.ज. श्ची विशायमापर्देन यार्षेदायार्थेदावाष्ट्रा 💎 देशे वेशायामाप्राचनुमायादेवे हें। हे इंजाय अरु हु अर है जे राय अत्याम है र छेर यर प्रमुद्ध वर है अर छेर यःमःष्पेत्रःहै। वुरुःपषःबूटःपदेःसःबुनिषःषःषःषटःदवदःह्र्यःदटः। यहः श्र्वासायायात्वस यदी दस्यायर द्वा यासी स्री य नाराये तारी ही युसाया है र से र पत्रे खेर स भी र खे। व्रागुट झूम वु य र र्वा श पत्र क्मा य उर मी क्सा पर हुंचो.तश.चश्चैवश्व.त. हुंद. मुै.बुैर.रेट.। १४. तर. हुंच त.चोडेश.हुमा.वर.शु. भ्री वित्र क्षेत्र दरा क्षायर में ज्ञाय महिना या अपना यर क्षायर से इट्चर हैं रहें। दे हैं दे लट सम पर हें में हैं र व कर में दे में च.ज.शूर्यक.त.श्रुंश.श्र्री दे 'नश'व'र्स्नाम' दे'तर्'न'यश वृश्व'म'म्न

यामाणेकाने लेखान वर्षाना गणेका याने के यहेका हिंदा गणेद की। त्वर लिना प्रहेर पासेर शर् हिर में लिसा मुन के नास्त्रा मा प्रहेर परे ही वहा दे विद्यादा हम मेर परे दुरार्टी। हेरार्ट्रे राज्या मार्से न्याय लेया नुपाया स्र्येश तप, स्रिश्व, हु इ.ट. चप्, हुव, सब, मीबेट, हूं। चर्, क्षरे, का बुरे, माबु, नर इर्यत्रे न्वर्ग्य हेर्र्ग्याचर्ष्याया मेर्यं विकानु वाया सेन्य महा ब्रेंदे वर्ष केर ने र वे र विषय पर हेर पहेर हारी । इर् पाय केर पा मेर व षरादे 'केर वाक्कु' सर्वराम्बर व्यद्भाव द्वार वाय वाय स्थान केर किया हुद सर '''' म्री. वर्षे. च्या 🔻 से पर. श्र्चेश. वे. क्षे. लेश. चे. प्रकारा पा. श्रूर. तथ. तथ. परेव ए पर छेर र्रो रेञ्चर ुवार विगायनाय विवाद स्वेया व उन रेजे यसःवेशानुकेन्तु वाक्षरातु नेत्राचाने वे हेरायमुनाने। यरे स्रामहित्यायरा **र्भिर यहा वाही की प्रामी रवा हवा वर्षा है । यह की में की यह की सार हिया।** यामश्चार्यात्रे हें विभा सम्बद्धे यहम्बश्चाक्षुन्तु हेन्याश्रापेदायादे दिराष्ट्री स.लुब.ब्र. खुंस.चहेंब.स्। डे चस.१.ह.सेंट.चेंचेंचें चेंचें बिरानर रेटाचरकात. हे**रे ल**गाचरु. बुरा श्रेष्ट्री अव्य हेराजा उचिताताल्यराताला क्रुं ह्या दर्भ नेम पर मुजन मार्थ प्राप्त कर मेर पर पर पर मार्थ पर मार्थ नुमान कुर मार दे प्रका ही भर भर पर नहां है सार है ने हो त्रसं वहिंद्र पर्दे । द्वं दन् र विनाया केसाया वहन पर्दे प्र र वना प्रवाहित म हैं या स्रिंपिय दें में निराधिशया देर सर्वे वर लेवाया लेखान वरे र्वे र्हित दिन दिन हैर्रे में हैर्रे में हैं। मार्सिन वायदि दिन्त हैरारु लेह प्रवास हर 5 छेर प हैर ग्रेश विवास करें ना । दे तर्दे ता मेर पारे हर का विवासर

चेद्रायाक्षेत्रक्षेत्रकार्याः विष्याद्रात्त्रकार्याः विष्याद्रात्मक्ष्यः विष्याद्रात्मक्ष्यः विष्याद्रात्मक्षयः र य. रु.च. व रे. मीश अर्थर वर्ष झे.ज. श्र्मश्राव इ. मीष्ट्रार्ट . यू. हेर. 14.4 I भेतरहे हुर तम्झ प्रदासमाय के श्वीमेत के लेश माने माने म्यूर हे ता द्येर हर्ष ग्रीट जेश व नाट व लेश नु व न अ स्वाध व र्ड्स है। 💎 र ट मी जेस य.ज.चर्झ्स.रेस.म्री.अ.लुरे.स्. खेस.चे.च.य. ये. वर्षेत्र.चर्ट. ट्ये.लुरे.स्.) हे 'बेश' नु'न' य' सँग्राय' दे' नाबर' मुद्रें। हे 'ब्रॅन' य' व्याप रहेत' खेर हो। सर्द्धत्य.त.हुर.ट्. . बुस.चे.च.बु.किर.च.केर.चर्चाय त.च.क्यश.चेयत्रत.चयत्र. डर्.ज.भर्षुटस.तर.चेर तर्.ट्र.सूट.व.ज.मु हेर्.ट्र.पहेरे.यथा हे सद व्या न त्र मानुद धी वुम भ दिस क्षेत्र वु ता स्मान स्था स्थे हीदाञ्चाद्रमः द्वाप्तेस्यायायाः वाद्रम्यावे हिम्योवा व्यापिते वे व्यापायहेवाद्रसः รัส จรัส จาริ ลิ พลัส พาพิส ริ ลั ระรัส ระ ผิส ชารุๆ ผ**ลายารุร** บลิโ दे द्व कुट सेसस दट सेसस तस बुट वदे हैं हे दूट से स्व वर ५६ ग व केर के कुर सर्दरस्य र स्राया न भेर यदे तर होर के में एडर की विकर य में राद ३१ व. च रेट.। वर्षेताव. ११. में ह रेट भक्ष . भ. वहूरे. तर वेरे. त. ११. में ณสาญิสาสาลิ เลอราชาซี รุตางสานาซี รุตางสิณาสางงาชิง มิต รุตามสงา माने महर् पाउद मिर्दे। मिट प्राम्म कर मान्य वार्वेद लेखा मान दे के मिट प्राम मक्ष्यान्त्रात्मात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्यात्मान्त्रात्मान्त्मान्त्रात्मान्त्मान्त्रात्मान्त्मान्त्रात्मान्त्पत्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मान्त्रात्मा द्धराके पर पर्टे पार्टी के लेश मुन की नुषाना है ना ता र्दे ता में दिर मर्टे र म. हे. पर तर्र, तथमा भूट. रेट. भक्ष. म. र्रे. हे. पर पर्रेट. त. भूपे. व्. . हेम. चे.

रत्यविष्यक्षित्रमुद्देशपुर्यायास्त्रित्रम्मक्ष्यस्य राम्यदेशस्य विष्यक्षामुः र्षेष्य र्देशकुःरदः व वेदेश्वरं कुः श्रदः रदः सर्वरं संभावरं यो सर विष्टुं वादः । हे. केर के क्रिके जा ज क्र्ये श. नपु न्या पड़िके के सक्ष तर परीय र हे. चोड़ यो जा र र चत्रेत्र महिका भे उदा चति है र स्ता हिंद से ता स्त्री का सरी हैं दे सहत सुका नै.योबोश.त.ज.इ.डेर.वे.वश्चेंश.तर.वेश हे वश.वे.ब्रेवंश.वाकेश.व.विश. ब्रदायर विद्या देख्र व केट दिर सक्ष सर से द्या है। देव मी रदान्वितः वित स्थामेदान्दास्य क्षतास्त्री स्दान्य वितार्देशास्त्री स्वीतः स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स भूत'त्'च न्त्र पते'क्स पर्श सु र्रभ मी र ट चले द माठेवा सु नादस स्त्री स्रवशादे हेर जी व व ले बावने व तते होर । देवे के जार में पश ले ब ने ज.सूर्यास.न.जा शुट.रेट.मैं भक्षे रेचा.स्रेस.नहं .नहं .नहं साथा सेवस.सेवस.नट. लिस नु व के न 'में कें र्व के केट दि अर्द म दे देन के न पर पर्दे पा कर्ती निट.मी. क्र. ट्रंब.पा. श्रुट.पा. श्रुचेश त.ज. बुंश.चे च.ज. श्रुचेश.च ज। ५८.भक्ष्य.स.स.च.व. .चूर. ७ श.चे.च.व. १.८.मी.पर्वितात क्रेर.त.केर.पटींचाता. सेन्'म'हेन्'गुं' खेर'ने । नेने कें नेन्यायहण पर से प्रमुर हे। लेख ना के के रेल में रेव ल हे ने म नहें र न हैर में हैर में। मेट रूप मर्दन म ल हें न

हैर'र्'हे पर'वहरादस'वहर्पयाभरनी। कुंद्रिय'कुंद्रिय महिं 'वें साम्पर'ने। दे⁻ केन केन पेर के के अपने के का केन के के के किन के वर वर्त्राया भाषा है। रेत्रायर दवा विविद्य वा हेरा था छ । द्रायह वा वर ही। प्रमुद्धान के नुष्य नुष्य स्टार्च द्रासीट द्रास इंदास द्रमा पृष्टे ना वदा वदा हुद्दे हे यर यहना परवाही नाटामी हैं हें हैं त्या सटा सेट दिए स हं है सर है पर यह नासर म न्नीकें मेद्रदाम ६५ म त द्रुके वर वर्ग्ष परि देशकें है रॅभ मै र्देर भ रहन पर से प्रचुर है। द्वेर द हिंग्य म् शुम्र य ह नुद्री रवर र म के मा भ वर्षे लेखा हान है रे त्यान हनाया महीर मा हर या है या है त्रष्ट्रभ'यस'तह्रम्'यः इ तनार लेगःने कें नहेन् भ'यह्रम्'यर प्रमुद्धाः वन्तर लेन कें निवर म रहन पर रचीर र हे रवि । री क्रा र र माम क्रिया या या तहना था का अदा तहा या या तना या ने हो देव त्या तना या हि दार नाय होना । मी के अर दर महंद महन या १६ना यह ने यह हैं के अप उपने हैं के हैं। दें बद च ल्रें दे लट लेश में हे ले में चंदर चंदर में हर चहेर च वेच में वार्म मर्थट सं च विश्वास्त्र विश्व दिन्ति । नामाने नामाने भटावेशास्त्र वा वा स्वन्य प्रसानेशाया सर्दरम् मार्चितासः द्वास पर् त्यर तर्वस पर वेर पर्। सेर विश्व वर् वे ने स च त्रवद ले ग वहूर चर व व स्थर के ले स इस धर द वे च व सुर दस ह्यर वर विशेष दे दूर र हा अध्य अर अर वर वे इस ए हैं र वी हित इस वर हैं र मु देश तर हुन्। त. भु नर प्रमुर थ। इस पर हुन्। या था श्री दिन पर हुन्। या भारत हुन्।

श्रान्त्राचार् भूर व नेशायावहर् धर नु वर वहूव रें। वार ने वर क्र विश्वायात्रश्च मे ददाया हैदाकेश दे रह मी सळवाहेदायी प्रायति क्षेत्र रहामी सक्त हैन मिन वहें पर प्रमुख्या हैं। वहें ब्र-हि ब्र-इम व दे विश्वायश हैना तर र नु र व दे व दे व दे नि व दे नि प्यतः में न्यत्व हैन दे माप्यतः है। है अन् नु रेन में हैं वे हैन में हैं बिस नु नस न पर च में नर्। क्या य दे पर नरे में देवा के में में वेश.च.जश.पुट्य.च.रट.में बैट.च.ज है.र्ज.में ट्रेंच में ट्रंच है.चर.चंच.चे. इमायक्र पर ने दें। अमरा श स्ट पर ने म म लेक ने वे म न ने ने क्रमायर म वर् या में दूर्व मी द्रमा था है वर् म लेश न मा मा मा मा में की मादामीस के दे हर सर्वेद पर त्युर लेख न प के पहे कि दे हैं कि दे से से स मर्दे दूर्स व लेश बेश मर्वेट वर उनु र रे बेश नु वर व केन ने श्रिक्टरनदे द्याय द्य में द्या पर देन पर देश लेश न पर है। अभ्या श्र ब्रिंट पर क्ष पर करे हैं में ही हो पर ले के प्रथ ने दे दें के के प्रथ हैं दें के मारा हा स्ट्रिय्ते द्वम ये उन देश महेंदे द्वा र द्वम से दे ये क्रिय से से दे ये देश य विद्यास की रेका लेश्च देशक देश व दट क्वस वर्ष ह्या मिश बट्य वर त्यीर हा।

बामेद दरामक रामाद्र गार हिरायर नेदायर मिला प्रमाय दे प्यासेद दरणा मक्त मरीक्स याउदानुमाराह्मा परानुद्री। दे खरावा हिंदी मह्यास्त्राचर नेस चर्ट द्रा केरालार है। इर वर नेस मायस म इदः चः संभेदः यदे खेरः र्सा वशुर चरः दे दर्दे स्द्रः शुः वेदायदे द्वायदे द श्रीदार्द्राम्मक्ष्याम् रुषा द्रमायदा दे विद्यात् विद्यात ्रवेश वात्रशाच न्दायाक्षायर प्रहेनायर वेदायादना वे से ख्राया हेद शेव कें ्रैं ले व। हे दे . देश. पेश प्रकाश पर दे . देश वे. च. प. संचीस . पर्हेस. र्को १ है: इर देन के इस च क्य के इस चर नेस पर निमाय र निमाय र्ने नी इस्र म हेंद्र से तार्मा सन्तर पार ने नाय नार कि सारे दे ते साम में पर ना हेर् मुर्य केर प्रेंब हो हमार केर दे कर दे मार केर पर केर दें। देंब मालक लेश.व.च. हे. खे. रूप. देश.व. वहना चर वेर चर्ला हे. यश नल्य चरे रचट क्रैं ता स्थार पर्वा विश्व पर्वा विश्व पर्वेश पर इन्दर्शनर ही वर ही देवार कर लेश उन व दे खुम व वर से । दे दिन दर्भ ने यह भ व स्वा या यस है रें या है रें व्यव वर व वर दें। दे हैं हर क्रुट.ज स्मीस म मीच.तपुं.होर. खेश.चे.च.बे.ववर. क्रुल.रट.चर. २४.च. दश.चीस. श्रुटायास्त्रीत तर् क्या पर ह्या पा है पर हैर हा रे अप ना विवास पर स् । स.च. म. भेर र वेस च च व व न व न व व व स स स स् न स च व दे र ने दे च च व स य ...

सैंद्र. मेंश रा.ज हैट. व. भू. उट. वर्ट होर. हा। नु सेन्'य'कर'नु 'वर्ण्र'रें। हीते 'न्दिश'र्व के नावर सेवान 'नेनेन्'यश हरा मान्नदश्यामित्रके लेखानु वर्षा देवीं दशासी है देवा के निवायामें पर्वा हैर विसान नाम स्वासायाया नेसामानाराभेद यात धमसाउत द्वारा स्वासायका । है। विश्व मु न परे व वर्जेन व नविर पा उद्य मी कर मारे पा में परे विष्ट परे निश् यात्माने क्रम जाया हैन में लिश मायदेश के गायों ।दे हिर दें मीश हैंदायाद्दर मर दे पर्दे में दे में पर्दे में में पर्दे में में पर्दे में पर्दे में में पर्दे में में में पर् द मेश पा भेद द दें मेद याद अद देश हैना हैना मेश। दे नश द मेशप किर्नु से विश्व र विश् दे के के बे के हे हैं में पर पहें के के हो ने के हैं है है है है है के पर विवा निद्भार पारे से प्रमुद्दा है पर ये पर से स स र न सिस प ना है प नार्थाय कर भारत हो। देश यानावर ने राया विश्व माना विश्व माना स्वाराधिक देश यानि दर में मधुर परे खेनाश या रहने या हैर यह द हो। मान्दर स्पर बुंश.चे.च.ज.स्चांश च.जा चाञ्चवांश.ज.स्वांश च.टे.ह.के चेंट.चींट.च बुंश. कुरी श. मधानी देश तर जेश तथ बडिट वर वेशी जेश वार् जेश तर रट. क्ष बेस.व. च बे.शिज १८.च.ज. म्रे. च.म श्रेटसं च चेट ज.लूर रारे देवी के.शिज.

सर्वटस नद्धाना इस स्नेन्स कर नी सेस व ना वट हो। नाय हे से प्या मी रह मी माबर मार्श्वर या माहेद्र सार्वि न रादे नाइस स्नवस द भेद्र सदे माबर ला स्रूर या अस विरायर सेरायर प्रवेत्यर प्रवेत य रेये हैं। अय राज्य हेर नार्य मालकार्ना के सामार के खेर रामार यर प्रमुद्दा वाया है। नाके रामी सामार कर हार माम हे दे त्र पार वे पार में माने माने वह सर के दार है। वा पार के साम देश देशाया हैन भेन प्राप्त हैं के हैं जे से समेर दें जे के न हैं न हैं न हैं। दे उमानी महत्र हैर प्रदेश महत् हैर दें। य वै नि दन अध्यय उद्भार प्राप्त प्राप्त का निव कि वि निव कि निव कि निव हिं भूर व क्याय वें रायश स्थाय वे महिनाश खुला देर ना वहा च द्भानिस सर्वेद प्र दिश्वर हो। दे हे स से बार दे सार ने स पर है हैं हैं सदै द रें में में निर्मा संस्था से से स्वर्ध हैं ने से निर्देश से य:रह्रा.च्.च/बर्डाला:लट.चर्ड्ड्ब.ना.मुट्रासट्र.बुट्र्ड्ड्. न्यानेशानुनाके क्षेत्रान व्यक्तिन निकास महिला कार्यान । क्षिय भी के लेका छ नहीं दिवशी। अपने तम के वह हैं वह की मार में हैं श्रेभ भे ता विभावते हा सूर्य श्रीवायन ने ने नियम ।। श्रीम ने प्राप्त में स्राप्त ने स्राप्त में स्राप्

कुरायानुभारमार्द्रमारमानुरायादे हो। नुसाय मे समाय हेना य नाट भेर य दे खुल सेर य सं प्येर है। धुल नावर व नार सं दिस चर्रे खुर्य रु १ ३९ भेर चरे छै॰ रह दे बार्से रायदे वुमाय हैर के हिरे खुरा ... उदाकृदाध्येदायरे क्षेरार्शे लेखा देवे क्षेरादे केदाली क्षेरायस्यान खुवा निवर ब.चरश तरमा वेश में चाल स्वाधार स्थान ताल । े रे हेर के से हैर विभाग्न म के झूल वरे 'खुक्म केर का वुक्म प्रकेर म पर हिंग या ही यह चुर है।। देत्र खिलान्दात्रवेताचा कर्^{दे}हेन राम बुंबाचे ना है। 💎 श्रैमाचेत्रा खेतान्दार द्वीता व खर हैर केंश हो। देश है इस वुर से हेंन वश खुल रे क दुस वर हेंन न लेश न नर हिंग्र पर्दे पर्दे मा भेद हैं।। इस न दे र मुर पर्देश व न व वमानर ह् न् रेश मैंमाव लहार शिवसीर न व में में ने व व न न न न क्रिंभ वे.टे लट ध्रुंश वेश तंत्र ह्यू चूर क्रिंट वर वेटे ता खेश वे वर्ष छे। सार्ट वन्द्र व प्येव व ।। नाट दन हैं रेंग ही हैं सक्षेत्र म वर्षेत्र म सेद धर नहिंद्नु व बहुन य दे दन् के बहुद्द कुय के सूद्री नाट दन व व व व व व व कृदः बन् ने कन् ने साया व्यक्त स्व ने क्षेत्र ने साम हो साम निमान मार्शिय दर वह व दा या स्वाब पाक या है व से दानी व हैर 5 पावस या है विश्वी दे नहेंद दे दे हे दे दे नियं कर नियं पर दे है सं चरे छा य कर में ही नाल र देन त्रायमः हुन्। यर वर्ता पर्ट्र क्रियाची श्रुवे ख्रियानस्य वर्षः विरायर नावसः सम । नास्त्र पाल्ड मार्च चार मार्च म ध्येत्र व। देवः ध्येद्र यः लेकः छ । यो वदे । दे देवः व । वदे दे । मियां में भेरे अया रहानी महत्र हैं दे रहेंद्र यारे खेर दात्र समायर हेंना यह हैं ते

खेर श.लुर है। श्रे.चाराजायहुं अराता हुट.टे. संग. चर.पंतिर. पूर्ट हुर हुं। ฐ พม ฮูะ อลั ๅ๎฿ฆาขาพยารยาคั พธราชิราราฐยาอะาศพาผิงาง**า**รอยายัก पत्रकातुःकोर वाउत्रात्तीः नात्रकाञ्चवकारे हिरातुः पत्तुकारो । ते व्यास्त्रकारुः वनीर व निवर निर लेक व देव हीर विषय भु लेक म देव के वर हमें म वर ही । मुर्तर विष्य पर्य हुर ह्या विषय प छर वर्त सा १४ मी हैं निषय व देशका र्केन्यायालेना पर्यासुर प्राः। हेबामायहार्यये ही वे सुवामायवा करा की ख़ैर दस पर देना पर रेखा अप अर प उर केर भी दें। वीर पर मूर पर मूर पर मूर रट.लीजारट श्रीशास रटापट चडटाजास्चीशात बुवाराडु.लीपाखर मी.पेशासा... र्रेश्वर मालेश व मायरी निष्धुर मा देशहर सामालेश व माले हैं। र्रेश मु रहें अं में भेर के अद हैं।। रहे में पर्देर पर हैं में करे है। नार ने कें दम समिते सेंग्रा तारर ने रहें र मार है। यें ते केंग्रा मुद्रास्यायाङ्काळ्यास्यायम् राय उद्गाद्दस्यायानु सास्रोनाया कृत्रन्युन्यम् सेन्या नेते के प्रदा दे त्या क्षित्र वाया देव के विवार्षेत् के समुप्त के क्षा या मलै.च.क्षे, है। प्रवर हूं य दम मुक्ष लेख 9.व.ट्रे र्दा श्वर वर वे व है . दे 'यस'न्विर'पदे कु' महंतु वना हे न द'र्भेद क'वेश छ न है। व्यद हें य दह वह ने सहरका हे नासका वादर विद्याय उद मी हैं देश देश विश्व प्राय हैं। नगाना वारी ने सर्हित्स वासी के विशा ने निर्देश मान से के वार विशाना विशाना विशाना विशाना विशाना विशाना विशाना रेवे.पर्जा हेव.ज.लट नेवज.पर्ज में मान के प्राप्त होते. तर हेर तर होर तर है

रे इस मर वड्र पर रेंद्र नुमायय म दे मायय मर होर प है 로그. 시 बुंस.च नम हैं। यर चेर.ट्री रेडिस.भर्य नायस.भेनस.मे.खंस.च च.कु.चासन न न में नाय शु उर न शन है। न देश नाय साम साम होते। नाय साम स्थार हो ही ना नुः बुक्र.चे.च.बु.चाक्षत्त.च.क्रु.च दट.पहूचा तरू.रेश दवा.वेर्जा चाल हे लट वाक्षत्र. त्रश्च शर्त्र श्चिम पुर न्यासय प्येष विश्व तु न व नासय न हीते हेत र जुर मासय । ું તું. નાશ્વાત કું. શદ્ય તર નાશવા ન નાદ જુંયા તારે કું કું તું. શદ્ય શિશ છે ર हे कु अठव वें। हेव अट्व यर मुख्याय मार केव या हे वे हु रे अटव हुस मि भेर हे मु अर्द्ध वा हेर सर्द्ध पर प्रायम प हैर मि भेर सर्द्ध सहद हैर हेस न् नदीर्निन्ति। दे के र्ने के हैं वे लेखान नामार्ख्याच सरामकर सराने द र्दे १ मन्द्र केनास सम्बुर याद्या भे द्रावे तेस मुख्य के रोस वर्ग या महिसा दर्शा नाय है द गु लेख म य र्श्निय या माय है । म् के मिश्र के र पर्र के वा हुंद पर में द पर्या। र्द्र द म पर है दे थर दरेते या के दिन दिन सम्मेर है। देना या नास्त्र हे दिन देना सामिर ्रिम् स्वा संद्वा दे दे दे नदस स्वत्य ठद है द लेद दें। निय वे निराही के हेव में के बाराय के राष्ट्रिक महाराय के हैं के महाराय है मीस पहेंद्र, या संभित्र हो। दे प्रसंदान्त्र सम्बद्ध या प्राप्त पर हे हैं ने गुर स्रात्मसार्द्धरायाद्रात्वराया प्रात्रात्र्वा क्रियायाया मार'ध्येद'य'दे'हेद'देद'दिहेद'द्य'त्यस'वर्ह्यस'य दर'वडस'य'ध्येद'द्य' उन ने ही त्यर लेगा तहन या उन प्येन यर तरें द रें ले न दे हर न प्राप्त

हैं भव नर व वहर व हैर के खैर नश्चान का में वहन परे हीं रहे ने नाम " भ्रवस उत्र भी र वे ॥ निस्लेन नार मी समाय पर एवं में दे ते ति दिरे न.व.र्थ.त.र्ट. कॅट.च.भ.लुर.ट्रे लुक चे.वर.सैर.ट्रा हूर्य त्र.सूचीश. यामाधीमाया विद्याय र विभाषा श्री र्ह्या वि महानी हिन्द नहाम् या रहेम देवे " क्स तर बर बर वर पुर प स भीर के दिश म ने पहिला पति दे व से वर्षे । दे पहुर्याय राष्ट्रा श्वार श्वीश पेश ने राषा देश मार हेर हैं राष है रे देश देश पर हैं राष मुश्निय च भेष य। दे.रा.यन्य च ना दे दे देश स्था स हित स्था भीष स दे.केर.व.विच.तर.वेर.च.पचीयःच.रेश्वचेश.चर्चा। स्थापम.श्री.वहर.च. व लट ही है रर्ट वश्य के हैर विकेट वर्ड हिर । है ही अस मिट वर किस वसानास्य वामा नहार्या भेदावी देवसाद द्वारा विस्तास द्वारी य उद्गापिक विश्वाय वद्गाय विष्याय विषय विषय विषय विषय विषय विष्याय विषय विषय भट्रां देश हो स.चे. व. ज. स्प्रीया तथा तथ हो, ट्रेंप्या ता तथी पर होर्ट्री **अन्-**न्नभाने अति अति वर्षा गुराक्षेते हैं व न्दायहराया वेश य ध्येदाय ने हर दा । लट हैं,जश वैदान इ. पुराम जानाश्वान है . नश्चान है . पूर हैं ट बुटा दवर व दे ते भवाया है नाम माना भेदा हैं लेख सहदायर द्वार हैं। कुर् हुर् रे में . जुन्न च .लट देश रा नो हुन हुं . जुन च . ज सूर्य हा रा ही मिट पार्से नामा या पहेंद्र या त्या अट अद पद केद केद केद के ते लेख छ या है। रट क्रिया य उद में और कार्याम य वहूर ए द नाय हे अद दूर हे नाम दा हु ... यस भेर पारे क्रिया मान मान मान मान पर पर पारे पर दे देवह वि इसरा प्रमा मु से द या उदास भी द द लेश मुद्रा । देव से से से देश या ह् च्यां हु चार खेल व व व व रहू स है। ने सा हेर ने त्या न पर हैर ही। व <u>५५ झूट वः ३५ लेश तुः वः २५३ वय् १ या वे मास्या वर झूट वर्दे दट द्वाय उद्गार स</u> ि प्रश्नाकि रप्ते विश्वान क्षानिक राहि। माश्राय है दाय दे दा देश देश हैं। है दायर मुद्दा यदे दें वि स चर्चेश वस स्थापन चर्चा विभाग विभाग स्थापन स्थापन विभाग स्थापन स्यापन स्थापन स् दर'दर्देशसुमामाध्येव यदे 'तिद र मास्याच हेरा च दर्या स्थान हेरा व द्वारा हेरा वा खुमा शर्त पश्चाष्ट्रियायाध्येषाया। दे द्रायमायाध्यापार्थयाम्हेनाय हर्षाकृतानुः मिसामेर्या प्रेराय दे खुर र प्रविच यर हेन च हे दहे न स वर्षे ॥ ज्या हैना न्या मैश्राद्धर बद मुद्र वद्र सेद्र पद व मुद्रायानाद धेर्य विश्व व राज्य र विवादाया। मामलेना नारानी शहर बर्गाः वुरासेर्पा देवे रे वायहें बायर से वसुर या " ब्रिश मुन्दा है निस्तुत पर नु पान हैना भी हु हो। मुन्दा पान पिन प है है ने विका मी देन माले हे लेश में माहेश मही हैं माहेश मही वार्ति श्वितायर वेद वासे दहेनासाय प्येतादे। दे वार्यक्रिं वार्वेदायादे वार्यद बर गुर : भेर : वश देश : हिव : या भेर : या रे : या से द या ये कुर हो। वादा सा मेर्यर रनाना यर नार्वे च प्रेशन रे वा के मिन यर नेर न से रसे साम प्रेश लिटा नहीं व.त. नहीं चूर मीर नव . निर्मे क्रुनीश व. व. विर चर. वेर.त. य बेंबानु न यासेन्स म र्रेंबा है। वहर माव्द नि द्वाराय के सम्युवाध हेर गुरु मिय य भेर य। रे राम्य अदा माय हर वहार यह दि हैं व्याणेन'यते द्वैर है। 11

द्र-सन्ध्रात्नो यनी वनीय पत्र। प्राचे वि वह रा

माल्य केर व्यव न दे प्रवास मेर केमा नु व के मार्च माल्य केर है। दे हो स दस तकः यात्रामाल्यः केट्राय्येयः वा देव माल्यः केट्रामाट यक्षः वेशः यात्रेशः वात्रः वेशः पर्दे पर्दे। न्यायायायायायाया के के प्राप्त वाबी मार्थाया यस माल राष्ट्री राष्ट्रा स सुर्व है। प्रीराजेस बहु विहा लेश नु न ता **सें**न्स य है त्यह प्येह ही। देते कें रद यहे हैं से र न है र में है र में है र वन्तर विना गुटा श्रुर केर तिनुर हे वेश मु न दे राय विकास दाय विना ... ह्येर नुर रे दे दिय उदार दे ने मान साम के दे हैं। दे हिर दे स से दे स ୖୢ୰୵ୖ୶ୖ**ୖଵୄ**ୡ୲ୖୠ୕୳୰ୖୖୡୖ୕ଌ୕୳ୖ୕୕ଽ୕ୡ୲*ସ୕*୕ଽୄ୕ୢଈ୕୳ଵୣୖ୵୲<mark>୴୷୕୵୷୴ୡ୕୳୳</mark> हैंद ढेस'नु'न'ढ़द'बद'णुद'से वर्देद'र्देश देशहर हैंन'मी देंग हैंद'हैंद'सर र्वर चुर य दे मालक से पदेंदर हैं।। के मानी देंक हुन के हर दर्ग र्षेत्रतः। अक्षतः। श्वेतः क्षतः यर तः यत् वर्षे । अतिः परिश के नार देश कर लेख न प है अर्दे प्रोक की कि के पर्दे प र्ह्में पर्दे पर्दे र्झे बसालेशनु न म स्मासायस एक पराहित ही। माल्य सेम मा देवे हें वर में इटलेश दु रादे र्टिश में इसस में ह्मा वरे हें व वह देश हैं "" 주의 원 숙주의 전 로 숙제 (A) 플러 '라운 ('라도' 권 리' 중 독 등 다 때 에어게' 다리 माल्य श्रेस वाना प्रेयाया देवे दें वे करा भरा ही हिए हैं। दे हैं है हिस् ह्ये वनम्बाय वनेन न सेन व केन में किर हैं। केरे रह में सकत केन ने क्रिंग्य नार अकार देते क्रिंग्य नार अक मा दे के रहाम है के लक्ष मालक पार क

ध्येत स हे स्र त। वालक स्रेम न द्रेस वे केर ध्रेक मी सूरी वहेंद्र पर मु स्य दुव प्र १५ पति द्वाया महेव वसा क्षेत्रा पर न केर के स भेर में। चीराच बिश्र चे.व. ब्रे चर्मेर तहा बुश्र चे वर वहा वर चेर् ॥ दे हिर बर्रे विमान्दर्ये रूट मी महब केराय नहीं पति ही न्दर खेश दम पर हैं नाय" म्ची वर विशुर र्रो। हे है र हे भ दा व है खर है र घर र पर्यो। है रे खर व हॉच न्यं र खेंन्य मी ब्राट वें . वा संग्रसायस । है : इस खें र्यः ल.चंबरे.लश.र्स्च वर् ट्राच् पृ.श्रे राश्चरायहर्तियर.व व केर्रे.वित्राजीशायबुंश. तर्मा स्यानेत्वर् स्रीहिस्सर्रेत्यीर यरदार् स्थित्सातर हैर हे बिश्चार्य न्दाय न्दाय न्दायो निकेदायायी के विशेष दे हैं दिरामा निकेदारी नुर्रे विश्वानु न के माने साथ हैं र जि हैं न में । दे हैर न मान में निर्मा के त्राय वेश नु दि हैं।। प्रशास वा वा मी भ्रवस न व्रासे प्रवेश से प्रासे प्रवेश से प्रवे द्धेर र्।। नाय हे क्रेंन वनाय लेना यह गुरा इर्रेश वर्ते र के लेशन्तावादे न्याने न्याने रूटा ने हेदातुस वायस ही तुसाव हेद दे हेदाद नावर हेदा नु वहेंद्र वर मु व म प्येक प रे हिर के प्यट हुम मु न म न के हर दु वहेंद्र पर ... न्द्रशार्याधीय वे ले शान म वे नह्य नने ने ने नि ने ने ने न म नने ही लेश वि.च.ज.स्योश.नश उकर.तर.वेर.ट्रा इंस वे.जश.वेय.त. बुंश.वे.च.बुं.क्र्स. क्ष मित्र क्ष के पर महूर मार हैं र मार हैं र है। समाय के र हे स माय दे र दे ही है है र द्रेंश व वित्वा विवायसण्य प्राप्त वहूर्य प्राप्त व व विश्व व विश्व व व नर लेक नर-नुर प यक्ष गुट न्दर नहेंद्र पर नु न म भेर न लेक नु नरे देंद्र हैं।

हे रे के पर चेत्र गये ही त्रा पर गया थे रे वेश द्वा व दे ग्राह्म या से निया पा नद्शान्त्राचीराचा हे परामेशायते स्ति वसायत्वासायालेसानु नदि र्देशही। हे न नः लेखान नः यह दे त्यापराया है ह्या पहणायदे क्या सक्षा में क्रां लेखान प्राप्त 1.3と、地と、2. 1.5. 3 1.4次、型、知楽社、か、かん、為、 の、3お、れ、影、 प्रमायतेषु मर्द्राचार व्यवस्य दे न्दाय वर प्रमायते वस्य वस्य । बहुन परे कु अकर देन प्रें के के के परे के के पर वहना वर के पर वहना वर के पर वहना वर के पर वहना वर के कि कि कि यर लचीर भी रे डिर शर्मिय व में अव्यक्त अरे न त ले व व समा बर ल के. यर वर्षाश व व्यायर प्रवीर ह्र बिश वहेश वर विवीर ह्री। त्र १.३.वर पर प्राप्त १३८. ग्रीश शर्रा वा प्राप्त प्रीय खेश विश्व विश्व पर प्राप्त प्राप्त विश्व पर হর:ক্রী ৡ বহ বহবাধা নাজুমানু ম র্মাধ বামধা স্থ্রা বাম মীবা নাম বলু হী पर्याच'य'र्स्निस'त्रेते वस'य'सेर'य'य'त्वीर हेस व वर्षे र्रे हेर य हेर ग्रे म प्येर वे लेख स य व यह यह यह त हो स स स स मुर स मुर य रहें लेख ग्रे " के बुर वहना है न वेश व संभेद हो। व द द पहेन है न वरे नहें से छै के पर पर गरा पर हिर पर गर भेर ले ना पर हिर रहें रहें हर हैं विस प बुराने न जास्त्राया स्राप्ता रा होता हो। रा जो न से निर जे साम प्राप्त हो मा जिस मे न के सेट मेरी क्षा पट सेट मो रे मेस म पहना म लेस उ नरे र्व ही। દેર જે લેશ ઇ વ કે સુર હૈવા લ દે છે ને છે કે લો કહ્યા હકા વરે ક્ષે યા બાદ ક્ષેત્રે मैं सक्रें करमी जुंबान बालेर लेंबाने माने ही रमधार है है। कर हेरे सालेर मही स्व सुरार्था चर कुंभा गांदे चाराची देशाच करा से जे बार्या। चारा केशा मा लट दे की कि कि का मा से दे ना लट की ना ना ने कि मार्गी

दन्द लिन्। अस लेश नु २ वे क्केंद्र य अ **र्सन्स यः नहेंद्र य ने 'द**न्स य अस स्में। स्यायायनाय विवा नीय विश्व वाया वे रता मी वाया स्वाधाय स्वी व्याया है रापा है रापा व्याया य शराम हिं राष्ट्र नार्थ सेवल ग्रेबल्या विद्या विद्या विद्या निर्मा है सि है सि ह बिकाता पर्यास्था महास्था अव स्था विकास स्था है । है । से र सहना प्रविद नु लेख नु व के नु द्या ७३ मी व ने द व के दे भ र व न मु क दे द न मू २५नाम क्स. ल्व ५४. मासुम ची:२५ न:३५.६४.ची नहें . वॅर मन्नास थ चीर यासू. ক্রিমহার, টু.মু.বিমার, মতা বহারী বই এর। বিমারীর, বীর, महनायाडिनाम के के विभविष्य हैं के विभविष्य हैं में मेर्द्राया लेश मुचाया म्या मार्थ हे विद्रा श्रिका सु दें ब दमा यर मे दे व ला मार्चे व ले हु दे हु हु त हुना य है र्ह्स भेर वा। मालर दे लेश है व के स्य पर्या। शहर वर पर पर्टर य लेश मु न के निर्देश स्र मुन प्रते स्मान स्थानन पर्दे। निकृति स्थान प्रीतः र्वे 'लेश' मु: व' वे 'मालुद' पालव' प्येव' विशेष दे 'वे 'यदे ' श्वर पुरे दे पाव 'व विश्व वि नवदः व दे व व से वेदःसदे लेश तु व से । से माया संग्रायदे दवदः व स्थाय स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप क्रांन्द्रक्रायर वन्नायर नुन्नावर नुन्नाने निन्तुने नुन्त्र मान्य क्रांन् म् तम् वैद्यान् वेदान् वेदान् विद्यान् के निषयान् राष्ट्रियान् वेदान् द्रवदः वे वे वहेंद्र यदे नु ब से ने दाया अदादे हुड इंदर ये पद दें।

बिटारेवे केश राष्प्रकेर परे दें भी खुया ठड हेर सा फेड़ दें। दे नसाद मेर्'यरे द्रेक् ११८८म य द्रास द्रिम यरे वेश य मश हिर्यम मेर् यम हिर य दर भी र वे . लेखा छ . य दे . या ५ र है ना था खा या ना ना ना ना है . ह्री या सर हो र यह रूस मु मूर य प्रेन दें ले न देहे हुर। नार में स सर दर्श र दर लेस चि.च.प. श्र्वम च.श्रूम.हे। कि.ब्रु.रच. जम् .ब्रेम.चे.च.परमान. रट.म.प्ट्म. त्रान्त्रान्त्रसान्यास म्वाया साम्यदार् लेखानु तरा ह्यूर हे ह्यून पर हेरा सरा हेरा य संभित्र वे 'बेस'नु वते रे व हैं। इस कु स र् मार्ट पर सबे नाइस स्वरं 5'यरे र्द्र हो। शद्र यं भेर्यर प्रद्र र अप लेख ने ने दिस यरे मुरं पति श्रुदे नहेना नर्दे न अरादी। नदे दे दे दे दे व के के दे प्रति पदि सुरे रे लेश न व के ही के म न न व रे ने म हक के न प्ये न से से हैं म के के न प्ये न से से से म व श्वेति सर व भव नी महिना हिन सम्भित हे द्येर व वस सामन सु वुर्दे ॥ दे य वसामान केरा वर्गामा भीरामेर हो। हेरा छात्र वर्ग वर्ग वर्ग हिरा रे.पर्वेर.स् ।। श्रेमश्चर्टाक्षेत्राच्यमश्चर्यत्रक्षाचर्रातालाचर्द् पा.हेर. लुब.ब्र.चे.चं.चं.चं खे.ब्रैंट.ट्रे। श्रमश.मे.भक्ष.क्रेंट.क्षे मे.भेंश.वे.भट. त् हेर निश्च प्रतेर प्रते होर र्।। रे कर मीलर ज लट देश रा प्रवीर होग मीश देश में न दे मार्डियोश दे हैं दे हर हु में में मार्चिश मार्थ ले प्रति के मार् वान्दावनीय वाकार्सिनासायते विदायनामिसायो दावि क्षेत्र है।। देवसादा माद्र कर मी लद रहें से से दे सम सामित तर कर लिया है। है देन हिंदी वदना

र्देशलेश.व.च.च.श्रेवाश.व.श्रेंश श्रें। दे.पर्टे.व.वे.लेश.व.च.व.वे.श्रेंवे. ले भानु पर्दे द्रिश द्रिशी प्रति भीत्र मुद्र मुद्र मित्र स्व द्रिश भाने द माप्येय वे लेख नुप्य के देव मालक न्याय से या प्रेय प्राय क्रामक्राक्षेत्रद्वाचयत् स्रुरार्चे लेश्याद्वादशास् । वस्राक्षा च्रांचा हे.ला. क्षांतर मार्ट्र वर्ष साली रे क्षांति वर्ष से वर्ष होता ब्रुते वहर व केर र ब्रिंग्यरम् यर्गा रे के सप्तिर व र व सेर य केर य केर प द्युर राषे खुर रे लेश नु य ने द्वाप के रे म न्दर है ग कर द्वा मे म दें न ने प द्वायानते सुर न्र्याचे सेनाव हेन नुष्वार निर्देश सेरार्य। वर्षे पाय लेश चि.चर पर्यं वर वहूर कुरा चे.चर अवशास बुंबाचे.च ब्रु.चर्ड .उर दुंबा चे.... वदे प्रमेश व के नालक हर जर जिर स्व मा अव के । व के के के के के वर्डेश.तर.वर्ड्र.तर्रो। वर्डेश.त.लट.वर्डश.वे.जुर.ब्रे। हेन.व.हेर. मु ब्रुर-रुपाश-पाशका नद्र व्यक्त ये भाका १ हैं . ब्रेश-ये या व श्रीश यश हर य न के के मि इम्यर नावन वर्षे नर्द्र दाया ता वर्षे स्वायते ही विष्मिद मी। हे नहसा ही बै'म'प्पेक ने'में'सूर 'न्युन'क'ने 'सेन'च'हेन'प्पेक्षपर चस्व में क्रियरे 'युर'र्से । द्वर व सूर्व दें दर्द र दर्द श व र मारा उद स्म र हिया मारे दे र मे मारा यह या मारा मने प्रमार्श्वभारत भीता वे 'लेश मु ना पर दे 'अदाद्देश में मास्या रहा महत्र का मान महेना पते खुवा उत् केर प्येत पते खेर । दे प्यार मेर पता कर दहें का चे सेर

रक्ष गुन् नु न्न नुस्र पर रे दह द न न न न नहें स संदे ने स सदे हैं ने की न ही। พะ รุก ะวิ รุรัง ซั ริ **พ มิง** ชั แ มามะ กิ ขามะ กิ ขามะ คือ เกา สิ ดิพ বাৰ ৰু প্ৰিণ লম**্ব**ধাৰাত্তৰ লেবেই মামাবীয়ন্ত্ৰ এ नादात्रुयाताने पर्प्रकृतास्य विदाह लेखासा त्वीराकालेखाना वाताना देशाया द् अ.श्र्वाथातात्राभुट्रानपु हो इ.स्. वर्ड्रायाभुट्रायर हेथाश्र दह्नन् पत्रे हुँदे केश या बहुदावर विश्व दा र देश हु पत्रे र्द्र दा दहा त र साया रभ्रेग्रायदे प्रतिक्षा स्व स्थित स्व प्रतिक प्र निर्देशक्रुनेश्वरम् **में न**्त्राह्म होता न्यान्य क्षात्राचा न्यान्य क्षात्राचा न्यान्य क्षात्राच्या न्यान्य क्षात्राच्या ल. श्र्येश.च.जट.ज. श्र्येश.च. श्रुष्ट, तीज.च.जट.क. श्रुरे.वपु. श्रुर्यु. दें .दें .दें .दें .दें .दें .दें .दे नरे नर् वानर्क्ष वासेन्यान्तेसाय खाकुन्येन केना विदेशहैं। लेखानु च के मुंचि ह मा स्वरे मुंख प्रेक्षा प्रदेश मा है सं महिस मुंच द के मि र्चे र्ष्याम् स्वायायये सक्षाक्ष्य वि । द्वाके यान् रहेया करा स्व लेश सु नदे दें के दें में के द ए त स्थान निवा ने द म के द द के न प्येत के ॥ क्रिका के क्रिक्त अर दू नह सक जिस कार्य के कार कार कार के क्रिक्त हैं के निर्माद । **क्रुचाम:ग्री:स्रो**.स श्री चेम:चःत्राप्त्रेय:ची:समम. २८.७.म. त्रात्रेय:दा.प्र.च स.च.च्रायम:ग्री: ह्येंबारानाहन पानाहत क्रेंबारामाना नामाना है जिस प्रमुक्त पर द्वीर दिया पर्या कि प्राची के प

मत्रे मुं उद्दे हैं भेद मी। ही दें सार्य र मुर मत्रे मुं उद्देश साथेद दें।। दे तरायते देशामु तारे दशाय महिमानु पहेंद धरी मुहरमुर धाकेन नु रहायते रे ॥ ×८.चु.ती.ती.त.६४.७४.चे.च.हु.भशासी.शी... ब्रॅ ह्या के इ. हैर दे वर् वर् ब्रॅ होर वर हैर वर हैर मोट्टमा में देन प्रत्ये वे सत्य स्राध्य राष्ट्र प्रत्ये में है । वेस में प्रत्ये में स्था मु विश्वासाय दान है जा से श्रुव है साम है है र र । वार ने साम में है दे मुक्त देश त वह बा द्रारा राजा राजा राजा या वार वीका देश मुनदा है महा ही """ बुद्धान्य मुन्निहेन ने नुष्य य संस्थित देश य से स्थित है से प्रते हैं से लेश मुन दें असका सु स्वेद चटे हिंदू संस्व गुटा इका व ना हेना हेना साम हो दाया या ना 54 हैं हैं हैद द क्षुर पर नुर्वे। दे वे प्रदेश नु नहिमाय उर् है पर प्रेब वें लेश नु य'वे'असथ'खु'सुँदःदर्भे ह्ये के'इस'च मुकैना हैं गुरु पार्दे 'प्रवृत्ते हुं 'प्रवृत्ते हें। १ अम्बर्ध हिंद न नाल्य नद वडान लेख मुन्दरे दें हो। वह १ हे द है लेख मुन्दरे है भर र प्रति क्रम से हिंद नदे में दिं। नदि में सम सम सम से पर है प प्रका | मेन्न्य दे लेखान वादे नामका नर्ट है तर् वाद्यापा वाद्या हैन पड़े नामका वह हैस सुरस्म वह हैने हैं। नामका नामका पर्याप के यः माराध्येष यद्ये के वादे नार्वमा मी हिसा हु। यह मा यदा ह्वा दे हैं है प्येष ही विसानु नः २६, ६८, ब्रुर् २५ । हे केर न जट २८ क्षेत्र मे का स्वेश न सार्थ है हैर वक्रदश्यर वेदार्गी दायार्स्य वस्त्री विद्यास र्गी विद्यास तु मठिमायर वुस्र य हिर्मार पर देश सु प्रमी करे हैं है। दे हा अर है हिर्म र्वरमुद्रायकेतम् नुवायकेत्रभाव देवे क्षेत्रभाव देवे क्षेत्रभाव केता हेत्

वर् मुं मर्द्य हैर मुर्थ देश नु वर्ष नाट या नुषाया नावन में हेश सु र मूँ न मु भभ्यात्रात्रा हे शाची ररा क्षेत्र समायरा ह्यारा हो। हे स्टार हे हे से पर्वशःयुःमा द्वीतः यर व्यवस्य । व्यवसः वः वश्वसः उदाहेसः सुः द्वीः व संभित्र या विविश्वादित्व विवासिक प्रेमा दे स्र विवासिक तपु विरासराम्बरम् हेशस्य स्थापन्य प्रमा हेशस्य स्थापन्य में सक्र वृद्धायाष्ट्रास्यान्त्रन्तायरानु न्याभ्यत्या। दे त्याभ्यान्तानु स्रात्रे स्रात् मुना पासे दार प्रमुद दें। विमुद्द पर के प्रदेंद से दें मुन्द के पान हैं न प्रेन है। देन विष्ट हैन मुद्द हैन मुद्द हैन स्थान स प्रेन वें लेन । विष्ट हैन से विदार्ने मुक्तिकि विदास स्विधाय स्थित स्थित व लेखाड मार्काम्बर्यानात्यानेकायान्याहिनायाञ्चेकामुकाम साध्येकाहे। नन्ना कुरादेशमान भेवाच रे हिरावा परीरावेशमान्दाहित मही मुंसहवानु में प्रमुरास्। हे हि राद्यादा दे ही ही से राद्या है रामर्सेट वार्षे प्रें दे लेखा वु'न'वे। न्ना वे सह न्रमान ने देव महिंदा मही मा मा अद्वर्ष ।। मध्रुवाया दे त्रस महिनाय लेखानु मदि द्वादी। दे १९६१ वे महिनायर नु न माध्येदायामाराध्येदाया देशानु मा वा स्वावादार तकत् यर हिन्द्री र्वे हिन्दाय द्रिन्स प्रदेश हिंदि है नर मिन्दा मा द्रिस र्वे हो प्रदेश है वर विश्व वाहर है सामहेंद है। दूर साम विश्व किया में हैं

यर त्येव य वे व त्ये ४ व्या 💎 ब्रूट यरे र्वे के दुवे व वे व व व व व व व व व यर वुव वर्दे विदेशय दे वानहिना हु सेद धर वर्दे म हैर में हैर में हैं य दृद ख्रें 'या होद 'या हेद के हा न या स्वाहा या लेख नु व है विहेवा द दिस में सेन्य के कें भ हैन की र पर से हैं र दें । से न वेलका कर स ले भ नु न के न से न से न यते सर्वन है र ग्रीर ग्रुर स देश द्वार दरेश विर यर र मा द्वार य भे र ही रे वृंतुम् मुराय के व्यून्त अर्म्मा महेकाया खेन्स महामा वा व्यून्य होन याने म्हर द ना है ना रे केंब धेद दें विश्व च न है द ता सेंह न ता आद खें न द द से द या र्श्वर्यारे सूर व मार्ने नारे किंदा प्येव व । हिं नु प्येव यदे सेर लेश नु प के मान १ किंगुर रे निवा वीस वालन मी बानन केंद्र दवाय म से दक्षिय य उन नु महिंद र्ने १वेस २ न्य लेना र्ने स पर प्रमुद्ध न दे प्रस्था पर हिंदी गुद्र त्याय म में व्याम य उन हिन स महन हें लिस हाँस है। यर नु. म हेद वा स्वास या दहेंस ये वे स्वेंदश हैस व्हेंदस य देवे सुर नावह ही " नान्त क्रेंन्स के स भी हों। देश के नाम ने नत्तुन यह नर्देश कें वे हेन उन हीते जेस यादिस से दे हेश ह हेन सहे हिर का भार उंच मुक्तिर्देशक्ष द्रिकार्य दे श्रुव उत् नुष्तुव या हेन स प्रेन विद। दर्स क्षु नान्द्र के ग्रम की रेंद्र व्यर्ग पद मेर्द्र यह मेर्द्र स्थान क्षे वुर्व है। दे त्व वुर त्वुर वे र वे र वे म व म व व व के र ते हैर र्रो १र्रे १ वेर धर शे बुबाय राष्ट्र वर्षे वर्षा १ देव स्था अयारा स.चंहेचे.त हुरे स लुरे वेस । डे.लट.र्ट.चु.श्रक्ष. हुर.चंहुची.सी.रंदीर.

तर में नात्रेर के लेश नहेंद्र के यह कि तमा सर दिया र दिया र समाम सर्वे। दे दिर्देशया में किया है से विकास है दिसायों रे सियम है दिसायों है दिसायों है ता है ति है ति है ति है यो बर्च र देवे मी स्टामी सहित हैन के पर क्षा मुहसाय के ब्राह्म र्देश रें 'हेर्फ़र वा रे'यायर वर्षे की नायर दि व हेर्'दर्र वर नुव भैर्य दे इर व। दे चे देश देवे रहा वहेब सह हिंग य भेद है। र्दमाध्यहारामी मर्कर केरा केरा देश कर मारे रहें हिंदा है राजिय यास भेत्र तथा विदाने संभी दावेश न्युर्या ना भेदाय दे विद्यासक्तर हैं पु क्षे क्ष प्रकार की ने हैं देश के हैं दे प्रमाद की मा उदायद हा कि नु न व स्वास्त्र मा स्वास्त्र स्वास् मु न के देन्य या राह्य से हे प्यादे के विकास मार मुद्दे पा केर भार से दुर परे सर म र १ केर निके के निक्य न केर के लिखानु न देते म नर पासहर न व र द दर हु ते मळव हेर द्वाया मावद यह जावय नु र्यंद या माये द हैं विसा र भर रे श्रेंच रचेंब मुक्ष नश्चरम चर्म रह मी मह्य केंद्र নাপ্রবেষ প্রা स्याम्बद्धार्थः म्हार्थः महत्र केत् गुर न्वत्य नुःकेत् नुः वर्षितः हिंदि । इत्या मक्ष्रक्ष. भेर तमा लेश नि व ता स्मृत्या सम्मा तम् परे परा पर हो दे हैं। मह्म केर नाम नाबर मार्चे ते लेका छ न नावक अर महामार है लेका छ नाम न र्निह्माय ५६ मार्चिय निष्य नुमार्केम हेर मलेर याम प्येर हे लेम नुम्मर हुर री। पर्रेर पहुंश गरे दें के हु आधारे प्रेश वासक्त हैन गुदा के यादे पंसाव हीते मळव १९८९। दे नावय नु भव के लेख न महीं मार्चित

बी.रेब्र्ट्स.त.व.व.भा.लेब बी। र्ष्य.प्रेट्स.श्रंभ.बी.ट्रेब्र.राष्ट्र.रेब्र.रट. मी दिन्त नदासक्य हेर नदासक्य सार्च्य हेर होर बुधा यानादाध्येय पारे के रदा न् मळन् हिर धिन वीः दे मनेन नुःहेस सु रमना मरे हेन्स परे नुस न हेते. हर्ष्ट्र लेब राउवर मी लेंगा पुरमूर पर्ये प्रहार वे महन के प्राप्त मही हेंब बुर्नि सर बुक्ष स नाट क्षेत्र य दे वे हुँ ने सदव हैं र क्षेत्र वे लेक र व नावत के हिं ... रः भूग. रे.वीर.त.स्य.जश.चालज.चे.बाबर.ल्ट्.च.श.ल्. ब्रू. हे.हे.हे.र.रे... यत्र र दे श्री र दु र द र श्री दे सक र हिर छव अर मावर स प्येव वे ॥ दे हिर दे रट ने अक्षर हैर में रट ने ट्र व्यास्ति भ्रममें भ्रम ने व्यालेश न न म स्मार रक्ष.चेश्वत्र.चर.चुर.च.लुरे.डु। मट्य.श्वेष च्ची.लेश तथ.रट.चु.ट्.च् रे्चेश. यदे क्षेत्र रह मीट्ट जूर्ट अक्श केरे. कुश वे. यह, स्वह, वेश थरा। अट्टें. शुमाबिकानु ना वे दिर्देश में महिमा ना मी मर्जन हें दु न पत् दी। वालियान वालियान वालियान वित्यान वित्यान वालियान वालिया वालियान वालियान वालियान वालियान वालियान वालियान वालियान वालिया वालिय हैर यन द लेश हिंद कर र जूद हैं। अर्ड १ हैर नहेंर परे कु केर है हा चर लेक तक हे का चार में का नाद में का में र हैं है हार कर हैं वह नाक रा हेते. बुर हे नग हेते. यह १ हेर ने वहूर ताल बार्खा। हर्ष हिर या वहूर यर व व ने हेर य वेश व व के ही व ही व ही व र व यह । य यह । य व के हि व मिसा 필교저 소화, 취환, 건 영호, ӈ, 그렇고, 다고, 귀, 건, 약 다. 크로, ᆒ다. 펜로, 다. 와. 영호, 호신 हेरे अपनी रिक्तियाय अलेशन वाकेश अपना माने अभागि देर हुति " सहय हुन हुन्य तप् होर हूं। विस क्रिय विस वि य व के ही हुन्य स सम

नुस सुसामे दे रदामी मळन भेराया पहना पर मे रम्युर र विशान परे रेन हें। रिहमायर में तमुर हे लेंग न न ने हर हुं ता दहना तर्भिक्ष.धटकार्यश.द्यी.रूपा.यी.श्राप सूर्याकात्मातात्मवीतात्माया नात्मरातात् क्रें मुं हैं का क्षर विदेश मान्यां ना त्राचे हैं हैं का क्षेत्र के ता विदेश क भु त्यीर तरमा खुंश च पर ता वा क्षेत्र वा हे जा रवा हु विभाव लूट्श श्रा पढर... वेश. बेश. ये. य वा. श्र्येश या. लेश हे। हि. हेर. येश. य लूट श श्री. यह र. वेश. यिभाताक्रुट्याश्चा नकर नर लेव नार्टा में यात्र में वातर मिता पर है। पर देव में मानी ला. वहनायर में विच र न दे रट वर नर हैं लेटब खे नकर वंदा वहीं वहर मु नदी दे र मी मळें र हे द अ वहना सर में विश्व र दे विश्व मु न वे द्वेस भक्रुंद भर्द र्रे देव रे भेद द्या है सं श्रु र्रं न्या य तम गुर रहना थ लेस मु ने दे मर्ज्जेन या महर्य पर्वे माहित नु पले द न्या नादा ध्येदा य दे । ३ विषा नु या दे रदा नी सर्वद के दा मी इस पर हिन्दा या पश्चान्त्रस्ते ह्नास्यान्त्रेस्य प्रमुख्याय प्रमुख्याय प्रमुद्धाः मु नाट मीश ने पहिमाना क्षेत्र ले. था नालश मी. हू. सूर लेश मी. व श्रिंश है। श्रिंदी. रदानी सर्वत केरा दे हैं। इसाय र हेर्ना (यह देश ख द्रामा पह मा वह पह देश क्मायदे क्वें वहा रदानी मर्कर केर दु लेक पहार् नाहायानादा भेक यादे के रदानी म इंद केर प्रदेश वे विश्व व वर्ष देश हैं। हेंना स व वे वे वेद पर दे दर नीस दे न्यायाय परे हें वर्र हैं अप पार्थ हैं विश्व वहेंद हैं। दे अप्रेमिति । अर द्वापर माणेशपरे इस सार हिंग्स्दे हुर है।

्रतिविज्ञातात्मरा बुद्धान्य प्राप्त क्षेत्र होता क्षेत्र क्षेत त.प श्चेच,चै ज.श्चांश.तह,श्चेंश.पर्हे १.ही. इ.डिर.वे.क्टर परिंज, राषु.चैं. निविद्यत्यत्रिः मिन्द्रायरा याञ्ची मान्तुः त्या स्वीश्व स्वीश हु.केर शुना मैं.ज.श्चम तर लिज.कर मी.चेश.न र्रिज.त.केर.जुर.नुर.त. क्द्रमामाध्येत्य दे दि वद्रवर हेस्र सुद्रवन यदे देस्य पायर प्रित र्स् लेश. पहेंचे तर तिचीर हैं। तिचीर तर एड्रेंट्र की ही हैंचे हैंने ता का बेंचा दा होने य केर के होर दे तार्दे प्रति विकासका पहिला या दे कर सर के से प्रसुद्ध की होते. इसायादेश गुदारदानी सड्य हैन हेना साय येश हो। दे तस वारे हैन य दे.क्र.भ.३८.भूब.व.चार.चीश.चर्च्चेंच हि.क्र.ब.ह्वा.त पर्.चश्चा.चर् र्दे ने प्रमित्र प्रदृष्ट विश्व प्रमे प्रमा प्रमे विश्व दे हैं है ने प्रमा मी मिर्म में मिर्म में निर्म में निर मिश्रानाला र्हे पात्रनाया पते के राही। दे हिंद पश्चा है हैं राया माला माला है हैं म् शालु रे न्या विकास के राजा विकास के ताल के कि हैं के दें के दे के दें के दे त.रे. इर.व. विव. तर. वेर. त. रवाज. च.रेश्वेचश तर् ॥ हे. पहुंच रे. १. १ कुर मामायम्बर्यास कुर ग्रीस मिन राज्येत मारे रदायनायाना अदायम्बर्यास क्षेत्रा 四、子、骨下母1 ह्यूर्यम्भेश्वर्याप्तातियात्र हिर्यं प्रयोग्नायाः माकेर लेब.मार्बेर.च.इ.रच.मि.मि.च.व.चम्चेन.च.मुक्रेर्ड्। रह.ची.भक्ष. हेर्'में प्रश्नम् व करे में हि स शु र्वा व व केर करे म हेर् करे व विश्व व व वेरदा मा मक्षेत्र हिन्दू लेक प द्राध्य पर्णा दे खुरान रहा में महक हिन्दू निका

य**े.चस**मःय क्रैन्'ग्रे'हेस'सु'न्येंग् यर्ते'त्रह्वा'यर'व्युर'र॥ ... यसम'य'ह'**ः** व व व वे क पु त व ह गु त व र गु द : व वे क त र द द से वे क त क त के द र के द र ते हैं त से दे दे र से दे दे र स क्षेर है । इर दे हेश ही रे ग्वा रा क्रेर स हेर रे जे प्योर। विवर रेवा दे होसहा तर हुर नश्र थ नश्र च हो। सर पार प्रेश पर ही हो। रद्भा सळ्य. दे वर्ष कर्ष कर्ष र वरे छै । यह भाव सामी हों। वह नी रह नी सहर त्रेर गुैं खुव्य खर् हे प खुर्च ग्रा ३३ ई**र म त्रेर भेर चरे** रे खेर सक् १ के द हे नास या विर् स है या सु द्वाना यह कि म की १ दें।। रदानीद्वार् केरानु हेन्य या केराया ने अर कार्ने नायने हिरावानुसाया केरानी ग्याने ने त्र वा ने स्र वा सामित के लेखान मुनाया लेखान वा के देव नार ता लेखा यस हैं व र तहन वर दें हैं ने स रवितायर में तर में वर्षे व से रहें लेख में व ने अर वा विष्यान निर्ध्यान रे वे कंदा सामा भेव पर हिरान निर्धान परिष्या म् १ हे ह्यु र पर र यू र इ दे स मु निर्दे दे ई । व य म द र र है द ले हे म ले स मु न वै.चार विग नार अस ग्वर में दें विस्तर पर है है है है है है है स्थार है है स्थार से प्रमुद्ध हे लिस न न कर्मा साम कर है। ज्या हे दें चील है न साम ह दें न न न हैं है यर ले रय प्पेर् य म प्पेर य रे इर स्वाय देने के म म देश य हैर प्पेर है। नम्यायरार्टे व्यान्। यहेत्यन् भटार्टे व्यान्तु नु लेत्राय सर्वेट्यरे क्षेराः र्भे १ रे हैर दे पर दे दे लेख गुर व व संग्रायश स्द्रि हैं। मते हुँर न र में लेश न न के न स्कर्भ भेर म ने के तात्र म में तनुर ...

ब्र्-वितु-त्र्नायद्र-वितु-ह्या वाक्ष्र प्रवित् वाक्ष्र प्रवित् व्याप्त व्याप्त वित्र प्पेब:51 नेट्रश.मू.ज.भ वर्षी.चर्छ.स्. वस.क्टे.श.३८ लय.चर्.क्रे.ट्री ट्रेकेर.य.स्.वस्.वर्षे. अविभाविभे क्षित्र वार्षेत्र वार्षेत्र विशेष के निष्य के निष्ठे ने किन्य स्थान विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष त्रे,य.के.**भ**ट्र,शि**भ.८८.हरू।**शे.८ताचा न.भ.चार्ट्रचेश..त.ट.क्ट्रभ.चाशिभ.ब्रुट्रात्तर... त्रमुरारी। परी दूरारे लेगार्वेर युरी वेरायार्वेर युरी क्वें सर्वेर खुमारी सुरी मासाधित है। विस्ताय है र गुँ छैर रदर इस यर हैं नाम रदा वहसाय है र ग्रै:श्रुर:५८। अर्द्रशिस लट:५:लस:वर्ह्मिय:१९५:ल्येर:पदे:श्रुर:र्री। <u>ૄૄૺૹઃૹુઃઽૣઌ૱ૢ૽૾ઌ૽ૻઽ૽ૹઃઌૢૹ૽૱ૢૺ૱૱ૹ૱ૢઌ૽૽૾૽ૹ૽૾ૢ૽ૺ૱૱ૢ૽ૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺઌ૽૽ૺ૾૽ૹ૽૾ૢ૽ૺ૱ૢૼૺ૽ૺ</u> म हेरमा भेरा ना भराम भेरा है। इर्स में मा मान मुन्ति में है राहर है हो। पर्नेर पहेंद्र सं र्कंद्र सं नावक दुरवा पर सं स्पेष्ठ है। हेस सु द्वापा पर हेद **७.४८.२.४२** यद्र.बुर.र्.॥ डे.केर.४.ईस.श.रेतना.तट्र.बुट्र.सक्य.कुरे. वे नदे भेतरहे। स्वार्मित निकास दे निकास के हिंदा शु द्यमाय प्रवाद लेश दे अपना मा मा प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र देश स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र देश स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रमुद्र स्थाप प्रवाद **लटार्बर** वायार्बर विदे विदेशी वर्षेत्र नारेते वर्षा वा हेरायश विदे विदे विदे । दे.च. ब्रूट चुत्रे त्रित्वाच क्षेत्र प्रत्युक्त स्त्री दे.चरा **१** प्रतास प्रत्युक्ष चुत्रे क्षेत्र प्रसः श्चेश.नद. खेर. इश.श. देवना च. केर. लुव. ख्रा दे. खेर. बेर. खेर. खेर. लंब. रट. त्र भेग मे देश पर ज़ेश पः भे हो। यह मे हिर रह में सकर हेर सिंदर हमायाध्येत या**रे हेर** के पुरे प्रस्ति प्रस्ति हुने हमायाध्येत हो। ह अर.रे.रे.वे.मीश ह्यांशानतु.क्रेंश.ह्यां। क्रियंशार्टामार्वे.क्र्यंशायह्र्यंसपु.वेशाता दॅदं सं ध्येत दें लेस नासुरस मं सः तुर्दे । दे स्टर् दे दे पर न है र दर दे त्रक्ष चुद्राच म्वा वर चुद्राय केर दु नाद्रकार भेद है। नाद्रका मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त यतै'न्नास'नेते'वरना हेर रूट रे तस्य वुट यतै र्द हैर हैर रु विग्रूर य स'र्थे दे रि म्याने हैं है हुर दे र र मी मर्ड र है र ग्रैक हे या खु द में ना प्येद ले जा है र है र ग्रैक विसानु:म'के'सी'सूदि'दॅब्'णुट'देदे'रैनास'उद'मी'रट'मी'सदंद'हेद्'मावद'दट'टे' ! <u>ଽୖ୷ଽ୵ୖଽୢ୵ୢଽୢ୰୷୶ଊଽୡଽଢ଼୶୲ୠ୲୰୷୷ୖୄୠଽ୷ଽୢ୵</u>୷<u>ୄ୕ଽ୵୳ଽ୵ୡୣୖଽ୷୷୴</u>ୢ୶ यदि क्रेर् भेत र्वे ब्रिंग ना सुरस या भेत र्वे । रे नस द रेनस सहितस यदै रदानी सर्व के देर देना सामी समुद्र था यस विना यदी विदायर उद वि ही विश पहिंद् द्री। वार लालर विश्व या क्षेत्र ला स्वीता प्रशास द्रा पर द्रा यर प्रविचा पर है अदा क्रिंग दे हैं अद्या पर हो की के के दिया पर में के कि यदै वर्ष हु नहिंद् नदे रेंद भेर ही। वीं नर हिंद य दे हनाह ही रह नी इस पर पुरा पर प्रदेशी र्न मुद्द है । से स प्रदेश में सुद्द सी বর দ্বার মর দ্বার তর শ্রী ঐর বা শ্লী বা বু বা জীব মা র মা শ্লী বা বু বা জীব শ্লী বা বুর মা র মা শূলী বা বুর মা पहनाच के संध्येत की। वे के के ध्येत के बा संधुनास नालक पर्या उद ह्ये पर्रेन्स पर दीर य म प्येद है द। दे प्रस हैर प्रमुद। द्यम्भेषात्रचेत्राच सम्बद्धाराचाकुराकुम्भयायाकुमार्यकुष्या दर्देरास्य यात्रम्यायाः द्वानायाः व्यान्तर् ते विकारे त्या विना वहेर् यर मुखे। द्वेनास रे ैं हैर मिं 'ब' में बेंर 'मु'र्' स्र 'मर 'हेर 'च' हैर 'ग्रैक' केर 'मर 'है 'में 'प्रमुद्र 'सेंर 'ग्रै।

ब्रू वि. व्याप्त मारा विदायाता है मारा के दे त्रा वि वा नारा में सामारा में स हिसासु द्वापाय वसस उद् गुट द्वाय य कुर प्रेय पर पत्रे द हो। पाय है ब्रूर विर विष्याताला हुश शिष्ट से तर्रा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र न्या है। भेर् या अ भेर य दे र अ मी अ हि अ हा दियन य है द अ भेर य अ भेर है। मार हिल शित्र में यादर में नाय देव या है दे से या में दे ता ना मार से में देना सा यर विचुर यर दे हैं हैं। हैं भी श्राय है हेश शु न्यना सदी भीशाय प्रेम यर भै: २र्ने **५ स्म।** दे द्वा ना श्वमः पदे : हुना शः समः हुसः नः प्रे नः प्रे ने सम् दमःमुकाहेकाकुः द्वापायालेकाक्क्षद्वा। पायाने वर्षा सुदे त्रियावर स्वर विष्यान देश शु न्वना या केन प्रेय वा हे हिस हे श शु न्वनाय रहन स केन नु वहूचानावा ब्रावि ह्यून्सपुर्वे व्यत्रात्वा स्थालेशानु नामा श्वासायशान्ये र ਹੈ। हुश श्रु रचना स हुर के नहीं नर नहीं न सर है। व स हुश श्रु रचना स विन्त्रियायातात्विकायाक्ष्रियायाक्ष्रियायाक्ष्रियायाक्ष्रात्वा हर। रूपायार्स्नास यदे ह्नासायस हुसायदे हिसासुर्पयनायापदे है थ्यति त हेर्ररार्ट्श तूर केर व हेर लूब हो। ट्रेश लूब ब सु पर्धि यः केरानुः से 'त्वाुरार्चे ।। हे 'वसाक केर वर 'त्राह्म साम्या प्राह्म साम्याक केरानु प्राह्म साम्याक स ब्रा निकेशनाताला सम्मीया राज्ये । ब्रिम निय के त्यार ब्रिया माट.चेश ह्याश त.लंब न ट्रंब ट्रंड ट्रंड हे. हे. विश्व मु.चे. वेश मुंच न हें के दे हे. हे. विश्व मु.चे. वेश मुंच मत्र ह्युं र प्तः ना हे ता माइव कें नाब सामा वा प्याप्ति व हि सा खु द्वाना यः भटः रटः ने सक्र १९८ र ने न्या संस्थित क्रिं खेस मु प्य नि न्य के मारा संस्था संस्था स

नहर्नु केर हिर लेख नु नते 'महद केंन्स गुंस नहर ਭੈ**5** ਗੁੰ'ਬੁੰਝ'ਵੇਂ ॥ चेष-२.५ ख्राचित्र क्षा चित्र क्षा चर क ଌୖ୵ୢଌ୵୷ୢ୶୷ୢ୰ୢୠ୵୕୵୵ୄୢଽୡ୵ୢଌ୵୷୵ୄୄୄ୷ୣଌ୷୷ୢ୰ୢୠ୵୕ୢଌ୵ୢୡ୶୷ୠ୷୷୷୶୷୷୶ र्द्स य १९ रू.से**र** सावह्र ३३ स.स. १९ २.मी.सेर.स् ।। वयायावर्षेतास. न्नायाने केन सामिक केन नुष्ट्रें यम होन ने 'लेक हा व के समाम निम्म मा बिंश-तु-त-वे-ब्रुश-त्ते। माद-त्रियान-लेब-स-दे-वे-र्द्धन् स-लेब-हो। न्वेर के मेन केर उद मी केर वर्र मार्चेर व दे व केर मुद्द व ताम स्निक्ष मार्च य निष्ठेश य निष्ट भेर य द्वा विष्ट विष्ठ स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स ने लेख नु य व संबंध य पर्त्तिन य नाट के व य ने दन के साटे स य के न नु हिंदू ... यर नेर दें 'बिश न पर दें गरें। रे 'बर व वेर ने वेर पर वेर ने वेर ने विविधान केंद्र भेव व भर केंद्र म केंद्र भेद्र निवे मुद्र मान म देश न भेद हिर। र्वे। १८६ प्रश्न लेख नु व के हेख शु न्यन म न्द नेर हूट य न्ना नी क्ट ब्रूर वि.रेट पर्राम पर्य खेश वि.य. हे. पर्मेर तश ब्रूर वेष र्ध्र म. र्दर विके ह्व दिर विके दिस विद्राप्त हो स्वर हो। दे हिर दरे किया बॅर नुवै वॅर के वॅर नु दूर वर्त्रेय न धेर है। दे वस नुर न के है है ब्रें खुदै व्रें र्दर द्वें खुदै वेश प्राप्त अदा अव ब्रा वेश पादे यस दे या पहना यदे सुरार लेब मु.म.बे.ब्रा.मुबे.ख्रा.मुबे.ख्रा.मुबे.प्रायदे मु.पशासेुबा मु.हे. ब्रू.वर हे .ल.पहचा.तर .ब्रुर रू ॥ हे .ब्रेर व ख्रुं हे .ब्रूर प्रश्न हें श्रह्य त्मीं निन्दिन विन पते हिंश शु नेद पना प्रेक प केश नु न के में में प्रका श्रूट पर

हेश सु दम् व दिव स्वाप्य दहें व पर देश सु निय है । व दे से**द**्व मेर्'य'केर्'णुट'र्ख्या'य'यहेर्'य'लेश यहेर्'र्रा। रे'स्'म'श्रेर'व'टें 'सेर्' यात्मा पहेन या के प्रता विना प्रता हैना या ये ते हे खुर मी ना का स्नायका त्य वर्द्धश्य प्रव व लेश नु च त्या ह्रेन्स पर व ते व व व दे दे र बुं। रे.केर.बु.चेरस.अंचरार । रे.ज.चक्रांत.कुं. रेजू.ट्.चू.ज. पर्देश य लेश मु पर दे र दे । दे र दे र न पर सूर य सर्वेद य र स से न स यः र्वेनश्राया रुद्रानी वृत्या या दिष्टा श्रमा है यदे दे त्या रमा त्युक्षा यहा माद्रश्राया द्रिष्टा र्घे दे इसाध उन् मी जेश म ही नानार धेन य दे ने सर्देन श्रम धेन ल दे से प्राप्त पार से वीर्माक्षेत्रात्रात्रात्रात्रात्र देशात्रात्रात्रात्रात्रात्र श्रित्र श्रापठरादेश। सून्-रे.वीर.व.कःस्चेश.व.क्षातर वर्षेत्र.व.कु वी। ट्रम.व् ठ.रद ব্রুষ:বুষ:ব্রুষ:ব্রু:বুর্বার্থ:বাবার্র:বেষ:বু:ম'থের:র্বর্র্বর্ন্। বুর্বর ्त्र प्रशास्त्राचर वल्ना क के सिना नु मुरू या नार प्रेष या रे श्रम्भा उद नु सिना नु . मीर तालुक खुर। शह्व श्रेम ? मीर त गर लुक त. रे. वशका वर हे. सूर्य. नु मुराया भेदालेटा सर्दे हुस नु मुराया नाटा भेदाया नेना नु सर्दे हुस हैन 5'दिसूर र्री। प्रकृतायर अदाङ्गाराय अव हे सर्वे खुम अदामालव र् भूना ु मुर य हैर गु खेर दर। अमा दु मुराय अद ब खुर हैर दु मुराय दे ्रेडेर रें। रेडेर वेटेख मार्थे विष्य मार्थे प्राची प्राची मार्थे के बादी यःत्रःश्र्वासःयःश्र्रसःयःव्यःनाद्रसःश्ल्रान्त्रःणुः।नुन्यमःनावदःनुःगुनःयःस्।

वासी दियान है दे दसासी दियान दिया है दे हिसा है से सिमा है सिमा है से सिमा है यु:पंत्राश्चिश्यस्य सहनाः सुद्दार नेद्दा विदेशस्य देव विनाय हिना सहेव श्रुमाफ्रेदासादे प्रम्याउदाञ्चर प्रदे रहा प्रवेद रही माद्या भ्रवया फ्रेदास हिसासेद यते. क्षेत्र विश्व व प्रवहत् यर व्यमुर य श श्रृत र्नु युश्व यवे केंना न्द श्रुर रें लेखानु न के द**मा** मी देव प्येव के ॥ सिमा नु मुक्त या त्या हे स्वर स स्वर नु हे द स्. शूर. एश. पप्र. ट्. च्रूर. चिडिट च. भ. लुथ. च. जुंश.चे.च. शूंश. हे। ଞ୍ଜିରି ଅନ୍ୟ ୬ଟି ଓଟ ଅଟି ନ୍ରି ଅଟି ଅଞ୍ଚିତ୍ର ପ୍ରଥମ ଅଟି । ସମ ଅଧିକ । महंद केर स्पर्य विश्व नियम दे हैं। क्ष सम हें न पर है न पर दे न हैं। यदै दे वे से माश्रयानामा भेरायादे नहें से वे ता भेराया भेरायादे वार्ष द क्सायर हेन्।यदे वेशायशान्त्रदाय दे स्निन नु मुनाया भेक के सेससार्थे । देवे देश देवे रदानी दें विक्रानु वाय स्टाय के मूवायवे सम्राय स्टाय दे के क्व प्रते दें। देश के क्ष पर हैंना पर नेश प्रश्रा दें अर्थ हैं दे रदानी दें वें वहेंदासक द दस पर देंना यदे दस पर मेल परेदे खुयादेंद दें " स्व.रे.वीर.त भ. भूब. धूट. भट्ब.श्रिम. हेर.रे. पचीर. हे। रह. ची. ह. चू. पु. पुंच. य हुरा यते हुर रा। रा पहुर प्रशास रा विद्यान विद्यान रद'यबेद'मिं द'यहेद'य'लेख'मु'यदे रेद्र ही। रद'यबेद'दे अद' दस्य पर हैंना पर गुद वहें र प दे 'सूर व निर्पर मेंद्र पर मामेव हैं। व दिर्देश में दे के साम देना मह निष्ठ हैं है निम अर्दुद्र मार अर्दुद्र साम अर्दे द्रा विकास

चॅ ते क्षें क्षा सद्दे शुम क्षा पर पहेंचा य देते हैं नावकाया चरे वाया संनाया प बहर्षाश्चमान् में त्यु राहे। दे त्य द्वाराय दे ते ते ते त्या खेरा ही। यहे या त्यः स्विक्षः यः विह्वः यवे विषायकः दे द्वा वी रदः वी दी विह्वा यवे खेर। सद्वः क्षमाकृरपु:नाव्यम्भियावर्र् री न्याकृरप्रस्ति नायर् नाव्यम् क्षि पश्च-पर्-तात्रास्त्रविश्व-पानुस्यासुः सुँदा-पर-पिश्वाप्ये वाधिः सुँदार्गा ने हे हैन यम्बर्यस्य वु:वर्रे खेर: दवदः व् दे क् ब्रिक्ष वुक्ष वु: व: य: क्रांब्र व: व क्रांक्र न्यदः सं दंद सेद च के दर्शिक्ष या सेद या भेद है। इस यर हें नाश यद देव বা.ৡঽ৾ঀৢয়৾য়য়ঀঀৢঀয়৾৻য়৾য়য়য়য়য়৾৻ঽঢ়৾য়৾য়য়য়৻ঽঽ৾৻ঢ়ৢ৽ৼঢ়৾৸ঢ়৾৽ঢ়৾য়ঀৢঢ়ৼ৽৽ न्दे क्षेर द्या दे निया व सह्त श्रिमः दर सूचा दे निया व दर निया हो निया है भूरि त्यत हैना नुःसः बद् हो। विदः गुदः द्वदः विदः सेर् वरः वयः वयः वये सक्रः कुर उद के के सुर नालद भेद दें। तमुर पर दे पर्दर से पूर मान है भर इसायर हेंना पते इसायर वेशाय दिंश चें वे रदानी दें चें वहेंदाय दे खर दा लट. भु. पंचाता चतु. भ्या तथा लुपे. त्रा चिटा त्रा है. चीशवा चा लुपे. ता है... त.लुब.ब्.बुब.च.च.ब.हु.कंट.चेश च.बुट.रट.टे.चटु.हे.बंब.जबा है.रेट.ब. र्स्चेन्ध्र स स्वन्धः सः तासे हेना सः १८८ से १८८ स्व १८० द्वार १६० वे १८० स लेश मु न ने निरं त दिना य हिन ता श्रीनाश निरे दमायर हेना साम मु मुर्वि। ्रेव अर्थे व र्थे दे सर पड़र मश्र हैश पर सुर हैर वेश मुन के दूस में सर्वेट प

वशःद्रमार्थः भेदः तः स्त्रां व राष्ट्रीं वर्द्रम् सः यदे हिरः र्ह्या व देनसः वसः द्रमसः ठक् हैं निस्र रामार प्रेक या दे हैं निस्र ठक मी रहा मी हैं वें वहें के सामा प्रेक की Êॱख़ॖॸॱढ़ॱ**ॸॖ॔ॴ**ॺॱ**ॸ**ढ़ॱॸॆॖऀॸॆॱॸॖॕ॔॔॔ॴॺॱय़ॱॸॆॱॱऄढ़ॱऄढ़ॱऄॱढ़ॱऄढ़ॱज़ॕॴॺॱय़ॱॸॆॱॴ द्रवाश ७३ द्र्याश थ दे लेश नु य ता स्वाश य र् स्वाश या । देते से नसु पते हवास दहेंब. यामवैदानु विद्यानु वादी द्रमायर हे निद्याता प्राप्त पर स्थायर प्रहें ना यर ने न य कृत्राक्ष वहेरिया सर्दे हु सामु हु के मुदान नार स्मेर या दे क्राक्ष की रूट में दें वे हॅन्स'य'ल्स'यहॅर'र्रे॥ ५१स'र्ने'क्सं'ठर'र्द्दाय'य'ठर'ल्स'नु'य बुर्स्युन्य ग्री हिंस १९८ हो। प्ये ब प्य रम स्वास स्वी खुर्म ही खेंबर पा के खर मिलानकर पा है। रेट चर् देव स्थान के अल्लानकर के पार्ट पर पर पर स्थानकर देवे देव लेख मु प्यस दे केंब कर पहर था दे दे देवे सुब केंब कर पहेंद दे। देते हे ब रहे ब लिखा नु प्राये प्रयु अदा ये पायदेश के प्रमुत पर नु प्रये केंश प्रमुत हैं। नदे कर त्वाद लेना पर लेश नुमान के प्रते य पर हर्द व यह ही। कद्र'त्र'लेश'मु'म'कै' धुम'हे श्रेर'य हेश सु दमना यर मुम ऑर्'यर्ग ब्द्रजी लेख न न दे द्व न हे स सु द्वा न द्व न द्वा न द्व न द्वा न म् वै २२ रेर महेर् यर परेरे याम खाम या नहेर्य भेव वी। प्रमान माहेश य.ज.लट वंबश.बर.जी.सी.च लेंबाचर. यहूर.चर.वेत्। इ.ह्रेर.व.घता वर्त्र देर व्यक्ष स्त्री स्त्र र देश पर्र देश मुक्ष वेश वेश व व दे हे वश मुद्दा व दिए।

ल्सा यस विद्याप स्वासाय द्वारा प्रति स्वा की सामा विद्या व स्विकाराया। इतिसे यास्विक यदै अक्षर हैन से र काय हेना है स्र्र तपुरक्षिरार्गा दे.केर.व.६.जबार्येट.चपुरश्चे श्रदाब लदाश्वाचेवराता.वे.च.ल्ट्र य.टे. क्षेत्र.चे विदे.तर.वशका.वर.तव.क्षेत्र.विता.त.लुव.तर.क्षेत्र.स्॥ ह्यूत्र. मिटारे के मि मेर हेर हे स दर्मे व लेश ने न ता संस्था स ता में नर मेर मार मार में ৾ৼয়৴য়ৢ৴ঀড়ৣ৾৴ ঢ়ৢঽ৾৸৴৴৾ৢ৾৾৾৾৾৾ঀ৴ঢ়৾৾৴য়ৣ৾ঀ৾৴ঢ়৾৾৴য়৾৴য়৾৽য়৾৽ড়ৢ৽৽৸ৼ**৾য়য়**৾৸ৼ৾ঢ়ঽ৾৾৾ঀৼ৸ दमानार प्रेव या मेरे हैं है है है है नहार महाराष्ट्रिक विष्य मारे हैं हैं। हमास बे 'लेब' चु'व' व' खें न्वां प्र**श**े ' १ तकर ' पर 'चे र हें। इ'र्दा ' सं 'दा ' त्वा ' वा स พิช.น ชู.น. เพมเล็น.น. ปะ.หู. พ.พพ.นิน.นบุโ ชมูพ.น.ลง.ผู้ผ.ชุง. द्यात्मालेशानु त द्देते इमानर विमेता या दे हेशा ह्या व मून द्राह्म या लेशानु चर्ति। र्द्धशास्त्र व्यालेशानु चारे र द्यारी सर्वे प्यालेशा र्द्धशासे प्रात्ते । र्द्धशासे प्रात्ते । य'वेस'5'य'दर'श्रेय'य'स'भेद'हे। श्रुव यर हेर्'यदे केंस'दर स्वर्'य : लेश'मु'नदे'र्देश'हाँ। र्देश'हर'वा'श्चे'न'ले'मु'न'देश'दे'रेंद्रश'हर'दम्नेवा वःवस्वरः हें 'लेश'नु'व है। ५६' सूर 'बर्नेय'व' ठक मी केंस' द्वा'य। रुषामा हेर ना के ना वा लेखा नज़र ना वा कर्षा रुषा है ना ना रुषा है ना कर है ने लेब.चर्.केद । पत्रेल.च.६३.मी.क्स.ट्र.केट्.ल.चर्ड्स.क्स.क्स.स्ट्र. मॅटबा.बे.च बाजा.वर्था. खेडा.चे.च.जा तथा.चे.ही.ही.इ.हार.चार्था.चे.चा३हा.३दे. लुर.तपु.दीर क्द.श.चाडेश प्र.र.लुर.र्..लुरा.चे.च.चर्डा वार्षी,पा.स्र्र.चपु.चीटश. नम्यान नुसार प्येक क्षा विद्यान प्रकृत । द्वी मृत्यान मुक्त है सा है नर

नर्गेर्ना पर्दे केर्ने हे संस्पत्यना या प्यास्त्र कर्म केर्ने प्रस्ति स्थित निश्च स พ.ชุปฺส.สษู.นั่นส.ธพพ.ป.ปฺปฺปฺนฺอปฺปฺปฺนั่นพ.ปสพ.ป.พะ.ปิพ.ป. कुर क्षेत्र व लेश मुन्दि मुद्द यह यह स स्वाय माल्य स्वा में दे में ने प्राय की प्राय हो । वि नम्भवःसरः नुःवशः मूदः याः ये व दे लेशः नुःव के से दः याः यदः निल्यानुः केदः यो । दे.ल.**च**बिण.वे.केर.स.लुब.चप्र.चश्चैव.तर.वे.चश.ह्रंट.चप्र.खेर.<u>स्</u>। ह्रर द'रट'हेर्'हेस'तु'त'श'र्सेन्स'य दे'माल्द'त्री'धेद'रे। नाल्द'रसेनस' पंते अळक के दे के दे की अटेंक शुक्र मीक दिन में नाक प्राप्त के कि के दिन मीक प्राप्त के कि कि कि कि कि कि कि कि हर सेर पर मूच पर २२ रेड हे व वेश मु चर हुर रे। अ अप लेश मु यः वै न्युवः यदे सम्मन् द्र्युः यदे देते। रदः व वैदः मुःदेशः व वेदः पुः पदः ७न'डेश'नु'न'तर्स'दे'न्सेन्स'यते'सदंद' हेर्'गुर'मुर'स'र्दस्य'दर्स'स'उद वीं रि.ल्र.न.केर.टे.के.चर.पहूर्यातामा लेश.चे.च.च.च.शहर शिषाही ल्र्र. त.३.च.वर.भ.लर्.च.व. स्त्रैंच नर.वेर.चर.भ.वट.चरु.ब्रेर.र्रा विर्.ग्रेभ. মিং শু. रेभु वोश्वासपू. भट्रे श्रीभागुशानीयात्र ४ ट्रें रामा भारत १ वर्ष । हुर.भु.रभु.र.पं.रं. हु। रट.कुर.भट्र.शिम कुर.ग्रेश.ह्र. सुमानाश्चरमात्र. क्षेत्रर्हे। **भै**र्नभै**न्यःगःअरःअर्**यः धैनःप्रेनसः न। वि**रःग्रेसःग्र**ः मेर्'यरे खुवारक्'में मद्रे शुम वर्दर्य केंद्र ले'का देवे खेर ना कर मिं चें उना से न्से नस पा लेश नु पा या स्नि स पा सें स पा से न र् . ुर्-पर् स्तुर-स्राह्म स्तुम खे. कर्-सम र् मेनाश य न्यून परमा स्पेर की लेशन · न विद्यान कर निर्मातिक के निर्म

क्र्याम्भारम् वर्षे वरत् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे

न्याने सामान्त्रानु वा न्यामान्य प्योत्तान्त्र स्रोतः प्येतः विसान्तानः वे स्तुः उ र हिर अव पत्र सुर हुं उर वे प्रमाय भेव है। अध्याय हुं उर पतिव <u> সূ</u>പাধানা-বিশ্বানশ লোলন শ্লী-ই,নত্ৰ,প্ৰথম বি সংমান,ঐব,এন: শগ্ৰুৎ,বত্ৰ, স্ত্ৰীং... र्रा १ रे.चलेब.टे.चलब.ज.लट.चेबब.संचल.रेट.लेज.रट.टेब.ब.रेट.चड. र्झ. वस. विधित. त. हो. त. त. वीर. हो. से. हे. से. हे. से वहा. से वहा. से वहा. से वहा. हे. से दें हैं कि वहा. से वहा. हो हो हैं कि वहा. से वहा. <u> १८ हिरा विश्व दशक घर्ट व्यूर् दे वे। १८ व्यक्त हे श खुर्ट्य ग</u> भ'या हिन्साय'दन के केर सर दमा । दिन हो द दि दि दे । द्री तर्ह्सास्य वसाहसास्य मी द्री हिसामिर समास्य प्रमुखाया लेखा। वैसामाश्चार्श्वर वह्स्याचर विद्यार विश्वर श्वेष श्वेष्य वाये विद्या है निया स्ट्रिय लेस.वे.च.ब.चार.ल.चर्च च सर.त.दे.ही दे पर्वा केर.रर्वे तर्वा केर.रर्वे तर्वा केर. यते अर्बंद हिन प्येन पर्ता देश है क्या था स्था हमाश्रास प्येद हो। प्रेंद है धिर लेखा नाल र रसेनास य भेर दे लेस हूँ र धर होर र लेस हु य है। पर् दिर सर्वर पर मुं नाल र सर् र लेश मु न पर्स के सेना थ स्वार पर् वाया ने 'ने 'त' द्वा पर 'ना दश पते ' श्रुं ना सा सा स्वास पा प्रेंट्स शु मा हेर्न 'पर 'मेर्न यादे प्रश्ना विश्व या ता स्रित्याद्याचा प्राप्त प्राप्त प्रश्ना विश्व प्राप्त स्था स्थित । य दश्चेर य केद सर प्रदेश पर प्रदेश पर प्रदेश र से प्रदेश र प्रदेश

र्हें 'हिः भ्रद्र'द्रव्यद्रायदे यदि दासी दुर्भ मास्रायः ता लेस द्वायदे सिंहः त श्रुंशतश्र, विवंतर वेदेर त. रट मैं श्रुं रश्चेश्र त. चिवंतर वेदे यावे विच वराडेरायरे रायवेब केराये स्वायि खेला विच वर छेर यासे द्रमेन्स'म'अट'रट'विदेरसे'द्रमेन्स'म'दे'द्ट स्वर'म'वेस'मु'नस्यर्देर्हे॥ रुक्षेत्रक्ष च र्दा स्वर च स्वर ता स्व स्र य लेश नु नदे द्र हों। दे भामश स्र व लेश नु न है कि कर नु न न न यदे सर्व र है द द ही वहेता व निसामे देवा। दे द द द नाम लेस ह वहे ଵୖ[ୄ]ୖଌ**ୄ୷**୳ୄ୕୵୕୳ୣ୶ଽ୕୳ୡ୕୳ୖୢଌୣ୵୕ଌୣଽୄୖୠ୕୷ୠୖ୷୷ଡ଼ୖଢ଼୳ୠ୕୷ୠୖ୷୷୶୴ୖଢ଼୕ୡୢୗୗ त्र र लेखानु वाया स्वाहार्या त्ये तु रूटा वर्ष र विष्क चे के ति विष्क मुटा स्व माया हे स्प्रहा मान्त्र केंद्राया मार्थिस मी. ए होता वासीवाता त्राया त्रीया तारी सुर-र्शा मु द भारा र्ये दे मिर यर ता न में श ना र के ना स ना द नि ली में श मु मःश्चिम् स्था दे दूर दे लेम मु प्राय स्थाप । पार्य प्रवास स्थाप । हुट.भ.भह्ट.च.**म.**चिडट.चर.भू.चचैर.च.स्ट.लुब.च.३८.लुब.ब्रॉ। लट में वहेंद पर देश मार्लिद या मार्लिद है। म्मिश्रा मार्थ प्रस्था मार्श्वी पाउद र्भे महिटानर नुप्तास न्यर र विश्वापत्य में हैर से दा सिर्मे से दे से दे सिर्मे सिर्मे

ଵୖ**୶**.ସି.ସ.ช.ଞି.ଖ ସିଫ୍ର.ସି.ଘ.୰ୢ.ସ.୯.୯.୯.ଅ.ସଞ୍.ଖ.୯୩.୪.ଐହ. य'दे'व्य'दवद'वें व्यक्ष'वद्धाय'हेद'सेद'यदे'सुँ र र्टे 'बेब'ठ् 'वदे 'दें दें हैं। भुना,ज.सूर्याक,राष्ट्र,४वट.सू.केशश.भु,चोशक,श्रेचक,भु,विद,तर.ज.चर्डे्श.वक.... <u> बुश-वुःम बुःमार मौक्ष के सोग् त्य खॅनाक्ष य ध्युत्य त्य स्वेनाक यस केंद्र य त्य स्वेनाक</u> यातुषायासेन्यसारदानीयाधायादहेंद्वायावाद्घदावासाध्यदाहाँ। नेविहासन् 5.442.44.24E & MA. 424.4.35 211 464.4.0E.64.8.4.3. तमानश्रीता तपुं च वचारा ता श्रवा मान दे विता पर हो। दे व ना पर दे से ৽ ঢ়৽ঀ৾৽৶৽৶৽য়৾ঀ৻য়৽য়য়৽য়য়৽ৢ৾৽য়য়৽৸৽ৼ৾ঀঀ৽৻য়৾ঀ**য়**৽য়৽৻ঽ৾ৼ৾ঀ৽ঢ়ৼ৽ড়য়৽ ब लेश मु न ता संबाध था कर सा गुब पक न न नुष धरे नालुट सुँ वाक हा स न ट र र र वडसायायम् पर वहेर्यस। महिलामु दिस क्रिम र्मेन में में देना त. ब्रे. ट्रेचेब. म. प्रचीर. लेश वे.च. श्रूब. ट्रे। श्रु. भ्रा. हे मारा लेश वे.च. श्रु. रट. रट. मिरे.तर. ८ हुरे.तरु. खेर. रू. खेश.वे.व है। रह.मी. भवर हेरे.लुरे.मी। सहस. मुश्र पद्र हेश शु द्वना य वे र ट मी भक्ष के के द्व दिव य स प्रेव हो। र स विश्व ี ฮู:ฺส:รุ๋รลั : ศิพ:ะ: ๒ฺรฺะนะ :รุฑ:ฆิ:ลั:พชั่ะ:ฉ:ฮฺเะาติผ:ฮู:ฉ:ฒ:ฆัฮฺพ:ฉพ:..... ᢖ^ᡃᡆᢆᡲᢃᡷᡪ᠉ᢅᡏᡄᡆ*৾ৼৡ৾ৼ৻ঽৼৼড়ৢ৾*য়৽ঀয়ৢয়৽ঢ়ঽ৾৽ৼঀয়৽য়ৣ৽ঢ়ঽ৾৽ঀঀৣঢ়৽৾৽৽৽৽৽ हेश शु त्यना न प्येव न र तर्दे ने । ही के तमहुन न र न न ता न नाया गुःह्रा शुःत्र मुँ च द्राः स्मृतः सर्वे । स्मिरः सर्वे । द्रोरः स्मृतः सर्वे । चर्-कर.भश.विर.तर.रहूब.त.के.वेर्.७४.वे.च.वे.भरूब.शेश.कीश.कैर.विर... तर उहुर १ विर. तर अर्ह्स वर १ वर अया ग्रीट लोग न र १ वर र स्था विकेतात्म द्वरमानु सायह्वनाया सु सुर्वे ॥ हे सुर कारे विवा नविया सु नविस कुर त्राचे राष्ट्र क्रिस क्रिस माक्रीका क्षेत्र क्रिस क्रिस समास मालना स माद क्षेत्र या दे " **ब्राट्स** ब्रह्म नाल्य नु ना हेना त्य क्र**्रास नु स**्त्र क्राय हैना त्य दे ही र क्र्रास हार ही हेन ... लुब, बुरा बुब, चि. चरु, खुँ र क्रि. म. क्रु. म. गुब, प्रश्न चर्नु साय मिलुट, चर्नु र प्राय्ये । ब्री तिलह ब मिश्रु त्ये हु या स्पाहर है । यश्या स्वर्था । स्वित्य च स्वर्ध है स्वर्ध है स् ୖଽ ୢଌୖୣ୵ୡୖ୵ୡ୕୵ଵୖୄ୶୳ୠ୵୷୕୷ୖୡ୕୕୩୶୳୳ୖ୵୷୕ୢୠଽ୵ୠ୕ୡ୳୕ୖଡ଼୕ୡ୳ୠ୷୷୷୕ୡ୕୕ମୡ୵୳୷୷ ୲୴ୖୣଽ୕ଵ୲ୢୖୢୄଌୖ୕୕୷ୢୢୢଌୖ୕ଽ୕ଌୢୖଽ୕ୖଽ୕୕୕୕୕୕୕ଵ୕**ୡ୕ୠ୕**୳ୡୖୄ**ଽ୶୕୳ୄୖ୷୷୷ୢୖ**୷୴ इस र्या। द्वाःवाः स्वास यास्राः ह्वाः वीः लेशः स्वायाः द्वारः देशाः । इसः यरः हेवाः यः वंदिशके मिर्देन वार्शन्य ये रेटानी सक्ष के दिन से हन प्रति ही के दुर्दि वा ଅ.ଲୁଏ.ଯୁ त्र्याण्यामःर्नात्मःश्रम्भःयते कृष्णः स्वरः श्रम्।यरः तहनः यः वतः मीः श्रदः वेनाः सः सद्वः श्रुसः मीः यहदः यः प्येतः व्।। दे तसः मुदः कद् यः दंश-द्वेद-व्-नाल्द-द्रभेनाश-वदे-सद्द-क्रेद-उद-नीस-स-द्रभनस-वदे-सद्द-श्रुस-हीं वर वयुर री। दे वस द हे सूर्रु वयूर्य रे सहद सुम महेस मी हें वस ฏิมาลิรานณิ इस पर ज़ेश रामान र्नेना ता श्रेन्स प्रति क्षे केर ग्री से द्वाप्य के क्षे कुरायार्श्वरायायवेषात् कुरायायेषाते। देशयर ह्या यस रदानी सक्ताकुराया यहिषा मने नुस्राम हेर ग्रे खेर री। देरे म र्ने में में हैन म हेर हें मते ख्राय दुन्यूर म'वरे केर छै। रदान्दा हुने स दर् हेन महिमासा भेरायाने महान्या

नु नावन पर्द यास प्येत वी। श्र•देवातातास्वासात्र देशम्बद्धाः ने वश्चवश्चिर र्रे वेश नु व देशे देवा यात्र र्वाश यरे देश पर दिंश ये देश । यानाटार्भवाया दे प्रवास्ति हिंदि स्वास्ति हिंदि स्वास्ति हिंदि स्वास्ति स्वासि मुच से द ले स नु न दे न ल द र द मी सर् द के द स्थान ल द से दे न द से दे न द से ह यः नुवास वाद प्येव सारे नुवासर से त्वार ही। वेस तु वदे हैं । दे वे य'लेश'नु'न'के'नेदे 'यन्वाकेन्' न्टाने 'स्र्यानुट'यदे 'द्रनेस'के' विश्वानि हेन्। च.ष.श्र्र्याश्च.तर्च.भक्ष.३५६०। देवे.मैं.२८.४म.चर.८स.चर्च.२८.५८.वर्षेथ.म. र्सन्सः पर्दः विसः मुः नः । 🔻 सः हना यः है र तः सन्सः पर्दः मिर् परः नुः देसः य.वु.देश.तर.हंश.पर्। मैं.रेट.देश.यर.हंश.यपु.रट.पंबुर.चोट.लुर.स. दे.ज.रे.सेर.दुश.वेड्रा. चैंदे.रदायबुरेश्च.जराजर्थातराद्याराद्याराद्यारा यहेव.वे.स.स.च.न.त.त.त.त.त.त.त.त. मु ख्रिया ढवः मु अंश्रेस्र स्था। दे : यदः है : यदः विमा हे : वः पु : यदः स्मा सः यः **७.म.**चे.च.झूंश.झूं। श्री.ज.सूचीश.च.व.भ.टे.७४१.चे.चश.कु.रट.च७४.टे.से. यः नर्भ र हो। हिर् नर नाल र दुः ह्य न न न ले र न हे र न र न हे र र मुरायासेर्पर र्सा सेप्रचुटायालेखानुयादी से से से विद्या केपाय दे विरंतर प्रमाश्ची पारक लिस वि पार के में मिट मार्स निमाय में प्रमाश्ची पार कर है। त्नी सिट. **जः स्नास**. तस्र चक्केंद्र. तत्र. हेना जे . जः स्**नस**. च. हे . सक्र स्माया स्मास

ंचव । विश्वार पर दे पर्दे से से मुद्दे माद्दे पाद्दे पाद्दे । श्री द्वार पादे । शु द्वावं वर्त देश तर हूं वा सामाद्र वार खेर ता ले वा सर हा कर वे वा पर प्रमुद्र ले का देरे हिर ऑर् यन देन यर लेक य लेक मुन्य व संमाय पर्ह्मिक क्र- व्यवद्यां माध्ये देवमा ५. सेस प्रह्मा वर्षे स्वाय वर्षे स्वाय वर्षे स्वाय वर्षे यादेख्य वा हे दूर खत्र द्वत प्रवाया वासाय के त्वा प्रवाया वासाय विद् यामाध्येत हैं। है है रहेश हु द्यना यदे रद है र यम है र माध्येत में र में क्स च वदेस मुद र्खेर चरे क्स यर लेव य वस्त पर नुस य रे हे नुरे रेव रू विदेशके वर वर्णित विवेद की। विद्याना में के मोना अ में त्या विवेद अ द्रां य स्राधर में त्वार परे दे हैं। हे हिस्य पर्य परे स्राधर है न च च व व ख्वा थ प श्रुंश ख्रा है कि वेर चीर वर् मैं पु. क्या पार र पर्वेश यते विश्वान व दे हे स्नर्नु च वर् चरे ह नहार दि तही या वरे विश्वान वरे रे दे हैं। दे अप्तुरम्तूर वर्षे ह्वाकाद्दाद्वेयावाया इसावा वावक नु वस्तुराव व्यद्धारा क्षेत्रह्या दिन्हेन कु दुर हेरा हु न्यानाय दे रहा सह उन मार्थ न रामिन वर प्रदेश है। न्मान्य क्रमां की की पार्ट देश के लेख हैं या ने हमा से शिक्ष या ने दार देश या हत हूर्तान्द्राक्ष्यानात्र्यक्षा रहूशाच्या हुशास्त्राद्यमा यहान्याच्या स्रोत्रहेना स हेर दु प्रहेन थ श्रेर पते ख़ैर स्था ग्राय हेर्द्य ये करने ख़ुश पते. हनास गु र्ह्ने वस गुर हे स सु द्वार पा व प्र व के व के व के व के व के व के व

इदाय द्रिम्मेर या व्याद्र नु लेश पर्या मक्षर हैर की प्राप्त पारक प्रेम लेखा देवे क्रं अप . स्रेश प्रवेद: व.क्रं . टे.व.पा. स्वास तर . ती म. प हूंचा. पट . हुस . शे. प च्रें... বর রূষ:বর্দ্র, বর্দ্র, বর্দ্ধ, বর্দ্ধ, বর্দ্র, বর্দ্ধ, বর্দ্ यर व.45.ह्या नाम हे.स्मास.जस.स्रेस.व.इ.स्ट्र.स.लुस.व.व.स.व.च.च. देवाश जश क्रिश भ देवाश में छि भ उद नाट कर पट है अट। देवाश अस वर्षेद तर्यात्र विष्युर अके विशेष कर कर महर शहे की से साव वृत्तात कर नार लेब य लाद कर अर व क्षर र व क्षर र व कर मेरे के केर लेब वर हैं र्रों विवानेरावे के किर्मा विवान के विवास के विव रदःविदेशकी देवाहारेना वा विदासर वेर या हैर प्येद यदि सेर र्या विदासर नुराय दे.लट.इस यानीकुंबालवाव्या विचायरानावायात्रास्यायानीकुंबा लंदरे। श्रेमश दे देवाश पुत्र तर में मक्षर हा। में दे प्रचंश वेर देवाश ल.रेभूनेश.तपु 'तुंश.तपु.मैं.अक्ष्य लुबे.ला रट.चहुब.वु.रट.घहुब.मुंब देरे. त्यरमेनास नदे ने स नदे मुं सक्तर भेव वें। व नुर नर वे तर्र में र में र सेर रहेश में वे के के मार जा का जिया है के कि कि हैर के बिस हैर के कि कि हैर के कि कि हैर के कि कि कि कि कि कि महेंद्र पर प्र नदे से सह ही सार लेंग पर लेंग पर लेंग हे दे है हैर नद हे गह हे गह है गह है गह है गह है गह है गह है मद्भ के लेख नित्य पर स्त्रीम् म ह्या भरेते। पर सर नित्र मेर निर्मास ह्या नित्र मा निया वरे मार्यक्रिका केर वसर पर प्राचीर मी रहावित मी मार्व केर्मा केरा पर व

हेस. वस्त्रायर विचुर र्स्। नार ला अट द्रास्य स्था से द्री नाम प्री खेर र् <u> बिस र्चेश प्रभाषी के हैं विस सु पर है नार या यनाय प्रभाव के पञ्ची प्रभाव का प्रभाव नाम स</u> यर ने देश के अपने पर देश हैं । देश के देश के विषय मिश्र में देश के विषय के देश के <u> ब्रिक्ष:यु:वर:वृद्धी</u> दे"दर:ब्रेक्स:यु:वःक्षे:द्वावा:युर:दर्द्द्र:व:यूद:य:य: र्स्वार्थाय दिए दि वसूव यर नु पर दे दे दे दे लेख नु पार पर्दे द साम्रा परे र्वानायर मु नवे रदाय ले इ रदाय नाय म र में मु रदाय नाय म र में मा वाष्याद्रामिट मिर्दे प्राप्त प्राप्त में देश में देश में देश में मिर्दे में प्राप्त प्र प्त रेमा'श'क्रेर'हो म्<u>बिम</u>ाक्ष'र्लर्'पठु'सुर'रक्ष'सुर'र्व हेस' चे.चपु.र्श्वर्.च.पं.रं.ज.भ.एश.च.रंटाश.चीव.च र श्रीर माकेश मे.ट्र्चाश व.वश्री व.. लेब है। दे त्यामहेना लर्ना यह निया वह मानह केन साहिन यह सामित च वा वस्त्रेय च से द स्व द से मा हरा या है द से व है। है से मा ह्या स द र क्ट.वे.ल्ट्र.व. पह्र्यात वालावा क्राप्त वालावा वालाव वालावा वालाव हेना'स हेन्द्र को प्रद्रायदे कुर र ज़िल व व प्रति या दे वस दास मुव य केर ध्रेब हो। से अर्थ यर यहूँ र य रदा वनाय य केर गु खेर हों। दे या हुँ ब **र्**ट स् वश्व नर्दे के र प्रेर अट विव नर ले श न व का स् ने श न से श चितःसरः**भेरः**सपुःकुरःरःखेशःचैःयःद्वःप्यात्र यःश्चेतःसरःचेरःसःभःरभेवाशःयः ः पिश्र जिन दर भी पुर पश्च दिनाया मार्स् न स्ट क्र पर माल्व नु देश दा सी वृश्य या मु. ब्रेर र्रा विमयामान्द्र विमयामाने सेरायामञ्जून वाद्या यानु वरा सेर

ल्रिं व प्रमुक्त के बिका मुन्त के नामा है दिनाय न हे क स्वर दिनु र व वेब मुन्दरे ... र्देश हो। से दसेवास स हैन यस दवाय व देस व प्यार प्रेंब वा है सिन् ने वतर तर्राक्षा प्रशासिर वर भरतार् हीराह्या भ मीवातर हिंदी लटा वस्तर पर्रे हिर नि अर द्वान पर्रे हिर रे लेख ने प्राय स्विष र हैं स स्वा हिर यर सेर्यमायहर्ययर व्यावदे हिर। माया हे त्वामावसायहर हे संवि न वै नावर मि नशस भन्दे देवास च नशु न स्पेर वे ॥ कि सम्मुन स है र हिर मिर तर सर तर प्रवर्शी के में भागी गरा तर वर्गी विश्व ने पर के में य बोर्या वन केर परे दे ने ने जिस छैर ने बेर यरे सकत ने र जैर जुर प ने र भेद दें। दे त्र वृश्वुर वरे नार वरे रेगाय भेद र अदेर सुम गुष व्यद्भा सु नहित् या प्रेव वि ॥ वि लेश द्वाया व वहुश यते देव दि। से हे या भ हर कु स नानुनास य उन केन गुर मिंद नु स्वर निय निय निय ने के न न प्यर न की ं कद्दां से दाय हर हो जाद य रे देशाय दसे हायदा द हुई है। दे देश मार दारे लस ने के न के ने के स न म । दे लस बे स न न ने मूदि प न से मास प लस र्वा द्विया में द्रमेनायाया हे हे च हे द है प्या है में हे च है द के है च है द के है च वस माद्यात्म सर्वेद्या पति सुरावित्।। दे वे कदास है दास वे से वे साम विसान व के सिर् क्षेत्रज्ञा की दश्चेनास माध्येत के लिस न न के देने क्ष्म मर मन्द्र माध्येत है। हिन् गुरु द्वार व अवेद व सेन् व व न्यू व क्ष्मिय व क्ष्मिय व क्ष्मिय व विष्

३५७४५:अ१३५ स'र्थक्'दा'से 'दसेपास'रादे सेट'ठ३'मी'सेट'मी 'इस'माटस'पावर''' मुक्ष पर्वत पर त्युर री। देवे से र हा स्वाय गुर वहेंद्र य द्वेर व से दसे हैं मालेशक्षाका मुख्य किस कामा परी अनु वासे दारे के दसे महा परी ही वारा दरेजः वैदः वाया सेदारे से 'दसमास' यह 'सुर र 'देश मु चाया संनास या सुमुर्वा। में दमेनार प्रते 'क्लेके स्टानी क्लेके प्रत्येद प्रते 'से र री। णूट नी क्लेके प्राप्ते वलेक्ट्र सुरूव वसलेकन्त्र व के गुद्र मी सुरूव मासुरूव के हुँदायरानुदायरावणूरार्गा। देखे सेदायां द्रादेवी कास्नुदाणी है देवासायरा क्षुनःक्षुनःकर छेर बाध्येव लेब मुक्यकर छेर य मार्मित्रामाना मार्मित्राय के """ मेन्यंद्र देवे म्ह्र्द् मुवायम् हेन्याधक्रिम देखेकेनेन्द्र वनायार्कः म्.रसंब्राची:वहूर. वाष्ट्राची पाष्ट्र रचाचा तक में वर्ष रहा वर्षेक्र रहा दची वा वर्ष ... व्यक्ताकार्त्रकार्त्रकार्याचीत्राचीतार्व्यक्तातार्त्रवार्त्त्रक्तितात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार् व.चंड्र. वर्गोट.चंड्र. च्यां.व. खंखां क.चे. बाला स्यां कारा न वारा प्रतिप्रधाना या का को प्रभाव में देवी त्य वर्ष सुर्वे मुन्त प्रभाव के दक्षेत्र व प्रमान प्रभाव के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व न क्षेत्र लेगार्मा । वार्र र्रे वा वार्र हें अप वार्र हें अप वार्र हें अप वार्र हें क्षान्त्र प्रमे के के सम्मास में निर्मान प्रमान कर के निर्मान स्थाप हों कर निर्मान स्थाप हों कर निर्मान स्थाप र्क्तायके सुक्राके रदा वलेक वन्य व व क्रिया व हार दिन्। दे ता रदा वलेक वेद यान नायाने अवादाका सामा कार्या के प्रमाया के प्रमाया विद्राय होता ये । . . .

रह्मासि.रेबाचा चेर .रह.चलुब.मु.रेभुवामात.सूब दा.लूर. BZ. 4. MZ. म् भे रभू वासाता स्वामाता का कुरार मा स्थार से र भू वासा च.भ.लु३.ब्रा न.यहूरे.यर्. क्रिम. भ.र्थवाश य. क्रेर. रे.पर्ट्र. पर. प्रचीम हा। ४८. घर्षुश दन्याय दस्त्रेन्स य वार्सन्सः यायाहे हिराप्येद ले दः से दस्त्रेन्स या दस्तेदः तर नुर्यरे र्व वस्तुव पर्वे स्व वस्त लक्ष मु व ता स्व र स्व र स्व Bर् यर वेर् या यप्याय पहर या अट में वर हेर या केर केर केर केर केर केर केर मु तनायान नहीं पाने द्रोर न परे ने हैं वर्ष लेख होर परे हैं मना र्ल्य मार्थिक हे निर्देशन है निर्देशन है निर्देशन निर्देशन निर्देशन विवासर नेरायावाया वहूर था है तर काम हिंदी है ने वा सेर दे से कर्रायदे दे.पश्च व.पर्. व. रट. पर्वेष वेषायायाया स्वाधाः नुर लेस ३ व में वर्गा त पश्चितः तर्र श्च दशः ह्व वालरः रवानाः यर चेर त वारः भूषः यः हे 'र्वा र्ट ववायः न'वष्ट्रद'य'र्पिर्' १दे वहेर्'म'दे 'द्वाना'य'वर्त्तुव'यर मुन्य'व कर्मा हेर्'पिद दें॥ रदःचल्रिःच्द क्विःचद विचःचर वेदःचःस दस्यम्भःधस दनानाःचःस्त्रुवः च.इ.रच जा चाल.हे.रभूचाश.तद्र.भक्ष.केर.क्री.वीर.वीर.त.स्व.भू.रभूचास.तर. विवृद्द्राचर विवृद्द्राचर विवृद्द्र विवृद्द्र रट.ची स्रुक्ष.घं.रश्चनांश.त.क्रर.ध . कुर लुक नर नहरं रा. लुक प्रायमिर ही। नर मी हैं रह प्रेष र माय व.ज.श्र्याश.न.ज प्रचीज.व.भ.च हेरे.त.रेटा। रट वर्षेत्र भी.रे भूचीश.व.ज. स्वासामा वा महामित्र वा स्वामा वा से निम्ने वासामा सामा वा प्रामा है । विमान य.ज.धु.रेभुवास.त.क्रे.स.कुरे स.लुबे.ब्र्.चर्बेर.वर्ड.कुर.पंड.कुर.पंचाय.चह्र... य सेर्याद्रा दे अटावस्य उर् यश्चित्र सेर्यं मर लेश वाय संग्रस

त.कूबेश शि.चबर.च.क्रूंश.स् ॥ वस्त्रैच.चर.चे.च.रंबोबो.ज.क्रं वादान्त्रेयः होस नुःवःयः स्वासायस वकदःवरः नुदःहा। वनायःवः नाहेसः में बुंब.चे.च.बु.झेंब.कुच म्.चवंब.चंड्र.भक्र.कुट.क्र्य.टंटा स्वर.ख्य.झंटक. हे.चार्था.चटु.भक्षर.केट.क्य.मीश.<u>स्</u>रा तट्या हे ४८.चढ़िय.चचाजा.च.रश्चेचाया. य.केर.वर्षात.वर्षे र्रो। रुंग.धु.रट.वर्धाः वचात.वर्ष.वर्षाये भू.रश्चाश. ร.พ.ชุปพ.กษาที่ร.จ.พ.กะ.รุปพ.กะ.วิษั ปูท.จ.จ.จ.พ.ชุปพ.กษาที่ के के दे दिन कर बेर कर के कार का का का का का का की की का का की की का की की का की की का की की की की की की की की महर हैं। देन गुर नर में के तमाय नरे दें रहें नर में ने र दे हैं रञ्जीवस सेर्'पर'विस'ते.पर'सेर.र्.। विस.ये.प.पञ्चीवस.सर्'तर. लेश'चे.च.च भट्र लुच.च्रा टे.ज.पंचाजाच भ.चह्र्ट, कुट.ट्.लाट.चर्सेंचस. य'सेर'य'लेश'मु न'रे'ॡर'र्ह्चर'मर मुठॅ 'लेश'मु'मदे'र्द्र रें । नाट'**लेग**'रूट' यक्षेत्रक्षे न्ह्रीन्द्रायस्य सेद्रयदे घरङ्गद्र यञ्चत्य यर पु वदे देव दे वञ्चत्य सेद्र । । य लेख नु नते व क्रिंग में । नहीं न था भर नार के के हे दे द्वा द्वा वा ব.ज.चञ्चेत्रस.च मुर.च.७४.चे.च ४८४.चह्रर.६.४। चञ्चेत्रस.च. मुर्देत्रस.च. दुस.चे त त स्मार प र्श्ने स है। वस्त्रीय प से द पर देश व पत्र देश व पत्र है। य.पर्.ज । कूच.मूट.भ.पश्चेतम.त.पर्वेथ.त.ची.पर्य.भू .र्भुवाय.त.पर्वेथ. यते द्व भामार् १ त्य भेद प्रति भेद प्रति । भिन्द

र्दा । १२ में वेदाय प्रश्नि विका वाचार वे वेदमीना वामी विकास करता वहेंना हें वर्ष रें में पेंद्र या मा फोबा है विकासी वर्ष मा दे का पदि ही निया। हा मा मेर्न्य विश्व नु निर्मे के के से निर्मे के सम्मायित या नहिन्दें।। श्रुप्त मेर्न या न्द के हैंने न्द सर्वे के मार्स मार्स नाय विश्व मार्थ के किया हो वर्षे। दर वर्षके उद्भाष्ट्रिक में हिंद दु लेंका वु नि के केंग दर वर्षक उद्भाष्ट्रिक में हिंद लें विंश चित्र देव हो। दे अर क अर वरे दर्श च विश्व च व स्वार या मा दे व्यक्ष नावरादशेष्ट्राधरे की र व्यक्ति वेश वाचार भेना द्रा नावराद्र हिट वावराद स्निम यातिवा सर विरायदे वेसाय देस्साल्ट्रिय वेसा विरायदे रे मेरी। स्निय य में दे अद्वार्थ मेल पहुर तर उटा व केर में हिर रामा यर में रामे राम रे रश्चेम्य मर्रामक १ वर्ष प्रीर गुराया माञ्चयाया वे वे सर्वे शुक्राय वि दी है। क्रामाभाने भर्त संदर्धियानु वर्गुर लेंद्र ने भरा सुवादा दी से सर्व श्रुमाणा विविधान से प्रते प्रते शक्ष र प्रहर्ग पर प्रमुद्र ने प्रसे प्राप्त प्रति प्रका है पर मर्पुर चंद्र, विभावभार नेवर नदे अस्ति भार्त्येच च र में से च हरे हैं। सिव च य ते संदर्भ श्रम दे से उ दे दे विद यह के से सेंद्र यह देव यह यह विद यह स न्द्र र केर मे बेश मे न का अर्ट प्रश्न में र र र नह मेर मेर पर में मेर मेर इक्येन संविद्व दिन पनि तर् हेर भेव का रे सुवाय में दि सर्वि सुसामा ल सूर्य त भर त है ल है अर वर्ता है र अर्थेट व में वर देवें पर शः खुँ नामः २८६१ य ५८ मात्रेय य ५८ मारे मात्रेया य १५ मी दीर १ अ नर यहना सः वसायन्सायालेसायस्व नि। दे पलैयानु इतास्त्रीयान् सुर सीप्ता महार्वदायत्रमा स्निमार्द्रान्यायाद्रापद्री वान्द्रिनायास्त्र विकासाम्हेनाद्रा

पडे न उन केर के के नर पने पार के पर हो न हे न है के सं प्येत के दे.ज.रट.स्र रट.ब.भर.भुर.चयु.विभाताज श्चिशाताजुर.वर्.वर्.ब.क्षेर.कु. क्रि. व.पर्म. तपमार केर. वे. र वी. वि. वर्ग मार्ट्य से मार्ट्य स.चर्ष त.व. स्चा.व.इ. तर म.चें वें स.च. केंद्र की हीर हा। दे स्वर व रे बेंचा 'मारामी'र्के'खुक्तमी'र्केस'द्रमेग्राच भेर पादेवे'र्के स्रुवायाय वे सर्वे स्रुवा म्मिश्चर्नेश्चर्येश्चर्येश्चर् स्त्रीश्चर्यं स्त्रीश्चर्यं स्त्री क्रेंब हेर् देशीना या प्रेंब पारे में क्री ही सुपाय यें दे अदिव सुमा हूट पदी खाय उदानी निवास हिन प्येदार्थे। दे स्माना पायट देश देवेदा सदे बार्सेना साम वर्षायाद्दान् अर अदाने दिन चुर या नेवा हे वा विद्रार्थ संस्था द्वेदे वर्षे स बुँग्स सर्वेद व दे य वुम य मेर पर मुर य न्य भेर य दर। र किर बिर या चीर लुर न र ज विश्व विश्व मालूर व श लुर व जुरा व हुं। हुंस. व इ.इ.स.च में राम राम से राम अहराया प्रह्मा सर प्रमु र लेखा साम स्मार्थ सर देश पर १ तर् होर हेश ह पर ही सार्थ । हे है रे र अस मुव प के ही लेश नु न ने मर्दि सुम नु भर्दे पारे खुय मर्दे सुम मु कर म ने यस मुन मा ्ताला स्मिनावराचि च वर्ष्ट्रेगाचात्रासीन्याक्ष्यात्रह्मातालानार्यन्यात्रम्मीक्ष्रेन मार भेर भारे तहना वारेश हुन बर छेर भन्ने नदेन नदेन केर केर कर हैर कर ही. द्वेक धार्नाक मारामा स्रिना दे तारे स्रिना हे सामुद्री दे ते सुर मुरामे

बे.रट वबेब.बे.स्वास.रट.झंश्च.बेहे.वचर.ट्री वंचस.बे.बेच.चंटु.स्यास लेख.चे.च.४ प्रचस चे.भूचो.ज.सूचोश.त १.४भ.तर.पुस.च.चोश.भेवस.पंचाप... ·दिन रु:में :भेर-पदे:भेर-पदा भा के निक्र है : देवेर के दे : यह देश छ । यह के निक्र पस नस्य पर ने र्रा देते त्रस्य नुः हेर् दुः दूर पर लेश नुः न दे नर्मा मुबादव्यातः कुरात्र । स्यायाया द्राक्षाय र व्यायाया विकास माने। परे सर रेन्स मार्ट स्व मदे स्नि मार्थे पर प्रमुद है। ने नुमायात्मार्थान्यायात्मात्मात्मार्थान्यात्मात्मार्थे । स्वाधिकायात्मात्मार्थे । स्वाधिकायात्मात्मात्मात्मात्मा त्य द्विनासाद्विदः यात्रास्त्रेन्। यद्वा व्यक्ता स्वर् हिरा र् लेश-वु-वदे-रेन्ध-च-५८-अद वदे- ब्रॅन् यर द्युर-दा द्र-जुट-ब्रॅ-वार्सिन्धारायायाय यायायेत्र वे । दे सेरायाकेराकी हिरारे वार्यन् <u>नवुदः चःत्रःश्वाशः वःश्वेदः ग्रीः वद्वा संदः धः कुदः ग्रीः खुदः सः प्येदाः विवादाः व</u> स्रेन्पि द्रिन्द्र प्राप्त व्यास्त्रिन या वर्ष्य वा या प्राप्त के लेखा वा वा वे वे वा उद्भि च कुराम स्वाहा चरे द्व द्दा । श्री च कुराम स्वाह्म सामाना मा न'सेद'य के'समक उद्भिष्टिक या केदाल र स्वीया या सेद या भ्रवायर होदाया स्वीया र्वि'लेशनु परे देरिनि क्षेप र रहेना य रहा खर पर्ना है रहना या सका नावहर ^{કુ}ર-૮-ત્રાંવ-તત્ર-ક્રીર-દ્ર- હુંશ વે.વ.યુ.નાજ. ફે.નાયક .સેવશ સેવશ નાયુકા ... भवसामालकारे द्रार्था य गुरावर पर्दर्या देवे के हर मी नाइसा भवस नालका पहुंबा कुट कुश पर्वेट न कु हैं न लेश के । हैं न रेट रहेवा न रेट हेव न पर विश्व भवरारे दम के देर यदे माक्स भवरा दे यहा मालक के द रे के पर दर्दे दार मुद्दी

र्दे विश्वामु विश्वाक देवां या यह मेन या विश्वामु यह अवशायित वा मुक्ताम्य पर नेर्पाय पर में द्रमेनार या पहुर या भेर वे लेखानु प ने देव मुक् ৾ষ্টিব লমট্টব্ৰেলেখেট্ৰীমেলবেড়িব্ৰামীৰ্যন্ত্ৰীম্মমেলবিৰা<u>ষ্ট্</u>ৰীমালকাৰাভিলেম हिर्याच क्षेत्र के लेश मु परे र्ने र्ने नि हिर क्रेंब र प्रवेश हैं। बार पर सेर लेख न प्रवेश मुन कर पर पर देश न कर 'हैन्' अप्राप्त अप्रविद्यान प्राप्त का प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त का विकासी विकासी का का का का का का का का य देशेन्ध्रायादायाद्वायार्थ्याक्षायते से द्वाया के दार्देन्ध्रायते सुराद्वा दे ंद्रवेदे नु हिंस ही न्यम प्रसारेश मायश गुंद नुस क्षेत्र वेस नु पादी शु द्वन वंश देश या भ्रद् हे ना स द्व वेद दे वुद दूद हुं य छत्र ना भेत पा दे सर्वा दुश है। अर हैं में में ने हैं शर्म देना के देश दे नाट कर दे देना दे वस व दूर्व व वहनायत् रद वले व उत् मुर्य लेख मु व ला दे वस व निवंद मुझ महिना यर मुंद या द यदन हैद की निर्देश महिन देव स्वर्म मार्शे बद्धः रदः विवेद वदः यानुद्दे वदः विचुरः मूदः व। देः य विविधः ददः व वि निर्मा हैर नार्य व सेर् पर देश मान व स्थान स स्थान माहेश प पर द्र विक्रित्मिक वार्य पर रद्र रद्र पत्र कर व कर लेख नु व हिं है इर कर ने इं य द्वा वीश ध्वा वर्ष य हैन य स्वा स य दे है र द नाव र क्रिन्न् महेर्ने यम मुन्याम प्रेक्त मार्थिक प्रेक्त मार्थिक प्रेक्त मार्थिक प्रेक्त मार्थिक प्रेक्त मार्थिक प्र

लिकानु न के केंका मार प्येका या दे अपे के नाई दे पर नु न के दा नु महना हा या है। रद मी मक्त हिरायाम्बर्ध यह से हमाय हैरामार किराय दे अदारे हैर दार्य दे दे : अन् लेश नु न के सु ने दें दें। हो। दे ने में वे दूर देने के नु न हेर भेर बी। यस लेश मु न के देवे दें वें केद्रदर देव यस है। पर के माद्रक केंद्र मी मार्खें थ व्यक्ति। दे किन्द्रमाना वदक्षेत्र नु विश्व नु च के दे स् नु र मु र सर्वे सर्वेद केर देवे दर्देश वेंश है दे हैद दु अम यर यलग य प्येत या णु.चार्यभ.चर् ॥ म् देशक्रिक्राक्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य हे^ॱक्रॅंशॱठबःप्यक्षःक्रॅंशॱठबः'प्पेब धर'द्युर'व देवे क्रें'तुम'व'प्यक्षःश्चमःवुदेःश्चः''''' ্বৰিষ্ট্ৰ ক্ষাট্ৰাস্থ্ৰ ষ্ট্ৰাক্তৰ অধাৰ্ট্ৰ বাৰ্ষ্ট্ৰ ব্ৰু হ'বা গুৰু হ'ব প্ৰিষ্ট্ৰ ব্ৰু হ'ব নিৰ্দ্ৰ হ'ব दे हराभटाम की राजा माटा में खुरा सुदी वह दे पर चात दे है दादर मलन कुर्द्रा महर्द्रायर मु:कम्प्रायोदाय कुर योद मी:रटामी:सर्द्राकेट दे सायोदाहै। र्ह्ना परे शप्त पार्वे दानी क्षा करें निष्य पार्वे दे प्रेर पारे दे हैं है र स्टानी सह का है द **ग्री पर्याक्षेत्र उन ग्री रहिंस हो र्यास्त्र ग्री हो में महिंदी मान्येदानी** ्चॅ^र्स:ठर् (वेश:तु:म३) इस:मराद्योभ:मःवेश्रम:पञ्चर घ:द्राय:ठर्ग्य) (वेश:तु: रदानी सहर हिर्देश वर्ष सार्व सार्व हैर दनाया वरे हिरासी य प्रेड्डि। ·देशक अदिरायके निरायक वाके ना नो क्वे क्**रागु**ट क्वार्क्सिश यके यदना केदादा - लेस्यु: त वार्सिन्न स्थाप। - - नाव हे नाव रावा स्वीत व वित वर दिया है । ·इटायुक्त थावदे विद्यादाकाष्ट्रद्वाचर दे त्या यह दर्दिन कायूर होत् यदे रहाव के का

कुर-र-विद्यात विराधिक प्रतासक प्रतासक कर विद्याल कर वि त.इ.कुर.मिर.तर.वशक.वर.ज.वर्ड्स.वराचवुच.कुर.लुव.ब्रा हे.चस.व. परे रटावलेक केर नु वहार केरियोक के हि सुर मुर धर दे सहक सुमा मुश वडट.व.४.विर तर रेट.कंथ.त रुष्ट्र.हंश.चर.लूट्श.श्र.भ.वक्र.तत् रट.... रेट रेच्चेनश्र भष्टेटश राजे. स्ट्रांस सि.म सिंद्रांसी सिंशानहरें हों। मैंपे. वेशानहर र्ट्स. त्राम्यान विश्वास्त्र हे. विश्वाचाता स्वाधाताचा विश्वास द्राम्याया देश'वृद्य'य'दे'स'यद् स्त्रे'वर्ष्य्य पत्रे'सुर्य वृद्याय द्राम्बद्यादे देश वृद्याय प्रेद्रा बु हुंस वर्त्रेय.च.स.सुव.राष्ट्रेर। स्व.स.च्नास.सर.वे.च.रटा स्व.पर्टेर. · यर नेद य द्वाप्य द्वेयाय हट बद मुट प्रदेश सं प्रदेश विष् ल.वेंब.त.रट.केंब.त.तव्र.वर्त्वाब.तर पुरे त रुव.चर.खेब.चे च.ज.श्र्चाब.च.जा वेश.त.म.र्र.त.चीट.चीश.श.च्र.ण श्र्माश.त.ण श्रे.मी.ज.शूचेश.व.भीर.तर.... वेद व वुष च दे देना य स वेद ता सँनाम धायम पर्नाम धार हेद व है द दुः निश्च त्येष पर नेत प्रे दे के के प्रेश या निष्य प्राया में स्वीका वृक्षाया व्याय के विद्वासा वुषायारे सु मु ता स्निषाया प्रमुवायर नेतायारे दे विषया पर प्राप्त मान्त न.लुर.श्री वेश.त.र्श्वश.ज.त्वर.पर्त्वश नर.वुर.चयु.वेश.व.अट.व.रर. स स्पर् का हे दिन दिर ख्व के ना बच्चे व वर के बच्च र ही। हे लास ह स्य द्रिन्य हेर्य र वर हेन् य वर हेर्य य वर हेर्य य व्याप्त व्यापत व

यते खेर बुन्य य सेर्यं प्रमान विकृत में । रे केर् के हैं खेर व पर पर प्रमा केर सेन्यकिन्द्रिक्षान वाहे हे स्राप्तियाय यह न्द्रिवास वर नेत्रिक्षात यद्याक्षेद्रानु मुद्राया धेदाय दे ख्रा । हु मु त्र स्त्रीस सदे त्र स्तर हु त्य लट. बेश्व.त.चेट.लुब.तह. वेश.च.रट.जंब.च.पश.घ.रट.च.भुट.त.कुट.वेश.च.... क्षयः प्रमात्वीयः ह्या हे खेला है बीया त्या क्षया विश्व स्था विश्व स्था स्था विश्व स्था स्था स्था स्था स्था स्थ श्र्रां खेश.वे.च.वे .पंचंत्राचे म.वें त्राताचेट .त्युव त.टे .त्येता.टे.वींट.ता.हे...... मामलिक पुर्वे । ब्रिंग्स मिर्वे । वेस म से प्रवेश मुन वे क्षायात्रना नामा भाषा हिनास मान्य मा यत्।। अध्यः निकृषः हर्नः प्यत् द्राः। यहेयः व वहेनः द्रो दर्दे दर्दे दर्दे व उरलेश मु न रे पर्र अध्य न है स दे र र र र पर्र लेग दश से र पर्र देखाः हर्मा देनाया द निष्ट्र ही नर्टे बार्च व्येन मान्येन है। वर्षे बारे हिन लास हर्ने तर हिन तर हिर रही सन् मन र निहेस हर्ने या लेन र नहीय. न लेख न न में ब्रम्भ रने निर्देश वर्षे । वर्षे मान प्याप्त कर के निर्देश हैं मेर रे निर्देश मिते भेर् पा केर की तर्वे र पर न्तर न प्ये पर नहार है। से देना पा केर गुः भ्रुःनादः वादे देन वहिंद् पवे दिदः देव व्याप्येद् यादे वादे भ्रद् हे श नुवेदे । क् सेन्य न्ट विनाक्स सेन्य न्ना मेस न दूर क्स धर हेर्य रे परि य निट ना

देवे वर्षेद्राय वर् या नाराधी द्राया दे वे से द्रनाय केंद्र ही सुर व्यवस्य स्था लेखानु सब देव देव हैं। वहेर्यर न व भेव व ॥ रे.३८.४ श्वर क्षदादे केन ताना केन मिट केन प्राप्त कर वार्य के विषय वार्य कार्य कर पर केन १क्रं र या है क्रें पत् लेश मु पते रें के वहें र या क्रा मु मुक्षा की केरे. यते क्रु तरे के हिर्य बहुव य प्रें के विष्य के किर के परिय के दर्ग नि লম্মুর এম বশুর দু। ই শুম দে বের্লি ব তব শ্রী ইর্ল ব গুন গ্রী ম হব দুন में सक्त केर नाम भी काम दे के अध्य ना के आमें केर माध्येत के लिखा में नर हिर र्दा १२ कर रदाय में या व द्या मी केंद्र यर में द्यार स्था समय दे द्या या केंद्र ताबुद्रायदेखेर हो। स्पट बर्ने इर मीश अधन निकेश मा स्पेर म दे छूर् हा. हिंदा रे. चर विर र् ॥ अयोशना श्रिश तथ वर्षेयात प्राधिक तहा देशातर. ्रवेश्वक्षःद्रस्याचा द्रम्यस्या स्मान्त्रमा चा क्षेत्रः मानस्या पार्टाः। र्ट्स चे द्रमा ता क्षी देवाता केर कार्य ता कार्य है है है सेर प्यारालेश नियाने मानायर स्वर हैं निर्देश। न्याय है सेर पर सेर रहेंश न्यालेयानु न के न्यं ये प्यंदाय केन महीं न क लेयानु न ने दिए हुन है। निहर क्ष्यक्षेत्रच निह लेगावस सेर य र्गा था केर्यर नेर य हैर स निहा ेदेद्दार द्रवेश व्यवसंविकान क्षेर्ण्य या कृत वर्षेत्र या वर्षेत्र या वर्षेत्र वा वर्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्षे कर् वर वेदाया के प्यदाय के दाव विदेश पाय देश वा मालक या प्याप लेका वा या वै भित्र व किन वा बहे का बहे का बति दिस्स वि ता हा व से द मान्दर। विमान सासे द यादेनमानीयर दानावसाय दाष्ट्रर यार्क्ट्रयम हेदायाध्येव व लेस् नु पाया

स्त्रांश । इ.जेर.य.सवं . इ.रचा.रैचा.व.ज.स्वांश त.स्रीं र व.सहं र. यःवादः धोदः यःदेरः से द्वादः द्वा द्वादः विदः प्रात्ने द्वादः विदः प्रात्ने द्वादः विदः प्रात्ने द्वादः विदः पर यते 'सुर र लेखानु न के 'हे स्र र दिखार मार्टिश र्य 'सेर या दे प्र र र परे मार ∰'ፇ፟ጙ'ጟ'พัद'ביאיพัล'ביदे 'פֻּג'קבัמיבֿ 'אַק־בית'שביקבֿמּיבֿ 'פּיקק'''' राये कुं कुर र क्रिंस सामा भी र है। या कुंबा गा या यार मेर पर हिर पर मेर यते. खेर हे वसाय सहत महिसा हैसा हेर्ना प्रेरा पर्टे पा हिरापेश हें लिसा ना पर सी त्युर र लेख मु नर दर्मे स्था स्था । अर स्व व से द त दि लेग वस से द न द्वाकालेश मुन्द दे प्यद्र मदी अर्द्ध के दे भी नित्त व प्यद है। हा द दे दे व रट लेना क्या सेर प्राप्त हुँर पड़िर प्रसाका रे प्रदासका प्रसाम प्रसाम प्रसाम र्ट. दे. देट. पद्मेळ, च. जम. देंगे. च. जम्बर. व हें र. चर. मृ. प्रचीर. दें। अवर. दमायास्त्रित्याकृदावर्षित् यावतु याष्ट्रत्यरामेदायरामेदायराम्यास्त्री केया निर्मेश रहें अर्थे विकार मिरायर मेरायमे हैर है। हे हर मुमायमे क्षे-इन्।य-क्रेट्-डेक्स-वु-**य-क्रे**ट्-यक्ष-ब्र-इन्-य-क्ष-वुक-य-दे-ब्र-र-व्येट्-य-क्रेट-व्य-क्रेट-याप्पराध्यक्षके सेत्रायायात्राचार्यात्राया मुक्ताया हेर्त्या हेर्त्या सेत्राया हेर्त्या सेत्राया हेर्त्या सेत्राया हेर्त्या सेत्राया हेर्त्या सेत्राया सेत्राय सेत्राया सेत्राया सेत्राया सेत्राय सेत् विरायर भूरात कुराम पर्ट्रायर विरा देखा म भूष कर हा खर बमा मामन ता.स्मित्र.तर्.त्र.च.केर.द्र.तर.च.स्र.तर.वेश.तर.पचेर। स्वित.केश. र् वे र्ट्या वे नावसाम्यका केरानाया चर वलेर वसा नालका पार लेका मुन्य त्या स्वीका या क्रेंका स्वीता विदेश के त्या स्वात स्वीत होता.

इश्र.च.च.ज.शूचामा.च.जा चाल्याची.वश्रमा.बट.री.यह्मा.च्.३८.ह्या.चट्रामी. हैन भी १ वर पर्रेन वर्षे अपर वे शुक्त मेर प द्रास व दर अपर दे व वर के पर १३ के.पचल वे.ल्र्न.तर.श्च न क्रेन लुग.नव होर रह्म.स् झ.य. मेर्यायर्द्रायादेवे के। र्द्यार्य वे स्वार्य के सामर् त.चनाय. बुचा.चाुश म् क्य घर चबचा.त इ.उ मुंज.च.इ.र्ज्ञ्च च इ.म्बु.पचंश वी..... यहर्ना विष्य विष्य विष्य । दे अन्तु क्षा वर हे व धर्मे वर्षे लूरे.च.चंट.कुरे.च.टे हेर झें.रथम.ग्री.लट.भ.लुरे.ब्रु.खेंस.चे कल स्वीम.त.... नम्राचेकार्त्। क्षाय वजाय लेजा जीका वच्चेचा वा व्याप स्था व अंदाय द्र लेगावस सेदाय केद से ह्रमाय सेहायर द्रमुहाव। गुन्दु प्रमुम्भ पश्र है लिन हा दे होद्दारा अद दे हैं स र् अंतर् या मिश्र व रायर स निर्देश दे केर पहर पर पर हैर। दे पहर द रैनाकायाने न्दें कार्या स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन होता है देने विश्वानु तरे देव द्रमायरे न कुद्र रेन्साय साम प्रवेशया हिदाय। हुन वर्षेत्र च हुर मित्रतार भूषा ं र वर्र जा मुर व र केर व र केर माल्यक् ने लेख च नामा स्वामाता ही नामाक्राक्र पानियामालक्ष विद्राय प्रमाय पर्वे मुख्य पर्वे। व्यर्ग य केर प्रमानी मुक्ति केर है। व्यर् केर नद्भुःशे ने नद्भार हैन व्यवस्था स्वाय स्वेताय से स्वाय है है ।

35 मु हिर प्रवेशन अदास भी में विश्व वान में मिन संकेर में हैं हैं के स्वाप केर मिन स्वेर वर्षा वर्षा द्वर्ष द्वर्ष वा वा प्रकृति वर्ष वर्षे वरत व.ज.स्वांश.पंश.क्ष व : उड्डेज.वर.डुर.स्। चेट.उड्य.वे.श.लुरे.व.र.वे. भे ह्नायामाध्येदाहे लेखा मु तायास्मिशाया दे हुँ रामामा है सामाहितायाँ। से हिना या ৡ৾৾ঀৢ৻৶৻ঀয়য়৾৻ঀৢ৽ঀৢঀৢয়৾৻য়ৢঀ৾৻৸৻৾৾য়৾ঀ৽৸। ৽৾ঀ৻ঀঢ়৻ঀঀৢ৸৻ঀ৾৾৸ঢ়৻ঀয়য়৻ঀৢ৾৾৽ १९ मा १९ व दे भूर व विव धर वेद या वनाय व दश्चेनश यर्थे सू नार दना त्या शन्द्रभारता शन्द्रभा शन्द्रभा शन्द्रभार देव सहित्र सहित्र हर्द्र हिंदा हिंदा है सम्म हरं हारे.तर.विरे.तर. हारे.त. लूबे थे.के .ब.हारे.त.रेट. खुबे .ब.हार हारे वाहर् वीहा य दना तः देव च ददः प्यदः या साध्येव देते। मुख यर लेखा मुः वा वे क्या यर ख़ूँबा वस र्सा में सर्हार न निराधित यारे है त्वान्सार प्रेस ता हे साम व के सूर है ना मानितायते सेराम्या वितायराया वहेताय वहेतास केर क्रीस दी ৡয়য় য়**৾৽য়** ড়ৢঀ৾৾৽য়৾৾ৣঀৢয়৾৽য়ৢ৽য়ৢ৽ড়ৢয়৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৼ৽য়ৢয়৽য়৽ড়ঀ ঀ৽ড়ৼ৽য়৾৽ श लुबे.तर.चक्ट.चपु.श्चि.ट्रें.तपु.खेर.र्.॥ ट्रश.श्चेट.तर.चेट्रतपु.खेब.चे.च. बै । खार मा दुवे : दुरम सा स्रॅहर सा हुदि । सर देश सा विकास का मा दुवे : दुरम त स्रेंन्या क्रेन्या होन्या हेन् केन् केन् होने होने स्वाप्त क्रिया के से स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्ष รั้ง "เลราชิงเมืองเมืองสราชมีรายง เช่นาลาง ผู้เลิงเลราชัยง चर् खेन में से वर्षा अर्घेट व लेख न व व दे हे द में के वर व व व द व व दे हैं

त्र के के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर के स्वर त्र के स्वर के



क्ट.स.क्य.वर्गेज.मी.रमीज.चनटी वश.मू.क.वश.क.वश्च.मश्चित्रः

भट्ट शिभ द्वता त्रा.ज.चट्टत. ब्रेट. जेश व व ज. श्वीश व जा भट्ट शिश ଌୖ୕ଂमा हर अर्थेट न प्रेंब य। । देन में अंदि ने एक्षेत्र हैं ने एक्षेत्र हैं खेश हिर तर अहर नदे हाँ बरा पहर न प्याप्त है। वहिना या मूर्य या नार प्याप्त याने माने मात्माप्पट प्रेन लेखान रहे रहे निता हैया महिला होर महिला ७ स.चे.च.तु विर.तर.भशूर च.ज.विर.तर.ची.सू.वश.हस.शे.वची.च लूर्.च.भ.... लुब.बी हुंब.शे.टच्रॅ.च.मुंट.ब.लह.चाट.लब.क्षेत्र.चशिष हुंट.लुबा स्नास प भर्ते. न.रेट. पर्साता गीन नहूरे. त.ज. स्नास तस लेस. चे. च. थे. विसार हे. लिक, मार्श्येष सार्ट, बे, देपू भावविका वधु, देवाश मिट, भारतु का तिश्व. ॻ न वे र र म अप हे अ र र न य र य रे अ म या र न व से क्षे व स क्षे च दे हुर " दे बे हिं वेस स् हैत है ने स् स प्ये र वें। दे च स द द र य प्याय प्याय र ही है। र्त्याता रहें स वस ही रते हिर र्ता हे ता अट व खुन य स्वाधारा हे हे देते हा विचित्राचर, देवाश मिट भ कुराता बुंधा चित्राचा कु लिला मा सूर्वाशाता देश चा सुरावर लता अल्या स्वीशास्त्र अपना है ति से से साम है कि स व,रवातात्रात्तरात्री.रट वट मी मी अक्षात्तर्ध्याताने त्यार कर् नेस.त.ज रेव त.केट.प्योज.त.ल्र्र्स.ज.ज.कुर थ्रीः इष्ट. ब्रीय.वी. केर. न्यर्भः मः द्रवः सर द्रश्चरः हे लेशः नुः नः सः स्वत्रः सः द्राह्म सः स्वत्रः सः स्वत्रः सः स्वत्रः सः स्वत्रः ମ୍ବି'ସ**ଞ୍**ଶ୍ର ମିଂବିଷ'ପ୍ର'ସଂଶ୍ୱି' ଅନିନ୍ଦି ଧ୍ରଣ' ବି' ଅନ୍ଧି । ଅନ୍ଧ୍ର ପ୍ରମ୍ବ ଅନ୍ଧ୍ର ପ୍ରମ୍ବ ଅନ୍ଧ୍ର ପ୍ରମ୍ବ ଅନ୍ଧ୍ର ପ୍ରମ୍ବ 新 १ंहेंना य दर वास व वक लेख व नने सहक हैद गुरा सहित सुका सहित.

यर 'चे.च.लु १.तर्च. खुर 'र्सा दे केर 'मु . हुन 'च च पर 'दर 'व्याय 'केर 'व हुन 'वहा सद्राश्चम केर स्र्रायर नेराय भीता के मिया द्राय मार्थ में स्राय के सद्रा ख्यानी मेदार कर त्येत्र के लेस मेदार्दा मेदार कर नी दर्श मार नेदार स्त्री हिंगा त.जश.च.म च. बुश.चे.च. वु.से.च.रंट चेंज. च.रंटा। चूंज.च बुश.चे.चश.के. यादेवे हुं साम्राज्य हो। स्यालेट हुं मालेस मुन्य दे देवे हों। पर्यास मालेस हुश्र.श्र.पचटम्,थम्,४८ म्,चे,चे,८०म्,चर्म,३०० चेर्यात्मविर.मेश्र.व्रस.च.प.दू. मालब मो मालब मो स मो स में है। मालब के ने स मा मालब मो स में स मा के स स है। हिंद यर पर्रे पत्रे कुर र्रो । नाट मे के स्न त्र इस पर हैन प त से न रे दे हैं। नाट त मिट मी है द र्प्यर य लेख हैं व प्रवाद मालद हिंद या प्रवाद हैं। माट मी कें दस पर हिंदी यायमा मु मि न देते हैं। सेट ने हें न लेश न न दुन पते देते मुखान कर ही। दे.के.वे पु. क्यानर प्रचीर वालर बार खे.वे क्यानर हेंचे न वहूर ता रेट पड़ेर क्ट.च. बुश.चे.च.प. श्रूर.त श्रूर.हे। दम.तर.हेच. चप्र.श्रुप्र.दम.च.वर.बुम.च. म.वु.चर्षाताष्ट्र,र्व.कुव.थ्रा श्रिय.क्षा.त.च्र व.चर्ट्र.त.क.पट्टर.कट.व.कैट.च. रदानी संदर्भ के दे गी देश ते के स्तर के से से के लिख निय दे स वनायते क्या यर द्वा यते सक्र हैर गुरासी अहर य व लेश मु य है है साह र्बिट सामा हे ना हे हा में ना हे दाये के दाये के प्राप्त के का प्राप्त के दाये के दाय यप्रक्षिरः ह्या । पर्मा अर् तान श्रीया भर मिता मा लेका वा विकास मिका वित्र प्राचील र प्राचील र प्राचीत के किंद साम मार्थ प्राची स्था प्राचीत के किंद साम स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्

| इसेन्स प्रदेश्या इसेन्स से प्रेन प्रेन | दि से र से दसेन्स TZ.94 त. पर्. थे। । भट्र शिम. हेर ग्रेश. व श्रीय. त. त. त. व्रंश. ये. त. त. श्रूचा म. तस. र येर. भेतानी हिं केराया केरा में केरा विकास केरा केरा णु खुर स्मेनामी लेख नु न देते **इस नर** दम्ने भारत है सेना में द्वट वें दे हूँ न् ल्ये तथा लेख वे.च.लेब.च्या लट.ब.च्याची था लेखा वे.च.च.च.चे.च.चे.च. यदे मासुमान भेरते। मैं गानी न्वर से दे हिं नार भेर्यम लेश नु व है " विट.वंश.वैट.वंश.वंथ.वंथ.वंतर त.लूरे। भूब.वुट.वंट चैंट.वंट हैं.वंश.भूब.नै मी द्वर र्य के हिंग्दरमीस मालग्रमास तर है के द्वर र्य त्या है स पते हैं प्येव वे बेश नु न वे दमा ने प्येव वी। अद खुद न न केना इस न र हेना दा हिं. च् च - क्या हेना - टे - पट्टर - प्रमुर - लेश - प्राच - प्रमुख - प्राच क्या में निक्य - प्राच क्या में निक्य - प्राच क्या में निक्य - प्राच क्या में क्य स्रेयमाय्यस्य विद्यातमा विद्यास्य स्राचित्र द्रियाः मा क्रे. या देवे के वि व वे देश तमा है नाया है तर वमा व ती मा है लेश वा या है है है । हर् यदे 'वेश'पश'रेन'पर'द्युर'र्स्। रे'पश'द'र्नेन'प'रा'रा'मेश'रेन'प' र्ट है हुर रेव य विश्व रें रेव रेव य के विश्व हें व यर द्वीर है। क्ष.भ.श्रुट्.च.२४.च.भू.२८.चर्.द्वेर.र्.। ३४४ श.श्रे.श्रुट्.च.लट.रट.रूच. स्वा मान्वव मुम क्रम सु सुर न वे म प्यव है। নম.পুৰ.মূ| त. भूरे. चर. वज. चर्. क्रेर. रू ॥ चाज. ट्रे. इश. चर. हूच, त. चर्रेश. तर्. चेरेश. दे'न्य ने'द्यर व देश रा दे' भेद यर द्युर द लेश मु न हुँ र स् Ā٢.

रट. हुनु चेश त. पश. वैट. वनु. एट. क्षित. कथ. कु दे थ. वश. एश. वर. प्रवीर थेत्।। मेर्थास्यकाणुंदा ब्रेबाचिर देशाचर देशाचर देशाचर हेंगाचा नहीं सारा स्वर्धा से नहा है। विश्व निष्य प्रता निर्देश में दे दे निर्देश मते. जेश. मश. म बट. चर प्रचीर. य. छेश. चे. म हे. चीर म ही हीं र महे. हे वे हे है. ... सर. ने. रट. प रेख तक . ते. प. रेड्र. तप्. पेक. तथा व चर. तयीर. क्रा। र्व म्रामाश्वर व उद वहूर य न्य बहुस य वन्य वन्य मा कुर गुः भुरान्। परे श्चिर न प्रवास लेश न न के श्चर् । प्रमुराम के पर्ने स्रिन् में ही नर्देश वर्षेत्र मुरुप्त ने अटान्त्र में हैं के स्वर्ध म्हान्य हैं जा करा है माध्येष् वर्षे वर्षाया मुर्जित वर्षे कुर नवर व वे वे वर्षे मावहूर वर्ष राष्ट्रिय . . म हैर-दु-तन्तुर-र्।। देन्हर वर्रदानी सर्वव हैर वा सु वर्गिर्यास प्येव नशक्षत्रे नुवासायाञ्चन वार्यक्षेत्र विका देवे भुराञ्चा साञ्चार महार प्रदेशका प्राप्त होता होता होता होता है। के से हे दे ही निहा वद्वाश्वादाः भवे वे देशानु व वे विदायर व देशाया सर्वेदाय दे देशानु व वा सर्वेवास भर्ते तर् रंभ.चर.पंश.त ज.कॅट.चर्.सैर्.ट्रे.बुंश चे.च.रू.... अभ्य शे. ब्रुट् वर्ष द्यायर वेश त पार्श्वट व है। रह में मह्य १ हैं दें में नन्ता हैन हे स न नि ने ने नि ने नि ता स हों न न स से ने वे विस न न ने सहित तर्भिष्यं तर जेश त का हैट तर सिंद र्रे का हिर मा का करे हे अंक वे पर्द श्रीत्र प्रेर्ड्। र्रे स्र देश परे खा मा कर हिर प्रवास देश न वे र र

नी सर्वन हैं र में खाया उदा है र प्येद यस दिया रे.रेब.ज.पंड्रेज.च.पुंस. यासेन् यस दिहें यासेन् यदे खेरारें लेशनु व है न्युंन् यदे वन्या हैन् उहानी .वेश'य'य'रद'नी सर्वत् केदाशे श्रूदानदे श्रुर हो। वदेवे वेश नु**पा** दे देंद न्दे न्नु न्दः देवं न्ना हेस नु न ता न्दे न्नु न्दः देवं न्ना हेस मुद्रा। नु न के लिखान न के निकार में निकार न के निकार न कि निकार न के निकार न कि निका रणनी मर्का हैनाय वहां से दाया हैन वस्त यदे हिन ही। क्राट य उव वी। इ.डेर.व.बुश.चे.च ज.सूचाश.व.श्रॅंब.व.जा शहूर व.रेट.हुश.व.जश. वन्यायाधीवावाधारिक मुन्यावी प्रमान्ति पर मुन्यास विदेश वा व्यव विदेश वा पर यहूर्तर नेर्त्य मुंबाच वाबादर्शाय प्येत के लेश में नर हीर रू ॥ नाद मी कें र्व माल र लेगा द से नास था दे ता हिंद पर हो द परे हु हुर पर हो प रेते हो अ रट.र्बर्गनाना प्रमेश के रेन्स. म.सेन्यर कुंस परना हिन् कुं सक्ष प्रमाद लिया यो रा हो पर सक्षेत्र वस स्था ५८ देव प्रमार प्रमा यो रा प्रमा यो रा प्रमा यो रा प्रमा यो रा प् रे.ज.चाट.जभ.रट.ची.अळ्.१.३**८.**शैट.च लूबे.खेट.चाट. य सेर्य पेर्य मुश्राद्राचर् नेद्रायाणेषा र्द्राने न्याया यदा वदा वदे न हार् नहा यार्ट्साञ्चरे क्विरावाकाक्षर के देव देव देव या देव विकास देव देव है ते हर कहर नुस व'यद'रद'मी'सढंद'हेद'सहंद'य'र्यद्र'य'स'येद्र'दे। नद'मीस'व'दे'यः यह मेर् पर द्यारा न्यर में नु पर मेर पा कर मी लेख म पर र र मी खुवा त्याद्वदः वीत्याः स्ति वाद्ववा याः स्ति दा कदा सुद्वा या दावा वाद्ववा वेदःमःदःरहः हैदः ग्रीः व्येदः ग्रीक्षः वद्येवः यः वहेदः यदे । वदे वः ग्राहः रहः वीः

भक् हुर खेल.ज.चर नेर.व.भ.लूब.ब्रा भक्ट चलुब.रे.झे.लुस.चर वज यदे. बुर र . ७ ४ व य दे.ह. हर अया या देश तर पेश तश पह र या हे हर ही ... तमा विद् पत्रे भी भाराश गुदा दहें दार त्यु मुर्ग हें 'बेश मु निर हैं मि के प्राप्त की की मिर के प्राप्त की की मिर क्र-'द'लॅट'न'अ'र्स्नाहान्य:अर्चनर विषानर द्वीर रे 'वेश नु नर 'दर्दर हा। त्नुर वर वे दर्र स्र्रे के नाय हे अह इस वर हें ना वदे दस वर वे स्वाय से मारायायायाय यारे स्वावायम मारायाय मारायाय मारायायाय मारायायाया मारायायायायाया मारायायायायायायायायायायायायायाया हेर्मि ब रेदे 'खुवार्' विद्युर रेटे 'ले ब। ्रेदे खुर खूट व व व प्राप्ट लेब नु न व र्यम् व मुंब र र्यो। जिन यर ने न य के ले म नु न ने न न न र क्रांचर दह्नाचर चुर पर्णा नाय हे अव्दान तर अव्याधार वारा माना यात्रार्खेन्यायाया नादालेनायद्यायादे साम्रनायायेकायादे स्थान बुंश वनार (बना प्रमाने नर सर्में ब बमा देश मुन पार्म मान दे प्रेशके पर ने में दिया प्रेश हैं ने प्राप्त के हिन के प्रेश हैं ने स्पर्ध हैं ने स्पर्ध हैं ने स्पर्ध हैं ने स वा स्व सारा व दुव ४ मावसा यदी दिस्या च चस्व वसा र्भ पदि देना यर चुद्रायायदे प्रवेश स्वायते द्रवे द्र र्भ भरे. भर. उकर म. च्रारेट अरे. च्रारे च्रारेश तर जेश नच्राली मा ली हो। दे द्वा नीस गुद वहूर् वर वु व दद वहूर् वर हेर वह दि वह व कि लिंद्र सु वहूर् मद्रे क्रिरे रे ॥ अवा ने इस पर वेस परे खुरा दे पहेंद्र पर नु प र्भादा क् पत्रक्षायर ने सापदे खुवाके वहेंद्र पर ने द्रापदे हैं वि के के

मुझ. र्व.श्रेट.व.ज.लट.बुझ.वे.च.ज.श्चाम.च.ज मेन.श्रेंश.च.हु.हे. नर मर्द्र न प्रेन है। दे ता क् न ता प्रदासी दे र न विकास नि बुरारी रेकुराणु खुरासेनाने नवदायें नदाइ वदे नवदायें लेसादकर ने अन्तु नाय ने प्यद है अन्तु नयन पते वहते नुस यर छेर री। भूमा रेट के नद्र क्य तर ज़ेश न रेच मीश नहेंद्र तर मु न रेट नहेंद्र यर मुद्देर यदे रदानी सर्व हिदादहर्ग या दे स्वाप्त दे त्यस मुक्त मुद्देर यहे रामे ग्रि. देश. तर. पुंत्र. त. यहूरे. पर. वे. च. रट. यहूरे. चर. वेरे. वर. हीर. वर. हीर. वर. हीर. वर. वर. ही. च. म्द्राधित्यादे वे हुँदे इस मान्दे वे प्राप्त हैं वा भेता है न स्पत्र हैं दे सामित हैं। मी भवन हैर मी दे भारत है। है हैर दे मालन से सायर हैर प्रसालिय है न भः सेन्सामकामकामकामा निमानि निमानि स्वार्मित सेन्या कर्षित निमानि परेट्रें चयर व ने पहन पर नियम मेना पहन के लेका ने हैं। पहन यर व व लेश व व व निष्य देव दे व हर् धर व व व व व लेश लेश व व वर्त्तेष: दुर्वे । अर्थेट वर्ष न्त्र के देरे के वर अर्के र य के दिया के प्राप्त के स्थित है। मुंदर द्व मुर्न वर छेर पर हर मुर्न पर छेर पर्यो कर व पर वस्ता वर्षा वर हर พิ สิรามสัยานราชิรานผาผยปานาชวางางางางางางาชิราพิเลา ट्र.के.भ.भूब.ब.धुंश चे.च.ब्र.चाम.ट्र.चुंश.च.चेंड्च.क्रंट.च चराम.च.क्रंस.चर..... हूं च. त किंब श्रिश प्रवेट. त भू पर्ट्रेट. त. ट्रेप्ट. प्रां अहू र. त. क्षा तर कर तर. त्युर है। इस भर हैंना य क्रुंब मुक् स न वुद न से दर्द न परे दे हैं। सर्वेद याक्षास्य तकद्रायर त्युर है। क्षायर हैं वास्य देश वास वेंद्र या सेद

यदे छैर र्सा क्ष यर हैं नाय दश्य यर कर यर कर यर दिनु र हे लेख नु य दन्ना क्स यर वश्चर क्स श्चर यर निर्दा भर्तर यह निर्देश कर के निर्देश कर के निर्देश कर निर्देश कर निर्देश के निर्देश कर निर्देश चर्रे ख्रेर दर। इना उर नेशन निर्धा में हर नर्रे ख्रेर लेश नश्रमा चर्रे। मर्वेद्दः व द्दः द्वाः पर हेन्। य द्वाः यर कर् यः हेन् वह्नुव यरे छैर। हें ना न भेर नशर क्रिवेंट न म भेर नदे खेर न्द लेश नु न स सेन्श म हें । सुर। इस पर हैं नाय भी र पर देश सर्वेट पर पुर ही हेना यदे नुस द सर्वेद य देस पर कर या नेदे खेर सर्वेद य प्येद यस द सम पर " हैंना या साधिक या दे । सहिंदा चार्ति नुसादा इसा या रहेना या इसा या रहेन या भेव वी। नाम दे अर्थेट य दट इस पर देना पर इस पर वेस य हैना हर ही नदे हीर ही दे पर मार्थिद दें ले दे हैं न है नहिस हाद हैना भे दहना पदे सुर र लेश नु प र्श्वेस पाया दे 'महेस लेस नु प दे सर्वेट प रूर। क्या यर हैंना य देना ना । क्रिंट न दि शद्र यह हे स न न के रहा न ले दे हिंद मत् कु के क्रम न व न न न प्याप्य पान कर के माल की क्रम मर हें पा या वडका या न म क्सायर हें ना म से दे प्रति रूट प्रति व विव च र दे ने गुट विव पर हु र हों। दे द्र दे हैं र में रम हैं न में कि की कार्य में किया में किया में किया में हैं में मार्थ में हैं में मास्तर् पति विकामाध्ये वार्मेन पत्राहेका सुप्तिया वार्ते वहेंद्र सदी क्र मरा हुन य हम श्रापंत्रेण याम नामान याम नामान नेम यामहिनाया हिंद या या न्त्र वे ने व य मन्त्र य के ते के के ते के प्रव यदे खेर हो। दे स्था भव

'क'क्षेम् इट क्ष'चंद्रे'क्स'चर'वेस'च'द्रम'कुट'म्डेम्'रु'द्रमुर'र्हे॥ विदेसें सर्वेदः चर लेखानु न के द्वारायर हें न या दर पठका या दर। इसा यर हें न या श्रेन्यन्ता के हिन्यर स्ता नार में के वह भेर्या लेश साम है अर्वेर पर्दे ॥ कायदायास्त्रम् दावनाके दर्भात्रायास्त्रम् स्थान् तहना दाव लेखान दायाः र्सिन्स माया वनाके मदे लेखाया दासदुदादा नादस मदे दी। ध्राया लेखा वी.च. थु.च. प्रांच्या खंडू व लेश च. मुंदे वट दिए च. हो। सट्य श्रेस म. स्ट्रे वर्ष. प्रह्माय मार प्रेन पर दे है 'माल र क्षेत्र क्या वर हेंगा व केर प्रेन पर पर्दे हें हैं। सर्दि शुक्ष मु तहना पाने र्थिन व पायर सहस्वास यासन्वत् श्रूराय सरा रिवास माल्रानाट धेरायादेवे खुयाख्या देवे देवाया देव प्राप्त देवाया देवाया दे सर्व र दे स्त्रिय सर प्रमुर व क है। मार मे के व सर य स्विध पार प्रमा के च क समेद च क मालक मुनाय किया था। कम पर हिमायर हिन दें किया हु निर्मेश मेर दें निर्मा मर हें ना पानावन अटेंब रु नुस्त पर प्रेर न अट विश्व मु न या र्ते पद्म लेखानु न वे न यह या स्वाम संग्रहा नर मुरानरे । न यह या संग्रहा यः ब्रह्मदाय मुन्ता में न पर्दे के पर्दा के करा नहिंद में निविद्य ख्रमारका नहेंद्रामर ने दारि हेदादें देने नहेंद्रामर ने दान मेंद्राम के मेंद्राम के मार्थ के निर्देश में महित्यामा भेतामा है हिन है। महितामा हितामा में भेताम है हि है दि है श्च.पर्त्रेज.कृट.ह्रा.श्च.पर्हेंच.चप्.क्ष.तर ह्र्च.त.चिव.चट.लुक.चट्.कट्र रे... मुराय व्यर् करे हो नाट मी केंस निर्मा स्थान में स्थान मे

मह्र्रायर नुरायान्वर मु द्रिश म् नव्र नव्र पर नुरा हेस चॅर वहा। मानुदायदेश है रेमाश शन्त सदी दश्यायर हिंगा या अदि रू उत्वरे र्वे र्वे र्वे। मुनिष पर द्युर व लेषानु वरे र्व ५६ १ १ १ वास्य वर नेर वार्य कर् ना व र श्री खियान विषय मा देव ना दे स्मान र दे ना ना सद्य ने मी मा स्मान से से से से से यात तहनायानाराधिकाराये इसाराया हेनायाये इसाराया वेसारानार धेकाराये भर दूरेश में अर्थेट पर मुखा लेब मा भेब है। इसायर हेंगा य हैन अर्थेट य हैन พื่อ นา โลยเซียสานรู้ เลิ้มาไป พระจาสีพาผู้ราว เลรียนารู้ เลาสา ଵୖୖ୕୕୕୕୕୕୕୕୕ଵୄଽୄ୕ୠୖ୴୷୷ଊ୕ଵୣ୵ୡ୕୶୷୷୷ୠୡ୵ୡୄୖ୶ୠ୷ଡ଼ଽ୷ଊ୕ୣ୵୷୷୷ୡୢ୶ୗୗ୕ यस क रेन मालक वारेक व्यर है। क्यायर हेन या व्यर् का सम्वन ना निष् र्दशार्यात्मा अर्थे : वाक्साय राक्ष प्रयास की एयर की विश्वर रा। दे है द केंद्र मर्चेट्-वसःह्रेट-व-दर्ग। दे-नाकृषः गुरुषः विसःवु-व-सर्च्ट-व-दना-नीद्ग। <u>देते.भ इमशः श्चेंर चत्र, पर कर विर परभ लेश वि.च.च.च.भ श्वेर पर, रची पहिसशः</u> यर मेर भारती कर मेर मेर सम्हर न मेर मीश प्रमुद्द न हैं नाय यर दिया र दें बुस.चस्रमस तर् ॥ देवस.च.चेब्स.चत्रम.सब्द.च.भूर.तस सब्द च. मानेशाचाने वर्षा माने प्राप्त कर्मा मानेशाचाने वर्षा माने प्राप्त कर्मा मानेशाचाने कर्मा मानेशाचा मानेशाच म वसःसर्वेदः नः न्वा नो सर्वस्य शः ह्यू र न प्येतः ले न । रेषु क्षेर.**भ**र्ध्र.य.ज. नार्द्र नार् हिर लेश ने न हिंश है। अहर न हैर है न व नोनाश ने नदे हैर वुसाया स्प्रिया सामिक व लेसा मु न वरे द्वा है। समाया से रे त्विर व्या सर्हर

यःपविक के विश्वाप्तः यो विश्वाप्तायः पुत्रः मुक्का कर्यायः पश्चिरः य वे सर्वायः भुषु, प्रध्न र ज्ञा त्राच्या । स्वामा भुषु, प्रध्न र पु, क्षामा भुष्य स्वीमा भवानो दया पर पेदाय भेरतर प्रचर प्रचर विदा रे द्वा मे अदंशस र्स्ट्रिय पर नेद यते क्षेत्र में। क्षेत्र प्येत् विहित्र वि विद्यास्य विष्युत्र विद्यामान्त्र द्वाः श्रेम्याः स्त्राः देः १६८ दे द्वेर दः सन्यायः स्रेदेः द्विर स्त्रे दे स्मावेशः वुः वाता. श्रुचेशावशा हुँदाचर वेदादी। अश्रुवशा हुँदावाला अर्थेटावाला พ.พูง.มู.ผูพ.นิ.น ชู.ฟพ.ป.พชุพพ.ผี้ะ.น.พอัย.นพ.นิพ.นะ.นนี้ะ.น.... देते.कॅ.सर्वेदः तसःखुत्यः न्यस्यः वॅदः प्यॅदसः सुः न्वॅद् स्यते :सुर। ल्ट्रा शु महिंद् य विवे दे विद्राय वे दे दे मा यवे मह मह महिंद या पर नाम या वर'दिवार-र्रा। ५२'खेर'अक्ष्मशार्खेर वासर्वे वसावेश वासालियहे। ૬ુઌ૾ૢ.ૹૺઋ.કુ.વ.૧૧૱૱કુર.જૂય.વશ.ક્રા.ક્રુપુ.અજ્ઞમલ.ક્ર્યૂ..નજુ.વેશ.વ.કુ**ર.**.રંદ.ચંત્ર. यदः द्वीर र्ह्या र्व त्युष्ट र्ह्य यस सक्षम ह्यूर न स्मेय वे वेस न परे भ्रवशंधिक वायाने दे सुरायरा वत्तुरा क्रें हे हो वर्षा वर्षा अपालेखा चै.प.ज.श्र्येश व.श्रूंश है। देशतायह लाटा लेजा दे विश्वास स्था ฐัร วราธิรายาพลาริโ เพลารูามาอุณานาณามะผมผาฐัร วรามาสุมา त.्रेर.ग्रे.द्वैर.स्। रे झ.स.ल्य.य.य.क्य.क्य.तर.प्रग्रेर.स्। वाश्रव. न वे स भे त दे ले स न न वे क्र न न वे क्र न न वे वे पर के न न वे क्र म न न वे क्र म न व प्यायः यदे : खेर : हा। अर्थेट : पदे : खेल : पदे दे लेख : गुः पदे : के अर्थ हा य के द र क द मी द र र में द र નાયતા.વ.રેદ.મુ.પાજાતા.હેર.<u>ખ</u>ુજા.રેવ.તુ.તુ.તે.તે.તે.તુ.તુ.તુ તીતા.જ.સ.ચ્યલ

न सं प्रें न स्व मार्थ न स दे केद के दे दन ने क्रांस घरदाया कर केदा भेदाय है से बिका वाया दे ... न्ना वे लेखानु निकासर्वेद व न्दर इवाया न्या वेद्री व निकास है तिक्रि स्ट्री है सूरा न नाके नादे क्या पाठवानु विद्या है न वेदा के स्टार्स क्या प्राप्त है न त.रेट.क्टर हुनेश.त हुनेश.त.ज.स्चेश.तपु. (बेश.वे.च.हूंश.हे। हरे.रे. भर्तेर. य.ज.पडिचा.स.रेर.केनुन्यास.स.४ इचास.स.ख्रा.से.च.च.ज.स्चास.स.के.चेस. द्भैं वर्षे । रे.केर.व.म.च.म.श्र्यम.च.रुभ.न.च.हेब.टे.चार्थान.रच.ल. नार ग्रेशको अर्थेद न सुर र तहना य व रे य सुर र तहना य केर ढ्ये विन्याया कृत से प्रत्रापर पहना या तालर सुरापु प्रतिना या केरा प्रेरा परे मस्या ृर्धेक् र्यो स्थान्स यानादाधिक याने द्वारा न्युहेना नु विहेन यदे लेक सर प्रमुद्दा नालक भट लेख स स समा स स्थित स स्थित स स चीया ने ना हे हैं सर् वे केल प्रदाय मुना सवे हुना में इसस दर लेख में न वहें दर ब्रेस मर वतर ता भेद वी। पर्र व भट वेस न पर्र दे मर्दे दे केन प्रद ्रिश्चेशः गु हे 'यर यार्गेद्र' दशः व्यद्देशः अदः हो व्यद्देशः यदः यहः वर्ते वेश मु न तरेश व कर धर व मुर र्गे। श्रुंत सुय पुर प्रव र प्रमे त्रिम. वर्षे देशता सू अंश वि.च. दु.चे.चे.चे. जिन वर्षे देशता सू ।। ने के द्वारा में अप कर के दाया प्रेम पर हैं ना के दाया है ना म निर्देशमान्त्री कर्म निर्देश के मिल्ली कर्म के मिल्ली कर्म के मिल्ली कर्म

् **गुट:द्**वह:र्च दे:इस:पेर:वेश:पदे:हेस:सु:द्व्यःक्ष:दह्याःपर:द्व्याःपर:द्व्याः न्वट र्स्स ३ मस सु र्स्ट व अट स्नु र केन स है र प्ये द यदे रहे र ।। 3.35.03. र्वे १६२ छैर ६म १५ छर छी खुय ठ४ छैर स के रवे। व व व हे छूर ् न'भेर'म'र्मुन'म'लेस'मर्हेर् हेर्ना हिंद'यरी'भेर'नाम'भेर'ने। परी'स्र ५ मर नी अया वर हेर ५ वर्ष राय रे सेर अर हों राय सामी र नी। वर्ष गुर है अर द्वर से हुन कर मु खुयाया दहना दा दे अर थिर गुरार र दर हैं हैं। " " अर्वेश्यप्र तीय पापहियात्रार् वर्षेश्यप्र हिरा भूरापार्वेया वा कुर्व ह्यू शासी न्द्रायात्रपटाद्वाद्वाद्वाद्वायात्रप्रमान्यात्रप्रम् ब्रिर-दे-दे-ब्रुर-४ विश्व-व-त्य स्वायन्य र्स्य स्वा। ब्रुट-विना संस्थानर होदाया विक नु न वर्षका वी भर्गुट रट ने खुयाया वहना वर हिंदावर ने देश दश ंचर. पुंच व.कि तूर् क्ष. ग्रीका कुर्द के लगा वृत्र के के वर पुंच के वा करायाः ष्मिर्यम् श्चायरे हैं यर विषय तुन रेम विषय है। व रहे यर वेष यरे रे ल्यां र्या मिश्वार्ट्य प्रमान क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्र वहिंग्याबेशकी वहिंद्री भी यो ने ने विकास दे केंद्र या भी नहीं में अवर बुना मदे ये ने लेश है न या। ये में नहे न है में अहर बुन यदे भी ने भी के ने की ने र्शे वे ते साम प्राप्त पर के दाय के प्राप्त के मी ने हैं पर पर ना के दा

उत्र नाडेना नु 'यू दे **स**'यू म 'मु म 'ये हैं 'बे स्व 'यु 'य' है 'से में 'यू हैं दे यू 'यू ना है ने 'ह है ' पर्देश यर मुर पा लेश मु पर्दे पर पा लेश मु य वै भी य पर अद्रेश पर अप से पर में। इर्ने य भिन्न या अदि पर अप पर पर विश g:व:य:र्श्ट्र:य:वे**:दुश्य:म्(वर:म्)**:म्|वृश्य:पद्रः ।। नाय हे थी ने ना हैन तहें त्र . चेश त. त. में बेश में बेश में स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त स लेशनानुस नाव र भी केंद्र सर क्यार में। यर मेदाय दे इस सर लेशन २**ऀना**शःसे**ॱसप्तुदः यशःस**ॱऋ**ॅ२ॱयः प्येदः नेॱद्वः यः २ ः वेद्यः यः ५ नः नो द्वाः द्वाः वेदः द्वसः वेदः नुः वः** ता.श्चीश.त.ता। श्रमी ता.श्चीश.तपु.र्भा.तर. जेश.त.रेवी.वी.येट वसा चीट.ची.ष्ट्र. क्षेत्र तर . जेश्व. त. चीड्च. रट.ची. लीजाजा. नेश. हे. ही र ड्वा. ही र जिल . पर वहना पर विषुर व विषे व वरे रें के हैं। दे खर व नाय हे इस पर वेसप केना कर भी वर अभे वर की वर कि वर की वर्ष की र्च निके निके प्राप्त से दे पर स्थाप मार्थ दिया पर के दे ती से के दे हैं। में वार्सर वसावर्सेर वायालेसाउान है । अरायना नैरापु स्वापशामुदा र्ह्याया **ढॅर** य'र्नः स'ळॅर्'ये के सूर' व'च र्न'यर' सर्चे देन' ये 'के रे 'के से वस्त हैं।। हैन दर दे द तर प्रेस.च.पडिंग.तर किश जुरे.त. बुंश.चे च.ज सूर्यास.चस.चेवरे.ची... म्यान र्वाका न प्राप्त । स्राप्त स्वाप्त स्वापत पर्या। नित्र केंग्र दे प्राय द द्रे द्रम पर देश य प्राप विवा केंग्र माहर भवशायहर्ष पर में प्रचुर है। ह्वा नु हेर्ब है वर वमस उद यह दार विवा यर त्युर र लेश न प्रे र्व र्वा । नाय ने इस पर नेश पर नेश पर के ना कर

मु नर मु यदे यद यदिना नहेना या कर या यो दे न्द्र दे अर । सुता निवान निवान ता. इस. तर. पुराया निव्याता तीया नु. र्से तथा गुरा ही या नाटा नीसा नहीं ना नर येश। मायाने ने साम विकार ही या वा है हिन का है विकार के प्राप्त है मा बर लेखानु न व सेन्ब म र्झूबर स्त्री नाय है प्येत हेन याद्र न वह साथ प्याय मिवर पाक्रमाश्चारा सेर पर दे स्था राज्य के स्था प्राप्त मिल्या मिवर प्राप्त से स्था प्राप्त से स्था प्राप्त से स्था से से स्था षा द्वेदे खेर तहना पर भी त्यूर ले न। रे खर देश पर हेंना य रा हेंना य रा हेंना मायाः स्वायाः म्हार्याः द्वारायाः विद्यायाः द्वारायाः स्वारायाः स्वरायाः स्वारायाः स्वरायाः स्वराय र्वट.त् व.चेश.नव.मैं.लूब.धूट। ट्रे.लट.ले.च.चेश.च.क्य.च.क्य. यासेर्यये कुरा देस वनायह में रूप्त न्यायस वा स्रायानावर ता लट.पुरा.त.बालक.सु. त.स.लुक.बु.। इ.कुट.गु द्वेर.मुरे.हु.के.त.प्वेक. मंबिटश स् . बुश ने. च. बु। कि. इसमा १. चर् . इस. चेश जन । हि. केर् मुक्तमान्त्रीय प्राप्त विकानियान्त्रीय विकानिया चित्रा देशस ह तब्दे लेस नाश्चरम र्या। अनाम भे म र्याम विस नु यः दे 'या सः ग्रीः तुना रा स्थितः हो। सनायः से 'या सनायः से ना सन् या सुन तुः यहना पा वा से ना सनायः से ना सनायः में हेस सु दर्में 'च लेश मु चदे र्दे र्दे । े दे हैं द ग्री सुर खुम उट च द मादस यर नुेद पर देर द से र पर नुेद य देश नु य है सन्या से या र्सेन्स पर पर्से र यर.यी.य.लील.श्रट.य.थे.योथम य.ज.भुवी.योम.पष्टिवी.तर.पुटे.तस्। भट्ये.सीम. हॅन्। च र्रः त्रयाया केरा र् मूच राये सुर। हरास गुरासस यर् सामये रस्मीया यन्तर नेर विश्व रया रे सिर प्रते स्था स्था मा स्था से हे हे सा महेश पर मि पर त्रेरा वाला में में राष्ट्र पर्या त्रं लेश ये या वास्याय पा श्री शही। रहा

ब्राच या व क् में दश्रेनी या पार्च पर हिंदी या भवावें विया है पार्व के ब्रिय है पर वे कि है देवी के पर क्षेत्रं में क्षेत्रं दे ह्यूराचार राष्ट्रेरालेश याते होता ह्यूरा हिंदा मेरी प्रहेत ं वाके विवेच वामावहरावर हुँरावर वहिंदावर में विवुरारें। हुँ देंदरें क्रियां मुन्य पर मुन्य प्रमुन य भेर्न परे मुन् मुन्य मुन्य परिम् ्यर वेंद्र यं भेद वें किया हुति। दे खर द पदि या नद् था मा विद्यापदि । भार न्त्र प्रमान्त्र प्राप्त विकास के स्वाप्त क बाउर मी कर मार्थिर में। पर्ने स मेरे प्रेश या हैं न स पर मेर या हैं न . लूक् तर वश्चेत वर कुराव स लूक् है। साची व त. हेर की हीर दि हिसास देश वना है द दे खूर यह दे गुरु है। नाद देह नाद देवह खे है भी संस्थान द स्विर यादे वि हैं ना या सेदाय सिंदाहे। देये राव है विश्व यादे देवदाय दि भेसाया कें बेर्स् ॥ वर्ष में बेरान बरेदे केंद्र नरास है में का केंद्र बेंक माना बर्द्भाने सामाने भून पर हो र पर्दे ।। दे त्या पर्द्विन या वा ने ने पर हा है । मामान्द्राचाने द्वा क्वायाया वे केंबा चार्या ने केंद्र वे लुर्ग्नेयात्रस्यायायायात्रालेशायायास्यास्या में भू देशमाश्रामा महेंबर मानार प्रेक्ट में हैं अर देर माना माने के लिंग मानिय लट. वेश वश वश वे च व स्वाध च हैं श च ला नाइन हैं नेश की विच ध लामा लेखा मुन्या के हिंदा चित्र वर्षा मान्य दिया है। मान्य है। मान मुन न भी है। विश्व प्रति के किया हैने पर हैने पर के न पर के न पर के न पर के न रिंद्र ने निया में हिंदिन के कि कि कि कि कि कि कि

य उद मी दम यर देना य की य हैन केद दें। दम यर देना य दे दम या नहेंबा है। इंब.ची.ब्रैंदे,क्म.च रहाह्म.ब्रा.चडोयाचारह स्वेते क्म वारहा पड़ेयाहर्ते। वर् तास विद्यात प्राप्त द्रात दे ते देश पर हेंगा य दे ता मानका य पर हें न यर हैं न व वह वहेंन यर उद्दर्भ प्रति पान हैं से प्रति पान हैं न प्रति पान प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प न'तहेर्'न'अ'भेद'र्दे लेख'नु'नदे नार्द्र केंनाय'तरे' सम्मुन'मर'दमुर'रे । दे हुर.वर्द्धर.चर.चे.चट्र.क्वेरा ट्रे.क्वेर.व.चुस.च.ख्स.चे.च.ज.सूर्वास.सैचस. हार्मायर हेंना यह जेमाय निया प्राप्त वह नामेर वा हैर हैं। वे नाम हेंना यह वयश्यद्रायाक्षेत्रमायराह्न्यायते कुरास्राविष्यास्य विष्यान्य विरहे्याः मा खेरे दा प्रश्चीय तर वि.प.प.प.प.र. कू मा मीय ताला है पर हूं पेश राजू वर्षा इस.तर.र्वेचंश.तप्.र्थेश.तर.पुंश.त.४.वुंश.त.ज.लट.ल्ट्र.तप्.दुंरर्ट्। वुंश. व दना मीश हैं दि हुई मी उड़े यान सामहित्य हैं साम व निवर मी नहन हैं नहा शु नहेंद्र च संध्येत दस्य वह दे विवस दि च्या में के संध्येत हैं होता पद्गार्थेन संभागिताने। पद्गान्त मान्य देशान्य से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रम से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से पहुरे. यपु. धयश.रेट. येण च. हेर. क्री. क्रीर. च्रीश. क्रीर. प्रीश पश.पंरीण. वास वहार वेर नियम्पर के बचक न्द्रमान केर वहार नियम व्यथाश्चानीर तर्यु क्यातर रिहेर् तर्यु क्यातर जेश व रिट लट वया यह हिर । क्रीस वः में प्रदे सम्म मुना पर हैं पर हेंना यह है पर में सर में स य प्रदे से म ह्र्व तर प्रजीर रू. बुश राजा व स्थित तर दे.ज. चित्र मीय पर वहर्

यते हुर। ग्राने वर् याम नुस्य रे प्रेर हेश न न या स्रेर या ह्रेंस स्रो परे पर्देर यादे प्रश्ना वश्रक्ष उद्दं नु पर्दे से दाय प्रयाम से द उद्द मुस्य प्रमानी नवर वि ते भेषायादे वि केर ग्रेस र्श्वेर यान्य वस्त्र केर भेषायाने वे केर । रेत वस्त्र विस्त्र संस्टाय सामा में विस्त्र नहार प्रमा विद्र हैं। है से र र र निर च् ते क्रायार्च्द्रकर नेराया हेराया हराया वर्षेत्र या उद मु उद्यायाया या हेर् या दे हीरा 2. dat. a. g. ya. n. ann. ac. dat. n. gl n. gl. m. a. z. z. na. u. z. यः हैर थि व लेखा वहार यह नियं होर । मुन वर्ष स्वर ही वस देरे ष्ट्रह.कर.ट्र.ज लूर.चर.ज.भ.वेट.च.बुल वे.च.ज.सूचेश.च.शुंब स्था वस्त्रीय. त रेट.रंगचे.त.रंचे.म.पंपंत्रुण.च.रंट.पंचेत्र.च.म.पश्चिव.तपु.द्वेर.इ. खेश.चे.च.. र्यट ये ते वेश यानाट प्येक या दे के हेंना या से दाय प्येक के लिस हिन वर्श्चेय.तर.चे.च.इ.ज.वर्डेज.च.श.चर्डेय.तर्ड.क्वेर.रट। बट. न्वर से दे वेश य भेत म ने के हेंना य न्र हेश सु वर्षेय मर विगुर व भेत हैं लेख. 5. चढे. देवाच याचर्सेच. तर. वे. च. दं . ल. पेचा म. च. स. च हेबे. चडे. हीर. रू।। दे. पश करी वर्ष देव हिर क्षेत्र खेश वि. व. हे वर का विदः व है देवह वे हैं . वेश य र्हेन य मेर्य १ र प्रमुक यर मुन य र्वे हैर प्रमा हर यर रह हिर यर है मानि त्या र्याम्य त्या दिव ता र्थे व ते र्योद त्या कव मी र्शे क्षा त्या प्रदे न माना ता ।। ब् लिस पहुर प्रते हुर। नार में हे दे हा भेर य लेश मि या स्वास य श्रुम् स्था वर्षाकर्म वर्षाकर्म वर्षाकर्म

र्वेबातर बैट.वश.रवैबात.हे.वर.ष्ट्र्यत.रेटा डेश.ट्रेय.टे.बैट.वश.डेश. नुदासर्केद न प्येद दें। देन्यानी यने याना या संनाया धालेसाना न देन्यानी य.रट.र वैचा.च.कथ.मी उड़का.वर्ष्ट्रा। श्र्चाश.य र स्त्री त.वु.वहचा.दुर.राष्ट्रः ଘାଡି**୮**.ଔଷ୍ଟ.ଗ.**ଖ୍**ୟାଶ.ଗ.ଌ଼.ସะ.**ଖଞ୍ଜ୍ୟ.**ମ.ଡ଼ିଖ.ସି.ସະ.ଖିଁ-.ଟ୍ରୀ। इटाइम्परार्थों इटावळेंद्रायायाँ इटाकु ख्वालेखानु वा व्यवस्था इटा व्यवस्थान यस:द्राः हुः दुवे प्रश्न सुः दश्यः पः दृषे त्यः यह्न वः वे विश्वः विष्यः विदायस्य विदायते । हैर री। रेपस दर्ममस्य सर्मिस पार्वित रे स्र द परे दे रेपस थिद ढर्'दे'द्र='खर्'य'यश्य द्रद्र'यर'से 'ब्रह्म्'य'द्रदेते,'ब्रेडेब'व'वहरूप अटादम् रेट नु मर्शेट्य म हैन प्रेय के बा सेद्'यरे कुर र लेक न व से केर होंग पर्या हे: अ५:२, वर्षर, वर्ष द्वास, तस. खेश.चे व. थु. र ट. ची. भक्ष. ३८. ज. से. उ. प्रा. त्रव दें 'हेश' मु'च' त्र स्वा संव स्व श्री राम स्व स्व कि से कि में कि से कि रुष व नियम में ते भी भाषा ध्येष विष्य । ने य मु द में द य में द य है प्रस्ता । द्यदाच ते. तेस पास्ताक हिंदारसाम्प्रदेश पर हिंग पार्टा वह साम स्मारी है। म हिर न भर हिर यर रट हिर यर ही निष्ठ था स्मिन से में वहा ... ८हमा स्र विकृत हो। हे**र** संदर्भ स्त्रीय गुर द्वर से हे के साम हे**र पर** वेश.त.भ लुब.डी लीय.के यपु.क्रेंचश.मश है च.क्रुर.चर्च. होर. रेटा रेश. निवर म हूर् त. इर. नव . हैर. हा। लट. व.ह. सेर वनेर. नव . ह. प्र. वंश. च.व.धु. व.तर.बी. रेट. विरंतर.बी. बेखे. खेश.चे.व.ज. स्वीत . च च हेरे थ......

वन पह रे नियानिर तर जा स्वीश ता पहुरे तप हु श में सार हुरे वर्षा वीता है कुष् कुर रवह स् व. जेश व.वहंबा व.भ.लु खे.वी हेर.न.वह दशकीश. मुद्दालेश नु न ता स्वासान स्थार है। स्वासा प्रदेश स्वासा मुद्दा स्वासा मुद्दा स्वासा स स्वासा स्वासा स्वासा स्वासा स्वासा स्वासा स्वासा द्यारं यक्ते वर विश्व विश्वाय व रेट. ता वश्चेत तर तर्ट्र पास हुन. शु तर्त्ता कर्मी है सेर प लेस मि न म स्वीस प हैं या से ॥ म्न.दर्नाषय.वर.क्षरा स्र.दर्नाषय.व.व्याचेयादेवेत्। य के.य अद आर्थ्याश सर् ।। दे.र्या है हैंदा यह दिए हैं य ठरे क्या है य दावादाय दे.रचा.ची.केंद्र.च.लूरे.च.टे.ज.टे.केंद्र.वेश.वेट्रा केंद्र.केंश.वेट्रा केंद्र.केंद्र. यर देश न'भेर'ने क्रुंद्र महारा व वहार द्रायदे दे महारा है का वहार का व वें लेशनुवरे दें हैं। दे हैं दे के के के दे ता व त्यद मी मि दें मा दर लेश निकास स्मान्य निक्र पर निक्र प्राप्त । विक्र मिर्दिन निर्म निक्र न पर्मा के नास्त्र पर क्षादाय उद के र प्राप्त पर देश के में देश मान पर क्षाय पर स स्कूक्ष है : श्रुम वह वह वह दि ।। रद्देश वह वह वह वह वह वह ।। पः द्वारायाधी दिव विकासी प्रति देव हो। सेरा मी इसाय का मेश राखा गुरासेना म्राजितामाश्य वर्षात् व्याजमार्थे स्थाना विश्वासामा विश्वासामा विश्वासामा मक्ष्मुक्षान्वासका नके दें ने निम्पितान ने व्यक्ष मन्त्राम लेश न नके दे ही मिर्दिनान्दर देवेवस दूर भे ने बेड्रबा यह दें विकानी नेस न के मिर्देना न्द्रन्तियमः न्द्राञ्चने न्द्राः बलेवास्व वर्षाः विद्रायमः स्वरं की द्रित्र द्रायाः

वैदेश दवेब या विदेश यदी विद्यारा प्रवेश या विदेश से देश में देश में देश हैं विदेश में देश में देश हैं कि विदेश में देश मु में रमेन्यायर्गा विर्नेन'तार्यन्य यदे क्य य दे वया व रदान्य न्याय नित दें निनानिस लेख नु न के ह्येर पर्दर पान देंग रहार नुवस रहा ह्येर हमा में इस वर ने श वस माइट वर पु व नाट प्रेश व रे रना मीस लेश पु वरे रे रे रे रे मेशन दे हैन है ने त्यक्ष व न्द्र पति निक्षा नरे दें वें र क्रूट न हेन प्रेन हें लेखा वि.चर.रेस्ट्स.स्रा वस्र.त.परे.च.रचट.स्.जम परंश.त.हेर.लुर पश. इ:वेश-नु:वं वे माव्य मुद्रा पद्र पात्र प्र वे हिश शु र्यमा य प्रेय पर पर्र र हीं किंग दर्भ माना नामे हिंद नहार माने कें लेश हान है हाम माने महाम च लेश न न हे सु ने दि व कर नी में क्रा कर है र द व है मार दे व है मार दे व व यरे इस वहास मुवाय केर के सेर में अने व लेख नु नदे के सेना धर्मी के पर्स्टर याननु नायकाका ध्येदा के लेका द्वाना के म्लाका न मलकान्य सहीया । व छ र मु र र वाश य दि नाश य व वावर दे दिवा के दे । माय'रे'रैंदे ब्रूर . ७. थ। टे.ज.लय.जचा.कय. ७ म.चे.च.ज. श्वामा. म. ह्यूमा हे. विष्याना लेब र्बे. बंब चे.प.बे.चंबर मुंबर में चार लेब त.चे। चार्य प.चंबर रेट पंचेता प. बर मु रे र पर सुर पर सुर र । वावर मा अदा है साम से स्ट पहेर मु न्याभरार्त्या इसान्द्रे हेरलेश मु न तर्मा के स्वर् हर त्रेया परा Bर. तर क्र रे . पे विष्य प्राप्त क्षेत्र का अरे . के स्था विष्ठ में ते के ति स्था कर का भी इस दे स प्रेंद दें लेस नहंद पर तनुर रें। देन हेद रेदे सेर प्रम

ଌୖ୷ଽ୷.ସି.୷ଞ୍ଜୁ.ପ2୶୶.ଏ୬.ଅଛନ୍.୯ଛଲା.ଘ୪.ଟଲି.ଅ.ଞ୍.ଖ ୢ ଟ୍.ଖ.ସି୪.ଲି.ଅ.. लेस.चे.च.म स्वासाय श्रूराहे। सूरायर चेरायदे हेंवासायरे हेर केर केर तर प्रत्रेत्र व. वे. ट्रेप्, क्षा व. लूट्बा श्वि.चीर तार्चे प्राचे. व. लूबा है। अधा टियु.स.क्षेत्र.चोट.चुर्सासी.येट च.जेस.चै.चपु.ट्ब.ट्रा। च.पाट.जुर्साक्षेत्रा.लव. लबा.क्षश्च क्ष.कर.रभाचाश.श्च.भर.खेर.ह्या य.लट.ल.३.७४१.घ.५८ ह्य अदःश्री वर्षेद्रयः २५ वः यश्वास्य अदः यः दे स्वरः दः कुः वहेना वह्व रही। र. व मैं. विषय नर्देय सप् हिर पर्दर न जार म दे . बेश में . व हिंग हो। ईश. ৸৴৽ড়৻ ৸৽ড়৻ৼড়৻৽ৡ৴৽ৡয়৽ঀ৽ঀ৾৻ড়৴৽৸৸৻য়৸৻য়ৢ৾৾৾ঢ়ৢঀ৽য়ৢ৾৽৸৴৽ঀৢ৾**ৢ৽**৽৽ मर्शा दे:केद. णे. खेर. पड़े स.च. चेद. पश्च सद. दे. च स्थर है व हें खेश. पहंच र्निषामान्य प्राप्तर हिर्दे ॥ र्नि निष्य है निष्य थिइ:दे। र्व:माल्र:वे:देव:यमःमाल्र:यहना:यदे:मळंरःथेव:दे। यार्द्र माल्क मी हेक र्व्यद्र या के हेक रहक रविकाय। देखा मुरामा अदारे พูब.जा व.क्षेट.प्रेट.लुब.बुट.रुजु.बुंह.लेज.बुंब.चे.चर.कूच.क्ष.चर.क्रेंट. र्ः । १८ह्स. म्यापाया क्षाया विषया या स्रेराया है त्यारी स्राप्त स्राप्त है ।। मुंश्रासामार्ट्रामार विराधर के हेशा शिर्मा मार्थ वे शावान है हर के कि तर.पर्।। श्री.प.श्चीश.त.ध.रें..तठ.विर.तर.चीव.तर.वचीर.र्... हेश. व. न. बु। ह. श्रद. ने. न पर. न पर. न पर कु न श के म. श्री ज श्रव श त न न मिर वर इस अस वर्त वर विर वर वीव वर द वीर है। हे हर वर वर वर न्गर में न्द न् न् न्व लेख मु न त संस्थाय त प्राप्त । रेन्य प्राप्त संस्था प्रदे

स्बेश.व.र वैचा.व.१११.वेश.व.र्ट. वर. वर. वर. वर. की. इश्र.शे.पर्ये. व.११ क्षेत्रक्षा देला हे सा हिसा निया स्थान स्य व.रर.त.व्य.स्था र.य.र.स.स.स.स.र. र.तप्र. खेल चे.च.च.स.स्यास.तस. प्रकर्मा नेतर्ते। देवे प्रमालकार्त्राची रात्र प्रमान साम स्थान साम स्थान साम स्थान साम स्थान साम स्थान साम स्थान म भेर हे लेस मु व ते यर न्त्राम्य पर मु व र दि यर पर स्तर पर ने पर से पर र्ट्य. त्र्र. हॅट्. नप्. देवेच. त. द्य. प्रमा स् र्या। इप. पर्चा स् भरे. पर त्या लेस.चे.च.ज.रचेबे.त.पकट.च.भुर.तर.लट.ट्र.॥ वीर.ह्र्च.त.जस लेस.चे. न.मा ह्यॅ. कुट्र इस. चर. क्रंट. च. उत् ह्यॅ. पर्ट्या स. चर चेर च. वे. ग्युं ह्यं फेर्ड. देशः क्वां चन्नारा चा वे गुव हिंच पर्दे 'दे 'हे दि गु हिंद द्या पर 'हें ना परे ह्यसं यहन्यसं यदे छैर लेस यहने हैं। दे स्नर हुन य दर द्वन य उन सदःद्वाप्तेत्राचे म्द्राम्भवसःभ्राच्याणे वितायरः देःसमःद्वाम्बादान्यामः ।।।। ल्ये ता ही पर त्यार लेटा। देश लट र मी सक्ष हे भेर लेब पर हीर ही देश शक्ष्र णे कुं साथेदारे। रहानी सकर १ हिन ता क्षा से प्रमार पर्व हिन हैं। त्रं गुः दे तानावश्कास्मवश्चालवर नुः ह्या पर्ने वसायर छेत्।यदे दसायर हेवा यदे ह्य : ह्ये : न्या का का के कि स्वार के कि स्वार के के कि स्वार के के स्वार के स्वर के स्वार क चर में भ्रा भेर में। र्युनायदे रूट में मर्दर केर मान हेर म के साथे देशी लब् या ने प्रसादा निया मुद्दा प्रसाद मिश्रा वा स्ति प्रसाद मिश्रा वा स्ति प्रसाद मिश्रा वा सिव प्रसाद मिश्रा वा शन्त्रपाञ्चित्तर नेत्रपाद्णी हेश श्चान्यम् या स्त्रित्य शास्त्र हे विश्वाप हेता

यर द्रमुर रे ॥ दे किर है रेश है रिये अ मूच यश लेश मु च य स्वास थ र्श्चेस.स्रो। ट्रस.च्.चिर.च बरश.स्रेट.ज.स्र्चेश । श्रि.देशश.पीट.खेश. यु:वात्मार्स्वासायात्वा प्रदेश संदिष्टा वाद्य सामु से दो वाद्य साम् हुस दु वे वे । दे दून वह दे यर हु दे पर हु दे दे हैं दे हैं पर विद्यार येदान वार्सन्म निर्म द्वार र्स्या र्स्या विष्टा विष्टे निर्म महिन्य विष्टा विष्टे निर्म स्वर्ति । 'लेख'य' प्या देवे 'खुय' ठ३' 5' प्रदेर 'य' केर' ग्री 'खेर' दें।। हस' रहा। प्रदेर न्दर्दा समार्दा हैर्दा हिर्चरर्दा दहेंच दर्चत्र त्याला तर्द्र त्या दे मुक्षा पर्व दे मुक्षा पर्वे मि द्रमा दे दे मि के मि दे दे विमर्श उद वहेंद पदे दर देव उद के दें। दे अर हेश दें पदे वा वि के स्मिन है। क्रिना मो द्रें र से सिं ता पहिना सब सुर र ।। हिर यर उत्र प्रीत हैं लिस नु ये हैं । रदःचल्वरक्रेदःर्द्वर्वर्वर्वर्वा देवे खेरख्रायालेश न चाया स्वास चार्स्स्र स्वा र्षेत्र न्द्र : व्यन् : व्यन्य क्षेर रें लेश मु न या विष्य मार प्रमास में मालक मी पर रें प्रमा प्रमास में मालक मी पर रें प्रमास में मालक मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास में मालक मार प्रमास मार प्रम मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्रम मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्रमास मार प्र मार थक हे या नालक मर वजरमा गु खेर न लेख मु नदे थे न न स्था न स्था वर्गेर.स्रा ड.सॅ.इ.ब्रेश.वे.च.ब्र.चिट.चवटम ग्रे.सेट.चव्.सेर्सी श्चिं यं ने ब यं प्राट दें मीश वहार यं प्रात है। दे से द यह या प्रात है। पर्वे केर्सा देशका प्रमान के हेश खान में नदेश

नेस'व इर्द मर चेर द्या वर्दर नेस य वर्द्द य वर्द वर्द कु क्य प्रकृति -लेश निया भरामिना या के बारे । वर्षे राया मान वर्षे तर् क्रिम् नटामश्र हुश शि.पर्ते च क्यामी में केर करें। में केर लेश के क्रिन क्या र्श्वर गुरु नु नहनास य स्मिन य ध्येका कर है । स्मिन स माध्येक हैं । लेख नु न ल. श्रुचीश्र मा.का ल्यू १८४ कुर्जे प्रत्य दे दे दे हिंदी है कि स्मिन तारी कर क्रुने व.ज शूर्येश त.रेचे ज.जूर त.च.च.क.जूर बु. खुंब.चे.वर हीर ही। मु द्वेद न त स्त्र्र स्तर स्त्र द्वार मुद्द न निहर्न न स्त्र ले न द्वार स्त्र स्त्र के न मिन्द्र व बद्ध लेश मु न का स्वाध न स्थित स्था व प्र दे दे पर से दे यत क्षेर रे लेश नु य के शर्र पत मुर्य यर के रहें शर् के स्वर सा यदै म क्रुन् के पर पत्रम्भ य कर् ध्येष के लेख मल्य न्म क्षेस्स हो। गुःगुक् पृःचन्नसः भन्ने के वरः वर्षेन्सः सरः द्वेदः यः नाटः प्रकः यः दे वरे वाः व्यर्थः यः माध्येतः ब्राचिशः नहेत्रः तर्रः द्वैम। नाव्यः तारमः नुः नान्यः पर्रः द्वे रहे स्त्रः য়য়ৢঀ'ঀ'ৡৢৢৢৢৢ৴'৽য়'য়ৣ৾৾৾৻৻য়য়ৣয়'ঀৢ৾ৼৢৼৼঀ৾ৼ'ঀ'ঀ৾য়'য়ৢ'য়'য় য়য়ঀয়'য় ৡ**৾ঀৼ**৽৽৽৽ पर्नोर् धर नेर रे। वनाश र लेश नु न पर पा पा रश में अर्दर है र उद मु बेश.च.च यु.रेचाश.खुश.च.च.यु.लय.लया.वर् विश.श.पहूर.चपु.सुर ह्या चैट मी पर्ने न रट सर मा हेर ग्री मारस व र नमस लेस मुदे लेस मल्य मिस वेर 5ï रे द्रन ल के हरा ल लेर्न य फेक्स ह मुत्ते लेश मुन के के रहेन द्रन रे.क्रेर.ज.रं.रंब.पब्र्र.त.परं.बेर.च्री हर बहुमाज लेस.चे.च.व.व. पटा रहूम.मी.लेस.वर.लट.ट.रे.रेच लेरे.जी

त् स्वाद्य त्र स्वाद्य विकास विकास

क्र-भ रभार जीवा जी त्रेया प्रमा विष्य क्रिक्ट स्था

दे : इर : वेश : व : भेर व : अर व : अर वेश : वेश य दे र के के के विषय शु मठद यदे क प्येव या। दे के दे के दे के दे विषय के कि ् लेख नु न त स्मिन्य प्रथा सुनाया सुन्य के सर न मिन विश्व प्र का प्रकर पर निर्देश हैं। क्र प्रवस्त व ने स य व दर्भ मेर पर हे द्वा वेद य के द वेस व य दे वासमा न्ते हिर्मर रे र्ना ने त्र्र भ नुरन्य वे ते ते स्वार रे र्ना न्य हे न्या स्वार रे र्श्राच मान्याच विष्याच निष्याच इस पर त्मोवा पर ने र्रा है रहा देश में सामिता में रे के र्यो से हैं नास यदे कुर दे द्वा मीस लेस नु या सम्मास या ह्या हो। शर् या स्रिंद न स्पट द्रसं च दे द्रमा ने सर्ट च के द्रमी सम्बद्ध मा दे हे स्था होर उट पदे द्रवट च दे क्षायाने न्या क्षेत्रायर क्षेत्र क्षा क्षा यव दिन हैं।। दे क्षेत्र माम्य यर क्षा यव क्षेर। दे.र्ना.व. बुंब.चे.च.च.सूर.च.श्रूब.ट्री टे.के.चेर.चीर.चर्य.चीरावर्य. च इसस गुस विस मा होत या दे त्वा वे वाद वीस व द्र व लाट इस या विवेता हैं ते यास्त्रीद्रायम् सेद्रात्रे विषान् नाम् ने विष्ठा वि इद्राया सेद्राय लेश मु न के दें क हें न स्पर में ने प्रति से स मर्दे । दे प्रदा नुदायशान्वेनानु लेसानु नाया सँनाया यस रहेद पर नुदार हो। देवे प्रवस्त न

নাত্রনা. दशरा अहें : च विश व च रे वश्या वर प्रवश्या व दश्या व व र् हॅन्स यरे कु भे सुरा । ब्रॅ वे : घ **५**२: से **५**: यः प्येव। । ब्रॅ वा हे वा : मु थि द्रिंस ये थेस। । नासक न इसस गुट श मे दर केस न न देर नमूर बेद्रायकेदाकुराकुरान्त्री दे प्रवसारक्षाक्षया हेसायम् लेसानु परे परे मा हेम्बारा ता सर्विका सबे वहास नु उदारें।। देवे वहास नु उदार से प्राप्त मा की नार नीक हे । इ'तुर नुर भर्दे ईन'या १३ मका हु। रे प्रवृक्ष उत्र मा प्येत है। ह्यात्र दस्य पर नेस परे क्षेत्र होत्य स भेर वें। दे द्वाद्वाय य है निव्यत्याय हो इस य निव्यत्ति निया मान निवास मान दे तह व द्यात्मा के के शास्त्र के विष्य के किया लेशवा अका मृत् पते छेर्द्रा े ने स्मायका के दुस्त पते छेर दहूँ स र्व सम्माय र के र व दर्द वार भीन व देवे वदन के दे न व व र व र व र व र व र व य द्रार क्षा पाके शार्त या केर माने खेर हैं। दे द्रा पर प्राप्त विका g.च.ब्रे-इन्ड्र-इन्ड्र-वर्षक् की.बर्चक्र क्रेन्-णे.लेल.वर-क्रेन्-रे-चिक्र-बर्चन्तर-ब्रेक्ट र्रो विस्तरम् नीमक्ष्रेन्द्रिर्वहर् प्रदेश्यते हिन्द्रमान्द्रस्य प्रवास्तरम् इमा पर नार्वेद पाया देना पाया के दें लेखा सामध्या है। सु अधार पासी खंडात हैर में बिका प वन में ज़ेश पा के में पड़े होन होन हों न कार पूर्व जार वा स्वास ता मुद्दान्य वितान वितान के हुं हु हु हु हु हु हि हि साथ इस मुह्दाया । हे मा या भेदानामान हो सा अवस्ति । वि से या शेष्ट्र में सहस्ति । वि से या शेष्ट्र में सहस्ति । न्यमानु उद् मण्ये इ त व स्र स्र स्र देश वने नुसाय नाम्ये व पा देशाहरा पर "

अर रे मुझ्या है न न र र र र मा र र न न न है न र न है न र न स्था र र स्था तर.वुरे.च.टु.के.वर.चीर.चपु.धॅ.चोट.लूब.त.कुरे.तर.वुरे.ट् ७४.चर्बेथ.तर.... विश्वर में।। इस वर मेंना वाया नाइस वार्ति भी नाइनस वह र से मेंने नुःब्रूटः च रूट मी सक्र रे हेर् पति रे नु रे न विर माल र मार में न पर दे प्रस र है हैर र्द्धार्या न के बारमा नाया हे हे ज्ञासा वहूर पर मान सामिक कर है हो जी सामि रूजा मी रेट्श स्याञ्चित पहेंदे. यर विश्व सेटश यर प्रमीर प्रमान श्रेम यर हेंगी. यदी महन्य वहुन वहूर्य र हिर्य र हिर्य र दि से वर्ष र मुर्य य वहूर्य र हिर्या यश के रूज हैं है नहें निर ने नर ने नर ने ने निर निर हैं लेग जर्। ने ने गुद्राभेद्र या सेर् प्याप्येक वे लिया नु प्रते क्या या दे दे ह नास या पशु क्या है। दिर व लेश न र र जारा म के से ही। यह अर दे कर पर हैं न से पर हैं मक्का के इस वर हें ना नके र प्या दें ने स्थाप दर्भ था सेर पा है र की कीर दस सर हेन्। धरी रदानी दें ने निक्षा दान कर सा के दार के निक्षा सा के दें। प्रति हैं। ऱ्ल.रे पहुर्यत्त.र८.र्रेथ.चीलेथ.जन्न.स्चा.च.चीट.क्रुश.च.ट्.यू.पष्टिज.चन्न.चेश च विष्यायते नवदानीसामुद नर्दसार्चा क्षमायर वल्ना यासार्धसार्वे लेश मध्य यर विचार स्ता दे कि प्रेच के वा स्वाय मले कर दे लेश मु क्य स्वारा महीस है। हिना २ मले ३ 5 हिन न हैं न न है दे सामे रही। र्देशनी नान ने रायरे प्रात्तिक कर मे दूर्य वे माधिय हैं लेख नान रे द्रमायर हुन्। तार्षु बैराच ट्रेन के. १४ मायश ही. ४.म. ट्रेन के. वे.च. १८ वट वट वे वर्षा वर्षा वा सेन्द्री। द्र्याचर ने माल्याचया नहीं नाया धराने। लेखान न के देने खे र्ल व मेद य हैद में खेर नावर तथा खेना य हैद व्यद्धार कर है दें

व्यर्भक्षा व्या राष्ट्रिन्द्रसार्थेना याष्ट्रेद्रासार्थेका यर विद्युर हिं । दे सुदे नहर्निम् नु व के मा प्रेक के विश्व नु व के। नु नु नु नु नु नु नु ने के नु ने ने के नु ने ने के नु ने ने के नि ब से द म हेर है । जिस्से में जिस मुंब है । जिस है । जिस में प्रे हैं । जिस में जिस में प्रे हैं । जिस में जिस रम् न पाकेर द्राप्येर पाम प्रेक वे लेश मु न र द्रार्टिश वे । प्राप्त माया हे इस वर हेंना वरे देंब नी इस व वहेंद वर नु व ही देंब के पेंद वास की केंद्र गुः दे वेशय हैर गुःर्देशयें हिरायेर या दे अट ब्रुश वहेंद्र पर नु'न'दै'स'भेद्र'न'दे'नसप्। न्नुस नहेद्रपर'नु'न'द्रदेश में 'हेद्र'द्र'द्रगुर' र्रे लेबा देते खेर दे खेरे वहेंद पर न व व के मार्थे के लेश न व खें हो। महन्याया नक्षर ने वे भीया या स्थाय प्राप्त या से दा या हे र जी रहा नी सर्व र हे र जी यद्गाकृद्रके मुद्दे वहूद्र वर मुत्त व के संध्येष है। रद्यों सहव केद्र व मुत्र से प्रमादि स्थाप्त क्षेत्र स्थाप्त क्षेत्र स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स् व सेर य हिर की हिर । रे विंद नी र दिन वह वर वह दे पर हा व स वे वर पर म = ५ मी वह अदाम अधि है रदानी मह्य के र भी राय र भीर है। ७९.मी से.र्ज्ञामी.चाश्चाराचा**दशश**.चह्ह्राचर.चे.च.लाश्चावचा.इ**र.र्**च्चश्चाचा. व्यव वे ॥ क्षे निर्देश र्ये मुक्त यह के में वर्दन दें॥ वर्ष क्षेत्रे यह निर्देश यह नु'न'के' प्रेक'ले'क। र्के द्रम'नर खर : बद गुर मेर रें 'लेस'महॅर'दे। प्रें'क' ଛି 'ୱ୍ୟ' ବ'ଞ୍ଜୁ ଧର' ପ୍ରୁଦ ପଦି 'ସ'ଞ୍ଜୁଗ' **ସା**ହିଁବ ଶୁଦି 'ସୟ' ଧ' ୟସ ମୁ' ମୁସ୍ୟ ସ ମ୍ୟା हर द्रम में हिंना य हुन पर नेर य अन्य य प्रिक ने विश्व पहें ने वहें यः झु यस नु द वदे शक्ष्र ने वहिता वदे दवद ने स रे के त हे के र व ह है है । न'निवि तु क्षि' यहा दहा पर के पर की की की पर मुर थारे मिंव के दे दे के

मुर्शक्ता नाल राज लात हैं न्त्र किरामे निर्मा निर्मा कार्य है स्वासी स्वास दं ने है जी नु ही कर शका पहणाय कर से कर दिंग पहें हो या प्रेक हैं कि की छा सके हैं कि के छा वर्षेत्रान्त्रायाची त्रम्यास्य स्वाप्तरा स्वेत्राम् त्राप्ता त्राप्ता त्रम्यात्रा त्रम्यात्रा त्रम्यात्रा त्रम वहितासरामु ना दराहिताम राजेने सराम सम्भायन माणि वितासि हित्री स्वाहिती द्रित् । भेर्न कुरित्राक्षीय विराधकात्रकात्राक्षिय । स्था विराधितहर्गास्तर डेरे दिस् कर देशका अकर कर कर मिल्से में से पर अन्य में हैं दि पर्स दे दि दे भट हैं र ही देश व दहें व लिश उ व ता खूनश प्र के कि कि ना रह ही न है। या शिवित्त में हिर्द वस्त्र है। विदेश भिव है। विदार्ग स्मि से हैं हैं साथ सूर स्पृहित विता कर की देश का रेट्शां शे किये वहूँ कर के का किये के किये हैं इस पर हैं में पदे इस वर भीश प्रक्षात्वरे मिड़ें किन के वि दि हैं में लेकन र्यते से राम में रहे ने संस्था है र जिल्ला - न ने निह मी से र भग मलर प्रायस ल्यां पा लेश में वं वं दे दे हुई सह जा ना रेश मा नावश क्षेत्र प्रिक्ट में अंदर्क हुँ र र र मुन्द्रमें हेर्ने के लिं। दे विश्व वर्ष श्वेमविश्वित राम्बेद्धा हिन्द्र मुक्त प्रमान के विश्व मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र त्रु. न. वर्त्राची त. वर्षाची दें त. हेर्स्यू प्राप्ति दें के स्वीत्र पर के वर्षे विवास से ने स त्र बीर न्या है हिंदे अब प्रध्नेत्र शक्क क्षेत्र के वह है ने बीर कर की नि श्चर केरचेर मुस्यिक रहिन के अधि हैन सर् अधिक हैन हैन

वि'च'वे'दे'म्बरानाब्दाचाथराद्माधरानार्वे ध दे सामहेद् हा दे दे दे हैं यम्बुमायाकृत्मायहूर्यमायमूर्मा देन्याव द्वेद्वेद्वायाद्वे पुन वसः मु: यहेर् म: हर् भेर म: हर भेर म: हरे भेर महर् भे म न हर न म न कु.ह्रे: क्ष. तर हुंचे तपु.ह्रंट.च.ट्रं लट वीशत च.क्शश.त.श्.्रंश्रूर.वीक्श.त.लेवे. ने नहें देशक वे वहिंस में के काम व वहें निर विश्व में क्षेत्र में क्षेत्र में के स्थ ंर्युत्रे खेर क्या व हेल्यद क्या यह हिंगा यह खिल लेख वाया सार्या हिंग नामाना के कर हिमाश हरे महि हिमाश हरे महि हिमाश हरे ने महिना पान किया परामुक्साम भीकाते। ते देवे नहत्राक्षेत्र वहाभीकामते छेटारी। म्बर्सिय है हिंदिया क्षित हैं देश स्तर संक्षित है निया से वर्ध के छ न है द्वान्यापर अवे द्वान्या से व पर छेत प्रवे हर में हो समार से व से हे भावते. म्बलायास्त्रकृ लेखान नह हुन हुन। - नालाडे हुन हुन ना ना नक्ष इंश.श.पम्.च.कराडाहे हे जिस द्रं लार पर प्रचीर हुंश ट्रं के खडान नुःयर क्ष्माप्रेन न सुरे हर् हो उद्भ हिर इवा है इन् सुरे हेन हम पर पहेंगा नामक वे.का क्षायर ह्रीकाय है सबिता सक्ष की है है है अरहर में बद्ध केन्द्र में नन्मस्यस्ते हेन्य माने मिट हुन्हर सर्वे ।। हेस झट चुड्ड क्सामर कून पर . य.चनु .चनु ची है.चुरे पर र डेंचे में व चीवर जम हूं ने तरे .हुरे.

हॅन्सानिद विंदायदे हिरारी। दे वै धराना भारे वेश नु वा स सेन साथस . वहर्यम वेर द्रा के वर वर्गमा भने हैर वेस छ म वे से में रेन र्रेस वे है हेर अद्दर्श मा से के देश हैं के या दे है से सुदर्श है से मु के मा इस यर ने में अपने हैं रिट्स में रिने किया है 'यस मिल्द स है 'यर ने उद्देश देश हैं स याध्येषात्री देखावह्याचराशुरायाक्षेत्रहास्मात्राचराव्युरार्थी यावाहे वर्त्रेश्यान स्प्रेन्द्रायात्माल्दामी देवामी हेका कु द्वाना च हेका कु द्वाना च केन्द्र हैं यर.पर्त्यामानार.भट.भु. प्रमित्र.प्र. प्रमित्र.पर.भविष्य.पर.भविष्य.पर.भविष्य.पर.भविष्य.पर.भविष्य.पर.भविष्य.पर.भ मे देवा.व.ज स्वात.तर् से इ.रेंट्यं व.प.ज.स्वात.तर् स्वात.तर् से देवा.व.र नु रशुर ले व । देवे कुर देव दर्दा पर पदीय पर पर लेक नु पर व किंग न म् अहूट. वर् . मू वंश प्ट्रा तर हुर र ॥ नदे . हुर न. व. पु . पु . र . र्मा मार्थिक विक्रित वा वर्षित प्राप्त मार्थिक प्राप्त में नियं निविष्त प्राप्त में दे केर भावदेश छेर वस देवे छैर। है कर वदश वह मास व विव रूप क्षेर् की नुसाद अप देश यर देवासायदे ना वनासायक्ष केर देश सर देवा या सा लेक् अमा विषय सर्वे श्रद्धार वाद्या द्वार वाद्या वादा वाद्या वाद् यश्र मु र्या था था अर में लें ना देव केर चार में केर म श्रु पद निमा मचे मक्रिं मिक्रिं में से लेश में में प्राची में में में प्राची वर्त से में बस्र इस धर हैना पर्द मात्रनाम नहराय पर उद्देश वाता वित्यायम है।

र्त्याह्नवार्यास्य प्रमुक्ता हे वसान है स्राम्य प्रमुक्ता प्रमुक्त ता व क्षेट्रणी देश र लटा लेश या में वर प्यार हु लेश यहर यर वियर हो। यहूर सर.चे.चरु.ट्रा क्षातर वढरावर चीर व अश हुश चे.च.आ.चीट श.लारी.व... मालक त्यस क्रम पर पठद पा कर विदाय संवाध पा माद धेव पा सुत्रे पहेंद् पर """ ये प. कुर प. पे पु. पे प्रांची मा न कुर प. चीवर प में मा भर्यू . रवे कु र्श्वरा क्षा य रहिंश र्च हें मारा पदे कुर है। नाट था से द था दे क्रा यर वहर् दश्र न्द्रंश विं ध्रुव वर नेन् हेश नु वर देव हैं। श्चेश नुदे लेद भदे न्दर निस दे अदं नु वहेंद् के खु वस न्देश ये हैं नस य है स से द हो। तदेश हुशाशु वर्षे वर्षे वर्षे हो। देन में विषय स्वाधान हुस ने वर्ष क्किंग्य के दिव के म केर प्यर भ केर दु नक्ष नमर कुष म केर के प्रे केर में। किंग माद्रमा क्षेत्र प्रश्न हेश सु १ वर्जे व माद्र व स स्वर पाय वर्ष है। व्या पर क्षेत्र हैन मिश्र द्रेश देश वर्ष क्षेर हा वार क्षेत्र मा क्षेत्र का का का क्षेत्र का का कि व.च.यु.चेट भ.लुब.च ज.स्.चस च.जस.स्च.च.च.खस.च.चप.र्ट्य.ट्री। दे.जस. इस धर महिर् परे देव लेख मु च के भीतामा भीवाया या स्वास या इस धर पर देव य हैं विदाय संग्राय वे विं। मालक द्रमायर नहिंद यर हिंद य स्देश g.ឝ.dฮพ.ฮ.ปะ.ปชพ.ปะ.ปลัง.ปุ ป.ส.พ.พช.ช.พีฐะ.ป.ฮฮพ.ฮิ. सेन्यर विश्वर है। दे स्था के दाने दे ने दे से हिं साम के दिर हैं विश्व में นาณ•สัสามานาณาสฐราสราสาสรารัฐานพาริสามาลามสูงานามามสังานานา यहूंस य केर में बुर लेस न महि दस र विट है।

र्वित्रमः यर मार्डेर् यर मुक्र य स्वित्र मार्रेमा ये प्रायम सर्वेद व मा पर्वे राय क्रेन्जि हेर्ट्या व्दर्भाने हिशाखान में पान हिना हैन है से श्रिमही ह्यान्य विषय वास्त्र विषय वास्त मक्त्रम् नुम्बार्यन्त्रालेकानुः य है रेनाकाका स्वीकाय क्षेत्रका विकासके का नुम्ब पक्षा। जनादाम्बन्धसार्द्रायादातासार्द्र्यादातासार्वे पर प्राप्ता लेस.च.पर ह्यूराही म्भाम स्मिश्यका के पर अर्ह्य प्रतिह्या दे केन पहिन पर मु न प्रति हो लेश दे श्रीर प्वहेंद्र यहे दि से प्राप्त के के कि कि कि के में प्राप्त कर की मानुद ब्रिट्यते से देश क्या देश क्या के कार्य क्षेत्र का के दे देवा के वाट मिं दे असे अक्षेत्र द्रात्मुरालेश हुर है। इर ब्रेंडाक्ष्ये गुर्रेग्स केंग्नो देव कर में मालूट र्श्वस्थाने स्वादमा प्रदेश प्रमुक्त देशा । विद्याद स्वादेश पर द्या विद्या प्रदेश प्रदेश स्वाद । क्रम्योश्वर्त्ते वर्त्ते वर्षा वर्षे । वर्षे प्रत्ये वर्षे प्रत्ये वर्षे क्षेत्र क्षेत्र विकाद प्रेश्व दे द्वा वस्य वरे क्षेत्र वस्त वस्त हैं। व्यक्तिम्बर्धित्वम्बर्द्द्रम्बर्द्द्रम्बर्द्द्रम्बर्द्द्रम्बर्द्द्रम्बर्द्द्रम् विम्दार्भियायदेश्वसंपराईमाथामहैकाद्दा स्त्रीतेकायर हेनायाद्दा प्रसायक है। इस पर हेना पाइमाप नाश्चमार्स ।। धूराय वदापदे देट हिमा हुन। अनेविक्सियां मारा थे जुड़ा ने का स्वाम का चर्ने राम हा। अर्थान की मेर बरमा है र व्यक्तिका मान व विश्वन्ते देश व में न के महा व मान प्रेक मन्रे हुर म के अर्थेट क से नक्ष ने के ने मार्थ । यह के माराय देवे स्वहना है द दें। स्व विवर्णित्याने को ने के अर्थिता है के विवर्धन ये क्रिं

यर 'वेद 'यदे 'रद 'यदीद 'उद दें 'देश मुन्दाय स्वाध प्रकार कर पर 'वेद दें। ર્કેય, બેમજા. શે. શ્રું દ. વડું, દૂર, તર, વુરે, ત. હુજા. વે. વ. ખ. हुना स स्रम्पाम ले बा र्थेन्स न र्रेस र्थे । १ र विक नस विस मान न के तर्य प्रते हिंक र विक न है। र्देश-वाद-त्य-क्षु-वर्द्द-वर्ष्याय-दे-कृ**द-५**-कुर-कु-दे-कु-दे-किश-दे-कुर-.... य २ 'बुर्ख पर्थ 'मिय ता लुब सामाने 'न्टा दम्माया न' भटा बुर्खा या खेन 'सामाट लेब 'या दे देर दे वियायर हिनाया प्रवास पर देशेवाला पर्वे ।। इसायर हेवा या देश ब्रि.मु.च.बे.च्रिस.क्षेत्रस.हे.ज परेश.च.ज.स्.स.चड.ह्यं.ह्यं।श.च.च.च.त्र.लं.च. र्देश हे लेख मु न के न सूर मी दें अमा मीख माहर नर मु न मार नेशःश्री। भेदायवा। अर्द्धरायदे रहाय विद्यार्थ दाया दे विद्या मुन्दा दे द्वारा पर र्मापामार्केश यद्।। दे मह लेश मु ने त्यापा मह है ही है दे पह है ने पर प्रेश है। ह्रिया सेर्याय क्रिक्रिके के सेना मीसानास्यायर प्रहेंद्र हें खेसायु 35511 नेते के देश व ब्रुवे नेंब की खुवा हव हैन खेब य लेश हैं य वै मदे देव हैं। निम्में के निम्में विम्मान विम्मान विम्में विम्में विम्में विम्में विम्में मुदे र्दे भेर है। र्वट व सम्मे हैं स्वान व ता खुल दे स्वर् व दे द्वा दे मुदे र्देश मुल वर प्येर ता देश दूर वे दे दे है दूर वा वा मान दिया นี จำรัฐ หะาที่เพล่ง จิจาณาฐาจธุญานาราชพาฏพาษารัณาฏารัฐ ริเลาณา र्देश'य'न्वदार्य त्रश्चा क्षेत्र'यते 'तेष'य' हे 'दूर' वर्दे यदे 'न्वद'मी ख'दहुन'यर' म्बिते द्वं मी खाया कर भेर र पदा हुते खाया कर मी क्या यर हैं ग् **ৰ**শুম

तपु . वेश.त. चाट. लुब. त.टे. पर्ट्र तपुरे. रवट. चोश. पहना वर प्रमुर मी रट. मी #द्धर हैर हैर है खेल रहत है रवद से दे ने सम्बद्ध रहेर पदे रवद ने साम कर रैनाहारामार्थित वहा। परी स्निन् नुमाया है र दे मी सर्वत हैन गुदा ह्वादी हेन พื่งเกรอาฐาราสาเลาสูก รัง เราสัง เราสิง เราส वनुर विद न्नु दे विद्याय त्या से द्वार पार प्येत पारे वे न्नु दे रे स प्येत वे । न्नु ৡ৻**ঽৼ৾ৼ৾৾৾৻য়৻ড়য়**৾৻ঀৣ৾৾৾৻ড়য়৽ৡৼ৻ড়য়৻য়৻য়৾৻ড়ৢ৾ৼ**৾৻ঀ৾য়৻৸৻ৼ৾৸৻**৻ড়ৣ৾৻য়৾ড়ৢঀ৻ড়ৼৼ৾৻য়ঢ়৾৻৻৻ मुं उब नु त्युर रा। ने दे सु चुर मुर पते विश्व या वा सु दे रहें के ने नियर य दे दे दे दे हैं त. यर मीर य. थ. लट दे देश तर हे में तर मी व में श पक्र व व व र र र वर्दर्यात्वसामी मु क्वानु विमुक्ता दें। दे द्वान मुक्ता विकास विमान यर मुर य द दर्द य द स मु मु दर दु द मुर र हुस सेमस से ॥ दर्श य'य'र्सेन्स'य'लेस'मु'त'रे क्वे द्वादार देव प्रदूष हु। बेद गुर प्रदूष हु नेद गुर प्रदूष हुन गुस दुनु · · · मु दिस् त्र प्रमाय द्रा विमाय वेश मुन या क्रिया या विकास या विका खु**ल मु** द्र्य से द्र्य दर्भ य द्र हिन या स् अविश्व या है अस दे विश्व द्री व ळ्. त.रट. स. व. १९८ श्चिर लीज मी.रट्स. त. जम वरश तर्या। स्था के का मुका मा केन माहिट हो। क्रमाय ते का के के का के कि के कि के कि कि का का कि **५५स'य'भेक्'क्'हे। ५**२६ वेंस्र ५हें न्यर इट में के देन मान के के के लेस Ð'निरे 'रॅब' र्रे १ दिया से सेर देस के के का के के का के के कि के कि के कि के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि कि में त्युर वस् विव व रे के वारे दार त्याया व राष्ट्र त्युर व रे विद द

ট্রিব'বহ'ট্র'ব'ঝেল্ম'ব'র্মীল্ম'মর্ম্। चिडिं ज.श्र्नाश.च.पहूचे.तपु.८८. द्धा दब मी मिं महूर न ह बुना लेबा रेड लेखा रह में मह मेर पदे हीर सर्वेद पर हेर माधिक है। सदि श्रुम वससा उर वे नालक मी हैंना य ददः वहशायर वर्देशर्दे ॥ इं व्हेंनाया क्षेत्र साहे हे हि हुर द लेश नु व ला र्स्नास'स्र^द्यर'देर'र्दे।। रे 'चल्र'र्नु'लेस'तु'य'र्वे'ट्रें'र्य'तुं'र्देव ' यत्रैक द्रिं। दे वहनाय देश मुन्य दे द्रम सर देन प्रते के मायते। म्बन्नास द्र म्ब न्या म्बन्नास लेख दे स्थाप्त क्राप्त हिंगाय प्रह्मा या मलेक द्र महिमारा सर्वेद : वाका प्रति : वाका प्रति : विका द्वा पर्वे : विका द्वा पर्वे : विका द्वा विका विका विका विका व नुसान भार १ महार सु सिंद नर से तर्दि न देवे हैं सर्वेद न में सर्वेद न दे खुताता नहूर्रिं। लर.य.रपु.मांडियोश भक्त. व.यु.ट्रे.सं.वी.र्यु. र्यु. पु.यु. मङ्कर न ने केर लेर दे ने नाइनास सर्वे न के कर में रामा न का सम् रा स्वापाय दे के व्या है अन् नियम प्राप्त प्राप्त स्वापाय है स्वाप्त स्वापाय स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त उन मु निमान देन या हेर भेन हैं।। मलन दमा है हैंना या दूर वहरा यह र ঀ৾৾ঀৼৣঀ৾ৼয়ৣয়ৼৢ৾ঀ৾৾৽ঀ**৾ঀৼ৾ঀয়য়ৼ৸ৡ৾৾ঀ৽ঀঢ়**ঀ৾৽ঀৼ৾য়৾৽ঀ৾য়ৼয়ৣ৾য়ৼৢ৾৾ঀ

माया हे हिंद हैद हो नाबुद मो नाबनाया सर्हे दाया या क्रम सा हिंदा या सा प्रेय के हिंना श्चर हे. दे. बे. रूपा. पर. ये. प. केंद्र. लेंब. यह. केंद्र. हूं। ये. दे. प्रमान दे. केंग्रश. शु हिंद. य. लूर व. लुंश. ये य. म. शूबेश. य. शुंश. शुं। दे. पश. ४. लुंश. ये. य. म. **୮. ଅଧି. ସଏଥି ମସ୍ତ, ଅଧି. ମସ୍ତ, ମ୍ମିଟ, ଓଡ଼ା ସି. ସ. ହୁ. ଘଞି ଘଟା** র্মন্থ'ন'মা वर् द्वैर र् ।। दे वस द में दे खु मान्द में के सम स सु में द व दे ना पा से द नर विश्वर हो। नाय हे देवे नावश स्नवश व से सह व श्रुम हे द सा प्येव हों ले'द। रे'सर्द्व'सुम'क्रेर'स'प्पेद'र्वे 'लेस'मु'म'त्र'स्न्नेस'म'झूस'रे। नाह्यर दिर्देशयदे पुरुष व मातुर अर्हेट पदे खुवा कर की दुवा यर देवा या खेर पदे खेर सी नायाने स्थायान्त्रस्य सु हिंदान अटार्मा याद्दा पक्षायाने द अव प्याप्त विवाद द विदा इमायर हेवाय अदावेश वाय अवीश य श्रेंश श्री ब्रिंग्लेब्'ब'बु'बेब'चे व'ल'स्रें र व'र्झेब'च'ल। नीडिंग्नीडेर लेब'चे व ८हूब' पः बः गड्डतः ग्रीः ह्वं **बस्रः प**रः हेमा थः ५८ हेसः सुः ५३वः वदे छेटः वः हे**९** प्यॅर् पः हे९ ... लुब्बा दे.ला. पुरु यामक्ष्यायदे मञ्जून यर पुरव स लेश के। द्वाणूट क्रायर हुंगात रटाइश श्र.वंद्रियात श्रेष्य श्री श्रेट्रायश गडियोल सट् व श्रियार ... वुद्रायदे क्विन्तर केवा सारे केदार दानी वदन केदागुद केना सादद हेवा सादद हैवा सा नः १९८५ दः १९६५ दं १९८५ वेर ५५ ।। नहमस गुः र्ह्म न दमीय देया व च.ण.स्.चेशःचम्,दे.क्म.नर.तम्बेमःचर.वेद.र्म क्म.चर.हेच.चःदे.केद.

อ. ปร. รุง. ส. ร. รูป. บ. ชูป. พ.ฮุ ะ. บ. ชพพ. ซึ. ฐะ. บ. พ.ช. ชุ. เป็น. ช. เปลา. พ.ช. ป. ां भ्रेंनारु चुराय केरारा पर्याया भेराया केरारी खेशा तु या वे हैं। यह दर्भ में में स्थान कर्म में में राम में स्थान कर्म में में राम में स्थान है ह्राः ख्रीया खर्म से दे प्राप्त के दे प्राप्त के स्थान स रैनाम नमा क्रममा सु हुँद व रहा ही हिं हिम दु व है में से से सद मी रैन पा है। रदः देवा पक्ष क्षस्य शुः श्चिदः व वदः य प्दं पदः य दे अद् हे अपु वि । सद् र श्रम र्वेन्यायास्त्रेन्य अटारटारेनायासास्त्रेन्यराष्ट्रीया लेसान्याया से रटानी हो या य. वेश. य. चीलर मुक्त असका श्री श्रीट. चर निका से वे. चयु. सुर. रू ।। वर्षा चयु. रेंदे.क्रॅ रे.बेना.मर्ट्स श्रमःम.लेंद्र.हे। निबन्ती प्रामान्नम्बार्यः रहा प्रेमायाया रुपा.वर वशायर ह्या ना विश्वास्त्र स्त्रीर ह्येर ह्या स्टार्म संदेश सामी हैं.च. घश भू. जुर .चढू. कुर .स् ॥ वृंश मामा वृंश मा के ना कर .प वृद्य .चद्रेर टट. वियास्त्र मी क्रूर वासेद वार हिर हो। वाट नी क्रें से स विदाय हो नहेंद्र. तर हिर त दे . चेश तप्र. जेश वाश्चे वर प्रचीर वारेषे . ष्ट्र. मडिबेश जा श्वीस वप्र. शहर य. परेशत लुर हूं।। वृश्व. वर जुंश य. या. हुश शिर्यय पर वि.य. त्य । दे भ्यूरे राष्ट्र न्यास वस्य वर् ग्री देव स नाव वर त्या राष्ट्र । डव. जेश रा. हेर श. मीय. राष्ट्र हीर. हाँ। क्रुश. १४. २४. २८. जर्ज ल. य. ह. हिंग् श. ही. क्र स. १९८ म् वाह्यां वार्यां वार्यां

लेश.चे.प.प्र.र.कंर,चंडियाश.ल श्यांश.तठ्र,योडियाश.यक्ष्य.चे. हंश.शे. ७सूँ.पश.. १८.केर.व.र्ष.प्यांचांतर.पंचीर.तशरदः च देशता.वदः मी.पुंशाय. शुर्ग्यर मुर्ग्यारे दे पुर वेषाय रे त्या महिनास ता स्ना का के प्र दे हिस हुए मिट मिट हिंद दर देश दर देश नहें रहे । निट मी के सुर दु अर्घेट न अट में लक्षानु न के मार मीका कें द्वर ये ते केकाय के मुक् नु के व क लेका नु नदे रेक हैं। १८८.लीम.१४ देन.जुन.३मश.श्रूट. जुन.चे.चे.चे.चे.जे.लीम.११ हूं। ଽ୕ୢଽୢୖ୕ଽୣଽ୷ୠ୷୵ୡୢ୕ୣୣୡ୵୰ଊୢଽୡ୷୷୷ଢ଼ୣ୶ୢୠ୵୰ୡୄ୷୷ୢଌ୶ୡୄୢଽୄୢ୕ * ८.३भ**भ**.शे.शुट्.च.४८.९भ.शे.भविषे.त १८.लु.४.तपु. द्वेर रू ॥ हे 'हॅन्न'च'५८' त्या'च दे**न**'च'ळेब'च'दे'चब'ब'खुव'कुबब'कु'र्खेट'च'अट'दे'ख़र मुवादाः भेदार्वे ॥ अविश्वादाः भेदार्वे विश्वादाः भेदार्वे विश्वादाः भेदार्वे विश्वादाः मन न्निर्मायान्यान केना यान्यान किन्नु किन्नु प्राया उदायि केन्या विकास केन्या विकास किन्नु विकास केन्या केन्या विकास केन्या केन्या विकास केन्या केन्या विकास केन्या विकास केन्या विकास केन्या विकास केन्या केन्या विकास केन्या केन्या केन्या केन्या केन्या विकास केन्या केन्य मारुवाना क्वान् विषया वर दूर वा कर के दिना वा हिन न्ध्रद्भारक के देना मार्थे। इसायर हिना पान्य प्रकाय न्द्र हे सासु द्रवेष व.च.चाराषा.चर.कॅट.च.६४.३५.४चात्र.चर.कॅट.चषु.होर.र्.॥ क्यायर देनाया में नामाया पर खूटा या खबा ही हिताया निमाया या के बाँगी दे ब्ररामा प्रेमान क्षा मेर भारमा केरा प्रेमान विका नाम है के प्रमान क्षा मुद्रा में प्रमान का मुद्रा में प्रमान च.पवैदार्वाचीयु. इक्षाणु. हुकाली क्षु चेरावयु. द्वेरा प्रचेशाची मी. कुरावा कर छेरा कुरा यर त्यूर रे । रहेश में 'या अदावर वेद या साम के पालेश के प क्षुर् १ रे व व रहे व र हे वर से नार्य पर हिर रहा। से वार्य प्राप्त है । न्ते वेशम वार्ष्याय कोर्यात हुरारे यात्र हुर्यात्र केर्

्र लेश.वि.च.व् .स्ट्र्य.च् .सर्च । च.क्षेट्.ची.चेश व.क्षे.स्टर्स्य हिंद्य हैं वर्'द्रक' स'के मुं किक स'दे दि का से द व दे 'खें से दे मुं से द मेना साथा से दे हैं के ্ৰুষ:ঘম:দ্ৰীম:এ্শ:ঘ:ম:শ্ৰীষ:ঘ:ম। বহ:ব্ৰ:ঘ:ম:বৰ্ষ্য:ঘ:স্থ্ৰ: चांचनाम्ब.स.च. के.चम. में चन चन में च णि रदः यर दिन य हैर होर यर हेर हो। दे नश व र देव दे व र दे में श दर्भ यद्र. मिर विभे मी. जेश नद्र. मु. भेश न्यूर मा भारत्या है . जेश . बरे के नार नार मे निवर में दे के अप म इक धरे मु क के हिर के पर देवे के रेव য়ঀ৾৾৽ৡ৾৽ঀড়৾৽ঀয়৽য়ৢয়৽য়ৣ৾ৼ৽য়৽ড়৽য়৽ড়৽য়৾৽ঀ घ'र्र'सेर्'यरे वेस'तु य'रे'माव्र मीस'स्र्र' हेमा स'हेर्'स' पर पर पर पर । ... " स्टिशायात्मा नहेन न्या नस्त हो। सुदायर नहर नहन्य मेर वहें द लेश मु हे के सर् प्रेक त्या अद के मा स के द द के मा स प्रेक त्ये हिं मा स के द तये हैं मा स के द त्या है मा स के द तये हैं मा स के द तथे हैं मा स मिश अन्य केर धेर प्रेर परे छेर स्वाप माके मा व सुर दश प्रकर पर नेर हैं। ଽ୕୕ୢଵ୕୕୷୴୵ୢଌ୕୷୴୷୷୕ୢୢ୷ଽ୷ୡୢ୵ୠ୕୷୴ୢଌୢଌ୕୷୷ୄ୷ୄଌ୕୷୶୷୷୷୷୷ଢ଼ୢ୶୳ୢୠ୷୷୷ स्योशानशास्त्र स्थाना स्थान देना सदे खॅन्स य स्निद् केन सु खेते हिर पर केर की का पानके ना हिर पर केर र्दे दि: या मिन कर मी दि व साम माना कर कर के लेखा मुक्त खे.पर. कंर. रेवट त् पु. खेश. तश्र सेर. कु च. भ. चडेश. च. पहूरे च. कुरे. खेश.....

मन्तर्यादेके सुराक्षेत्रासाद्याचा मन्तरामा मन्तरामा स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स् व्हार वामा प्रदेश पर हेर्या प्रदेश विष्य के विष्य के प्रदेश वह विषय के विष्य विरायर के द्वार् व्याविका विषय के प्रमान के प्रायम के प्रमान के प् मर्चर हैर'या यर देर व में दिए यर से से रहा ये से रहें।। दे आर रेना या मार्थ र में **बेश**-मु-व-के-वर्गमानुस यदै-देंब-सूर्य-मु-वर्ग-त-द्रमेन्स-यदे द्रव-यस-द्रहेंद्र-य-माध्येक हो। इंक मी माध्येक माध्येक हो। दे सुनाया **ॻॖऀ**ॱऄॖॱय़ॴॱमो**ॺ**ॱढ़क़ॸॱय़ॸॱऄॖॸॱय़ॱॴ र्दर**ॱढ़४ॱॴ**टॱ**ढ़॓ॺॱय़ॖॱ**ॸॱढ़॓ॱऄख़ॱ ब्यं भी द्वीयात्राची हैसारा लेश मि.य. यु. स्रेर क्रिया सर ही यप हिंदी सर दि श्चर रहेमा सरे हुँनाश यः श्चर रहेमा सर्द दें न दें न दें प्र दें दें दें र्गे या है। च.चल्चेर.तर.चेर.तर.४र्ट्र.त.बुब्राक्तक्ष्यंब्र. दब्र.चट.४क्रे.तर्.र.३र.. **अ**र.कुता.भःभःत्रुथ.तपु.स्त्रुवाश.ज.चर्त्रुशःदशःवाक्रुशःचर.चन्द्रा स्त्रुवाशः देः वाद्वाया खुत्राकेदाया उदार्थेदादे। वदी खुद्दा क्षेत्राकेषा साद्दा वि खुवा उदा द्राविद्रातरामुद्रास्त्राम्बद्दान्त्राम्बद्दान्त्रेद्रास्त्राम्बद्दान्त्रेद्रास्त्राम्बद्दान्त्रम् यात्राद्व वर्ष सुक्ष हैन सेन वर्ष श्रुर र्रा देरे सुव स्निन हेना स नहेस या**भरामा**भेकते। देखेमुामाप्येशयाकेन्त्रीखेरान्यायस्यामाकेन्त्रीः चाशुस्र या या लेखा यु या के स्निद् के वा सर ह्या यदे खुँ वासा वा के साया 3×311 लतः व सुकात वैदावदुः सरामारा लुकाना वाता स्वामाया वनदःसःचः भेरायः वर्गे। द्या राष्ट्र **ब्रेंसकाला** यहूंश वका दे .केंद्र याशिका. तालुक क्षा नार मीबार में बारा लेक लेक मु नारे ता प्रमुख मु कर भारत है। **नद्राक्षमानविष्याचत्राभदा**द्यमामानुमानमामहरूगतमानद्र्या । देशाद्याना

क्षेद्याकार्भेदायादे प्रकाद दे द्वायदे स्त्रुयाकार्भेदाय दे खुरादादे वाद्यासा दश्रमानु सेर्थ उद्योपी दे अहा दे साम्मानु च वर हेद हैं। महैसामा अहा म क्षेत्र वे लेश न न वे खेता लट म क्षेत्र है ट न में या कट मा के दे लेश न न न र्केन'नु'बर्हि,'वर के व लाज हो। हर्ष हर व हेर व हेर के के के कि कि कि के के वह है हैं। BL. 12. ME. 45 2. 17. My 2. 4. GN. B. 12. 12. 4. 65 . Et . E. 2/21. 18 24 . 34. 0. 44. त. ११ मी. रेबर सु हे. पेश त. रेश तर हुश तर विवेट हो। शहूर शिश हूं वे. नार्द्ध शका ३८.ग्रेश.प्रचीय तर प्रचीय वर प्रचीय वर पनीर बुंश.च.नपू अधर बिवा नपू क्षा पर्वोज मी विदान्त्र श क्र श प्र प्र प्र वर्षेत्रः राज्ये चित्रः हे सः वर्षदः वर्षः वर्षदः याः भेदः वर्षा सह वर्षासः हेना दरः इमास कर लेश वि.म. अपन श्री पेश वंश लेश वे प क सूचेश त. जा अट्रे सिमार्ट्र ग्रेट्ट चरात्वा । भ्रेट रेट रूपायार्थ्य वर स्ट्रिंट पर प्रेटी वि हुनी व रे मु वे र्व रद प्रमेय प्रमे मु सर्भ उन प्रम वें लेख मेर ही। माल्य रग वे द्वं भीश हेंद्र पत्रे क्वंत्रमात्रीय सिक्य र वर की देव हेंद्र पाणीत वे लेखा ने र स्था नाहात्मार्ह्ना यादे द्वा सेदास दे के कार्द्व सुकाष्पेदार्वे वेश मानावाबुदा दर्गाणा द्शायक्रत्रतालक्ष्मा देखरावार्मा वार्षाताच्यात्रास्त्राचार् देवांशाय श्वांशाय रे हेंना य इसाय नश्चरा हैंन बर होतायर नशुर हें में सा यथर स. लूब. च्या डे. कुंड . णु. हुंड . हुंब . गुंश च तर व . लूब . बु. खुंब . चे. च . हुंब . र्को विकिन्दे के दे हैं । मार्के मार्थि र मार्थिक स्थाप के स्व

वं वार्सिन्सं प्रथाने वात् पर वु वर् मेलुर वकने वर वेर वेर ने दिंग नेस य देवे मी वर वेद य दवः य दे से से वस माझ द दु वेद य प्यव वसी विद हे खिया में से बसाल र लेस दे सर द्वार वे दे ते सार सूर पर में दाय से स्वर श्वाच्या वेर प्रकृर दे वे र्यार्य वे वे स्वायम मेर् या भीवाली के हैं रे हर र न्वदः व दे द्वार प्राय लेश यहें दे पा व वे के का के द यर द्वार के के का वे क्रिन्द्रवेशायर वर्षुर में विश्वता प्रतिस्थाय वर्षेशायर वर्षेत्यके देव हैं ना यर त्या रही । दे विश्व अस्ति श्रुम लेश में प्रेम हे श्रुम रहे प्रश्न प्रेम स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप लिम.मी.पुंबाना.बुबा.बु.घा.लुबा.बुबा डे.डेब्य.महूरे.ता.ब.हुबा.तर देवट.सू हु. क्रिया देना पर विषुर् ही भेर ग्रे क्रिय दर क्रिय पायर ख्रिया ग्रे क्रिय पर जेशना हैन प्रवेशन दे हैंद दे वे प्रवेशन वहेंद से प्रवेश के किया है दे हैं ने प्रवेशन वहेंद से प्रवेश के किया है दे हैं ने स्वेशन के प्रवेशन के किया है हैं ने स्वेशन के किया है किया ह लेब द्या श्रीय द्यार स्वति वर की मार वर्ष मी वर होर थ हैर तकर पर महर न्त्राः व्याप्ति मेर्ने प्रति मे केर् सेर्ने । विकास मान देते व क्रिन निया लेश नहर्ने। विदासिया भेरम रे मुक्तिर भेर प्राप्त र मुक्तिर भेर प्राप्त प्र प्राप्त र्त्त तेश्वर द्वाम याया वर्षे वर देर्प पार्केर दे वह देशों दे स्टर्स स्थाय है ळूर.में क्यातर पुन त.र. में र.चावर में क्यातर पुत्र त.व.र.चे स.त. वे स.त.वे स.त.वे स.च. में क्या लेखाम वदायानार भेतायका खुयानी वदा हेंदाय हेंदा सेवा केता मिटाहेस हिंद होद देश मु.च दे नि नर होद च है है र र विव द नु मुद्द यथ है सा देशन्यरः श्रुरं सर रेग्रहार्स वेशनु वदे र्दे रहें। में नर नुर मानिवासर नुरायस से. दुस. तर सिर तर रूस न त. बुस. में च. व. सूर्यास. तथ है . वकर तर .. नुरायामा अञ्चलि देशायर श्रुरावर देशाया के श्रुरोक्ष यर श्रुरावर देनाका

भाष्ट्री वहूर्यर मुन्द वहूर्यर नेत्र वहूर्य मान्य य केर प्रेक में। दे त्य मिं वर हेर य हिन यर हेर चर हिन य प्रेक मि रे देर व रेनाय हैं के रु वर्षेट व ठक हा हैं रे व नार के क्यारे के ने वर है र व हैर नु चुर य य भेर है। श्रु श्रुर य वे पहेर यर पर्रे पते रेव श्रेर पर हैर यते अतः वना हेरे प्रदेश दे हेर र्या। दे अः वर्षि वर हेर् य हेर् प्रदेश य क्षेत्रमीस हैन विकामी देशमा भेदाने। सिन्द हिर्देशम स्वर्ग यादेश मद सुर बार्डेना यार्ह्येक पुरानिहरे ना के दाकार में प्रमान निवास के निवास के मिर्गियर नुदासामाध्येरायर विश्वेराता । द्वाया हेरिन् विदेश वासा हिर्मा वासा हिरमा हे हिर होर पर से प्रमुक्त स्था देवे हिर पहें में के मार्ड पर में कर स पर मर्रे खेर रें गाय खेर नु मर्नेट माउदा खाटेश सर खें र नर विश्व माउदा निर्मा शुःवर्त्रेय व रुष्ट्योः में वर वेदः यः केद देवे विवायर वेद वायी । यर विवाद री । परेश के श्वर प्रते द्व प्रवर पर ने र प्रवर के के लेश न प्रते श्वर हैं म के क्या मा नाके कर हे : श्रुचे प दूट द्वा ग मदी : श्री द्वा रही। हे या ने विम : श्रुच य वे नाट लेना च स्त्रूर नाट तार्हेना च र्ह्य नु नहेंद य उहे से वर्ने र य रे वे रे तार में नर छेर यामि बर वर्णर है। विरोध कर देश के तर बेंद्र के के के खु नु रे के के ल.६.८८.४४.मे. अ. ७४.८४.तर हिर व.के.वेर्।। रेवट त् पु. वृश्चाय पु. व. क्षुन् वरे या अद हें ना दा हैं व नु नहें दा व व व क्षे देश यह हैं दें। बेस छ न मिं ब भे ब पर ना ब ब के वि प प्रति के वि प के हैद ग्री की त्युर वादे वे दे ला देश वर खुर वर वेंस वाम भेर हों द्येर र

द्ये च रूप अस्पे सु प्राप्त हो ता है। या में है सा वहें सर र वहें का वहें सू रूप सामा स्रुः चर् स्रु में त्रीर पन् स्वर् । दवर स्व देश पर वेश प स्वृर् पर वेर खेडा उ.स.चे.**विस.स.स.**मेर स.स.र.मेनास.स.स.स. हे.फ.स.स.मा.सेर.सरे.केर. <u>ଽୢ୰ଽ୶ୖ୷ଽୢ୳ୠଽୢୠଽୣୠଽ୷୶ୄ୴୕୰ଽୢୠଽ୷ୖ୲ଌୣଌ୷ୠ୷ୠ୷ୡ୶୷ୡଽ୷ୢଽୗ</u> रत्यक्ति:र्नाश्चार्ते:देश:यरःश्चिरं क्षि:यु:ववे:यरः ग्री:मानुदः वर्षेशःश्च्रयः सञ्चयः । सक हैर सप् क्रिंट न पर दिला में तर हैर सद रहा न हैर से केर मे तर ब्रैंस ब्रेश में न के नहीं करार में न में पर में हैर में हैर में रूट न ब्रेस ब्रेश में वर् न्यास हिंद वर वि वर् रहें हों। रह वर्षे हें से वर् न्यास हैंस भर श्चर.च.इ.स्च.तर.पचीर.इ. बुश.च.च.ज.स्चरा तकारचचा प्राजा चेरेर कूपाय. मे दमे न्या या यस्त हो। दे के दानी से मारे दे स्वर कार्म सर हो दा पर वा स्वर हो दा पर **તું. કુનાર** સં. ભુવ. મું. શ્રુવન કાંતું. ટ્રેવ ટ્રેવ્યંત્ર સંદ કુરે. વ.શ. ભુવ. ત. તાલેવ. . . मुक्षा वे मान्त्र में लेखा में चाता खूर्याया प्रमासीय वा नट देवाया पर मीवा पर होते. त.र्थतंत्वध्याक्री.स्र्रेर.चतु.स्रिय.तर.स्रेर.यर्थ.पर्वश्व.व्याय.व्यक्ष्म.स्र्य.यर. नुर्रे हु। १८ अ.मेर.जश चरेश.च.जश.वु.चश्चैव.राजु.धु.वश.रट.जुश.स्र हिराय: व वर हो अहर है। रहार व हार हुए में राज्य के मा में से प्राप्त के में ने लाया हुन ने पर से कारी हुन मार्थिक हैं निर्देशम् देशम्बर्धाः स्त्रीत्र सामा महित्र स्त्रीत् याना स्त्रीत् साना निर्देशमा स्त्रीत् सामा स्त्रीत् सामा

वस्त्राचर पु व प्येष व र्वा प्रमान परे से वस्त्र हैं र व प्राप्त र व प्रमान परे ही। हे देर ब.ह. ज. सेव. मूट भ जूद मार्ड ह्यू देश मिट बुंक में नेड मीट मी ही है है है स तक्ष्यब्रह्म अर्था विश्वरामा अर्था महिल्ली विश्वरामी विश्वरामी मी.स्. रक भारत्र, बुकानी वर् हुकाना ना बिट. चर् . पंचें अ. चें . चूरे ना भा लुक क हमाराम स्वेद प्रशासिकात यक्षक य लुक क्षा तर पुरा राष्ट्रित हमा प्रता वा स्माका प्रशास्त्र म गुरा वास विष्का स्मिन्ति हैं। वर कोर्दि यारे प्रमीय यार्देन बक्ष वसन्। साव लेस नु मान व्यक्षेन्स प्रसाद स्टर् मर केर हैं। वालुक वर्षणा मास हे अर्दे शुमार् मा दर मान प्रत्या पर्वा कुर्देर के भुक्त के सुर्वा तर्राष्ट्रभात्र के स्तर् के वित्र मुक्त का कर्म के तर् लेश.य. वर् अवस. परेश वर्षेश्रेश । रियास रच परेश वार्या वस्तामाया . लुबाकाः है. सह कूर्यकाता क्षेत्रमध्यक्षेत्र हिंदू हु लुब हि दे ल देश्रेचीशः मानेन में भुमान्यवार्थ विकासमान विकास के दिनास नामक सामानेन किन लिसामालक द्राप शिस्तर स्त्री नायाहे दे स्वार्ड ना हु क्य स्ट्रिय स्वार्थ सामानिक के हि सुरु कि से वि प दि पि पर के पार कर से गुर पार प्रमुख हि मिल्ट के कि है। विशय खरे निमम् धायसम्बाध च येषात्मा प्रवादिक मु अकेद्रे के राम नी सक्त केद दे ता रहा में महत्र केद्रे के कि साम कर केद्रे दे ना दे कर मार नेश पनि केना ए ता वर्ष की हरा की अंक केन व वे अ पनि व निह । भेद भाषा नालक पर अद्यास कर का मान्य का प्रति स्थान के मान प्रति स्थान के नाल दे भी के दे नाल दे भी के दे नाल द हैं ग न न हर हम न न हर दान कर के के किया के किया न हैं न होंग न हैं न होंग न हैं न होंग न हैं न होंग

मिट हुंश च व.त्र. सून्साता है जासर वर्षेर व. लेश व् ।। दगद लेगः मी हैं हैंब से दिर शेर से वा के मीश पत वि बर ब हैंब से वा के शेर मा हैं से र द्रियायामहिना क्षेत्रा सेना नी इसा यर क्षेत्राया स्त्री साथ वस्त्री राय द्रिया स्त्री र विद्रा ·दन्द विगानी कें क्रिंग वें द्रासेश वें य सेन्ध पदे केंन्ध पस वेस 3 प केंस... सर्व.तर.चर्च. पर्म. श्री. क्या. पर. प्रविता.त. प्री. वाय. हे. पाइन सार्ट. ञ्च तार्स्र नामा पत्र हें नामा राज्य पर क्षेत्र प्रते हें नामा स्वापन के नामा का ब दे द्वा रदायी अर्द्ध केदा की रहाया कर केदाया वार्षे दायर की त्यार विकासन्या ने ता श्चित दर्वे द देन ना ना हे द की तर देन दे देन के श्ची अके द की कर नी सर्वद हैद'य 'रद'नी'सर्वद हैद'गे' खाय उद हैद'र पहेंद'गे हमागी सर्वद हैद'य' क्षेत्रायकाक्षेत्राय वद्गामेत् विभावन्द्रायाक्षेत्राव्या क्षेत्राव्याद्रायाद्र न्सर में ता स्वाकाय वस्त्र उर् स्वास्त्र वस्त्र मान्यर्वा है है है व पहिन है ... क्सार्य वेश य क्षेत्र य म नेत्र य के वे वे वे के मकेर प्रेव वे ॥ दे द्वा के र दानी सळव हिर दे ही सळेद नावद वारा य होंगाय प्रदे दें। मञ्जास.रट. म् त स्वार रवे रव रु रवे न में वार सप्त र रव र व रे वर नुप्तः व देशकायर नेयाय क्षेत्रयर नेत्रायर केत्रय हो। सूट म लूब ता व लट हैं। शहर नविश जश पर्डे व वश ह ने श अर्थ द वश्य हर 의 원 : 조리 : 화국 : 리조 : 조리 : 최조 : 원 : 조리 : 리조 : 지원 : 조리 : 최 : 최조 조리 : कृदाय दे संभागित हैं विसान नाना नामा या मा या से नामा प्रते रवा नु रने ने प्राप्त मर्क १ के र के खान कर मान्य के ना विश्व मान स्वास पान दे हो व र र र पा दे स

त्रे के देश दे द्वा र मी सक्द के प्राय वे स प्रे दें। दें गुर देवाश भविषात,क्षेत्राता,विषातमा, भुटातमा, मान्या, भिष्य, कुरा,वे त्यु, कुरा, हुन् त्यु, कुरा, हुन् त्यु, कुरा, हुन् न न के न के न के न न के के न के के न के के के न के के के के क ताःश्र्वायान्य हैति ह र्च ता है। महेर की रह नी महर हैर की हैस निवर न पर दें क्षिम दें श्रेमस स् ।। प्रमास २ दना दे लेश ये या मार्सिया राष्ट्र हिनास রী.বহুই.বরা মুই.মহুই.বর্ম.র র মত্ত, বর্ষমান রুই.বহ, মহুই, রু द्रमायर क्षेत्र मा क्षेत्र यर होत यहे तुषा मही राष्ट्र यह वह व क्षेत्र मही मही होता है लेश मुन्द के क्यायर मेस वासेद यर मेद या मुन्द रवा में रदा विव हित वा नार भिक्र म देने क्रिक् हो। इक केना छेर यानार भिक्र या दे है निर्मा नु यदे दें हैं। देन्यायन दुन हैं पर दे में या से मूस या साम दे ने या हैं न 'लेख'नु'न'य'ये'सँन्स'पदे'स्त्रुस'दे'संहें'चं दृष्ट'खुवारुष्टं नाद्रस'यावेख'नु'ने भःसन्यायान्वदादा। जुदास्याधिदसःसुनुदायाधायवाद्वविक्रियरा दर्नी वाता स्वासाया वहेक या स्वार तारे तारे सार हे सा वर्ते। ल्ट्र श्वामाना ताला हे पर के पर मेर पर है न स ह स से र हन से हैं से दे दे से मा क्षेत्र पर हिर पदे वुकाय क्षेत्र मा प्येव विशेष है । यह विशेष है विशेष है श्रिका अर्थ्य ता व मावसाया म्या खार्या नावव द्वायाया है। विकास दे वै दे'व्याचममाउदाणीय मुदाबदेद। दे'व्याद्वादु महाक्षेत्र भेदा देदा ल हैं हैंद लिल कर हैश में नद हैं हैं मा गुर लस नर्म मदे ना विद द नियंद द क्षव व

क्रकार्यात्रेयात्रीयात्रीयात्रियात्रीयात्र

्रश्चेरः दे 'दना वस्रका उद्'दे 'देश' उ'व वा र्खन्। अ' वस्त ने बुदः वहेंद् 'वर 'देद' य क्री वस्त्र क्रिया कार्या कार्य हा हे स्टाइन स्वा के वर्ष स्वास्त्र में प्रते क्रिं अवस्पर वाहे के हिंद अव कर लेखन न के में नर नेर वाहे र पा सके खेर माले च नद्रायके त तु सद ते वर्ते। अद करे के केन हें कर छ क त्राक्ष:पक्ष:कं चाकु:संबेद:रा इ.वन्छ:शह: जू त.३८.त्राद:जू । व्यक्षां चेदाक्षाः पर्क साथमा हैते हा पहेंद्र पाने देव खर पर् मार में महन केर परेश पहें निर अधि निर वार्षे निर्मा संस्थान स्थित हैं न स्थान स्थान स्थान स्थान क्र्यात्रहरात्रदानी मध्य हुट ग्री ले कर हुट लार ता बटकाता बेंद्रेत ले मा करा. संबेद:बैर। रहर्नेश्व ब्रेबे:ब्रिंद:खायांडवा है वहनावे हैर यह मां में हुं विमान्त्राचित्र प्रति पर दे त्याया हो वे वा देवे हिम्ह्या कुरार मुन्ति हुए ग्रेमचे भारत रूप हैं . लेश ने न पर्ने स ग्रेट लेश ने न का स्वीय पर सूर्या सूर्व स्त्रित, देश, त्र. करे. व. यस्तिका. त. दशका इंग बावस्ताकृता हुन हा जुक् नम् हिर् देश ने न में स्काल के के माने मान मान प्रकार प्र प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार भेक्का व सेन पाने किराद श्रम श्राह्म हैं व पा पान पान पान जी। क्रिया के के के विकास के किया मान के मान के मान के किया में के

बर इस्यायर विश्वाय ही व सुवायर हिरायदे स्रवश सु तर्र र र्वेष गुरादा हैना ... हर है। तर्बार वर्षात्रम्थार्मेर व आट लेश मु न तर स्वार दश्य. चेत्र य हेद ग्री दुस सर्दु दश उद हो वसरा **उद** ग्री बर्भर हैना स हैर र महा से बार मेर से र र ।। नाव र हर र पहिना या हर लेब वें लेब नु न के मिं निवर सूर नु नहन म उक् म लेब वें लेब नु न ने भेनस र्टा हुर रें। यर वे रे रे स से व प्राय मुर मदम लेख मु न वे रे व महे न दिंद यर लेब पत्। कु स से व सि के लेब में व ता स में स में में स से में स तपु. विट. तर . रचां. चीश्व. श्रैज. थपु. रचाश . श्रै. शू. चा जश . खेश . चे. च . च . विट. . . . वर ही वहा वर्षे। दे रचा मेश वहीं वश से हा वहीं र वह र हो स्था न लब्दान दे द्वाद्दान्द्व वाता वादा वाल्य दे ता दे वादे क्षा नुदे ।। इता वा श्राक्ट्रेंस प्रसायम् यमा उर्ग्यी हर्सा सेन पर महत्र पर में में ने में स्थान उर् सेर'र अट'अर'यम उर'रे'या पहेर पर मानुमारा मारे मा गुर ऑर अर कें दे·व्यःव्यदःव्यक्षःवन्नाःम्बुन्यसःग्रुःस्म्यसः दुःसःङ्गदः न व्यक्तं दे लेसःम्बदःमुसः ग्रीट्रियं स्थित सर से हु ।। विवास निवं या से दिसे निवास से हैं विवास निवास से षः लूर्शः श्रे. मेशूरं तर ये. रपं माडिमेश पश्चाचिष रपतु मोडि५ हु मोडि५ मोखिश स्री दे'या से दस्मेन्स्य र हे प्रेट्स सु म्वर पर पर मु पदे माहन्स्य महिन्य ल दस्मास ... यदी द्रमायर हेना यदी हिंदा लेखा न यदी देंदर्गा दे दना वा लेखा न व दे हिंद चें 5= शेर मिं पर्ते । दे रेम्ब्स य लेश मिं व के क्या पर से क्या प्रहें व पर्ते। हिंद

च्.रेट.शुर.त् ज.शूर,तपु.विर.तर.धु.क्य.तर.कु.वेश.पहूर्व.त.शुर.त.वु.चे.व्य. कृरःषाः मिदःत्रः चुरःतः भूषः त्यः दः रट ज्वायः वः लटः दे खुरः **इ**सः वरः छु वहः ः ः ः वहिंद्याध्येश्वादेख्ना वाष्ट्रियायमा खेदाया वाष्याया प्रमेरा वर्षे ।। वर्षे वाष्ट्रा वाह्या क्रुनंबाश मीच तर हिंत् . खेश वि.च.षु . भावि.जा स्वांबा चट्टा मिंडियोश मिट हिंद . तु . .. অ'র্ম্বার্থ ব'র'ব্র'মের':য়ৣ৾'৽য়'র্য়'র্ম'ব্র' ব্রি'র্ম লারুদ'বর'বুর্ 'ঔয়'ঀৢ'ব''' म् नीयात हेर मु. हुरार्ता हे.जालब लया.कथ.मी.वाड्याश देश तर हु.वस. में पहेंब उँटा **ૢ**ॱ५६६ च.५.सुँच्याश्च चुराच य.सँचानाचात्राञ्चेतशाचालायात्रीयात्राश्चमशास्त्र।। ଽ୕<mark>ୢ୷୶</mark>ଽଽଽ୵୷ୡ୕୕ଽ୶ୢୢ୴୶୵ୠୢୣୣ୷ୣ୶୷୰ୖ୶୷୶୵୷ୡ୕୵ୠୣ୷୷ୡ୕୵ୠୣ୷୷୷ୡ୕୵ୢୄଌ୷୷ यम दे नार या प्यव यम उव मी हरा महिना प्यर मा सम्मेन वी। नुसामद्भारम के केरानु विसानु नामार्सिन्स नामार्दिन मी दसामान्द्र नुसाने देवा मु देश त.रेट रेश ह्या है चेट ज. ह.रेच अष्टर त.लूरे त.हे ज. ह. सेर. डिस नुद्रा देवे द्रास द है दे हैंदर्ग देश है देव मी द्रम या सहंदस : य. दब, यु. मू. नेटा श्रूर. तु. ज. शूचा म. च.घ. नेट. तर. बैट च. केट. की. ही र.सू। नुसामहित्साच उदा दे निष्ठे ना भाषा पर में ने मा मेर् यर वहेंद्राय ही से से रेन यर केर ही पर्म भर हे सामेच वालेश नु च वा संवास प्रारं हे दियहर. नर् नेद्रां नाके ना अर लेश नु न दे नहें शास दर नहें साम अर भे न दन पर्।। र्वेष र्वाता स्विधायते द्वाता क्षेत्र क्षा साम क्षेत्र प्राप्त क्षा साम क्षेत्र व्याप्त क्षा साम स्विधाय न ३. ही स. जुन वि चूल सूर्यंश नपु हू. चू. हैं व्याश न द्रश्र का क्षेत्र ही उर्ष मिट

ह्यं त्रियं के हैं। हिं के किया मेर हिंदा ने के निवर ही निवर मी दे त्या खुत्र सेर यदे दुर रो। रे हर कर देवे खुय अब वन उब नी हम जेव का। ८४ .४.च<mark>. ६४.५२ च.५.च.</mark>च.ब.क..हे. कूचास. ६४.च.१८च. च लना नी नी हिन्स से रस दस स शिक्ष म प्येत हैं ज़े स है नि यह हैं ना यह दिनुहा नी हा रे लेग दर ये दस धर हेंग य के स थे र है। दे ल अक लग चै.च.ज.स्यांश्वास.स्यां। दे.भुर.वर्ड.स्रेर.खेश.चे.च.ज.स्यांशातश.ध्या यर 'वाकृक्ष'या से द 'यर 'यह्य र दे। अद 'यन 'उद 'ती महिनाका है 'अद 'यन 'उद 'ती ' ट् च् हो नाट हे वा तर् य रहा स्वर पर्या व्यव व्यव स्वर सी ट् च व्यव व्यव स्वर सी है च व्यव व्यव स्वर सी विष्ट च ता.चोडुचा.मीट.लारे.बुंश.चे.च दे.जशायहारे.चर्.। लट.र्झ.क्र्यंश.चट्र.से. र्षायस वहर्षा हेर् वर्षा देर्बा से समाय स्थापि दुवा पर पर्स : य नुर्वे। पर क्षम नु नुर्वे र ने नाय ने प्रव प्रमा कर मी हरा ही लब्रामान्नान्त्रमा द्वार त्यार न्यार न्यार वा देवे देव देव लब्दा समा उत् म् द र्यापदायमानी प्राप्त निम्मेश मुद्द हैं स्वर प्राप्त प्रमुद्द ने । हेद सेद य उद्देश मुःल्रुवः नवः वस्त्रः वसः वसः वसः वः केदः मुः खेरः ह्या व्यास्त्रां व्यास्त्रां वार्यः ह्याः मार भेद स दे द्वा गुट लेख न व य र्येट यथ द्वा यर देवा य वाह्य य द्वा व यर नुर् र्रा रेन उर र्रेन र से पहें पर मिश्र से मे दे से हैर दस यर हैंन य निवेश भेर्या भेराम भेरा में ।। दे खुर करे दे दे मानु न दे स्वर यह ।। दरे दूर खे मायेव या प्यक्ष मा उदा मी दं ने मार्च फर् च मा प्येद दं देश नु व बे ह्वि र्यो या स्वास पदे प्यत यमा दु महिंद्र या प्यादश सु दूष्ट पर मुर या सामित

मास्यम् वम् वम् कुट् वे से द्वेम्याय यरे कुर रें। लेब व वर द्येट्स से ॥ WE' द'रेंदरे मुंदि'गुंश'गु १'नु यद्र 'यदे 'Wद 'यत्र' खर मुंटें 'सेंडू' र्हें र 'य'न्द व्यक्तायारे व्यक्ता त्या क्षेत्र है। विष्युत्त मुद्दा के द्राय के ना भारे भारे भारे भार हैं वि वार्राया है नाराय ना भारती मु । भी के लिखा मु । या के क्षुंका से वाह्य वे प्रकासना १६४ मीः हिंची नार स्थाप द्वारा स्थाप વલે અનુ અનુ ને દેં સું કુ <mark>- ન</mark>ુ વાના અનુ વ ને - નુનુ ના કે ના લે અદ ના <u>ત્ર</u> ના શાકા क्रेनिश पानार प्येत वारे वे स्वाप्त पाने पर पर्ने निशायके के प्रेश के ले ना माध्येम दे ले सानु पाता संग्राम या के त्या ध्येष दे । चु सा लेव वि वे ते गावणा . बाह्य र्हेन् बादा हेर् सेर् परे सुर रं हेबादा व के हिंर के अब अव कि हैं वे न्डिन् हेर्'र्'गुरु'र्'र्'वर्ग्यायानार भेराय रे'या झार्केन्थाय हेर्'सेर्'यते खेर र्दा १२.भ्र.ज स्वामायाकालाला स्टार्क्स स्वामाय हा स्वामाय स्वामाय स्वामाय व्यान के दे हिर दे ता हे लिया प्रम त्या कर हो द र ता है हिर प्रम त्या कर ही द हैं " क्षे केंग्र नाल र से पर्टि हैं। दें न गुट दे ता अन सम में ना हा न सिंब : ्रब्दानर वर्गुरार्थे। दे न्यार्सिस्यायराष्ट्र ह्वीसायाकेन सर्दायास हिरा। श्रु.क्रेंनाश याद्वा है श्रु.क्रेंनाश मानेदाने दर महत्राय मालक सना स व्यवन्ते। केनाकर नुःसावहित यर मसासी प्रोतायव युरा। न्याने दे हा **ढ़्रेनस**.तर.कैट.च.कथ.ची.धॅ.ज.कैट च.**ट्रेड**्रक्र्.के.उपर.**८ट्र्**नस.चट्राचीर . र्दे । 'दिंब'माठेमा'मा रखेंद्राय पर्ने 'यदे खैर'के पर पर्मामामा पर प्रमुद कालेका ্বু বজী**ছঝ'ৰা**ন অ'ৰা্ৰুৰাঝ'ৡ'ৰম'বেগ্ৰাঝ'ৰ্ব কু'**নেগ্**ৰ'ব'নে ইজ্ব'ব'ৰ জীব'ন' क्षिया भराव ने वार्ष वा भेजाता हुते हुर खुष कर ही इसायर वेश वा

लेखानु न त्याप द्याप दियानु वर्षे अवस्तरा हुर हो। दे लेया ह्या हे है या हैन'ल'हे'हर नु'स'झूर'वर'त्यूर'वेशनु'व'दी पदे हुस'नु'सेसर्थ'ने मून यदे अधर हा न हिंद जुद हें इस य दर नडस य केर रहें दें। व इव र्द्धनाया मदे क्याया दे हिंदी यादना हिन्दा नुमाना प्येव माने स्मान हिंदी हा क्ष्यां मारा द्वारा कर मिश्रा निर्देश के मारा है है है मारा है से मार्य के किस नु न वे नाट देना इ र्हेना स न प्येद न दे दे ना देना नी नट न देव स मे दे हे दे स न यदे नाइक हैं नाहा सार्य सार्य प्रकार के का मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्य मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य खेश य त्यस ५५ य त्र्रीं न य र में द य र में इस पर वेश य माल र में र निय में यदना हैद के का क्षेत्र की है अदादेन द्वार क्षेत्र यह दिनुहा है है है है हु। इत् यासाल्येय बुदाक्सायर **जेसायद्रायर्या हेराजा अदासाल**य है। कनासा यर ह्राट वते क्र वर से नाइस से लेख नु वर दें हैं। हे हुर क्र यर की नात्रकारा दे हिर दे साधना केदाद हिंदी महाति वार हो। व्यापन कर्म समसा नदना मेर्'य'वेश'नु'न'य'स्वांश'य'य। श्रमश'रु 'सेर्'य'हे'र्स्स मान्ना मेर्'याकेर्'मा प्रेम्'मा पुन नमाक्रिं मेर्टिश यार्टा इसायर मिटायरे सिम्स स्रेर्-यर-व्या-वर्य-स्रुर-र्द-। र्श्य है अर रे नियमित नियमित नियमित स्वासायाकृद् मुं खुर स्था दे मुद्दा मुक्त नु निवास स्वी मा स्टार प्रहित यदै दि वहा नवेकाव रद सेन्साय हमादे । अदान सूकावह सामहि यारद केर

พูล'ลัศ'สล**'สล'สล**'นะ'ๆผน'นะ'ผล่า'เล่น'เล่น รัไ รัส'นะ <u>થું.</u> શ્રં. જૂત્રાજાતાનું શ્રાપ્ટા જારા શ્રે. જૂતા શાતમા**ત**તીવા તમાર તેની માટ્ટા, હોશાવી... न'क्ष र्श्वन्य प्राया वरे सूर द्रायं र द्रारम यर ह्ये मुहेन ह्य र्हेन्य प्रायते क्स य उर दे सु तुर नु र पदे र दे है द ग्रैस क्षेत् पर द नु र दे।। ٩٤٩٠٩٠٠ चुन्पते क्वं दे दे पर १६० १४२ चुन्पर चुन्यरे खु र्य खु न्य का व न्या व वन्त्रावासर विष्युर र्हो। दे विलेक दुःहो। इस केंट्र वर्षे हैं पाउक नी कें नाउ ना विका नु'यरेक'यर'विश्वर विश्वा देवे के त्यापट से विश्वर र विश्वर मे के के प्रकार พदः ङ्वार्ळेनाशः यः कृतः दे दे से "त्युरः हे। क्वें महिना द्वा दर घः दर या से दाया दे । स्मर में त्युर रें लेंग न परे रें हों। महिना न लेंग न व संव्या रास रे पकर पर चे**र** रा दे के के प्रमान के माल्र माल्र मार्डमा हैन प्रेर प्रेर पर पर देरे दें। दे प्रेर मार्ड क्रुंचेश.त.भ. रूपे.त.लट. खेश.चे न.रट. चंबेर. झं. क्रुंचेश.त.भ लुरे वे.लट. है। हें वें क्रार्क्षनां पाकृताया का नाहिना केत तामा नाही होता हो। वें के गुहा विद्वार यते निवट नीस झ कें नीस पर इस य हैन ने झट वर त्यीर हो। विहेना नि मार्डमा म १ र न मार्था या हो। इस यर मल्या था मार प्रेश या रे दे र र्व र्वा यर द्वारा व दर प दर व दर य सेर य स निर्देश यर विना प निष्ठ प्रचार लेगा गुर अदा व्यक्त व के के अनु चर्त हैं। दे क दे क दे क यर दशया श्रीत्राय द्वा केंग्राय केरात् नावशायते हेव प्येत लेट महिन केरात्

नारेना केर प्रेक्ष के र्व रक्ष धर क्ष प्राय शहर ने प्राय केर के हि दे**ॱइर '**से' तद्द्र 'देय' नहेन' दु: तनुर र्रे लेस' तह्र यदे 'हुर। दे 'स'माय' हेर्द्रादश्यर ह्या लेख द्वाच ता स्वाधाय ह्या ह्या हो। हे सूर व हे गुरुर ही य'य'र्सेन्स यते क्विं प्पेंद्र'र्दे लेस'तु य'दे वश्या कर कु 'क्विं र प्रेंद्र प्रेंद्र प्रेंद्र प्रेंद्र प्रेंद **୴୶**୕୶୕୕୶ୠୢଌ୕୶୷ୢ୕୷ୖୢୄୠ୷୷୷୵ଊୣ୶୷ୖଽୄୠ୵ୠ୶ୡ୵ଌୣ୵ୢ୕୷ଊୣ୶୷ଽ୕୵ୣ୷ୢ୕୷ <u>সূ</u>্বাধা.**ন**ে,৺শুধ. ধু. ধুনা. ধুম. বিশানা. বা. বিশার করে। বিশার र्श्वेर वर द्युर र्शे हैं देर महिमा केर भेर कर कर माधेर बॅ' लेश चु'न ते ब्रॅ नाडेना प्ये**द द**्का य दु का उद के दिन्नु स्के दिन्नु हैं के "" मारेश मोरे रं वंशन्वेद या स्मर रेमा या दश मीर प्राप्त कर मिर्द से के वे न मर द्विद्य स्था नाल ने खे रे ले ने ने रहें अर्थ के केंग्र या से न के दा हों मुं हुं र्रल मुं ना बनाब केर दे ब्रद न प्लेब हेश रे अर दे न्यर वा गुम्माय हे दरे द्रार्क दर्द के बिश मुन्य स्मार मार्झ सही अनुनाम स ढ़ऻॿॗॖॖॖॖ^ॴॖॺढ़॓ॱॕॱज़ॕढ़ॱॸॕॖढ़ॱॸॗॱक़ॾॕढ़ॱय़ॸॱढ़ॏढ़ॱॻऒॸड़ॕढ़ॱऄॖॴड़ॾॕड़ॱ**ॻऀॱॸ॓ॱॸ**ॴॱॸॕढ़ॱॱॱ क्रेन वे स सेव है। गुन् नु यन्नास भदे रदा बले व व नान्न न्या से द म र्भेर पदि हुर र्रो दर्र थर निर्मा पदि हो देवै दें व व वर मिट हो। देव ह व व अस्व निर्देश की हा व व असे बंध ने बात

ने दरादेवे दें बद्यायमाना स्थाय में मिं ब है द प्येब व लिस लुट ड्राट वर्गा नु न है देते दें वें का म विदायर क्रूट न दे दें दिन मायर हे दर्दे सु ना दूसाया व्यव वर होत यदे वद साम्पर वदे खेर हो। दे हैर हो हैर हो विंदाकेर सुद्र के मार्येन वामा भेदारे। दरेर सुर्रे रिया मी रेदार दें कर ससःमर्विदः यः कृदः गुः हुरः देः मिं दः कृदः सः प्येत वें लिसः मुः यरः द्वीदसः स्वा मादः ଵୗୖ*ॱ*ଛୖ ଝିଂ ଝ୍ଡା-ଫ୍ରି-ଝ୍ଡ଼-ଅଞ୍ଟ-ସ-ୡୢ୕୕୷ଧ୍ୟା-ଗ୍ର-ଜ୍ୟା-ସ---बु.भ.भूब.री द्वामान इ.ज.म.मूंब.मूर.ग्री हि. तु.क्र.मम.नार्ट राष्ट्र. व्यव चर्तः इस चर हैं ग चर्च से र्हें र च दर्मना चर हो र च ले व व व रच रुच. ग्रीश.विधित. चप्. श्रुचा. वर ज स. चेट. टट. श्रुट. श्रु. च. स्रेट. च. स्रेट. म'मबेंबर्ता अ'रेन'मरे रच'रेन ग्रे विक्यर सेन कब भासे रेल मी र्देश रे मन् न अट कूट ट विस दे सन् नु नम् न र ने स र ने निर त के न पर नम् न पर निर नम् न पर निर नम् मह्राचारे क्रांत्वार में लेश मु वर द्वीर शरी। दे दर देव द्राय मान्या य दे सिंब है दे प्येब के विश्व व पाया देवे हैं वें दब स प्येब य दवा गुह देवे हैं च् वर् र र ब्रह्म वर्ष्य सर्वे व्यवस्था वर्ष्य भागादा स्वर पारे हेर वर्षिता हारे हैर । म क्षेत्र मुद्दे पुर देत दमायर है। दहें अ खु हैं देव मी हैं वेद महिस य हैं" मि द हैर है के हैं अ र्येन पा अदे य दे हर दा है व है र्येन दु नहीं सार तरेश दे ता मद्ना नेश देनश यश दिसाध दे दें दर्ज न मान है लेग है। दे यहान है हिन्दर है ने साथ है दे दे जार देना था मां भीना भीने था है ने यह विद्यार विद्यार विद्यार वर दमें दिशा र्खा विश्व वु विद्यान वाम् वदा प्रदेशी हे दिना हिर वेशा वु वा परियो इस यर दिनीय या ने नियम यह देश पारे ही ते लेश ना पारे के।

याता अहारे वे हिं वे महिमार्स्स्य मार्श्व का के का मान मने हैं वे बी देन संस्थानीवर्राट्ट प्रदेशकाला देन संस्थान में स्थान है है ते अध्यास संस्था ल्याने संस्थानिक सामानिक स्थानिक स्थान क्षाताक्ष्यं में भेशायते दियास्य स्यास्य स्थाना क्षेत्रा साहे । केर सामित्रा साह स्थान क्रासा क्रिय देश कर में बिका है। क्रिय माना माना देश पाना निकार हैं व राम् होर अप होर हा। देख मालेब न मन क्षा धर प्रमार ही। मी श्रीमशासन्तरियोत्स्योशास्त्रीशास्त्री देशवरारी विविधः वामार्क्षाः होत्री विविधः बद्धेश्वर्ध्वर् तियात्रक्ष्यः है। द्वार्तः स्थाप्तः स्थाप्तः स्थाप्तः थ.करे.तर्शिकान्तिःसं स्व.च्यं विवेशे की.वश्रं स्व.चर्र्याश्रेशकानी,क्षेत्रःलुव्यू व न्यस्र न्याने द्वारा स्व द्वारा देवारा मा भेवाने। वहेबारा वे माहे ना स्र लहा में कि हो। से निया महिना मेर के के कर कर देवता मा नद्मा केद ब्रम्भा क्ये में भीवान के माँ दा हु वा स्वर राम है द व मार स्व वसार वेर रे वर्ष के वर परिवास हो मा मा मा मा मा के पर के पा है । या है वा मा सर दर प्रकार पास के प्रमेश की। वह पर भी के प्रकार प्रकार प्रकार त्रभु देश सम् केट व जाट भार कर व है अधिक के जा है है। वर कर बे क्या हुद तर भे नेस त. हेर के हैर रा। खेम र अर दे वहर वर व्याप व स्थाप नहीं में ले हो। इस मी केंद्र में र र मी केंद्र में के का का में हैं केंद्र नहः तरः ने अपने देव विषा तर ने दार्ग अपने देश संस्य वहन यर ने देव य कुर. टे. टर्ट्र रे. तम्, जेस तमा स्थान अव अव अव अव अव अव अर पर दे अधियाः यानार्वे.सं कु.संन्द्रेत्राकानाक्ष्यं कु.संग्रह्मासानकानी

नाल्य मी दम्म य उत्ती ने य यदे दम मान्य मान्य भ मान्य है। ব্রু ক্রম पर् खेर दें लेस वतर केर हो। र्या सं रव में देश व दव में नेस भ दे कुं दूज अहूर य प्यान बुचा नाम जिर लाट रना यर है गम य म लाव है। वस्त व द्वा ख रव मदेव सुम मु अव म प्येव विट हेस सु देवन वदे खुव पर " सं भेर है। देश रे में स्मायर वेश में में में प्रेन्स समायहना श्चायारी अर करी अर देशे दर संभी के सी। विश्व र वर के पर्दर सेर के सिंदर सुमानु वर्देन परी रनाक परी क्या पारी नहीं गानदानु सकान्य र से पर्दे परी केर दें देश पर सेर पा हैर भेर पा देश है। दूवा सं रच के दि से सर्ह मन्द्रायते द्वा वस के पुर्स्ता पुर्मुद्र व नाह भेदे व दे दे है देन ही वर ही वुमा विद्याने वा निर्वेद या उन में कर में यहना ये मा प्रवादी हैं है है है है मेर या हैता मुस्मानुन्न में दह नविन भेर पर छिर हो। माथ हे हे था सुन पर छेद सा अद भेर र अभावा दे केर गुन्नेर में केंग जानर वर्गुर री। दे अर व प्यार में केंग मेन्यर व्यार कर दे हु हुं क्षेत्र क्षेत्र पर विषेत्र पर विषेत्र र विषेत्र पर्देर वहिंद्र पर अधि। दे अप पुरा देश ग्रह मार्च से अप पर कुला खे स्वालक्ष कर हिन्दु वर्द्ध वर में से लिया वर माणेवा वर वे द्वा स र व हिन र्नु में इट प्रते श्रुर से । दे दे से भीव व से संस्था दि से से साम प्रसाय का किए के प्रसाय की किए के कि से से स मापा-हुमायु-रव हेर् दुने खेर हिन्स पर में हेर्। अस उद प्येद व दे मर्देशका अत्य स्मार्थिक वर्षा वरा वर्षा वर मान्दास्य व पदा इस पर वेस पायवित देशस उत् केर ने से उदा वि से

र्युन्य र्दा कर में रूर या हैर प्येव व प्या कर्दा व उस या हैर प्येव हैं।। सुर नहेन द्राप्त अस द्युत् से व≣र् प केंद्र गु सुर र नस प प वहें व र द्राप्त स रव वायार निवेद वर विश्वर हैं॥ विदेश्यर हिंद दिन दिन प्रेन वा सेन्स य'मधु के य'क्सस गुरू'बेय'मेश सक्द'य देवे सुर खे रेव'में रेद पर्दे य'म विवर्ते। वरमी विरमानाहर् हेश नु न व स्वास राम रे लिना रे ने केर इसायर खे दश इद पर वेद दें। कारदे नाम त्यस नालक लेख व पर केद नु क्षदः वदे तहे । यदे द्रमः य त्यसः नाल र दे हो । य दि दः से र व ता सन्मा यदे ॥ निस्म हिंस य के तिविक यादन मिल तादे हुर हूर प्रदे हुर है। उद्दे हुर श्रेमश द्वत कें स दमश वद्वा मेद वद मानि व वस दे नि मे मे मे देव व व र र " रेनाशायास्त्राम् वामिने हैं।। वदान्दासु रेना नु क्रांचा वदेश मिट के रूल में रूर लेर मान्य मेर मान्य है। ब्रिट वे निकेश मार रे केर प्रेव वें। े देख्र वर्षे रेंक मी देव प्रेच वर्ष दे मेश माइम मार्ट प्रवस्ता मिश्राह्मद्भारत हैं। क्रिया मेर्पिय पहिता परितर मेर्पिय हैं। हैं र्वा मि र्दे मेर् न भर देश या केर दे देश दर ही या दे हर के प्रमाण में बंद हैं व कि माकेश मा उद भी व व मार हैं में कि माकेश मा उद ही ज़ेश.च.ट्र.लट.चट्रेंब.च.श.लुब.चर.प्रमित चर् रेचट चेश.बंस.तर.चर्चे.च..... वलना वर्ते हुर र्।। दिन्हर अध्येष है है हैर व हिंगी हैना यादें व ना केश यदेश-यर विश्वा करें दे हैं है नम्बर्ग यदे हैं मार्ड मां व लेश मुन वासिन्माना ह्रासासी। अस्ति मी हिन्द्राय मी हैं र प्रदेश स्ति हैं हैं वे विशेषा व कर्

त्रुक्त ने बन्द्र संस्कृत से के ते के त वर् में हुस में हुस संस्थात स्थार लेक राजा के में लाट लेख ने न का में ने पर्केरा पाला अरेते लेका सावहा भेका वें 'लेका चान के ना बार कर करें दाका र्श्वेश्चे तर्भे र में वर्ते के किया वर्ते भेकार के अन्य स्था निर्मात सार्वेश वर्ष वर्ष वर्ष मार्थे सार्वेश वर्ष सार्वेश वर्ष सार्वेश वर्ष सार्वेश वर्ष सार्वेश वर्ष सार्वेश नमु देशात हो हा सर्थित सम्बद्धा देश तथ वटा देश हो जेशान है। न्यत्र हुर है अध्यास सर् । अवर हुर हुर अधायर वर्षे ॥ अर सर नुस्यान्त्र, नुश्याच जा जांचनीश चर्षेत्र संह्रता तर नुर्धः संह्री व्यवसाय स्ट्र मुद्रास्त्रे खेर हा॥ हा अहा अहा अहा सामा है सा स्मान भाष्ट्र मान्द्र करित्तः द्वाः न कुष्णास्त्र स्वितः ह्या । जुः क्षः च्याः स्वितः कुष्णासः । जुः क्षः च्याः स्वितः कुष्णासः न्द्रना हुन सहित है अ है स अस्ति स श्री । ते स निमादे निवद्ध **१**८.७दूर ताचारेल कर त्यूर त.च.स.स.च.च.च.च.स.च.स.च.एड.इ.च्यू.इ.च्यू. त्रीर तं मध्य के बुच अस् । चिट पर दृष्ट दिन पते के महिना स ततुः हुः स् नावतः कुः कुः कुः कुः कुः कुः स् कुः सः कु WE:रवा पर केंद्र व पर दे किंद के केंद्र के केंद्र के केंद्र के केंद्र के किंद्र के कि ₹日前 日.64和.面上字前.日.和.四年.夏月 日之.. 当七.. 5. 63 . 4€. 1094. . . . रेचेश जात में बर् हुंश श्र.देना च. ब. हुं. स. मूरे. च. घ. लू ब.हूं। हुं इंट.

चर्चर कुर वर्षीय तर वि.चर् होर ह्या विषय विष्ट स्वाश तथ ही शास तर हो । म.लुब.५। इ.च्.च.चेश्व.श्र.भूर.त.रेट.चै.रेट.वयश.वेषु.रेट्श.स्.स्येत. यर चे**र**,यदे अर्च श्रुम ५८ मे ५ मे मा साया मा मा न यह । खेर रो। वह स ঀৢ ঐশি,নদু,ষহ্ম,ৡ৴,৽৸ৣ৾৸ৢৢ৾৻৴ঢ়৻৸য়য়৻ঀৢয়৻ঀৢ৽য়ৢৢয়৻৸ঢ়৻ড়৾৴য়৻য়৻ড়৸ঢ় पर्यक्ष.वे.केर.भ मैंव. तषु.क्रेर.र्.।। हे.केर.व.क्ष पर्वेर.श्चेर.तपु.चेक्र ૽ૢૡૺ૾ૢૺૹ**ૻૹૢૺૻૣૹઽૻ**ૡ૽ૡૺઽઌ૿ૡ૽ૡ૽૽૽૽ૡ૾૽૱૿૽ૡૼૼઽ૽ૡ૽૿૽૱**ૢૼઽ**૽ઌ૽૿૾૽૾ क्षेर प्रवश्य व मा प्रवेश व के मा प्रवेश महिंद पर व है। यसःमार्रेशःभेःभेसःयः नम्मोसः यहै वहेर्यः योदः । यहै स्ट्रास्टिन यदैः ৽ প্রমান্ত্র বিষ্ণাল্প বিষ্ণাল্প বিশ্ব वर्तित्व.व.१४४.४८.४मी.वर्षः मुह्र्देश नेत्तामुक्ष.व.५.लट.सुर्देतर.वर्षेत्री । र्वेश मिटारे विश्वास प्रश्न विश्वास प्रश्न है रूषा प्रष्टे रे हिंदे स् प्राप्त श्वीशासर है एता मार भेर या दे नाहेना दूर दु अर द्युद से नाहेंद या हेद गी ही र दे मिं व हेद सा ष्येबर्जा दे प्रशास में लेगा दें देश प्रशास में स्वर्थ प्राप्य स्वर्थ प्रशास में स्वर्य स्वर्थ प्रशास में स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य याः व्यान्याः व्यान्यः व्यान्याः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्या मप्रे.ह्बाक्ष मप्रे.ह. च्याविटाय पर्षे प्रे प्रे त्राच्या ह्या प्रे त्राच्या क्षेत्र हे खेका चायप्रे वहेंद्र'य'दे'र्स्ट्र'स सेद'र्दे विशावहेंद्र'दे। होद्र'य 'सेंद्र्र'मस सद्र'द्द्र पर्वेशः समार् नातृ : यहनामा साने दाये । यह सी र में १ । हे ने दि ग्री खेराया ्रद्धं प्रभूषा द्यारे द्वा द्या वया प्रमान प्रविता प्रमान प्रमान हिंदा यतै दि र्वे र र रेन् य उसामर दहेन यते सुस रहेन या अ प्येन र्हेशः

हैन्यशरे दे दे दे हैं दे हैं है दिया है निया है निया है ते दे हैं दे हैं दे हैं है दर हे मेरा देश दे ने इस हो। हे सेरा दे प्रति महिता पर दे ते हे से पर न्न न केंद्र की खेर निकेश सेंद्र प लेश नहेंद्र हैं।। दे भूद रूप पारी हैं र्टा से र सेना सम्म निस तथा । वि रे या नि दे हुट प्रमुद्र या । दि यदेव'स'भेब'दे' ख्रीर'खी। ।दे'केंद'द'से से द'हेस'छ। ।दे' व्हेंस'छेद'य' स् वृद्द् स् । रिमायर वर्द्द रामार प्रविष्या । ने प्राप्त हे . हिर्से र देवे सुर। । इर च नहेश सेर लेश रेश व नुर लेश पन् र ॥ र्मेश्रम नप्रे.ह्.ह्. त्या त्या राष्ट्र भहर्र श्रिम मीम मीन तर्य समस वर मीस हे. मिं ब केर सबेंद्र पति वया या सेर दें।। यर किर हिंगा पति दें वि दे त्या क सेन्'य'कृन्'णुं'सुराम्बदानु विद्याण्यायित्वाये स वेद्यान्दिसासुरविधायदेः द्वीर। हे.क्रेर.ट्रेज्यश्र.त.चब्रुथ.टे.च्येश्र.भ्रट.चर्च, हश्र.म.भ्रीश्र.तर भ्र.पचीर. र्। देन्य र नाकेश मेर पर्ट र्जा ना निर्म नहर न रहा मामुवाधाम प्रेक्का। ने हिराक्का उक् हें न्यवे हिन पर के माहिका नर मारेश सेर पर दूर हैं र लेश वा वे स्वा में दे र देश य सेर पर हैं र क्रिंग उद्गार्थ मा मेर् या प्रेदा के लेश सेमस द्राय वह ता यह प्रदेश यह वुसाय माध्येय वें। दे दूर व स्ता भारते या भारा हुं केंश वर मूनाय मा भार बुचा.भ.रटा सेर.बुचा.भ.भ.लुच तपु.विर.तर.ची.स्. चंश.तहर त.च.सुंश. हिंश शु.र्यन म.पहिंच, तर प्रचीर हो। हिंश शु.र्यवी मा प्रश्न श्रर श्रेर श्रेर हेवा था

चना हेर हो रदारे नाय दश नी शहर अप्येत । नहें अर शुर् द्वार न स्पर नहें त य हैर प्रेंब प्रें केर देश इस पर नवना यदे हैं वें अर वह व य हैर प्रेंब वें।। दे.हेर.वेश.तर.चहेर.तर.हेर। दे.ध्र.य.हेर.लंब.ब.लंट.खंब.वे.च.ज. र्स्रन्ध'यः र्ह्स्स्य स्था वात्रन्ध'र्टः र्ह्स्र'यः वाःसंव सःयः सुभ'र्टः **सु**वाःस्त मु द्रमाय दे हे व मु क्रिं दश ले स मु च दे जा हा मारा खु य मु द्रमाय र वलना हिटा। क्ष्यः चः यः स्वान्यः यः स्वयः रुषः सुर्वः द्वाः स्वानः द्वाः वाः मीसः दश्रे रः यसः लेसः सुः पः बै'र्स्सु प्रमाक्ष प्रदे हेन पर्य दे दे व्याव की जार प्रमानका प्रकाल का सु प्रदे हैं। ही. रूप वर्षेष. वे. ब्रेट. चर वर्षीर. व. चंबट. वर्षाः इ. प्रु. ष्टु. श्रु. श्रु. व. वा. श्रूची थ. व. द्भैन्धःयदै देवःउद्गासःभेदःयःक्षेषःमुःयःयःनदःनेःकेंवा बदायःदःदिःदिदःयदैःः इस य व्याय व्याय व्याप्त य देवे कें दे सु तुर नु र प्यते हु य व्या स्वित्र सार इसेन्स । यरे हेद कर सेद दें लेश मु वरे देंद हों। यह है वह वह वार पं हेद सेद पर पहुत हुं। १ दशानर जुंबाचर वुंदानशाय देशाचर जुंबाचा जुंबाचा हुंबाबाचका पहेर्रायाकेरार् क्रिये में बार्या स्थित संस्थित क्रिया स्थित स्थान स्था ଊଽଂສଽୄଔ୳ୖଽୣ୕୕ୠ୕ଽ୕୳୕ୢଢ଼୕୶ୖୢୠ୕୳୕୳ଢ଼୕୶୲ୢଌ<mark>ୄ୕୵୷ଢ଼୕୶ୢ୵ଽ୕୷୶୶୷</mark>୕ୢ୶୷<mark>୶</mark>୷ র্মা শুষ্ট্র বহা-প্রাক্তর বর্ষ্ট্রা বহুর বি নার্চাল ট্রা यर गर्भा सप् सक्ष के के न स्था है।। मुब्द स्व दिर यह के सम स्व कि स य वे मीजर य रेट वहूरे. राज्य के राज्य राज्य राज्ये नाम हो। माज्य राज्य र वर्षेत्राचसाद्वेदायवे सर्वदाक्षेत्रम् । यासाधिदाव्या वाह्यदायवसादहेदायः इट देवेल'नशकर्कें। यर मुन्द्रम यर दिल्याय प्ये । अर्क्त केंद्र क्षेत्रमे द्रमायामा वर्षा प्रवास में व्यव पार्के देश प्रकेष में के प्रवास करें

च क्रांधर चल्ना धर मुचे दे दें च चट प्रेक्ष भरे हैं के सहक के नि मुर परे रावित रेश हुँ परे सुर विश्व मुर विश्व मुर विश्व में परे हैं। देर र रेमा परे हैं चॅर्स दे स प्रेंद है। वेस य नव्द मुस मुर्हेद पर में दुस पर है हुर र्गा महेद यर चेर पश्चर विश्व च पश्चर श्रेश्य पर श्रेश्य पश्चर प्रश्ने प् यर नुर्ने य लेख नु यते र्रे के र्रा मिविद्यान्त्र न्यात्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र म् र्यातह्वातर विमुर लेव लेया मान हे से र्या मी र्वाया नहें या या हेर्या พัง หล่มล ระเล่มลาผมา อูะเการะเมสู่เมากริ ั**รั วั มิรานาริรา**พิสา वैदान क्ष्म राष्ट्र महिकान क्षम राष्ट्र स्थान क्षम स्थान रट.ची.चिर.ज.रची.जश्च.चा.रुशश्च.रट शंभश्च.जश्च.वैट.चलु.और दुची.श.र्ही.शलु.॥ श्चर्यक्ताया नेदे द्वा केराल्य प्राप्त वारे अर केश विष्ता है अर पुरा श वर्षा लेखा उ या मलका खटा अर गुटा प्यूरा भाषा प्रका मी। वर्षा गुटा हुँ मा यदे हिं वर B2. तर . २४. क. भ. क. १८. लुब. त. ५. तम . ४. ४ ८ . ४ त. १. १९ ८ . लुब. तप्. हुै * 1 पर्ने तर्ने लेश र देश पर से तुर्वा से तिशाय म्हा चाया है। वाया है। महेर.तर.भ्र वेश. तपु.रह.चेष्र.बुश.चे.च.ज.भ्येश.च.ज। परु.पर्. लेख'नहर्यपर'में वृ**ष'**खॅ '**लेख'**झ्च'नस रे'न्युन्'नर में 'वृष्य'मर्ने रह'नलेब'हेर्'

बु.हु.केर.क्र्य. तर. भु.पचीर। यक्षेय. तर. भु.येश. तपु. रट. पढ़िय. टु.हु.केर. र्लंब चर्त हुर र लेब नक्ष नक्ष मर्दे ॥ निया है है और नर त्यूर म लेबा है न वै.मीव.नर्.भवत.झ.चर्.स्। पर्.सर.रे.ह्यूब.तर.प्रमीर.रे। यर्.न.म. क्षुर रु विकासामाध्येव है। रेके रे उमार् केरा मामाध्येव वि । विविधा महासार्वेदालदाक्रायर विश्वाय हेर्न्ह्य र श्रिटाय हवालेदाया रे मेर् हॅम्बरामाया सेरायर त्युरार्ये। देवसान्यर रेमाया संसायर सेरा यद्रे स्कुर द्रा । सु र्रे स्पर प्रदा प्रवाह से दाये हिरादा प्रदेश समस्य उर् रे र्रेट र्'न्र'यर'यर'व्यूर'र्रे। मार'मे केंर्र'ख्'न' व्यं देते कें केन्यर हिन तर भुटे चट्ट होर हि.केर क्षु जभाष दे प्रमुख तट ही भावे क्षा भी की जभाष मार तमाय लेमा ही मार्गर पके नर र से समास मार्गर । रे मले के न मालक र मा मोश्राद्मव या दूर हिद्रायर छव ही वावश्रा भ्रायश है वे सर द्री माश्राय वार प्रेवाश हे रेता. बु. झु. लभ. पे. देशू चील. तर्जु।। इ. तम. व. ही. झु. तम. मी. पांवस. श्रेयस. बह् श्रीत नुःक्षेत्रानुःमर्वेदः व व रि.म.सन्य ने श्रीन नुःने त्याने व्हरःक्षे वान्दात्व हैं। य.ज.सूर्यास.च.रेश्रमाश.च.ट्र.क्रंट.क्रंट.भेश ये शहूर.च र्.सर.च.व.लट.। ट्र.रेय. मी के त्रमान ने मेना समित के साम दर पके न वा सिन्सान दे के क्षा करा करा है पहेंचे.तर.प्रजीर.स्।। भेंश वे.भश्र च स् चबुब.हे। श्रेश.वे.धु.जश्र. भर्तेर.त.त्. रेप्रे.ह.केर.शर.तत्.तत्.सेवश.श्रेतश.य.वे.श्रे.त.रटापकु.प.ज.श्र्वाश.... नद्र म श्रु निहमा भ ने से म से समामी है अ न महर् न म समाम मि में

वा लेखा नु न के वा अमन न निम्नाया ता निर ही खाता अहिंद न र्या में नि मिर्टे । सर्द्रियर दर्र यते क्षेस व पहेर देश लेस निय है। मार क्षे पर्दि प्रे यातास्त्रीत्रायमात्र्रीयात्। वदेः स्यास्त्रीत् हे लेखानु व दे सर्वि परः दर्भः महे के सुर्वे ॥ विष्यु न व वे दर्भः में भी के साम के स्वर्य के स्वय के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य क ষ্প্র ব ম অল'বল্ম'ব'বেই'মার্থ্রেম ব'ত্রের'র) বই'ল্বর'র্বর'র্বর ব্লের্ম र्ये व्यास्त्रे न्या स्थान स्य चुंशाचा था रनाशाङ्कादामाध्येत लेख छाताया स्वाधा पर्धा प्रति । प्रति स्वाधा क्षेप्ता वर वर वर सेत्र था हैन कुँ खैर। दे विरामी म्प्ता वर्त वर सेवर वी। दे सासे दार ୬୨.୮ ଅଷ୍ଟରେ ସଂଜ୍ୟାୟ ହୃତ୍ତ ଶିଳ ହୁଁ ଏହି ଏହି ଅଟି । ଅଟି ଆ**ଅନ୍ୟାୟ ଅଧିକ ।** देश यास्त्र। ह्ये नाद्रायहेनायाद्राम्बर्धायाद्रमायर खेरवे दि वी नाह्रायायर ह्यट.चर.पवीर.मी र.च्यूट.मी.मै.मा.स्र्राम.मै.मा.स्रेश.मा.मे.स.स् सर्द्रासामाध्येषाते। पर् सम् द्वित के स्वान निकार ना कर मी प्रिया निकार में श्रेम्स १८ से मश्रायस वुराव १८ मईदश्यवि दें वें वि १ माधर परि वापेन रे.लट.वेश.त श्र. श्रर हुश.त हरे.लूरे.ब्रा वेश.त श्र. श्रर. देश-धारे सशामुदासुन के सेवानी विष्याया ही नार्वे द्वापर रदारेना मार्वश मी नर्मा हैन उर पेर का भरा। वर मी नहार पर रे नियर मेर हिंद में नर सेर र्च ता श्रेष्ट च सेन्'नु बेद' मुद' खे 'र् वाद नादस च वेद' नु ही 'वाद दिना च ता श्चिषाया न्द स्वाय वक्षेत्रानु र्ह्तानी र्ह्य राज्यान र व्यास्वायायाया सु र व्या

पर्मित य. यु. इ. के विष्टु स्टायबुय कर कृर ल्यु स्वर्ट ख्रु र ह्या है . के विस् मीरायत्रार्थात्र्वेषाक्षेट्रक्षाद्रात्त्राचीरायत्रास्यात्रात्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा ब्रेन्सर्ब्द्रस्य चेन्यदे त्राष्ट्रस्य विष्याय दि हि स्र त्र नव लिना क्रेन्सरे व्हेन्यर चेन मझेर.यपु.विधितानाकं.वैष्ट्. खेश.वै.च.बु.मच.वे.चीयाश नालायात्री ୢଌୖ୵୕୴୵୷୰ୖଌ୕୴୵୳ୢୠଽୣଌ୵୰ୖଌ୕୷୳୰୷୷ୠ୵ଊୗ୷୷୷୵ୢୠ୵ୂଽ୕ୢଌୢ୶୷ଌୣ୶୶୵ଌ୵ୢୠ୵ୄ୷ मर ह्यान म ल्रेन्स म में के विनान विकान विकान के प्राप्त में के निमान श्च.त.प्र.कुन.नुम.ट्रे.कंर.पिश.संट्या.त.लुव ब्रा क्या.पर्टीर.श्चेर.त.नावव. न्ना वै र्ह्य वे न्दा से र वे त्या से नास वा या प्रसास स्व से न वा साम्येव है। **น.**ต **ชุฟพ.**น.ขยู่จ.นี้.ปชเต.ฉะ.วิทพ.หี.พี.ยัะ.บ.วูป.ผีร.ปู่ द्व. मिटार्झ्ये.स्.ज.स्येश्वारा ही रूजा ही ह्रा हे दे रे ने ज्ये राज्य न के वालिया विका न.पहूर्यन.तर्र.तामाकृता मा.लट.क.चाकुशाचर.चीर.त लूरे.प.श.कृष रू ॥ निर्माद्यायायति के त्रेषायायायत् व्यक्षायते क्ष्य ८२ क्ष्याया विष्यायायत् । योष १ रे हेर मु हुर वेश याम लेश मु नदे पर्देश म देश रहे का स हे देर वट में वरे व पार्श्विश रायर है रहें नहा यह रहा র্মি বেশ্বর ব্রী पत्निर्देशमान्त्रम् मी नर्म हेर. दब हेर लेब नर हीर ही। गुब में नहेमझ मह महिर न र **८९५ प्रे क्याम र्म्याय ११ मुर्ग मार्श्या सेराय प्रेक्षा है।** दे प्रवेत र्मेश वं 'ल' स्रें र मा प्रमास्म हैन' हैं र मार्थ 'यन मा हैन' खर प्रेर मी माल्य मी कर मीर मा

बैं अं भैं है। यदे या अर्वाश या विषेत्र दु रदा रेवाश यदे यद्वा केंद्र छन् ष्पेर'श्रदे:स्ट्रीर'र्ह्या हे**ॱश्र**र-तृ नय् र प्रशेष म्बर-प्रशेष प्रश्निक र दि स्वया य श्रेष खे रे. श्रेट. टे. लट. श्रेंच. टे. हु. हु. हु. मी. ची. ची. ना वा का ता है. द्विर मार्डेश श्रु से द पद् ॥ ୭ୁଏ.ମ୍.୯.୬୪୩ ମି.ମୁ୯.ଘ.୩.**୭ୁଏ.ମ୍. ୬୬୬୩.**ମି.ମୁ୯.ଘ.ଖ**୩.୭.ଘଞ୍ଟ.ମ୍**୲ ଫ୍. माल्य प्रस्ट पर प्रमुरा । माय हे हुं है ' पेश हें ' में दे। । हें व है न प्रेय पर ୲ଽୖୄ୶ଽ୕୕ୡୖୣଽୢୖୠଽୄୢୖୠ୕ୣଽଊ୕ୣ୵ଈୖୣ୶୕ଵ୕ୣଈ୕ୢୠ୕୷ଽଽୄ୲ বস:বर:प्रग्नुर। दर दक्षेत्रसाय देश यदे खुर। । ह्वि ये दे ख़ें प्रदासे देश नुपाय स्ति न्या व दर्भ मेर दें लेख न व व मार्थिक है। दे अद व व द Ð̈ί पहन पर्देश सद्द या से सामस पर हेन पर प्राचीर ही। हिन प्राचीस स्मित याने न्ना गुटारे वॅटानी कुन्दा न भेदाद रेते छान्त यानाना या छे लेना न र्षेत्रच हैन्स भेदार्वे लेखानहें चरानुर्वे। हे हर दादी दीवानु दश्या मारु न'रुमेर'म'स्पेर'ले'र। र्ह्होच र्रेन्स'मु मार प्रंथ'मुट'। चुम.चेर्. ट्. यू । वि र्ज.केर.कैट.वट.कर.टी ।र्व.लुव.क्म.जुम.ट्. त् तु क्षेत्र क्षेत्र लेख नाह्य दश स्था दे नय क्षेत्र न न न न स्था स्था साम होता है । क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क र्श्व में या स्वाम प्रदार दिन हैं ने इंग्रिंग प्रते हैं में प्रते ही। मार्थ हैं ८.४.२.भ.४.४.१८८.५४.स.स्य.तस्य तस्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास दरै : व्याम : वेश परे कुर व : केर व :

डुना च उद होते हो देश देश राम होते न से सारा में से सारा होते हैं से सारा है से सारा होते हैं से सारा होते हैं से सारा है से सारा है से सारा होते हैं से सारा है से सार माश्चरकायदे द्वीर दमायायाको द्राः माया हे व्यापा के मा हे का मु य. ब्रु लुब : बे.वे.वे. वे.चं.चं.चं.चं.चं.चं.वं.लंट. केश स. चीलवं अभारा. यहर्तार भी देश है। वेश भागतभा शी स्ट्रा या भेर या भारत या भी दिए यदे. हुर १८। जेश त है. ३ मश शि. हुर वहे हू. चू. हेर छ र तहे. हुर होर तहे. हुर ही याः भारा व्या के दायका मेन प्रते हुरा दें। नाय हे दें न परे प्रा का मान यायविषानु हिंदा सं त्यार्श्यासाया अदा विशायदी हो से पेदाना ही दें य विक्र न हिम ले का वर के प्रमुख मारे मन्न हिन कर प्रकर् दे के दे के द के निकार कर के द ले स कि का मार्थ के मार्थ के कि याकेर हा स्याप्त मा भी दाले हा। सहेद खुमा पु 'च सा मा भी दा ने प्याप हे अदः हे अः हिवा विद्यानी अः लेखा है । यह दे । यह । यह । यह । इट दि दे पर ले वे य 'अट द्वा पर कर च 'अर्केन 'अर्थेट है। विद यर द त्यन्य मा केर प्रेन भेरे खेर हो। देरे मळव के दिन स्वय केर खेर खेर खेर खेर खेर हे मंबर मंदर वह . नर अट्ये पर खेर वा अ सिरश ता श्र श्र. है त् मेट रेवी ज. . मक्र्य सर्हेट न से दे ता दे सद हे स न हों। दे हे दे सहस मुख तास न न क म.बुश.व. म.म. सूर्यास तथ. ५ कर्र. तर होर. हो। वशस. १८ हीं स. परा है. એવ. ક્રુજા રેદ. ઋદ જાદજા. મિજા. રેનો. નું. જાદ કે. વેજા. વા. ઘજા જા. જટે. ટે. શુંટ્. જો ઝા. જા. જા. કે. बु. खंस. चर्च हो। शरम. चेश पड्म. जेंब. ८८म. में. पेश. में. पारा श्वीम. म.

दे.श्चर.कुर.चेर्]। ट्रे श्चर.टे.चोट.चुर्य.कुर.श्चरत.चेश.पहर.चेहर. यत्र मात्रका स्नावका उव रेक्षेत्र य रेक्षे स्वीत । स्वार्मे रेक्षे मात्रका स्वीत स्व शरश.चेश.पढ्र्भ.जंब.पर्श.मु.ह.केर.भर्त्र.प.पंबुब.रे.ब्धातर. वलम् यासहर है। मिंद हैर दे से से दें लेश वहद यर देश ट्रं.केर.पर्विजायसाथहूर यह रूर् अह्रेर् यश्चर वर्षेर् वाशह्रेर् वाशह्रेर वाशह्रेर यपु.सुर.खेर व.भु.भटव. वपु.मु वहेर तर प्रचीर रू। पर्ने पार्ने सामेश्व. इवेक यदे सळक केद कर प्येक यदे क्षेट रें लेख नु व के नार में खेर महेश गुरे १९८३ मार्थ स्थान्य वित्र १९८ मार्थ मार्य मार्थ म रवेष पत्रे सेश व केर शिकाय हे देश केर मिंग केर अर्थेट पर प्रमुद्द र्या र्शेट. य. जश्च. य ऱ्यूचे. य. ज. पेंह्र १. तर . बेश. ये. य. थे. यर्थे. ज. श्रुचेश. तर. पेंह्र १. यर. र्दे । भेरे हर क्रायर मल्या य अद लेश नु म के हु दूर कर में महना के दु मु भि भ कुर देश तर हो वंश देश तर वंबत में । रूज सूर वंहर त ल सूर त. मर्त्वेना मत्रे लेख नु न के ना बर ता खेर मानु स के न न महेना र्टार्नायाकृत्यास्त्रं धरावहेंद्रायास्त्रं प्राप्ता मान्ताकृत्याया मुं बै.क्र्यंश.त.रंबाक्रेंश भष्ट्रश.त.लुब ब लट हो मुंचाक्र्यं दे प्तीत. ब्रिट्स क्रियासायाद्या दोवब्रान्याच्यासायाद्येयानुः विदास्राक्ष्यासाया लु बेट केर चर्चर तर् क्ष. तरा सुर भष्ट भारत तर् । हे. वस्त्र वर् मुंश वे केना वर क्राट नर नीर ता क्रिं ने त्या लका नेका नहीं नर्मा ११ हैना कर यद्र, ख्री र. रू. ख्रा प्रक्रं , त्र प्र , क्री र. त्र हुं , त्र हुं , त्र , त्र मूर्य, त्र क्र्यं । ।।

सार्य वेश्व, त्र क्र , त्र क्रा , व्र क्र क्रा , व्र क्र क्रा , व्र क्र , व्र क्रा , व्र क्रा , व्र क्रा , व्र क्र , व्र क्रा , व्र क्र



क्रं मा इस द में या मी प्रमें या प्रमा मा स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

यदना केंद्र दु नु र पा अदा दे के प्यदन केंद्र दु नु स्वार साधिक या असा यदमा हैन मार्डेन पर देन पर साम के के लिखा हिन सर महिन पर के लिखा मार्डिमा भु.शैर यश मिर.चालक.लर.भु.शैर.चु.चु.चु.चु.चु.च.चे.चे.च.चु.च.चु.च.च्.चे.च वोकुचा.भु.श्रेट.च.ब.लट.चांबेब भु.श्रेट.चपु.सुर.रू॥ चोकुचा.चश्चेवश.च. ब्राया है मार्श्वर मार्केर मार्थे व्याले वा दे वे व्याप्त मार्थे मार्थे परि क्र-रेट्र. व्र.चेश.म.चिवर.हेर.भुश.म.लर.मु। र्घः मद्र.करमञ्जीतश.म.व्र.म. लेक ने जेस पालस उदास लेक पति क नहीं वस पर से वस पा है द की हीर हैं। म् रम्भातर् के के म्या के दाय प्रमुक्त के विषय व र द्राय के मानका या दे था। लील वीड्यान्त्रेश, वश्चेवश्वर त. श्रीद. तपु. स्तुर ही। वचीर वर कु. पर्ट्र था नेश रा श्रु केंन्स शु श्रूट या अट इसाधर हेंना या पट त्रेश या ने सामान्त्र मा यश गुः मिल्द अर से क्रांचिर यहे हैं रिया लेश गुरा माना ना के दें। देहे द्वीर पर्द, केर मीट मी कू. खेश मी याजा सूर्या था रा ह्यें था खूरा हो। जुमा माना बिश मुै. पुंश, मै. च. व. देश, पर हुं में। च. रेट हुंश शे. पंमें जार नं संही प्रेश चारे. ଝିଁୟ ସ୍ୟ ପ୍ରିଟ୍ ଅଂକ୍ଷ ଅବ୍ୟ ନି 'ଜିଷ' ପ୍ର' ପ' ବି' **ଶ୍**ଷ ' ସ୍ୟ ' ନିର୍ଦ୍ଧା ' ସଦ୍ଧି ' ମଞ୍ଜିଶ' ଅନ୍ତ୍ର ଶ୍ର ' ମଞ୍ଜିଶ' ' हिराम देर ह्वा वर्नामा पर पुर है। दवह व दे नेम पा मुं हैं नामा पर पर

दे 'दे 'दे दे 'दें ' दें 'हे द स' प्येद 'यदे 'हे र मीर से छेर उस छ पन रे रेंब रें । हिसानु नि ने साम कु समा दरे के हिं। व लिस व लिस ना हर न है र द समा पर क्षे न नाट लेक न दे दे दें निक्क के निक्य के निक क्सायर खे.च.रे.बे.चेश.स.खे.स चिरावर्ष.क हेर.रे.पचीर खे. 59.511 र्था सार्वे सा स्पेक है। रहार मा या द सा मी हैं र में की से सार्वे से हर हैं। हे. हेर में किया १ हैं राम पहना चर प्रमुक्त लेखा नु न स्थान पार्श्वार पार्श्वार हे। द्र्याकृत्तान्त्रीय मात्रह्मायमाहितायमात्रमुम मालेसानु नार्वे महामी ङ[ৢ]न'स'नहण'चर'वशुरार्च 'लेश'मु'मदी'**र्द**र्गि। क्र्राय लेख मुन बु.चर्सुनश्र.तज्रा हे.लट.कु.र्ज.चु.र्व्यावश्र.वंद्य.वंश.वंद्य.धु.स.च.र \$'-3x-144.9cm.n.ma.ng.ng.ngx.nex.n.ma.g.2ex.n g.4.2x.g.a... थिव'ने। सु दिस दे निष्क हैन नु स मुच पर्व सुर दें। दे सूर नहें न ची.ट्.चूर.पंचीर.खेश.चे.च.ज.श्चीश.च.ज। श्रुभश.से.शू.वीश.शे.सैट. न'नार'लेब'च'रे'कुसस'सु'र्स्चर'तरे द्वं इस'चर'केस'चरे'वर्ना'केर'र्नुस्रा'य है 'भेट. टे. चत्र तप् 'क्षा त. चाडुचा टे. पर्ची र ची. के. प्रूप के प्रूप का की केट. च.चाट. .. थ्ये र य दे दे अ थ्ये दे दे लेश न य ये दे स्थाय ८इ१.च.चबुर.टे.क्य.तर.क्य.चेटेट.च.च.लुर.टे.क.लूर.क चे.च.क्यांका.च.बुरा.चे. य वे अ नु व र्श्वास परे दें नि प्रेमा परे दें परे परि दें पर परि परे के का वर पर्वेदःयर में प्रमुद्दा लेम नु पर्वे देव हो। मुङ्ग क्रुंग्रा यते दमायर पहिंदाय नवेद नु विकानु न केंश में मनुदाय हेन रहत मी निये पीदा र्वा वित्रदेव पहिन पहिन सुर मुर पालिन हे न इ केंन्स

त.र्-. खेंग.चे च.श्चां म.त.श्रॅंग हो भ.वे.ज.श्रॅं .त.ज.चहेंग.र.हे.श्रॅंगंश यारेरावहेंत्या है। क्षायर है। यार्मा स्कारा हैन वहेंत्य लेका नुपति र्दे हैं। दे त्य लेश नि न वा स्वीम पश देश नर हैं। वश पहें न केर हैं दे हैं। क्षे द्वा मीश रश रदा लेश मान दे नाल र मी प्रति । परेश में परे अर ने.ची.मे.हे.लय.जा ची ट्.च्.जा.चर्डेश.यश। चाट.श क्याशात्यश तर ही.चर. त्सायास्त्रादे वे लेस नु या परि पहिंदा यादे वे के । मूत्राया मूत्र हु है लब मन कर मे टू चू ल चहुंब म दें है है। निश्व हुं ने स हिंद नर दि . चरुराच'स'मुव'च'प्रेक'र्के 'लेस'र्स्च्रो। माय'हे 'हे'सूर 'लेश'ट्र'च'य'र्स्नास य.वु.सीय.तपु.शर्थर.ही.व.क्थ.ब्रा। क्रै.क्र्बेश.तपु.टू.वूर.केंट.व.भ.क्ट. พลาผาเลงเมิเรา รู เพาะเามรานา ผู้ราชิ เมิรา ผู้สามาสะเราโรเสา ญ 11 म्बिरम्भे खेर के प्राप्त कर्म कर प्राप्त के जिस्ता भेर का स्वर्भ के प्राप्त के कि के कि के कि कि के कि कि कि कि हेर र्।। परे काला विश्व है न का स्विध की का कि विश्व है।। सि ह्य . व. २२. न. ज. जुरा . च. क्रुं चेश. च. प्रे . च. थ . थ . थ . च. ज . च. ज हे । र्सर व्यापा से देश मुन परि द्वार्ते। माय दे से स्रोध स्वाप मुद लेश नु न के सर् 'भेद के ॥ दे 'भ के 'के 'के 'के के प्रमान है के 'भेद पर प्रमुद तपु.हिरा लट.शु.शू.शू.शू.शूश.शूं। देपु.ह्बे.बु.इ.इ. लेस.च.च.७.४.५। स्.स्.स्.स्.स्.सी.सीज.चीट.लेस.च.च.५५.८८.सीच.र् ८६. और टे. म. कूत मान्य नाथ मान्य मा मीर.म.ब.वेश.च.ही.ही रेंग.स.रच.ध्यश.श्वेर.कुच.श.ल्व.चंड्र.हू।

लेश.पहर्यायर प्रवार है। देरमा मी सुया नु चुट य अट माट अहा अह हो। सदः द्वाके तर त्यों पद में व त्या लेश ये पा क्रिंग है। हे पर तो व पा है। भ्र.कि.श.र्यात्त्रं रच.त्रं क्षेत्रं भट्यं ने ब्रियं श्रापश पर्ये , चर छे.चर त्ये युप्रे ॥ रुवास्यार्याम्बिक्यामी सार्केन्यवे स्थ्रायाक्षाय्यारार्यामी हे यर विकास दे यश्च लेश मु न दे देव हाँ। प्रति प्र मामसानिरानरारे लेश. र.सर रे हेर्सानरा हैरा स्थानरा रहेना यर. वेश. रहु. मैं. केट. यु. लोज. क्रयं. बु. खुश. ये. या. छ। रेज सं. र या. ग्री. क्रय. त. २३. मी. पेश. त हेर. देशचीश. त. भ. लूब. वशा ह. कंर. व. देंग. सं. र व. र ट. मी. इस. त. पहुंची. तर विशेष पर विशेष हो पहुंची पहुंची र हुंचे र्भास्य रच गु द्रमाय भार गु हिमार्स भारत है स भार है। रूपास् रय.भ.मीय.त.३५.मी.सी.रा. हिंग त्यास्याभाराप्र. भेभारा जेश य. भेदायादे सूराव तुवासार वायाया हेरातु विद्यार में खेदार में हिसार सी म.इचा.कर.पहुन.च.मु.ट्. लुझ चल्चर.च.लु.चा देव.चे.म.इचा. बर.चडिट.च.भ.लुब.खुब चर्चरेन। खुब.चे.च.ज. खूर्चस.च.झूंश.सू ॥ न्द्रने के अन्यन मिद्रपर देशिर त निष्ठेन केर केर केर वेश वेश वेश मी कें अब अना निहन में मिट्टें ने बार्य अब अने अने हैं ने बारा अर वहित्यमात्त्वामार्गः लेकानु मवे देवानि वित्यम द्रामवे विवेषान हेवा हर लेखानु न के निरायर रु का अराभना कर मी बर्च भाग नार के का यह सार के ना

तृ मुर यं भ भेद यादे अ तु द्वाद्वा के केवा कर विदेश यर वावद मुक्क के पर्दे हो। देॱहैदॱवैॱदे ख़र**ॱब**ॱभवॱवना देॱदना हेब नुःच वः क्रॅंट चः क्लॅंब क्लॉ ् **व**र्मुर वर वै'वर्दर में द'के प्यद रहेद अद वाना देश हिर पर मेर पा हैर प्या हैर प्यद न अदा अद लमा कर महिमाल हिन पर हिन मिस लेक्स है स्पर हैं के पर दिन हैं रेते हैर अद यम उद अद लेस न म य सम्बर्ध मार हैंस है। दे हर द मार में ર્ક્કે અન ભવા Bરાવરારા ત્વીરાતા ત્વીરા તાલુકા છે. તું કા તારા તાલુકા તાલુકા તાલુકા તાલુકા તાલુકા તાલુકા તાલુકા चि.च.बु.लब.जचा.बंभका.ज.लब.जचा.रेट.उचेज.च.व्य.ची.लूब.२ब.टंट.जब.ज.... श्चिश्राचारतु चार्टात्र्य धर्मा अवायमा उदानी हर मारायना रेप्टे ता. त्रुं । वर्षे रे.च परे.च.चिश्र त्रुं रे.चं वे चीर प्रवीप होना मी'तमात लिमा वहेंदे चर तमुर हे लिख मु म के द म व ख खेंनास म व दु न द हर स्दर त्तर् त्त्र्रम् में त्यन् वन् क्रम् नुम्निष्याये त्या मार्ट विष्या स्तर् विष्या ข้าพัง ราพะพางัก จฐานพาฉลินาารัสพายาจัดิพายาจักรา मना ७३ अट अद भन इसस य भेद च दे खुर द मुत्र पर अद भन उद मा न्। स नरे स्माणुट तर् न र्ट स्वर परे दर्दि न दे न सम्मालक सम् पत्रिय मध्ये १ व्या मारमी कें द्वे वरे १ वरे १ वे साम महिना का किया कर नु स दहित पर ख़िन्स गु हिंद नाल र दे नाट नोश हैं हैना हर लेस न न ता से नास त.श्रुंश श्री कृता कर. टे. भ. भ. ८ हूर. तर्ज . से नाश. त. हैया. रुरं विहेत् पर प्रवृद्ध से विहेद या केदास थेदा दस्य माल र प्रवृद्ध प्रवृद्ध स्थाप

वदे अर वुमाया स्वसायदे द्रसार्व हैना हर लेस वु न दे है दे हैर वहें परे.सेर.रे.स्ट.जश.वेश.व.त.स्चेश.तपु.स.केर.त.चेथेर. भाने प्रमान दे मीश माने ना है दार वच्च र प्रदे हो र र हैन कर प्रहें प्रमाद मुक्त र लेस-दर्नोदस-स्रा यर किनाकर हों नहेन दनुर लेस छ न उरे दि हुर ही। क्षिण्डर क्ष्रिंग पादि सायुक्ष पाय महेंदायदे द्वरणेत हे इस वसस उद या हों नहिना नुःत्युरः र्वे वे सः तुः नवे दे रे रे रे । हिन्यर न्य न्य सुरः मी नवे न्या ग्रा वहिँदायर में वहिँदाया नार प्येद यादे वा हिंदा यहै प्येत् प्याम प्येद विं। प्येद हिंद र्ट हुं भार्श्वाका याह्या व द्रायदे व द्र्ये या वर्षा व व अपटा भेषाय वेशानु वा वै मारायाह्यां शार्त यदी वर्षेत्या वर्षेत्या वर्षेत्या देशा देश्वत् हे साम्राह्मा हे स्वर्गा हे हिस व मालव न भव रा केव रा केव रा मान मान स्व रा न मान स्व न न न स्व न न मान केव न न मान केव न न मान केव न न मान केव लु अर्था श्री अर्थ वह स्त्र केर वाह गरी पर है पर है अर्थ वाह में य श्रेनश स भेरिन र नशुक्रास्टिश शुन्तुर पार्वेद श्रेव अताव भारतार्वित पान्वेना रु:गार्का यदे दः द्या हर हैर प्येश यदे सुर मूरका हरा नहेगा हैत द दर्दे हैं। श्रु र्द्धन्य श्रूट प लेश नु प रे केन्स ने के सर् प्रेर के ।। क्रिंश कर ने निहेन ल लट. बुश.चे.च.च. श्रुविश्वायश वक विट. चेर हो। देस वै हुँ दिश चॅर पॅर् य रामना य प्येर र्वे लेख नु न के हैं खुर के र नु प्यर मार्थ र व है र्ज मे र्र्व है प्रायासी व र्वेश या है राज्य राज्य ही तर्व सार्व है र শ'লুৰ লহ'বৰ্ষৰ'বহ'ব্লুহ'হাঁ৷ হ'ৰু'ষ্ট্ৰ'দিধ'স্ত্ৰহধ'ৰ্মা নাম' देन क्षेत्र क्षेत्र व्यासँना स्टेस स्टेस स्ट्रा विकास स्ट्रा विका य प्येष विद वेश मु न वे मों र देश न विव दु से नश्य न दिर नश्य नर सूर न । ठत्रकृदः प्यत्रः पत्रे स्थेदः द्वा। देवे : द्वा वित कृदः वादे : वस घाद्दा यासेदः ସମ୍ପ୍ର ଲି. ସ୍. ହୁ . ଏଖ. ମଧ୍ୟ । ଏଞ୍ଜି । ସହ ପି. ସ. ନୁଥି ଯୁକ । ଯିଏ । ମଧ୍ୟ । र्टात्मालायायात्राद्राद्राचि द्राचे द्राच्या हेना থীর ব'ই'ম্বুহ'র'শ্রুব বহ'ট্রই'ম ব্রাথ'ন ব্রীলাম'মর্ন্। कुर.लुब च.बुझ.चे.च.बु.लूर.कु.चट्टेब.लुब.बु.। दशसाय प्रचाय बुना मी हेस. श्रि.चेर.तपु. हीर. वेश.चे.च.प। पर्. केर. हूर, च्. प. श्वांश. तपु श्री. वश. र्वंश. ฅ.ษู.ป**๙๖.๖.฿ฺ.๖.๙.๙ะ**,ฐัง.ฮฺ.๙.ฐป๙.ฉ.३४๙.ജื.ฐะ.๖.๔ะ.๙๕,๔๔... हिसा सु हेर ता उदा हु । यर प्रमुर र्रो। विदा दे हु । यस प्रमुर हे लेखा वि.च.बे ट्.च्.श्र चाबनाचर्। चानाहे.स बबाविट.च.रट.रेवट.त्रु.चेश. य'दना'में स' देस नु : ५ वे माल ममी प्येत है। दु न्यः स्नि स' य'दर ख्र मदे र्ट्र माराध्येष,तार्ट्र,यात्यराख्याची,यार्ट्रक्रराञ्चा,त्यशाचिर,यधु,रतेशायशार्ट्र्याशाता. र्रे निराधित रसारे हर पुर नुर नुर निर्देश प्राथमा निरामी के हें नार रे हिन हु मुश्र अर्ह्य नर प्रमुर मा अर्ह्य मा अर्थ महिना पर प्रमु नदै रदान्विक स्थादि नेशान भारत्य र नुस्त स्थान स्थान द्रारा निशान स्थान र द्रारा स्थान र द्रारा स्थान र द्रारा स्थान स्थ इम्मानराविषायत्ने नद्ना हेरानु स्ट्रायक्ष्या हेरानु खेया छ नदे देवानु । सर्वेदा नशाने दिर नेशायर दिशुर विश्व माने निर्देश में लाया ना सर्वेद प्रशालेश माना दे कर मार पका लेका नु पर दे हिर नार पका भे स पर का मुर स प्रे प पि के क्ष गर दानी महंदर हैं दाया दा से दाय दे ख़ैर में। हे ख़ूस दें दे दे लेस ख़

न के द्वर वे खुवा की दें के प्येत है। कें के प्रमा के त्या र के ले का न न के स्थानम् राम्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विषयान्य विषया चैर.प.ट्र.पेश.रप्र.हश.शे.प्रेर.तर.पचैर.रश.बुश.पे.पर.श्वर.र्र्।। शु नुदेर पर से विष्य न पर देव हैं।। देव पर पर से केर में से स नमून'य'र्कृर'ग्री द्वेर'र्सा हेस शु'त्र्र्यो'न उन्युग्नी इस'यर हेना य नहेर्र पते हीं खिला भूषे तर विश्व विषय प्राप्त विश्व हो देवा हो हैं से विषय हैं हैं से विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व दे के दे के दे न स्थाप वर्षे खेर । हेश शु पर्मे च कर में क्साम हेना भार दे पा.लट. (बेश.चे.च.ष. श्वास.च. श्रॅंश. श्रॅ ।। लिल.टे.रट.टे.चेश.तर.पर्चैर. र्रे 'हेश'नु 'नवे 'स्रवश'र्ट सुराहे। सु 'र्ट' है' वा र्श्वास मदे 'सुवाहे 'र्टा रे अभम श. श्र. चर प्रचीर हा। जेम विमान हुए हुं हुं हुं। रवह सु हुं .चुस.चप्र.त्रीया.मु. र्.च्.रेट.रेश.भभ्देटश.तः प्रचेट.च.११ ४४.७४.२३.च. १ ४८... केर पहुँद पर हेर पर ने अप पर देश महित्य महित्य पर वर्ष पर वर्ष हो। ्बु.चु.च्चा रे.झू.चटु.ची= ची.हुश.सी.पर्टरकावश.चह्र्य ह्या विश्व प्रचेट. यद्रात्त क्षेत्र क्षेत्र यर लेश न त है। क्षेत्र व रेत्र स्वाधर देश न.जब.रेश.र्रहर उर्वे : वर्ष : द्वे वर्ष करे क्षेत्र अर होते होते. मुब्दामी हेश सु रहदस र पायह र वा करे है। दे दे न दे न दे न दे न दे न मना निर्मा निर्मा के मना निष्म निर्मा देश त.चाके चा अट.वश्रेजारा क्षेत्र राज्य स्त्रेर खेर खेश चे त.चे र खेरा खेरा चीर हो अंग ल. सूर्यंत्र. नपु. र्षेत्र. तर. पुंत्र व.जम.कॅर.चंडियंश.ज. सूर्यंत्र. तपुर. लुट..... **अदः देना अ'ध्येदः पः दे २' कें 'अदः हैना अ**'द्राः चेंद्रः ना हुरः व्य स्वासः पः द्राः नाहिसः '''

तर्भाष्ट्रीयो.ज.सूर्यम् सत्तर्भ्यः तर्भातरा सेशाचार्यः विश्वमाना जात्तरा ग्री देशाचरः ... निश्च या प्रेन्यने बुर न स्नूर हिना सानि है या पर्या पहें र नि हैं र्ट द्राजा में बार्य स्टार में में क्रायर के साम के राम के तर्भाम केर भेर मिर्दे खेर प्रमा व ते खेला नहीं वा ता करें हैं। नुः ह्या पर्रे सुन्यायः द्वटः स् दे खुयः दम्यवायः सर्म्यः सः सः मी द्वारा उद्गेषीः लुक्.मे. १४ मा पर पे शास क्षा भेर विश्व त्या विष्य पर विष्य देश विश्व ... यात्मात्मायरात्रहेन यर वृद्धायते कु कुर गुरु खुवा कुर रेनाय सामेर दश ले वं रे वे वरेव है। वे वर्ष कर है ज्ञान है है व रे वे रे व्हर से वरें रे ही। वा सुद्धान्यर द्वार प्रतिकार्यय मान्य विष्य स्थानित स् םימישקיק־יק־יַּק־קַלּק װַאַישָּק מַאַ שָּקיביעיאָזימיק־קרי פּקאיםישרישַק־יפּר नु सी होत्या प्रेष या दे खुर व हिन्यर होत्या प्रमाया प्रमाया प्रमाया पर्वी। वनकी मद्भिद्दिश में दे विश्व शिक्ष मु म के भिद्दा हैना म मा के द म स्था है। रकारमान्तिन प्रमेश के सामित है में हैन हैना में देश में हों। निदास सम्मान श्रुब्रहों वि.चर.भु.वेब.चपु.विर.नर.वेग.रे.वैट.चर्.वेब.चपु अष्व्य.वेट. ने भारे अर हे अर विस्ता ने हिर गु है र खुम न वर वर केर पर है । वर लेख म्यन्द्रा देशके लेश मुन्यके दे संभाषना मारे मुक् केन मीश स्ति। देरे लेकानुः याने न्याय ते जेकायते न्रेम्य रहे में व हेन् येव या रहायां हो। ने वे

मुद्राभिक्ष गुर् लेक नु व दे द्वर व दे दे इस वर दे क व दे स व व व व के के व के १८वः स् ते क्षायर वेश पते खुलायक खुला नावन केर केरा देश ना र्यट स् तु र्यु स्थानी र भारती रे रचिट यह रटा क्षेत्र कर मुक्ष नी में साम स्थान पर्वा देख्र पर्दे अप पर्दे देव देव विषय पर्दे देव के देव देव के प्रेम पर्दे के प्रेम पर के प्रेम प्रेम प्रेम पर के प्रेम प्र के प्रेम प्र के प्रेम ल्ये १ वें इ.च.च हे मिडिताया स्त्रीय त. सें रे हुने स. चेहुस तर हे ति ... व्येत देवे देव है दवः व वे वेश पं वेश पं वेश हो। दे प्यर वेद व व श्रेन्स पं व मद्रे स्पेर ह्ये न हेर द्या हेर नहार ने र ना हिन्दू साम वंदावयावते हुँ राजदे वास जैकर्ता लेशनाया के वसुसाय दे देन जैकर्ता नावाने न्वर वर्षे हेन्से स्था ग्रे लेश नु व वास्त्रीस पते हेन सु वहन व है हिन र्म. भया। रवट. त्यु. पुरा चरु. ट्र. म्.चट. म. लेश. चे.च. म. सूर्या तथा पकर न्यदः याँ द्रद द्रिं खे अत् हेना अप्दः याँ द्रश्य अर्ह्यश्य खक् यर वेर र्रे। केन कि यदे केन भन हेना म रट वि नवट वि देश वर मेश य नटा अर हैना साना है सारा या प्योद है। इस पर ज़ेस परे ए या में देव ही। अद हेना सर्दा। **दे.र्था.** भूट. मु. १ व.तर. मुस.तपु. श्रिम.रेवट. मु. १ १४ तर. पुश.त. भक्षटस.त.. ेरेकाम्मान्यते भिन्नु चुर्यायान्य हेर् यसे नुसासहत्यायासे स्थान कर्ते। नुसा मक्ष्ट्यायाम् । या केरा वर्षे रावद्रा केरा हैं। रह में अर के प्येर की इस पर में स पर्या रे के र्य के कि की कि म मार्डेस पर्वा नाम सारे र प्रमुद्द न व्यक्त सारे ता दे अत् र हैश न है। हैन स गुरेश या अ वृदायते पदा दुवा हता लेश वा यते देश हो। वि वि दे दे दे दे इस्यायर विश्वायते खुवानी रेद्रा । वन्यस्य ने ने ने खेर रे वेस न न बै :क्षे**र ग्रै** :इस :पर :बेस :पदे :ख्राय **ग्री :**रुस द :द्वार वे दे दे स्थायर :बेस :प :बेन : म हैंद गु हुर रें ले स ह वर देंदर हो। पर हर हर द्वर रें दे सम पर नेस मन्दर्द् ने मु स्पेन पदे क्षेर हर स्र स्पेन प्रेन से सेन से सेन से सेन से नेश पते मुं हेर भेर पते से रा इस्र पर विश्व पते अया र्वे दे दे द्वार में दे इस्र पर विश्व मंद्र दें दे दे द्वा के ... भेर में क्या यर वेश पायश हर भेर पाये व वा। दे अर पु अर के वाम दर'यों व्यासेना दर'ना हुन्स पर'। माहिस'या व्यासेना नी क्रस यर'यो स'या दर प्येद' मु. इस. तर. पुंश. तरू. लि म. ट्रेंस. पुर. त ट्रे. चंश. व ८ चंट. तु. ईस. वर. पुंश. त. ઽ૮ૻઌૻઽ૽**ઌ૽૾૾૱**ૻ૽ઌ૱ૻૡૺૹઌ૽૽૽૽૾ૡ૽૱૾ૺ૱ૹૡૡ૽૽૱૱૽ૢ૽૱૱૽૽૱૱૽૱૱૽ૺ૱૱૽ मान्द्रित्त्र देना मा क्षेत्र वे लेशामध्यामर प्रमुद्दर्शी दे द्वास क्षेत्र व मुद्दर्शी त्युर लेट लेशन न के नाय रं प्येत गुः इस चर मेश चरे खुम र्दे प्येत गुः इसः तर पुरात हरीर र दिया मर्बेट्स वर प्रचीर वार्ष हे में र में प्रचीर है। रेपे ક્રુપ્ત ને .લોખા ભારા મા ભારત છું. હું મા છે. વાર્યુ કે છે. માં ભારત છે. માં માને કે લીખાં में त्र्राभ दे द्राप्त प्रदेश पर हीर। दे द्राप्त पर वा लेस माना मार्सिन्य डेना उर विश्व नु पर दें दें दें । देने देन पर है । न.कुर.लुब.ब्र.चर्चं तर.चे चंत्र.ब्रेरा चीलंब लट.लुंब.च.च ल.स्बंब.

या क्रिका क्षा । दे को न पर प्रकास दे प्रवास क्षा मा कि का मु दे न है । दे न प्रवास क **८८:यः केर आ जेर प्रते । क्षेत्र मार्केना प्रमानाश पार नाके मा अवादमानाश प्रा**वे क्षेत्र । र्दो । । देव द्वास्व उमा महमाना व देव मन्य द्वा महमाना है। न्द्राचरसायके न्वद विस्ताय केर् प्रेर् व वेश नु विशे दिव दिव नि यामा सुर्धेश्वाद हुश तर हिर.त. त्रुर पर पर हुर लेश व. व. दे. पेश त पर ही श म. रदा वेश भरे के हे वदना ने प्रेंद हर बहुश गुरा वर्षे । श्रीशावर केंग्र यस ले त्यन हों में नह स्था प्रकार प्रकार प्राची कारा मी है हों। यस हो र यह रा त्यार्थन्यः ने द्वास्टरविक प्र'त्र्यामार के क सारे खद्राद्र सर से विश्वर र विसन्त न ता । विकास के देव विस न न के हैं। न मार्सें व न च सामी के है। विस्तर सामी के हैं। विस्तर सामी के साम तथ ग्रिट. विद्यावरा दे भू क्यों र रू. केंबा दे अभाभारती है र ट. वर्ष सारानीया र्द्धन्यायान्य श्रेमस न्दारेससम्बर्भ दुटायान्य निक्षेत्रायम हेनायाने कि श्रेमसम्माल्य द्वा गुराये देव मा विराम सेराद्य सम्मान्य राज्य विवास महिकार्यन् राम्न के क्यामायाने सामारी माउन कर कह वित निर्मा में सामेन वार गा न्युर्वा कुर्देच कार्त्य विभावत विष्युर्वे । र्मेच रक्षित मेर् व्यवमास्त्रम्भ दि स्थम तथा विद्या स्ट्रिंग पर वर्द्र या दे कर देवास रहा हेर वास प्येश सस नुसारा अहा महार वर पर् पर प्रमुर रें वें वा वह मी मुद्दे विद्रायर मुक्ष वेश मुन के द्वार में दह खुक दह थेरे द विद पर पद में १५५ गुर प १६८ मासाया दुवा पर होर दें लेश । ५५०

र्देष:हों। दरे:श्रेर:टे.चर्ना:बेल:टे.चैट:व:मेट:कुंश:कुंनाश:वश:चरे:चरे.चरेना: ष्पेत्र'है। भ्रद्र'हैना सारे रेर रहा विते शहर्द्र एर नात्र सार हैद की खेर र्रे। **अ**द्राहिता सारि दे त्या प्राद्रा दा की द्राहिता पा की दे ता प्राहिता है है । यह प्राह्म की द्राह्म विश्व वा प्रा য়য়৽য়৽ঀৼয়৽ঀৼ৽৻ঀ৾৾ৼঀয়৽৻ঀ৾৾য়য়৽ঀ৾৾৻য়৽৻ঢ়৽য়ৢ৾ঀ৽য়ৼ৾ঀৢ৾**ঀ**৽য়৽ৼৢ৾ঀয়৽৽ यदै दि वे किर्कीर तर हिर ही। हेन्य पद दे वे स लेब स रना है स लेब है। रमुर.य.सं.लियु.स.स्य.बुट.ज.स्र.तयु विर.तर.मीश.स्य.र.रे.चेंट.य.रेट.स्य.तस. લુજા. તું. તુંદાન ૧૬૯. નહસ માતે શું. નું . ક્રું ૧૫૨. કું ૧૩. બદારા હોયું. શું નું . કેં નું . . . यर होर की बंध की खें मी के का कार हो। वंश पा अर्थ दा आरा पर शायर प्रहम् भर्ते : क्षेत्र : देश्वर प्रस्का स्वर : देश्वर : क्षेत्र : बुल्बिश्चु वाया स्ट्रायस द्रे प्रमाद्रिय प्रमाद्रिय स्त्रे प्रमाद्रे द्रिया स्त्रे द्रिया स्त्रे द्रिया स्त्रे य. १४.मी. यर् . य. स्वास त. य. पर्. जय ज्या के में हो हे। हर में में से में हैं हिन्द्वर देव शर्दाय के विका प्रदेश करिया विकास यारे हैर दे बराने छर मर छीय तथा हैर भेद वरे छैर रे ॥ ୖୢଌ୕୕୕୕୕୕୲୶୳୳ଽ୷ଽ୷ଵୖ୶ୢ**୳ଽୣ୷୷ୖୄୠଽ୳ଽୖୠ**ୣ୷୷ଽୖଌ୶୷ୡୖ**ୣ୷ୣ୶**୴ୄ୕ଌୣଽୢ**ୖ୴୶ୄ**ଞୄଽ यर दिर से न ते . जहां हु से सारा सर्दे ता श्रीद यर ति में र पा है . केर दे जे से जी जा प के लेगा पर्र। कु'वर्शकातु'रु'मा मका के सेर देश पर्वे रदा पर्वे रहन वर्ष र वु के के वा कर्त्य वर्षे रहा वह के तु त्व वुर व के के वि । वर्षे हिर कु रहा

विष्यं दर्षे वाष्यं वाष्यं वाष्ट्रे हुं हुं दाया साम्येषा विषा हे कुं वे रहा विषयं हे र ঀ'ঀয়য়'য়ৢৼ'ঀয়ৣৼ'য়'ৼৢ৾৻ঀ৾৾৾য়৾৽য়৾৽ড়ৼৼ৻ৼয়ড়৾ঀ৽য়য়ঢ়য়৸য়য়৽ৼৢ৾৽য়ৼৠৢৼ৽য়ৼ৽৽৽৽ त्य दर्बेश य नाट प्रेक य दे दे रहा मिले र निके ना हे निहर प्रमुख मुलक यहा বর্ষ বন বলুন। বর্ষ ব গুর অব বর্ষ ব্রং ন বল্ব বল্টিনা ব ভর বু त्रमुर:र्रा। नाट:मीश:र्ह्र:मु:पत्रश्नाःचाःमाःमाःमाःमुर:यर:मुर:व:रे:सुर:यर: नुरामहाराष्ट्रियाके सामिक मुक्ता सामिक स्मित्र सामिक स ઉત્સાસું<mark>તે.ત</mark>્ર. છુંદ્ર. તતું. દુશ. તતું. તત્વે. ત્રદાવલું ૧ છે. તા જ શાં છું. તત્ર શાં છું. તે સાં સુંતે. . . पर्ने केर व र्ने पर्ने पर्ने पर केर या केर या केर या केर या केर या विकास या केर या विकास या केर या विकास या के सक्ष.पर्यक.ये.व.रे..व.रेट.व.रेट.क्रु.रे.तप्र.रट.पर्वेष.ध्री.यर.ठेवीर.ह्रा। चीका देते.ळॅ.क्वुं अदायर प्रमुरार्दे॥ यायादे र्राटावतेद महेमाहे दूरादु अाक्चेदारा नुराय भवाले वा दे वे रे स्वान नुरायमे राम विवास के भीवा यो सुरार्मी दं खे. भ. तूर्य व. चे हुचे . में हु . केंद्र में चर पचीर पर्र सार है . केंद्र वे स्टाय हुने पर्वर वहा की रवह होर पर विदास कर विदाय वर के रें। माय हे दें यदे हिर रें। नाय हे दे हु सुर सुर यदे रह यह के हे नह यह स्थापन हे ना

रम्मी कु त्यसाधिक वे ॥ देते अमारमामी कु नावक यस अव मारे खर क कुरे विकुत् व विवास सेर व उर धेर वि । दे वस द हैं वस व वहुत पर छेर वरे <u> चित्र पर दर स्वर पर हॅन्स पः इ द्रुपः हेर्न् स्वे पर चेद्रे</u>णी द्रेगश'रा दर' र्हेन्सायासायेदायरे प्रतायविदासायेदायाने सूर दारेसाया हेरायेदार्वे । विरा व'ल'र्से दिर'वरे व'ल'स्विध'य'लेस'यु'व'है स्त्रिस द्ये पर बर्देन श्रुम: रृ : वेर : य: दे : यस: रृ स: खें स: प्येर : ग्रु : देश : यश : यरे : य: संवाहा य: : : र्षिट्स सु: मर्हेन : यर ने ने : मे र ने स मिस दि दे : य ने स ने स र स मिस दि स ने स ने स ने स ने स ने स ने स न मुकार हैं। हेका मुनवरे कर् दे केंना चलर पर प्रेक्षा में.भ.लुब.स.बुरे. गु.दीर, घट्र.च.ज.स्चेश.त.२८.केश.दुब्, दुब्, भ्रैश.घट्र, १४४.घट्र, छेश.घट्र, लीज.भ.... क्षेत्र क्ष न्यत् या नार क्षेत्र या दे सा क्षेत्र हो। परे खेर खेत खेता य हुट चर् मु १९८ मु ४९८ म ४०० देश पर हो ८ पा था पर न । या अवास पर देश पर १९८ छन ୕୶ୄ୷ୣ୳ୖ୵୕୰୶୕୳୷ୠ୷ୢୖଌ୵ୢ୕୵୴**୷୷**ୠ୷୷୶୷ୡ୕୳୷ୢୖୡ୷ୢୄୡଽୄ यशः गुदः बेश नु नः क्रेंस ने। ने केन्द्र ने स्थापर क्रेन्य के क्रिंन पर क्रेन्य के ध्युयात्रहें यासेन्यर लेश नु न यास्मिषायायाम्य ने हें संत्रायान्त्री नवटः व वे इसम्बर वे स्वाया हुन वाया वरे वाया स्वाया व हेन न व हुन व कें है हिन्दर परे पाया स्वांश पा हिंदा पा सेंदाया स्वां मा स्वां पा प्रां प्रा नाद्रशः श्रवश द्वाद लेना नृः श्चेद वर द्वार य दे प्वति दे प्रविद र द्वार व

लश्र.श्रेश.चर्.चरं.च ल.श्र्वाश.त.पंचर.७वं.ग्रेट.थंथ.तर.पंथ.चश्र.श्रेट.वर.. प्रमुद्रा दे सुर व हूर्य से सार्यम् या स्थान परे ता स्मान परि वुरा पा प्र हुमा तपु वेश्व ता हूं ५ तर होरे ता बे लाट वचाना वा सुरे हों। हिंबे हा रेट श्रेर इ.ज.स्रे.त.स्.स्.ज.लट.वेश.त.रेश्चे.तंत्र.द्वेर.स्र्रे.च.ज.लट.वेश.त.पंचेल. वर से वर्षुर रें।। रे केर दे सेंब वर्ष संवाध य रे रे स लेश नु पाय संवाध त.श्रुष.श्र्रा। चीता.हे.वहं.च.ता.श्र्याश्र.च.पंचरं.खेच श्रुट्.च.विश्वःश्रेटशः य है द भेर मिश ब्रिय मिश विषय मिश किय है य न स्थ्रीय य श्चेंस स्था ह्र्यास या सेट यर लेस यु य दे मा बु य सेट यर हो। हे हुर ब्र.लट. ४८. जम् वरे व. ज. श्र्योश च. बुश्च. चे. च. वे. ट्रं वरे जस चरे व. ज. संर् य व देव । द्वार में दे दे हैं निया पत्र दुया व लेखा न पा से निया पाया मायाने द्वराव्यं वरे वाया स्राप्त स्वराया स्वर्ण विष्ट्र विष्ट्रे विष्ट्र विष् ब.चट्र.च.जाश्च्योश.च.ट्र्चेश.चर.श्र.वेचीर.ट्र. खेश.चे.चर.टेचूट्श.श्री ट्र.लट. लेस.व.च ब.चट्र.च.ण.श्रम्भारवर् ।। चन्नान्द र्ल्यूच्यामास्य प्रवृत्तान्त्रे EC.र्थुत्र.व्य.मी.रू.मी.र्थं.त्र.पी.र्थं.तथ..विश्व.मी.तर्..र्ट्य.मू. लिल. हेर. ज व. मुंश चट्र. बुंश. चे. च. चू. मुं. रूप. मी. चंडियंश ज. सूर्यंश चंटु हूं पश.... गुंश भुंद सद्भार दे दे स्थायर विश्वास दिए दुशास दुरसायर प्रमुद्दा विश्वास च्.संर. त. जम् विट. यद् . दट. क्षेत्र. वर. मुझ. पुश्र. त. मुर. तर खेश वे. च वे. देवट.... च् च क क तर जेश म अर पर लेश में नव में में में निश्न म है आर

लेख'नु'न वे'न्नर यॅ दे'**इस**'चर'वेख'चर्ते॥ षेरमहिश्र य दे भेर्न य स भेर'र'वेश'मे.च.म.ह.रेयदात् पु. रेशातर पुरात्तर रेश भेरेट श भेरे वा रेटालूरे. संबद्धात्मकात्रीत वर्षाहरात्व्यात्रकात्रीत्रकातरात्रेयात्वेतात्वेत्रात्वेतात्व चर मिस्रामेन तपु क्षेत्र हो। विश्व क्षेत्र तपु प्रता क्षेत्र कर क्षेत्र क्षेत्र कर क्षेत्र कर क्षेत्र कर क्षेत्र य'र्पेर्"पवे 'नुस्र'द'वेस'तु व'दे 'वदे 'व व'र्सेवास य'दहेद 'यर दर्दे 'यदे 'दस पर विश्वासार्व्यद्भारते द्वारा सदे नाया स्विन्या सार्व्यद्भारता सार्व्यद्भारता स्वर् इर पर वेश थ दर इन हैन द न न सर दे हुर री दे र न अस नहेन बु. खुंश वि. या. या. दे. देवा त्या खुंश वि. या. वे. हुंश धर वि बुहा या है वि. या स्थाप है वि. या है वि. या स्थाप है वि. या स वै र् ४ तहे ४ परे द्वर से दे हैं अ से । माल्य के परे में भार्य समाय से हिंद न दे दे दे थे हे नर मेदार केद द लेख न दे प्राप्त केता है द स रें मानेद स अन्य शु.नध्य बेर हो। दे श्चर सेर द्र प्राप्त र्ना पर श्वर न प्राप्त हैं लेख मु न दे नदे न व र्सन्थ नदे नद्ना है न नु नु स्र परे द्व नद व न मुंद नदे दर्भ दे. चरु .च. ज सूर्या त हे. चि. व. हेर रे. वेश श. श. हिर. चटु. यदमा हैद हैद भेद के के म म महद ही। दे के मुंदिय दु मुद्द पर दे दि द्वा या: भेर : या अ : भेर विश्वा कु: या के : अससा खा खें दि : या निया के रा के : अससा खा खें दि : । न'दम्'रूस' म'द्र' चर्दे 'द्रम्'रू' अ'र्जे 'स'रू' प्रेक्जी दे सिंद न वा प्रदः लेखानु न के देक नालक ने नुस्तार पार्केट यह मिका हो के वि के केंद्र करें के के कार्य के केंद्र कर के के के कि क र्टे के किर भेर परे खेर रे लेस नु न र्रेस है। रह रेन परे नर्न केर स नहिं

यर १ मार शु हिंद यर पर्ना १ नावन वे नहेंद्र यर मे वुस है। दे हेंद्र परे यदमा है द खर है द खर यदे हि दा। दें द खा अद र दे ने व खरे दें के द खर क्केर हो। नालक क्केंट न के कर प्रत्न क्केंट पर के प्रमुद्र हो। नालक क्केंट प हे र बे'यदमार्खेद'व'स'प्रेब'हे। रूप द्राःश्चर्यं यदमाक्रेद्र'खर्रकेर'प्रेब'यदे खेर र्भे भरे केर केर दर्म बिक मी यर्ग केर रेग पार नाय परे से रास बिक मुन श्रुमाने वेसामायम रट. रूवां तारटाचालक रूवां पत्रे हिराचर कुंसाट व वाकेस र्षेद्र'म'म' भेद'हे। वेस' य'दे 'निहेन 'में निद्मा' हैद' हर्द 'हेद' भेद यदे हुर हें। दे'या नाइत सिंद वर विश्वासेत के रार रिना चिते हैं वर्ष से तनुर विषय है कि सामेत यर नेत्र व संस्थित व संस्थित व माया ने त्व गुष्ट भीस यान विदारीना यरे महना हेन् उब हिन्दु व्यक्तिया केव विष्या विषया विषया भारति के से स বদ জ্বান্ত্র বাংলার্ম বাংল্লের মার্মার বাংলার বাংলা यर सुर र लेश नु य ने सर्दे सुम्र म प्येन यदे दसेना स प र मी र्ने महेंद य श्री श्री १ प्रते : खेर : देश मु : पर : दर्भार श्री विष : प्रते : विष : यरे.य.ज.स्वीश.य.योबेट.य ४८.४हूर्य ततु.**४भ.त.२व**) मुश्न.चे**श.**त.येखेर.२.व. ५५'यर क्रिट'यर दर्ने दें। दे 'वस' व महेना'य श' ५५'यर क्रिट यहै 'यहार न हेर विक्रायरे छेर सर्वाय प्रेक के लेखा वरे का स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय बिश नि.य. ज. सूर्याश न स्थित मी. क्या नी. क्या नी द्या नी द्या नि द्या नि । रय दुःद्वाद यदे इस य दे दहेद यदे इस यदे। मिं से उना मी है य दे द्वा ૄું દ્રશ્**રસ**ાતા જાયું તું હું શાના વાતા તારુ શામારી તારા મું સાતા તારુ શામાર માટે જાય તારુ यमुक्'य प्येत कें। यदेंद य ते सहें य तदेंद पर तदेंद पर दें । से पर देंद

त.वु.मीच.ग्रीश.स्त्रेचंश.तप्रा। चटेट.श्रूमश.श्री.चोबश.स.बु.तर.भर.चोबश. यत्। वर्रायान्यासे वर्राया वे वे व्यान्या वर्षाया वर्षाया लेखानु न के ज्ञुका नने निर्मा ने निर्मा के न के स्वर्थ के न कार की न न न न न न प्येदाय। वॉक्स्यायानादायाददायलेदादे १३५ कुं सक्दर ३५ प्येदायादे थादे भर देश नुत्रा देर क्षर न उत्रास प्येत है। लेश न न ने मुं में विराधर ख्यामा प्रेयापर इंदा व छ र तु में त्वीर रे लेख व वरे व कें ने में वि र्भा केर दर दे अस हिर पर क्रिट व कर केर या हिर भी हिर पर सेर व শ্লুষ্ঠানা নিব বেশ প্ৰথম বিব বেশ প্ৰথম বিব বেশ প্ৰথম বিব বেশ প্ৰথম বিব বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব उद*्रे*न्स्भि १ म**'ने** 'सूर'द्राभर' ष्ट्रिय'यर' चुेन्स्मात्रवाय वान्द्रीवास स्पर्ते। वार्ष्यक ११% १ सेदायते सुरार्के लेखानु न दे सुक्षानु देवे सेस्र ती के विदान दे न . ୬୯୯୭ ଜଣ ନିର୍ଦ୍ଧ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ଅନ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ रिन्यमान हो 'वे त्यमान प्रेन भाषाया वे मु यो व वी। दे वे कर. थ. में . ज. चे बंब. राष्ट्र. लीज. में). देश. रा में अ. री. ज. ज. ए हुंचे. तर हो रे हों। र्ब. पुंश पर ति चर र लेश पश्च र है।। दे पर व है श व 'आट हें पट पर यर खुता इसका ग्री त्व्रका शु को हेट दे द्वा त्यका ग्रीट रे वाका से समुद पा क्षेद यादे अर् न सारेशायाध्येषार्वे॥ मामादे दे स्टायलेश स्रेश्वाय।

ୡୢୢ୲ୖୄୠ୕୕୵୰୕ୢଡ଼୶ୣୖୠ୰ୖୣ୶ୖ୶୵ୖୣ୵୵୷୷ଊୣ୕୶ୡ୵୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷ स्रीयाद्राः स्रोमसाद्रम् । नीसाद्रमः त्राध्यामी । इसाद्रमः तर्व नी द्रव : स्रोमसः 35.511 स्येश.यह ।। यर न वा स्वासाय विस न न वा स्वासाय र तकर र्क्व 'न्दः सेम्रस'न्न', भदः च'न्द्र'यं भेर्द्र' व मः भेर के 'ले दा 45.35.511 शर्ष्यक्षेत्र,रेथे.तपु.क्षाता.क्षे.खुषा.वे.व.जा.सुचीश.व.श्रुंश.व.ज शर्र्य श्रेश.रेथे. तपु र्भात के विश्व वि.च.वे.भट्र शिषा नीश रेभात क्यें रेट देश पुरस्य ता क्ये मंशकायर क्रैंट. यप्रे. टट. क्रिंग. वरे, व्र. शह्ये, शैंस. लेख अ नव र्ने र्ने नी देश रा.ली देश तर हुनी कर्ट हुश शिष्टें व प्राप्त देश मर ह्ना या भेर हो। इस मर ह्ना मदे लेखा या बसका उन के द्वा मदे हैं च लेक चर्दे क्षेत्र हो। न्नाय च प्राप्त के प यत्तर है। इब मह द्वाप उद लेख न व सहर व हिंद मर द्वाप रहें लेख न्यत्र क्षेत्र द्या वर्ष के द्वापते क्षाय लेखान करे मन्द्र मण्डे की । है हिर परे माय स्वास प सिंद प विस मु च या सेवास सम द्वा पर देश ध उद र्ट अट्व स्थान की देश ता क्वें ट्र यू केर मीश हिंद न प्रधीय न प्रस्य विशेषा वितः तुः **वृत्तः स्तरः स्तरः** स्त्रीतः त्री। ल्रीर पर पार्श्वामाराष्ट्र भक्ष के र उस वि. प व र र र शिक्ष मी देश स उद मी अहंग हैंद र प्रुव हो। लूर्याद्र प्रते स्थापक्ष है। यर् प्रतिका में क्षापक प्रकापक चल्मानानेन में देन्यान सेन ने सर्भाय में स्म नार्का ने प्रम नार्का में द्वाः विनासार्सेट्रहाने से प्राप्तिक विसान परिता सुनासा

न्वेर.वे.पंचर वर्ष माडमारा मार्चा राज्ये पार्वे क्षेत्र हो। साहेश मार्थेर मर <u>भू</u>दें लेख.व.च बे.खं.लख.व रेरे त रेश्चेचेश.चंचु. र्जेसेश.चूंट. चूं.... भट भेर पार्के र दे निष्य से द भेर के हैं र र्ही। माय रे रे खेर से देश के सा वेश माये के सा सर्ना दना में विना दश नाइनसानाव र नु दूर नर त्युर न रा वना ची भटा सेन केट प्यूरे व भटा यहे सा पर है कार से ने से मार से महें है लेखा " रेन्ट्रिंश श्री। कुने वर श्रेश्वरात्म वैदान शर त् लेश वे न हे हूर न रह स्रेमस न तर् नेस न्दा वर्ष न्द्र ने न्द्र हो मुस द्र हेस न न मा स्वास त.कुना.कर.भु. पर. पिश.जुर तपु.खुर.र्रा के.शश.बुश.चे.प.वु प्र्र.चुर. हूंद. प्रश्नीश स्था केश ह के या प्रश्नी केश या थे श्रेमका प्रश्नी या व नार नी क्रेन खुत्य व्यव्यवस्था सर्वे सक्त क्रेन वर्ते । य न्दर से प्र ने प्र प्र नि ๚฿ฺาพราฺ ัสำผลสาษิราทิาติยาสาลาลำผู้สาทุนาผลสาษิาลาษิาลาติยาสา नरे र्विरी। रेदे के अरामदे हिर्चर न्या वर हेवाम पर विधुर ही। नुःसः हेर्र् श्रूष्टः वरः वसुरः र्शा वेश सुः व दे व दे खरा सेससास दे पर पर् यह्रदायर प्रहेद्रायते सर्वद हैंदर दर्दे संस्थाया प्रदेश हो। दे प्रविद र्पालक द्वा: अ: अद रेवाश ध: हेवा श: देवाश धर वहूर यर वुद्। वा वाहेवा के बेश वा वा इसायर रम्नेयाय दे नियम्बिस निर्दे पदी नुसाद लेखानु म स्मेर है। मारुवा कू.चास्राय नस्य वर्श्चे वस्र ताला इस मीर्श्वा वार्त्र त्या वार् वाया <u> রূঝার বরু ৪.২২ ৠর ঝাঝঝা-মী</u>ব-ল.জুর-জুর-৪.ব.বপ্তই-লেহ-ডেরীহ-ব.২৮. ...

श्चरः र्रा श्चिश वःश्चिशः वशः व श्चरः दे वश्चरः च दरः व प्रशः वेशः लः श्चिशः यःमिक्टरहर् लेखानु न त्रा प्रतिहर त्रा प्रति न'यस'द्रिंस वें नार्थिन सेद् व'अट'नार्थिन'व'विक्र'द्र'नास्य वर द्रसेनास'यर'" त्रुर व्दर्द दके वरे दुषा व सुरादर संस्था गुःम्वर्षा स्रवरा दम्द लेमा दके ... क्ष्याणी श्रीट उन दिस्य र्यो या मा या मा यो मा मार्चित यम मार्चित यम मार्चित विकास मार्चित हो। दे दिन हुश.श्री.भवें र.तर.ऄंच.च.ज.७ुश चे च.षु.**४भ तर.च\बज.च.८८.हुश.शे**.श**वे**ष..... यदे हैं अप दरा द्वाद प्रदेश द्वाद सक्षेत्र सक्षेत्र सक्षेत्र सक्षेत्र होत उद्देश्का पर द्वाराधिक वालेखान पार्वे पर पार्मान पर पर देश कर पर दे यद्वे हे व उर भेर वा दे सर हैं वे दस य उद ही दस यर हें न य व नावस ढ़ॕज़ॱय़ॱय़ड़ॱॺॱॗढ़ॱज़ॱॸॖग़ॱॺऀॱढ़ऀॱक़ॱज़ड़क़ऀॱढ़॓ढ़ॱऒ॔ॸॖॱय़ॺॱढ़ॱॺड़क़ऀॱड़ॆढ़ॱॿॹऒ॔। र्देशनाकुरा स्ट्रान्ट्रायदा वर्षे वर्षा त्या प्रतिकार प्रतिकार स्ट्रान्ट्रा स्ट्रान्य इना निने दे पर्ते देन सर मेना कि तम मिना का भवम न पर इन वर मेन माचुदाय'नाद व्यक्ताय'दे सद्यस द्वायर द्वायर द्वायर द्वाय द्वायर देवायर व्यवस मी मार्था स्वास दाना सम नर सूदा नदे लेखाया ही न देव द्वा स्वराध राह्य साहा तर्नातारे कर्नाति देव पर स्वापार का पर से प्रतीय है। महामार है का मार्थ मासेद्राहेश मुनदे शक्ता में । है प्रमाद लिश मुन मासे निश प्राप्त कर नर में दें। के लम द नमें नहां मार पर है के ना नहां नर के नहीं के याप्पराप्येत्रायसात्रालेसानुप्यात्ते निरामरान्ते प्रमुद्दर्भायर

รี้จังสัมมายานมาผู้มานาดิมาธาราชาชาตัราชิ สุมายาณามัว ยาสฐัมมายา त्मश्र केरा में अवदाय लेखा चु नवर्षे ।। विस्व श्र कर केरा चु न वा स्र हा भाषा क्षरायानुरायाकाक्षरायदे सुरा विराउन मी मूचायि सदी सद्दा सदी स्वा इद्राच संभाय प्राच द्रा इसाय में नाय द्राच वह स्केर् द्राच हुन य प्रेन दें लेखा मालक मी द्रमाल न भार माट त्या वहार सु दे स्मित से माट के से सु से स नालक मी केन का केर नु न नहक मा स्थेव कें। विश्व में मिल हों न निष् **े हेस 'न्यमा हेस सु 'न्यमा**' करा चुट 'बेस 'च ध्या ता स्वास या स्वास या स्वास साम्या वर्ष स न.जम.च वर वह अट्र शिम.बेर.श्रैट.च र हो। भट्ट श्रिम.बेर.शैट.च. लेखा उ.च.पार्ख्याका प्रकार प्रकार पर होता हो। 💎 हे। वर्लिन नुःसदः वीं इसायरः महिर्मिरे प्रत्यका च दर्भाय पर्देश देश देश देश चारा था। अर दी दर्दे आहेरा र्दे । १९ दश पर नार्देर परे प्रवस्था व दे १९ केना केश व परे ह्या नार स प्रदेश भारे : कारे : श्रेर : हेका : विहा । विहेन : नु के से दे : यर ले का : विहा : विहा या दे का यर हॅन्।य.वह गायर.वगुर.र्. लेश.व.वर्.श्रवश.दर.श्रुर.र्.। दे.कं.वर.गीर.त. स.लुक् तर.क्ष्म.तर.चेर्ट्र.त.म.चर्र.विश्व.त.ज.७्श.वे.च.वु.हेट.टे.ही वर्डु..... क्षाड्यमा: भेरापार्मायर निहर्गयायान्यर नुषायर्गा पर्रायान्त्री र्ष्ट्र सर हिर पर देन पर हैं नाम पायहना पर प्रमुद के लेखा हा पर हिर हैं। ने दिर रन रे हैं नहार नर्दे हैं। हर लेख ने न ला ख्रां का लेख है ने हैं अर रे खेर इस्रायर हेन पास नार्ने नास यर इस यर हेन पर ने साय नाल राना सुस है प्यें र मासायका विक्राति हुन मान हैन इसाय तम् विनाने हु वाक इसाय

वश्चिम नु दस्य पर प्रवित्त य प्रवेद दे विश्व यहार नि कि सा प्रवेद प्रवेद र प्रवेद र वृक्षामान्दर नुषायायाय दे रावधावेश नु व रे वहते हेव छत्र नुषाहर न्याया कुः अः स्वीसः ५दे वर् वसः व कुराय कुराय वसः वाया स्वीसः वदे हिना व विकार हिना तर प्रचीर ब्रेटा श्रीवा में अर्थ्वाश पार विषय पर देश पा विषय सामा प्रमुद्दा दें हिन् मु है प्या द्वायामा येव महे हि सा वहें वह रहा रहा यामनुषाया दे त्या लेषा न व र्झिषाया या नहाया महेषा वषा लेषा न व व व व व व व मते हाम हते ह्मते महान्दार पेराय हे त्या महे र द्या स्था व मुदाय द ्या या है त्या विश्व तु न वे दुनै न न ने हैं र म भी र न हैं ग तु य र्शेन श य ये हैं। हे इर न र्थि १९मश शुर्शेर वरे इत्र वर्थितु स्व वहरे य विष्य वहन वरः विवाद:र्गा नाव (त्वा वे। परे अत् त्य कर है। परे प्यः क्ते अर्त वर्र ब्रेर्च र वरेश्य रेंक्ने वर्रे । रेंन्ट अर्द्ध या के विवैद्यत्यत्रेश्य भ्रेशयाने हर वर्षे यानहेशयश्वावत्रवार्था वदावहें वाय देशस्य हा या स्ट्रेंट य दटा संस्था समुका यदी होर से दिसा मुना में देश भी हो। क्रमानाश्वराच रे.देर स्रेश.त.ब्रे. हुंबा शि.रेच में तार्ट दे में स वरे हो. पुंचा च वे हंस. श्चान्यम रायाय द्वारा ले प्रमार्थी। स्मिन निर्मे देश सर्दायाया लियानु नार्वे प्रति याना यहिता पर्या नुषा वार्तेता सर्वे नायते ह्या वारे ना हु ह्या गा वर्त्वासायायात्रह्वायारे हिरादे अर्पु वाक्ष्र्राचार्या सार्वा हिसाहार्याना मान्सुमार् इमानर से ले ला दे दे है र दे ता द्वर है से मेर मेर मान होत दे ते है हेस.चे.च.ज.स्र[ा]श.त.स्र्य.च.जा हा.भ.चे}स च.जश.हेस.चे.च.च.जा.

हिंतु मते इसायर हिंगायते जेश यान्दा र्वेत मलका नुं ह्वे वेहेंगास सहि क्सामर हुन तपु जुसामत्। दे १३१ क्या पर महूर तपु हुर खेस छ मानी ୍ଲିଶ୍ମ ଗୁରି ଦିଷ ବଂଶ୍ୟ ପର୍ଯ୍ୟ ପରି ପ୍ରିର ହିଁ । ଅନିଶ୍ୱ ଖ୍ୟ ପ୍ରିୟ ଶ୍ର ହିଁ ପ୍ର ्ष्ठर्यं व्यक्तियम् अर्थाः वर्षे तालक विद्यात्री तेश वालका कर्त्व श्रम वहें ने ्रिन यदे यहाम के र स्थे के वे बेस अयर है। विदेश सिन मुन सुर सदे हैं तार्द्रना यरे वेशाम हें शंखु न्यन याता र्वन्या याना सुक्र हेंद्रे हुर मन्दर हे न ुर्द्धु होर हुरा शिर्मने ताला लेखा चाया स्वीधा मा श्रें सासी होर हु हु से स त.मोबर.टे.सिर.वर्ष. जुश चे.च.ब्.सैंच.सिर जुर जुर महें है कर्टे जहां रेटमां का ्रह्म् साम्रोध्यक्षेत्रा देशा चुः नाय देत्र । वृद्धा नाय विद्धा विष्या चुः नाये । देशा है। । । ्य म स्वीयक्षेत्राचि वदी वर्ते अर्थे मान दे हा हो। हिंदा यास्वीय पदी वर्षा ्रेट्री श्रम्थायदे स्था के मह्य पर पर्ट तात श्रम्थाय पर हे स्यावहर र्हा वर्द्ध पर्देशम यायार्स्वा सामार् वेसामानु सक्ता प्रेत्रा विस च.च.बु.वैभ.च.ज.स्चेश तप्रे खेश तप्रमें अक्ष.चे खेश चे चर कूचे क्षा पर सेर ्र्री । । पर्वे श्रुष **र**दाक्षण या वेखर्व श्रुष्ठा साधिव या हे हासीव ता। रेश विचाय के हिं। असरा की हिंद यह दिन पर हिंदम ही विचार मां भेवार दे हरे बे.पंचाबा.चबा.चिवाता.रशुवाबातार्त्ता रशुवाबा ग्रेबा.चणर वालाबे.तर. ्रेन यर नु न र म देश नु न दे। ४ दे शुक्र हें न य र द न न देश न स्मराष्ट्रीर वर्ट व तहना यस हेना य र्टा व वेदाद के य अरे यह वेश यह र



्दर्भम्म दम्याद मोया मे दमोया न यहा च नमार्च स्थान न वहा साम

े दे दे सामा के रे पर्देर निवे य है र मे नाम ग्रीस निगर विस नि सामिन चर हैंना य रेक मा स सेक वें लेख न म के न म हे ति न न है स म स हैं के नहें निस्याधीत केता प्रवास करें ने पासेत्या केता ने परितास के किया के किया में से साम केता ने परितास के किया में सि हैंना याद्रायाय या वर्षे लेखा मु प्रदेश मार्थ हैन पर वर्षे मु मि मार्थ हैंने मदै नेश्वायास्त्रान्तान् पदे छैर। दर्रेर वर्षे मः देरस्य साम्री नार वेश उ ्नदे हैंना दे नाल र मीश ग्रहा महा हिए मुख्य के या दे खुर द नाह भहा मिला पर हुन याया रे. हेर के हुन। तमि र्टर गुर हुन वेश महिरा। हिस्द्रम्य हिस्सु द्वना एस तुः लेख तु वे त्रास्न का माना विकात प्रम इस यर वर्द क्या वैस के न के देश पर्वेट वहूर में पर्व पर्वेट विस न न न सिर्न सम देर ब्रेट रव रेव वडस लेस च नवे से वरेस । ं वै न न प्रमम कर के लेश न न में बे है। से में दे ते तम के में न में ने केन नु पहिंद् पर अदे लेस हैं १ हैं। विश्व प्राप्त के पते हैं ने लेस न न ने ्रिक परिवे हिनायाचा परि प्रेक के लेशासुय के के ते क्षा पर रलगायानार प्रेक न्यते न्द्रस्य यस्य स्व ने से उद्य वर्षे छेर दें। ने क् लियान व के के सूर निवाद मियायर हेराय है केर प्रेंग है।

र्ह्य यात्रेने पर मुवापर त्वुर पने खुर सुवापर केर पने किर्ण भार केर ेदे हिन् भेद ने दे हिन प्रका हमायर चल्या य विवास भेद दें।। धुमा हम यर वलम् चर्रे हेन नल्य कार्यहर्ष चर वशुर व लेख न न ने र्ने र्ने पर दर् व प वर्हेश्यर त्रिश्चर वर्देश देश विश्व पर्देश विश्व पर्देश विश्व विश् ्रवदाय भारत्वीयम उसायते वेसायात १५ यते हें नायवे सक्ता है । नाय भेत य ने वे ह्व वे निर्मेश वे ते स्वाय पर निर्मान मुक्त से हैं ने खेंदार है हैं ्रिक्र मर्बेट वर्षे विकास द्रा । द्रा द्रा वर्ष द्रा देव स्वर भारता । वर्ष वर ्रिक य त्रा नावक ही कर माहेर्तु पर्देशय दे यस्य सामे हैं है। विकास ्ये राने क्षेत्र क मालाभ उठे पर्य वे के रावर क्ष लेखा उप या स्वीक पार्टी कार्या। विषाया महिला में दिरहमा है का विषय द दिन्द्वित वर है निवि विषय ना है। विर.तर.रट.विर.तर.की.ताबुर.वीर.तपुंरट्स.त्र्यं भूपंतर्था विकारिया है. **न्ता**य, न्ताय रे खुवाक के के दार्थ के स्थान के खुक रहा। के कुवा है ' वे हुदा सके ' जुरा ता ती माना कुर्माता कर खुरा मिना मा सून सात माने माने में में हिटा पड़े हटा खेता. उन्'र्कर्'माने प्राप्त प्राप्त क्रिक्ष'त् उत्तानि हता खेला वन वे 'र्कर्'स्टे 'प्राप्त स खुःभेद वें।। तरे हिस्यूर परे दमाय सन्य विनाय पहना याम भेदादा बिंबा न के दिसार्य अपेर या के यदना के दावासमा उद्देश न भेदा बेका न यह । द्यूट्य श्रा वेश.त.फ.भ्रेश.पट्र.पेश तर्र.में. खेश.च.च.व्. पेश.च.र् म.जश्रुःश्चेश.च.धु.से.अ.इ.चे.कुथ.च्. (वृक्ष.चे.च.इ.क्.च्यां च करेष्यर मेर्ने स्वत्र विश्व मान्य के मान्य मेर्ने स्वत्र मान्य मान्य मान्य । विश्व माने तर दे ता महेन नहा लेख मु म के में पहें नाय पर में राय के ता वार राय

व.बर्टिः क्र्मे,च.बर्टे पर्कैं चेंट बेंबाचे.च ब्रुश्यक्रेंचेवे.भावे.भावेश व.ज.विट... यते कुर पर्निय वक्तर सर्वियर वर्ने प्रमाम भेराया वहनाय मेन यते ... बुरार्झ्यायाउव देविय यास्रेरायाद्राये विवाहेशायाद्र ययाया लेख याः ঘনী বিশ্বী। বুলাগীবালী প্রীমান্দ্র বালী প্রীমান বিশ্বী প্রীমান বিশ্বী প্র नार मी कुर दारा केर प्रायन देवे कुर वर्ष या नेर या मार केर है। रमानुः स्व देशाय के श्वराय से हो र दे हो है र दें।। स्वाय के हिर प्येक स्व बुरावर् नानुरायामा भेतरी। ह्वास्यान नार्ज्यामा स्वापित सामित सामित सामित बे. पुरायाया बिटाया सुरामया होरा हो। रेवे के द्वासहत्या वया मी लेखा म न'य'र्सेन्स'रा'य'खुय'स्दुद्स'रा'रुद'ल्स'र्नु'र्दे द्वार्ता दे भ्रद'त् नार' मीकें खुभार्क्ष्रियों भाक्ष्म प सुर्ख्यानके इस महाक्षेत्रभाम है नामहित्साम हे स " वनायते ने दत्रेश हेंद द् क्षस शु ब्र य दे केराय दे केराय दे ते स स से दाय दे इन्य दे ने क्रिं क्रिं अरु साक्षु क्रिंट पाद्र शुक्र मार्डिं या वित्र हिन् या वित्र हिन त्र'न'रा हे'समामहित्रायापर्'न प्राप्ति हो। अहित्राया हे'मा प्रनायते च्.ज.श्रुचेश.न.रंभुचेश.च.रु.२४ च.ल.:३भश.श्रु.श्रुट.चपु.जेश च.र्घ. भ.सीजा... मी. ट्रां स्वापर प्रमार विषय द्रां पर प्रमार विषय द्राः यर बूद व थे त य वे भे नम्मयाव थे न मर्द्ध स य दे भ वन परे के नु नुर या ने माचनाय रे निस्याय दे हुर व्यर्प या मामी वर्षा वर्षे मर्चर लिया उपने के तम्रदामा वन पते इदाय के खे रें के रें में हैं के ना लेक पत्र पहा पति

दे वा वहेंब ब्रा व बुद व बेब हा व के से हैं मानी हेंब वा पहेंब श्चेर दें॥ बिर पर पर पर विशानु पर वे अर्थेट टे बिशानु पर व स्वाका पर ॥ वश र्शे। देव खुल मुं सहद हैर नहेद प अह दिस म पहें सर्वेट न दर र्य स ने दन ख्रिय में अंदर्भ केर महेब माहे। इस धर दहना धर में दिन दे है स्र दे ख्रिय में ्सळव केर वरेब पर्वा। महैना य नहिना हैव थेव य वहुर हैं। हिसामु न के पर्ने मर्दे मेर्टे ।। पर्ने में सार्थे हिसाहित याया नहेत तस सर्मे मार्गे पा र्ट म्राचार्या खुलार्ट वर्षेयाया मुताय धीर है। दे व्यायहेर रह्य गुट पर महित्र पर हिंस से लिय लिय पर प्यापित हैं। इते हिं सेन्य हैं वि र च् .ज.स्येश्वरत्र, रट. वधुर, केट. केशकाशि श्रेट. व श्रे. वर. व चीर. रू ॥ हे वस. के र्ह्य द्वा व श्वी मारा : रटा विषे हेर विषय शि हिंद व प्रे में हैं के व ते विषय श्च श्चर न ने हुन सं ते अमस श्वर हुर न स ले न हा। विन प्राप्त महिर र ते निय मेश देश पर पर्वे ते हे हे हा ने पड़े प्रिय के दे हे हैं हैं अभशःशःश्रुर्: नःलट रे.र्जर:रुवोश नःलुरे हे.लुंश चे.न.**र्गे**चःचप्र:श्रव**नः**श्रीःचशः . माश्चरका राष्प्रे १ है। विकास वर्गा केर क्रमका शुः शुँदः स का प्राप्त दिव क्रमका शुः श्रुट. च. लट. ३ मश्र.श श्रुट. चत्रे. चरचा. ३८ म्. न. त. लुब. च. चप्र. व. कूच. च्या र्ह्म ते देश राहार्टर राजा मार्ट्स राजा सेराम हेर की हीर हैं लियानु राजी ही रें या ही । र्व.रे.श्च.प लुरे हे। श्च. श्रेभश श्च श्चर. व.र .र्व मी देश.त.ज वर्डेस.व. मेर्पायेक है। रामे हैं ना त्येक ना तारमा तका ना हैरायेक मते हैंर र्र । दे न पहिंदा पासे दा के दा के दा के दा के साम के दा के दा के साम के दा के

रे'या लेश मु प है । हम श शु हिंद य यहें ॥ कुर प्रव व ।! पायः दे . मु दे दे देशका दे लेका छ न य के या मूच य दे अवत ही पदे ही। dr. व्य क्रमाम भे किर वर प्येरे पारे के क्रमा वर्ते किर वर उक् वें। रेकेर के हिंक पर वास्त्रीश नर् वितान रहा स्रामाले यानु नशा दशायम वित्रोयानर हेन ही। त.रंश. बुश.चे.च.वु ह्यू. त्य. स्वीश. तपु. देश तश. स्वी। क्र. भ. पबुर टे. लेशनु व के हे हुर रहि अरे क्षा यर वलमाय व वर्षा या व उदाय क्रमहा ह्या विदेश वद्मा केद नु हिन यर सेदायरे देव दर वर वर सेदा मर व्यक्ष से कि देश मर रे ने पर से रे नी र ही। ق.گخ.£ر.عخ.ڟ. वर् दश्यायात्मरा वर्षे गायालेश नु वर्षे भी सादते द्वाराय केदाह्या हु हिंदा वर्षे क्रीर. रू ब्रेश.चे यर. रेस्टिश. श्रु । पर्. ज. रू.स. रू.स. है. चेर. यश. व. विव. यर हैं। विश्वास हैर हिर्मर खेब यश द सर्वेट दले हिर्मर हैं। यात्मालनायर द्वार्गानु द्वार पत्र सेर ने अत् नु वर्ष ने नित्र पासेन पर न्द्रमा रा य रे खेर र लेश म वरे र्दर हैं लेश म व वरे मान हैं मी रेद मासय नर नेर म भेरते। वारेन रुप्तिन स्पति केर लेश न नरि देव हैं। म् ज स्वासामा ने ने स्वासामा ने ने स्वासामा ने ने स्व म् .ज. श्वेशत लेव.धूटा र्वेशत अर्थेच शता हेर्गीट प्रेशता . **रश्चिकारा त्राप्ते ।** क्रिंग च्राप्त स्थान स्य मर म्बिन सेन य स्निस मेरे इस मर देश मार्ये पा सेने दें। न्तर्भात्राम् इत्यान्त्रेत्राये व प्रमालेशन्यान्ते हे हुर तिम्रियाना नलेवानु

लेकायायायहेक क्षारे अन्तु पहेंदि दें। दे मिं क के दा दे ने पार के नामाया शुराम हेर ह्य त्यारामा सार शिर मालामहिस शासी मेर या हेर लेश मुक्ष'यर'यह्रक्' चेक र्रे।। नाहेना हेर्'र्'रुमेनाक 'यदे खेर लेक' छ 'य' के 'श' र्द य क्षेर् यर दक्षेत्र यदे श्वेर र लेक न वदे र्दे ही। रे नक दरम ने ชุพช.ตช.จิะ.จ.ปะ.ชุพช.ตช.จิะ.ฉ ปป.ป.ซี. ปช.ชโม้ภ.สบ.ปัฐป.ส.... म्राम्भिक्रम दे द्वा के नाहत केवाक कु दें के वेक मार्थ के वे लेक नाक्य मर द्रमेष्रासायद् यामायद् । वमसाउद् से से चाद्रायर यद्या हैद १ महिना है दे प्रति पर्वा है दे उद प्रति परि है दे हो। विका है दे दे है ने महिना है दे दे महिना है यते नार्त्र केवासामा दवाया वर वहेंद्राया अदारेदा दु नास्त्र व अदे हेंद्रा केवा दर रिमेन्स यह दिर विकास यह नह निहर केन्स मु र्रेड वार्यन्य पर र्स्न्स यर त्नुराहे। डेनाडराय वाञ्च क्रेंनाबाया हेन्यस्याया होन्याये स्रीत्रायी वरी लाहेशाम हिन्युदार्थेदायास स्वेदहे। वर्ह्निन्युद्राया कर्मि से श्रीदायदे क्षेर्र्स्। पर्वेश्वर मेश्वर महेनायानन्नाक्षसाह्यां ह्यार्रानान्यन्त विश्व शि. हिंद व सु. देर हूं . बुंश नहीं र चुंब . रें।। विश्व ना र प्राप्त न विश्व ना है स त्नायः दते : क्षेरः म्या वात्रः क्षेत्रायः सम्यादः व्यव द्रा मि ने द्रवामी र्रेष दर करामी वर रे मिका सर रियर है वर सामे विन नवगःग वि.न महिसाम विद्याले विद्यान की नियम दिसा दिसा वि मार्डेशन वेशन्य मार्डमार् न्येम् संस्थान स्थान स्यान स्थान स लेस.वे.चनु.र्बर्गे। रेगाः .च्राङ्गेट.चनु. ८ट.क्षेत्र वर्ने.चे.चेस.च.रेट पर्रंस वर्

मीर.च. बुश.चे वर. कूपा. क्या वर. हीर. ह्या विमान विमान क्या क्या पर क्या करा है. खुश्र.चे.च.बु.प्रष्टेचा राष्ट्र, क्ष्या रारा जुल यायस मोटालट उटा वर्षा। वटा मी यमा क्ष्मां अ. वे.च. वे. गीव. चीब् वें श्रास्तर. पुर्वास वाया वाया वाया वाया विद्यास हो। रच 2.42.42.32 4.3.82.42.04.9.44.5.2.44.4.482.42.2.4.4.44. ৽ ৽ পূর্ব বি নে প্রত্যাধারত প্রথ দান্তি বেম বের্ট্র বের স্কর্ব ক্রবা প্রব বেম ব্রুল বর্ स्थायानाराष्ट्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायायवार्वात्रायाय नि श्वर हो। अन् हेन अन्दे नेते नुस मते ना नवित नावत निमानित हो। भूर हिन स हिर पर छन खें स खें स नावन क्षेर पर हिर पर स् शुं गुर य लेश व व के प्रवस्य व हो होता महंक के तर हो। के पर प्रमूर्य वे गुनःमाले लेखा उपने देशाचर मेलायले वर्षा हैरा पुंचेर वा प्रो। देशे छैरा वेश.त.चेश्चे.ज.भ.रूचे.तश.पश्चेर.तपु.स्ट्रेर.क्ष.चेर्श.लूर.क्श.चे.पं.पा स्वायाया द्या यहेम वहार ने हिर विक पहिर हेम वहिर है। ह.केर.उधित.त.यबुर्टे.क्य.तर.चेवच.तर्.केर्ट्रा मार्क्षरभाक्षेत्र के स व्यव हे मार्क्ष से दाय केत प्रवास के स्वर ही सार्थी के मुक य.रे.वे.ट्र्स.चंस.च च.ल.स्येस.च बु.हे.ट्र्य.ची.ट्र्य क्स चेट्स.वंस ट्रे.सेट.टे. महेंद्रिःह्या द्रमायर देना ध देने हे सुर ह्या व त्या पहेंद्र या प्रा तर्रे.तरु.स् ब्यालिय अध्य शि.शि. व.ख्या.वे.य बु.क्यातर हुते.ता.केट.लीय... १मश्रासु सुर न लेक रू. प्राण्ट लिय हुन्शायर नि.च.च.च.च.च.च. रे.ज.अम्ब.श. होट्.च.लेम.घ.श्रेट.टे.विम.च लूब.ब्रा टे.ट्ट.टेम.हो ट्र्ज.हो.

रे'लेवा'रद'रे**व** या वे मा प्रवास विभाग पर हो। के मा प्रवास के यर हेना म मुरेश म न नर भ रेशों लेश न न ने भेश न नर में प्रेश मार ही यर प्रमान विष्य में प्रमान हिंगाया वा महिंस बस महिंसाय लेस महेन हो। मार मीक्रॅ.म् व.स.रेट्.रह्स. बेस.चे.च.स.स्न.स.स.इ.मिबिट.पर्रस यदसः सरः र्हेन्सः ध केर् खेर। कर्र सरे त्रस्य व केर्र त्राह्म न्ये लेस व न ता.श्रम्बारा.क्र्यं भागीयातशाचरेशातपुः शह्यासी.हेयेथा.मी.हेयेथा.मी.हेर्या.सा वर मुर्र प्रते वर्ष मु महें पर वर्ष र पर दे र वर प र महे पर प्रते । रदःरेनायदे त्रासात देशाप्रेन दीं। दे तस न दे त्रान नहा हर सामान त्रास বৰুষাংকি ৰাৰুদা আঞ্চী মুশ দ্ৰী হুৰ হুৰাষা ব বইষা বাংশ্বান বৰ্ণা বাংদ্ৰ বেই ··· राष्ट्रियामा के मान्या के मान्या मान् मी कें मुं रें या मी रें ब नावया नु रें भे र न देवे कें। खुला बूदा न र देवे कं र स र भेर लेशनु न भ रहेर् च ने हुँ र्भ मुँ **र्**क स्र्रिन र हूं न स स स र र र ने न व तन्न स ... नु प्येद पर देर से दिस वहास नुदे हैं पर हें ने पान सुस प सेंद पर हि राय प्येद वैं। १२ अट देना वस वक र पर विद्युर हो। से देन मी देव सेर या मार ह रैमा'य'कै'र्युक नु'फेक'लेक'यहेंद्'क्स। र्द्रिटेक'य'के'दे'द्रेंस'फेक'लेक र्ते वन्ने मान के प्रामी के खुलारा नक्षा नरे के सार र्दे प्रीक म लेख र र प्रेम र लेख र लेख र र र्शित मुर्सि हो यु अर्दा विद्यापर दिया विद्याप र्शित प्रत्य प्रत्

ां क्रमायर रेणाया वसाकेराणी प्रवस्य व्या केंद्राया परी प्रमान केंद्राया या दे रहारे नाया दे 'त्र्या तु क्षेत्रं लेखा तु ता दे त्रे तरे वा रहारे ना वा दे वा मुंदि त्र व वुदे दे यर द्वापा मार भे पारे द्वारेश य दे दे द्वारा के लेश वुप या के ह मित्रे मानुद्र नीषा मित्र हैदा हें हे ते सुन्या लेखा मु नित्रे हें वह हैं। इस मार मेना या द्भः केर. में किर. च पर. चप्र. पर्वेश. वेप. देश. वर. ह्या. व. प्रा. पर. पर. पर्वेश. वेप. दे यर हिंगा य नाव्र प्ये । व विश्व प्रकृतर से नुद्रा हे हे र दिश्व प्रकृत परी सुर र्रो १८ देर दर्भ लेगा करामा गुनायका य हुका यर २ त्र का स्ट्री स्थार र हुँगा था म्रोश.चर्यर.ज। क्री रूज.मी. र्य.मश संदश.यंत्र.सी. रूज.मी. रूप.मी. रूप.मी. त्रम्भानु प्येत लिट दे मा से मा साम हिमा या तह मानु प्येत में में र्जामी द्वाना राज्य वा वा वर्षा वा वर्षा वा विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य ल्ट्रिय प्रदाल में क्या मार्चे 5'त्युर वश' व'द्व' भर दस्य पार्' संच्या व्यापर व्याप है। विश्वाचा के दिन ही नगर में भारत मार्थ महामान कर में मार्थ में मार्थ में में देश ही कर गा स्मान रेन स्मान के साम के का का का का का का कि साम के दास के स वि.च.ज.स्चांश.च.वे.चीच.नप्.भवर श्री.चर्.छव व्। अश.रट.श्रभश मे. त्नुर म दवद से दे दस्य पर नेश स वित्य पदे मु वके व हें व हें पर हेदार है पक्षे 'सुस' भेव वें।। सक्षेत्रस' हुँ र प से द प प प न प ले व । दूस प न्त्र हैर रेन् लेश न न हैं श स् ।। स्नि क्न स की हिर नर लेश न न है

मायाने ने के द्वार में या मार्केन चा न के के के के का न के कि भार हा ब्रुच क्यांश में विराधर हरा त्या र ज़िया वा मुच में खुँर या यार क्येर या हे दह्रा र त्रं दे.ज.र्जर देवटात्रं .ज.वोब्र्र.ज.वेश.तश.चेव ग्रे.ब्रेप्टादे.वश्व.वे.श्रव्या लश.रेट.रेंब.स.सर.तश.भूर.में जुंश.त क्वित.में ह्यूबशंत.रेट.४डुंल.च.धुं.चर... विष्: मी नवः से दे नेसः म विष्: म भेकः में के के लेकः हुनी नाम કેઃરેઃક્રિઃર્સ્વઃક્રિઃર્સ્વઃક્ષ્રૉદઃવઃવ<u>લ</u>શાનુઃએકઃફેદઃર્દદઃવડાનઃકૃદઃઢદ**ઃશઃખે**કઃઘ नेते कें। ब्राह्म क्राह्म कुर्मित्र वर्गा हैर खेब हैर खेब भरे छैर रहा दें तर पर वर्ष रहे वर्ष रहे वर्ष हैर वर्ष हैर रहे ख्य हैर स्पेन यदे क्षेर हें लेखा हैरे के किर हैर हैन लुब लड बुब में च ले खून ब च हुब मी ह हुब मी ब बुब ठाय के नार में क्षेत्र रहें के देश था के रूट मी देश यर यदना केंद्र प्येक यर दे के कर रहे. दमामुस न यर यह है । वेश वेश गुर्य के हें ईस यर यवना सदे कु एके यह हैं हें दे दिन हैं म देश है नर नर्ना साम से रहें।। इर सामुद प्रसान प्रति हैं। मुद्भामी र्राचित्र ने लार हे बुका ने नाम स्मेश ता पर के प्रमान ने के यर् हैं मार्य मार्थिस साय निर्मा त्री हैं। रेश के परी सी निर्मे में हैं र्रे य मु र्रे दे म्वावय मु प्ये र रे दे हैं। उप दे पहिल्य परिते कर सामित अधिरार प्रमायर के पर देश ना मार में के हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं ्रमान्यानुः धोक्तं ते ते सानु मान्या विकेशक्त के अपदानी क्षेत्रं देन प्येक नी।

ह्म नद्र वर्ष म.व. क्षेत्र वे लेख वे वर सिर हो। हे वे के से सिर वस देवे नर नु न भेद दें। देश द दन नी देंद है नि मी के ही रेल मी देंद अप माल्यान की पादेरे की राम्यान मान्यान म वीं भेरे वहार परिवर्ध में वर्ष में के मायर हैं ने यान हम यर प्रमुख है। हर है र्ला की र्व अर र टर रेना य तत्र मा तु है द द मिम से मे न द हिर द दे द दे क्स.त. १२ सर क्रिश. श्रिट. तर देशे । वेस. में बेट. ची लेव. तर स्था. तर त्र्वाया गु.र्नाया पश्यापर वि पर्य देता अप स्टार्टिय कर्म स्रेन त्रम् त भेरायायायहेराय रास्त्रम राष्ट्रमाय हेराये वेरायाय देते ते करामाहिराये मी पहेर परे इस य दे साथी रहीं है है र दे पहें माल माल र यदी मी द है प <u> बुश.चे.च.दु.चाड्चचश.रट.क्षट.च.ज.सूच्या.च.के.च.यत्।</u> डे.**मर.य.बुश.त.** मुर न्वः व न्द लेन् म ने न्या है न न किन हों व म सन्सन्स व हैं व सर् मी.चब.कबास.ग्रेश.चेश.च. त.लट.उट्टर.उच्छा.चे.लंब.त.चह्रं.तर.वेश.सूर्... क्री.श्रेट. चर. मेटा निम्न सिट्या वेश रे. चर्तेय. न. गुय. ब्री । हि.सेर प्रहूय सर् **इ**स.स.क्रे.स.क्रेर.ल्येश्चर.यर्.यर्ट्र.स.तकर.चर.वचीर.च.खेश.चे.च.ला न्ना कर्मा त्र्या वा अद्या वा अद्य वा अद्या वा अद्य वा अद्या वा अद्या वा अद्या वा अद्य वा अद त्यः दह्नु द्वा द्वा देव द्वा अप्याप्त का का विशास्त विशास्त विशास्त विशास्त विशास्त विशास्त विशास्त विशास्त विशास वे.च.ज सूर्यास वर्ष. अवस.रेट. ह्यूर.चर.वेरे.च धुंस.वे.च.जा क्रे.स.गीर.जा

नर्षायाताङ्करायात्रक्षायार्दे माल्या स्याया स्याधाया मान्द्राया स्वाधाया मी अन्यान्दाये नारी द्राप्ति हिंदा है दे हैं से साम प्रीप्ति हो। भ. श्र्येश. तपु. बुझ. ये. य. ज. श्र्येश त जा जयी. त. ज. श्र्येश. यपु. रट. यबुद. न्'त्युद्द'म्ब्रा मद'नी'सुर'दे अ'प्येद'च देवे'सुर द्व'द्रस'यर'प्रद्'व'स्वेद' लट्टा ना निर्मा ते वर्ष देवा के निर्मा निर्म माठेमा ऑर् यास अरे द लेस नु प्रते देंद हों। प्रमा नु द्र्यमा प्रते प्रति । माइबाया लेबा नु वा वा वा या ने व्यून या सा क्षेत्र या ने ह्यून का क्षा वि ने वा वा नि वा न ब्र- क ऑद मारे विदायर के पर अर्देक पर विदाय लेखा न के दिर्देश से माराया र्षेत् य हो दे मिं व हैन नु पर्ने पर महें व पर महें व पर महें व पर हुर्'यत्रै'हेन्स'र्देस'र्ये न्दाय्य प्रेंद्र'यादे'स्रद्रेस'हुर्दे। द्वेर'द्र'यदे' न.रट. मेंच. चर्षा ज. श्र्मश. त. के. चे.तू. खेश. चे.च.के. दे.दे. विर तर के. जूर. त. हेर. मुँ दुर र्भा दे द्रारा द्रारा कर देश यर विश्वाय विश्वाय प्राप्त निया हे द्राया पर नु व लास्त्रीस पट विर पर लेर वर त्यार स्रा वरे व लास्त्रीस वह से विष र् दु स हिर दे देवन वर नियम हो। निय है ने य प्रिंट पर्ये विरायर भी देश थार्टर खेर था प्रेर खेर अपा विष्य केर ने वर्रे भारे खेर यदे वातार्श्वन्यायात्मात्मान्यान्वे ना हेदारु विवाद ही। दे त्या शे वर्दे देरी दे बै नदे न व संग्राय न न व न व विकास न स्वाय स्वय स्वाय स्व कर्म अदार भर रेन्स मार स भी हे लेस मुन के से मारे स स से पर के रे वाम्बेन केन्द्रिमान संध्येत्रे हो हिल्द्र ह्यें संध्येत्र स्व प्रवद्ध में द्वे स्व दे हो है ।

वर्षे देश दे नहिना भीद सर भी हरा है लेख दे अप दे अदि हैं वर्ष द द सुद हैं। व्यानुहमामह्रदान मेर् परे कुरे कुर हैं लेश नुन सार हिया परे छिर लेश नु व विंद वशा र वृद्ध दिया विद्व वर्ष व दे वि दे वे वर्ष के के के के के के के के के शुःमार्डिर सदीःरुष्टः यत्ते दः केर प्येद प्येदः स्ट्रीर हैं रुष्ट रहेन हैं नासः सदी रुष्ट सहिदः प्येदः वते क्षेर रें लेस व वरे रें के री। कुरेरे के रावर्ग रें मा है। नर देशनान दे देशना न निवन न लेब द्या वेशन वेशन नर मिर दशन निवस द्या क्ष त उर्देश के.र ८.४वी. त. पंचेश विरामीर तारे. केश वर पहिंची तर विराम के. पहुँद्र राष्ट्र वस्त्र मान्त्र वर्षे होता में हुन है है है है है है से सार्थ हिंद मही पर्ना हैर दे नास भावर प्येद दें लेश नु प्र से खेंन्स प्र प्र प्र प्र ने दें रे रे देने चनम् खु भ उन द्वेना या था लेश नु न ता ले न सा सा न देश न हु सा यह सा पर देन है। विश्व नु वह के को इस्ति हुनिया वालय नु वह नी स्पेत सरे ब्रिनाशाः नाल्यानु यहतानु दायशाना नाल्या पान्य पानाह क्रिनाशाः . ही. न्या ही हुन दे ही. य जालार पर्टेट क्योश जा श्रुप्त पर हुने पर्दा शहर श्री श ्रहर मध्येर म म हीर पर उन्हों। स्ट रेना संदेशक क्रिका सा वेश मुख्य कर । मी भेर पर ही या मालभ छ द तहम है दि तह स है प्राप्त मालभ छ दर्भ मार्भेन व लेम अन्य पर के निर्मे के न द्यामुस लेख न त तर्स्नास मध पक्त पर ने दे दे । विष लेग त्नाय ेले न हैं दन्य न भेर के क्षम न सेमस यह लेश नु व ने क्षेत्र नर्वे (र्सेन्स ने) ... म्रिट में रा पर्देर कग्राय या स्वाधाय रा रा रे मा रा प्रेय हैं लेखा मुख्य सारा मु पदे ॅमर्ड१'ऄऀ२'उब्'ची'रूट'रेण'य'**द**्यश'तुरे'यर्ग'के२'उब्'ल'र्डर म'के२'र्'य्वप्

र्ने में विशे देश विश्व मालेश मु न कर मालेन कर मालेन कर मालेन न याने खूर विमाया प्राप्ति व क्रिय द स्रेम र सम्माने। देवाया है व के विमाने क्रिय दिन रदारीना वालिशायन्तर्यानादाधीनायाने अदालेश के वे तर्य. होर. र्सा श्चिर द्र्यू मीश पर्दे दे क्रवास वा स्वांश पर्दे रह हुना म के प्रचेश में लोश हैं । इसायते सक् केर केर केर केर नि दा केर नार में रह केर केर केर नार में कर केर केर केर केर केर केर केर श्रिक्ट नहे रहारेना व लेक बर्ट होर लेक ही। हिंद नदे से दूर्य च सेन धासामिक की अव्यादन खेंच हैंद के पर्दे दें लेश मा पा नी नालक द्राट में ता.श्रम्भात्रात्रम् तमा प्रमाप्ते मुं हेर् र् अर्द्धाया अपर हिंद र् त्या श्रम्भाता स्रिया केर स्त्र पर तर्र र की रवट सं वा र्शन्य पर है स रो व र्खे लेखा नु पर रे द हीं (यर्थामाधना पर दमापका में दिया नाहेश हिन्दु नाना या प्रदेश किया वि.च.बु.लीज.रेबे.लीज.३२.२.१४ चर.चर्बेचे.चश्च.श्च्यां र्थायर.श्चरे.च. द्वर मी. इस. तर प्रेम. त. प्र. त्रिक. स्. स्रूर. ट्रस. तप्र. इस. पर विवा त. हेर से रे.चम.व.लील.ची.क्याच.वय.चेश.च.रेट.टु.जम.क्षेत्रम्थ.श्रीक्ट. यते क्या य प्रेन य दे द्वार क्रिया माहेश य हेन मुच य प्रेन क्री देते ख्राय नु ब्रैट.चर्. खेश चे.च.ज.सूचेश.त.ज.रुष्ट्रे. घु. खेश.चे.च.डु. खे. रूज.ची.लेज.मी.क्रेंग.. पायदी भी के में प्रायदी के मा भी के कि लिया मा परि हो के में पर्द पा मा भी करें। हते. के खुता तनाना कारा हिन की हिर ही नाय है इसा धर हैने सर्वे इसायर विशायान्द्रानु भाक्षद्धद्रस्य यद् त्ववुद् निर्दे द्रदा द्वते द्वते निर्देश या व ति वर्षा पर्दे लीय मी लाइ सर विचित्र हू बिका इ. क्रेंट्र लीय मी देश वर केंद्र व. व. इ. ब्रंग

तुम म.रट.रेम.भश्चरम च.क्रेट.ग्रेम.र.केर. **ন্ত:ব**:মান্ত্র ব ব স্থ্রুমান্ট্র द्राक्ष्य त. यु. लुर. जुराता लाला द्र्य मी द्रमात्र क्रेन्'न् क्रूट य वेद्या त.र्.य.रेट के र.त.ज.श्रुर स्.ज.स्चाश.रायु.यश्रातर.तर्.हेर.ही.र्ज.सी.र्य.ज्य. मु द्रमायर विषायर मा प्रेषा विषादे सूर देनायाय दे नविषाया । वद्या च त्यान् भेन्या यदो द्वारा पर दिन पदो प्रेया पादी त्या भर देव मी इस पदो दिन ... यान्द्राच्याचाकेन माध्येत्रे । कुर्रायाकार्यन्यये मे वानेये क्रायाक्रायेकाये ने स्वरमेन लेश नु न ने हें दे में दे द समान न स्वर पास प्येत ही। व्याय पर्वाता लेखा व्याप वे क्रमायर हिंगा पत्र क्रमायर केशा पत्र व्यापत्र विष्या पत्र विष्या पत्र विष्या प्रति - म्री.वेंश.त.७अ.चे.त ३.स्रे.र्ज.मी.लेज.मी.वेंश.तर्शे। परश.त ज.रंभुवाश.तप्र. चेश चत्रे खुयानी बेशन याया स्वाधाय है नाव र मी क्षर है। ेतुसायास्त्रायाची दमाया उदा दिया माहे साय क्षेत्राया के झाहे हिला चु पति हर्त है। अभन्न शि.श्रुः च है.श्रुचा च इस.तर पुराताला श्रुप्ता तीला ही देश च कर तार्थ. ्रे. लुंब.चे.च.इ.केट.कंब.० थी ह. इस.च. सूरे तर प्रचीर च. कुर न. इ. हेर. थे. लाट सिवा करे मी प्रेशाय वश्यका वट किया माहेशायर शामीयाय लुके हुं श्रेशार् ्रश्रम् स्था तर् देन हेम नियाम स्थान प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प मु:इस व'न्यादायस'मेद लेस'नु'व दे'द्र्राय नाद प्रेर्य पद्रेते खुय से नासय '" नदे दमाय दे नार अरा भेरा दे ता भरानी हु के रेमाय नावर दे हुर न भेर ે <mark>કે લેશ કાર્</mark>ન કે ર્નેલ કો ક્રમ ન કે ખદ સે**ન** લેશ કાર્મ કરેર ખદ કો ક્રમ ન નદ ... स्रव,त. ट्र.चीशवायप्र, वशातकारेत्रवेशयप्र, ब्रेटालट. लेश.चे.च. पा. मेंटा पर चे. पर

देना चर पुर्वे। देश ४ प्राप्ता मी देव के मार्थाय पर्वे क्राया देवेव पर्वे क्षेर प्राप्ता है र्द्रमेर्प्यते कुरायदा लेश नुपायदे किंग मा द्रामे के या विद्या मा किंग में लेश.वे.व.व.द्र.वी.क्श.तर्। पर्रेश.वहंश.वहं द्रे.ह.हे.हे.हे.श्रेम.ल. श्रवाश पदे खुवा मु देव मु देवा मु दे वे नाहेना नीश हेंनाश पदे दुश व नाव्य मुक्तामिद्रायहित्यहे न्याहित्यहे न्याहित हो स्थान है स्थान हो स्था हो स्थान हो स्था हो स्थान र्राया मुंदि । व्या प्रवेश के । हिं श्रा मुंद्रा महिना नी स हें न साम है । ଞ୍ଜିଷ:ସି.ଲି**ଜା.ଅ^{ଫ୍}ରେ.ସ.୪.ଘ/୪୫.ମ.**ଘ/ଡି୬ ସ୍ଥିମ.ସି.ଅ.ଘ/ଡି୬.ଗ**ୟ**.ଥୁଏ.ମ.ଅ.ଅ.ମ.ମ. लहामहित्यर त्युर व वहत्य लहाम ली हे हिन्स य सेर् यदे हुर हैं। दे द्रर द दे दे है है रिया में है द रे भेद राम दिनाया यर हिने वियान व दे दे भेद दे। दे[.] कुर्-दे-दे - त्य-क्रॅर्-प-क्रेर्-पवे-क्रेर-र्स- हेस-स् श्रेन मिट.ष्ट्रंत्तःलुब्र.तपु.खुर.ट्र.७ब्रा.चे.च.ब्र.चीखर्मी.जिश्रामी.बट.ब.चवश्रा... ี่ นลิ รุรัส ซั เลริรายาลาลิศาสิสาราธา ณ สุลานราธิรายาผิสานลิ ซูรารั II यन्त्र'न्द्रिय'यदे क्षेर दहित'य'स थेर व 'लेश नु म दे प्यद केर स प्यद व लेश मुन के नहिं गुर के नम से द्युर के लेख मुन न ने ना निका वा कर के दास के ता नर वहें रे. तपू हेर रूप भी शेष.वे.वंशंष.वर.वृश वे.च.ज. ख्रू. तपू में बी. यश्च पत्रे दे तत्रशं व ला रही। श्रु श्रु रह मोश लेश व व हे श्रु श्रु रह मोश भर-द्वा पर स्ट्रेंट व दर । भ्रेष सं सं श दर व दर शुर सं दे स ये द य के स ୍ୟର୍ଦ୍ଦ ହିଁ । ବିର୍ଦ୍ଦ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟାପ୍ତ ବିଷ୍ଟ୍ର ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ रेमा पाये वे प देश मुन वे कार में के थे व मी था था मी र्व पकर या र्यक्ष कर्व ...

सर दिस् देश स्वत्राय केना नेश हें र सर होत संदेते के पकर सार्यश दिस् नपु:र्ब.४४.म.स्स. र्वास.तर.ठ वीर स्र्र.की व्यक्तायर प्रेचा मनि देव है नामा भव के लेखा न मने देव हैं न मने के न महित ग्री हैं न सरको अगुरार् लेखान्यायार्थन्यायायात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राहे मुनायायाञ्चत तकर् याच्याद्युर्यदे र्दे ता १३व या च्या दि दे या सेर् यदे नाम ने प्येत की इस वर केस वरे खुल ईंद यह दार ये हैं है है कि पार्स दिए हैं य व्यक्ष हूँ नम् य प्रोक्त मही केर स्र. स्र. व रटा त लेखाना नदे हुन हो। नदा त हेरे रदा नति स्र. नति स्र. नति स्र. लेब.ने जुश ने न ब है। सूर स लेब न म म है सूर में उट चंड्रेय सूर म म लेब ... ब्रा १८४ केट संबर्ध शास्त्रसंब्रास व्राप्त संबर्ध जाता के स्थान विकास है। संस्थान हो निकास निकास निकास कर लेश न नहें सक्ट्रेस हो। લવીર. તરાકુ . કહેર મુદ્ર . મુજી . મુજી લામી. મુંશાન કુ . ધમ તા કુટ . મું. સું દ્વા ની. ધા त्तुव त. हुत्, त्रुट के ते ते ते हैं विश्व के ते के ते के ते के ते ते ते ते ते हैं न हे अर. वै.चनर ततु .पकरतात् .रा.अव.तात् रचा.चा.अवला सक्षता श्रीर .चर .नुर.च . म. तेर ब्रु. खे. ब. टे.ज. तुमा तर्र इ. तर में तर ते . व. त्या अ खेम व. व. ज. ज. व. व. ज. व. व. व. व. व. व. व. मा ११ इर वर्र १ वर्ष ११ वर्ष वर्ष वर्ष पात्र पात न सर्व अदः रन देन कर ने अर में वित्त निकार में वितास मा नेहुन हैं है न लेब हैं हैं हैं ने ने हैं हैं। लट ने में में हैं हैं के हैं हैं के बहुर वर जुर सं ज नील हे . लूर जै क्या तर जेश तर नी नेट नर से व हा तर हैं

न्न्यर मुर्या नेते के है कर के अपने त्वार लेगा मे द्वार के नेते क्या वर हैंगा धर विश्वर रें। देशे इस धर देंना धर वश्वर करे हर १ १५८ मारी इस य.हे.चाल्य.चीश.मेट.ड्रेस्शानर.पचिर.ट्र. एश.र्घर,वर्षटे.त.हे.लट्ट.चेश.राप्ट. देश पर ही पाम हिंदे लेंद्र पा सालेद दें लेख पहेंद्र पर पु पदे हैं र पर मा हिंद है दे व बबे के के के मार्ग के का पास के के कि मार्थ के कि कि क त् श्रुष्य श्री दे लह अभय श्रि श्रद ते म ने प्राप्त स्वाम प्राप्त हैं ने विद् याकुष्यर वर्गिर्वेषयाक्षेत्रकर क्षायवर विनायम् धामा अस्य धर हुर लेक चेशन वु माइलक का संग्रही से से मान क्रिक मार्च का मादि क्मायर सेकायर्गा वेकानु मार्थिय विकास क्रिया के क्या विकास क्या क्या विकास क् धुष्य वेश्वर प्रदूर दे वेश पर्वा ने ने ने स्वा के से दर्जीय पर ने र प्राव हैना ने ने स **५**ने निर्मे के में देश के से निर्मे के सम्मित के निर्मेश की देग्रायामामाप्रेम् । न्द्रामी क्षेत्र द्रमाय मेद्राय प्रेम् द्रमाय द्रमा प्र र्ट हैंने य भेर य रट ने मळ हिंदे प्रति पर हैं देश खुरा वेश य रट दे वेश य-द्रग'ने ने ने ने न न न न न के देने के नहेंद यर दुषाया देने भेर पहुंच न न वर पहनायम क्रिं खुक् में से माल देवें में का माने खुक में सामें देवें के का में हैं लिक संभाव का देव कुषाय हुंस ये चार हुँद नव ने में में नव नियम विकास प्रतिम् न भेत यर बहुत दें। लिंग में ने म पर मेर पर मुर पर में ल्युम में ब्रु. मर प्रमें स प केंचल शि ब्रूट पड़े . प्रेशायां पर्टी क्षेत्र के . ब्रुं . ब्रिश में . चरे . के

विदेश्यक्षत्कृत् ग्रेस वहनाय क्षेया यद्वर व हेनाय दर वन्स वर्ष वेस या दे ।।।। ध्युमः वेशः य देवे वेशः य लेशः य हर् दें। देः दृशः य हुः य त्राः य देवः दशः देवः स्रै.श्रूभ.त.पंचेश.वे.रेट कंर.तर.पंचैर.तश लीज.मु.पुरा.त.खे.भ.पंचैट. चय. वेश. चश्च. चडिट. च.वे। तीय. भी देश. च.रेट. हंश. शे. पंडे ज. च. तीय मी. वेश. च. दर्भन वी लेश अपते क्रम या दरेश वह का यर छेर ही लेश हें न दे प्रति प्रति । हीर ह्या इ.डेर १.एड. हैं १.च. जेश त.रेट. शर च जेश व. प वेट. व. लु १. ब्र. बुस श्रम में निम्म या दि हेस सु र नेय वदे खा या मी भी साम मिन में या दे दिर तर.चेर.नद्र. नेम.तस.चिट. वर.वचैर.स्र्। हे.केर.चश्रय.वर.चे.चर्य.क्रेर. लिक. के देश तर पुराय ह्या ता अंश कि य श्रेंश हो लिक के दे पा अंश शी स्राय ने में या के यदे प्यो द दें ले म मु यदे द मा या यदे स है माय ले मानु माने देंद हीं रिकेर हे जना भेर हे लेश है न दे खुल है जेस व हे ने साम है है है जना भेर हैं लेस व नस है अस पहें पान है रहें।। हा अय ही मेस पास्त्रका ही क्स.त.रंट. हुस. श्रे अनुसार केर रेस्ट उड्डूब.चर लेर. तहा जुरा तथा उड्डूब...... न्द्राधिक याते हे दे के अना स्थे के हैं। वा कि स्थित स्थे साम दे से साम नहर नदे र इसारा हेर रे. लाम में नेम पाने वार्त में हिर पर हैर रे । अम्म अर्केट निर्देश निर्दर यस लेस न नर र्रेड्डिलेस हिंस है। खेरा मि दम पाअस्य शिक्षर यह तेस पालक दें लेस न पह देश पाय पहेंस मेस पहे चुंबायावह्याचाख्याचेवाचे असमासु स्ट्रांचे वह द्वाय वह द्वाय ने ने वा वेद्या उत्तर्भात्र विरायर र जुर या भेष है। ह्रिं ये या सम्माय विषय या महिता हुर.मु.स्र्रेच ताल क मुक्त.चेश.च.र्यतातर.प्रह्मी तर्र.मु.स्ट्रा ः ट्री.घश.य.ह.

श्चेर रु खुवा के दबाय १५ रे पुवा के नेश या रहा रहेंद्र यर केराया । खुवा મું **ક્યા**ત કરામું જ્યાને **યા**તા ખુરાત કુરાત કુરા ના કુશાવા ખુરાલું . **હું યા નવર**.. तर् हुर है। स्वा ने सर् भी ने स्वा माने स्वा माने स्वा निवेश केर दुस न न में दुर्ग में स्तर में निवेश हैं न से में निवेश हैं न से समा वर वेद्रावर त्युर हो। इर्रे क्षेर खेर में हेर वें ह्यु व वहा में हार है ल मानेशानित्र, विस्तित्र पर मिताला के मानेशानित्र मानेशानित्र मानेशानित्र । देवे हो . रह थ वरेर हाँ है लेश हारा स स्वास मार्श्व है। वर्षाय हेवा हैं के अस्तर हैं हिंद नरे देश मा से वर्दे दे। हैं नुस महे दें के दें हैं दें พูง ผมาวรุง นามส่รายาฐัง นา อิราร์แ รัง อิราฮิงารณา গুন ইনার ধর হৈ বহু নার বন বলুম বম স্থান বাই স্থাম র ইবিনু মনস্থান বা मदी देव के व व ।। देव दु र इहा व लेखान व के दूस व क्सामा महादस थ विद केस व नवे देव हो। क्विर वर्षे दुस व दस वक्ष व क्विर व र्सिर व सामित क्र तिमानुसायते तेमानाना प्रमान लेम न न के लेस न न न यस पर्त पर्त मानुदा रे दे । विदे पर्य दे पा दे खुदा मी देश परित हैं । तत् रद्दः द्वा क्वा मी रहेनाश पह दिश मान क्षेत्र है। स्वा मी मान मान -अभग शि.शूर, यर . जुम.त. खेम.ये.यपू. श्मात. पर्मा पहुंच तपू. १६ . वि. वि. वि. वि. वि.

द.व.लेक.दर:हम.शे.घरीय.तप्रियम व्यन्ताने वाने स्वर्डेशन्ति। विश्वकार्यात्र्यं वादे कादेश्वद हेश्य वहेंद है। इसे विश्व वादे से कार्या वी इस्य उक्ष में इस्य य दे भेक्ष याया दर्शका पाया केषा है ए हैं राह्य लेका है वाहे माहना क्रुवाश में द्रात्म के विश्व व क्षाय व क्षाय है। अप में क्षाय क्षाय का स्टाय व स्रेम यात्र द्रिन्म यानाव्यार्थित् यादे मादे अत्रे हरी। र्व स्थित य देवे हुँ र दी। निक्किन्य में देव दूर स खूँ र य र हु र य स व वान्त केवा शामे देन हैं। वान्त केवा रामे देन के देश में दे दे दे दे दे पर के का तर्द्रमायर में है। राज्य प्रत्ये प्रत्ये के साथ के सामी किया प्रत्ये के साथ के साथ के साथ प्रत्ये के साथ के साथ के साथ प्रत्ये के साथ साथ के के परावर्ष्णु कार्यावराया के र ग्री सेरास्था में भिकाया नो हार्या देखा पार्टि ।।।। हेस स म्यापन भी मिल स्थापन के विकास मार्थित है। श्रुद्ध्य लेख म पर्व गुर मारा बर्ब पारे बाबुद्ध की र वें। र द हैर हैंगारा रादे ह् स्राक्षेत्र क्षेत्र केर्य स्टब्र न्या है है दे में लीज मी स्थाप कर वेश स स्टूर्य मुद्दार में वेश न प्राय अविश्व वस्त वस्त न मिर् पर्माणुः विस्पादि वि प्रायास्य इत्यादे द्वर्मायस वश्चर व है ए प्रायम् म केंब् मी दिन्दि मा केंब्र मा लेश मुन परे मुद व्यव महिमालुट स्वानिह्म में वर्षन्त विना सेका के नेका प्रकार का लेव ही। रह में हिं

् च स्थालेब चत्रा अस्य सु सिं च ने वे से च च ने च ने च ने च ने स्थानिक हैं। य.लुब.बुं। स्रेल ब्री.ट्.च् प्र.चं मं व.जंग.यर प्रचीर य.लुब.ची बुब.चे.च.डु बु.क्. निश्रातमान्त्र्वातास्यार्त्रार्यात्र्रात्र्यात्र्रात्र्येषुर्यात्र्येषुर्यात्रात्र्येश्व . स्रिल मिट वि केर केर केर केर केर कर करें हों। े स्रिल मिट वि केर केर केर विना भेद हो। देन परे दें वर मुर पायुवा पर्वे र पेश माल भेद परे परे परे विदे र ्षयायदे खुर स्थि रहानी हैं वें लेख नु व वे वहर पर मिलें चुर य हैं र ग्रीकाने नर नगूर्य प्राप्त हो। दे दिर है जेकाय क्या के दे व प्राप्त हैं लेका र्श्वेर पायाय स्वायाय र ने सामा प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया लिया चेश तर् जेश राजा लिया जेश तर जेश स्टि है सम् सेर्ट है सम् सेर्ट देश ें दे किंस ने ना दे भी पर्दे पा में के पा लेंदे हों। दे लाट खिल ही केंस पा दे असस श्वःश्वरःयद्रायद्रायद्र्याः १८ : प्रेष्ट्र मे स्र लेब साला हु नर मुर्जे। चु न्नना से दार त्युर हे बेध मु न दिरे न नद त.वु.विर.चर.भुर ब.बुझ.चे.च.लुब.बु॥ लीज.ची.पुझ.त.रभुवाश.चर.चीर. तम् तहूर् तर वर्ट्र तत्र नेश तप् नेश तप् नेश त खेल कु क्षा प उर कु कि क्षा पर विश्वासर मूद्राच नद्दर है द्वाना सेदायर विद्युर रें लेश हा नदे रें हैं। नवा है अभका शि. श्रूट. यद्, देभ व वर् त्यय (बुचा लिया पुरा वा लाव ता देने के के दा वहूर यर मेर पर मेर पर प्राया मेर पर पर के असम हा हार पर के पर कर पर के र्. ७ंश.चे.च.टे.दभ.मे.सू. १श.मे.चर.पर्चीर मी लील.मे.थथ.च.घ.थथश.श. र्वेद:वर् नेस म प्रेन वें लेश म पर देश के म प्रेन कें लेश म पर न्युस्यत द्वि भवे ही। द्रमेन्स परायद्वा से मेर् परी क्रम पर र दिहे

यक विदाय विवास व सेर याया वहूँना यक विदाय प्रमाणिक विवास विदाय त्नु र दे वे अ मु न है हिं पर ता र्य न स न है स्थाय असम सु सिंद न वे स मु न है " . के.चेंट्रे.क्श तर कुंश.चंट्रे.कुंश.त.चंदाल.लूर्.न.चु.लेज.३शश.श्.श्रूट.चंट्र.वेश. तर् लिंग दर में श हैं र तर भू र में र है। लिंग में र वेश प्र में भू विशुरार्ट विश्वान पर शक्ति। सुभानी विश्वास के ने दे खुर के विश्वास यस करलेल चुन्त व स्वार्थास्य पत्रेत्र या चुन्त या हुन् कुन हुन् सून यर चुन्ते । लैंग.वी. संग्रांतश चुंश.त.ली.त.३मश.शे.शूट.चट, देश.तर. चशुरे तर.वी.कथ लेक्स द्वत लेच हु सः इड् मी खुभ मी देस द दे अह खुभ मी इस व द्वारा न ३८.ला. व.लाम.ह्य.स.स.स.स.स.स.स.स.हा.ह्य. म ३८.७ मीय प्रम. मा सी ने देव निर्म निर्म स्था स्था निर्म स्था स्था स्था निर्म ख्या नेशाया वे लेशाचाया मार्थेन साम्यादे हेना वश्या वरा नेता है। नेशाया . हुं . हुं स. च. ने . हुं स. च. हुं स. च. हुं स. चहुं . चे स. चहुं । स्था स. हुं स. चहुं स. च. हुं स. च. त. तुर्वेत. त. उड्डा. टेटे. टेटे देत. व्ये टे. वुर्य वि. व. व. कु. तित. कुर्यात वेशवा शि. बुट्र. मते मेश म लेश म त निहास प्रति पह द्वामा मार त स्पर् मार मार सार है स मित्र है स मित्र ट्रे. बर्ग देशनाथा नार्टर हुता शास्त्रीर तथे. जेश सत्रा जेश साम्रीतर तिसार ही। ने अस्तर भेर व लेस न पर है साम के लेस में ने साम साम में इस य दह मान है द राम क तर्तर्र्य केंग्र.तर्ते का चत्र लिग्न. मी. इम्र. त. केंद्र. मी मा ख्या में द्रम पा द्रवा द श्रुम में ने स म नहें द पर में नमूर है। अर में नमें नमें ने ने ने ने ने ने ने मारवर हैं द लुर तपु होर हा। लीय की देश त स लेर नपु निवद य त लेया की देश

गुराखायामी केसाम ने जना मुर्ग की विद्यान की। 💎 भारत विद्यान विश्व श.रर.सप्र.चिट.तप्र.क्श.सश.लीज.ची.पुश.म.विर.तर चीर.च.रे.श.कुर.हू.. लेस'मु'नदे 'र्ने र्ने। र्हेन'चे त' सैन्स'च अस्य सु सिट नदे टें ने हैर्रे हे.सिज.मी.चेश.चर.श.चरीर.हे। ह्ये.देट ४२.च.श्रुर.चरी.सी देश हैं हर न वर भरे दें हेश हु च हु ह न कि हों। घल.च.च्यूचे.त. यमृत्र'यदे खेर दहेंत्र'य द्रार्टा द्रश्चर क अट खेर हो। दे हे अत्र प्रत्रे प्रदे रद्भविष् उर् प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर हैं। इस य वेस य है र र वेस वदे वेस के वहें र सहिर य र र श्रूर् निष्यास्य त्यार नारे के हिन्त्रे द्वा वर्षेत्र सदी रहा वर्षेत्र आहा स्वेत आहे । ट्रेप्.सुर.ट्र.फ.लट.हं.श्रेशश.शे शुर्. यप्.पुंब.त ज.लेज. <u>ร</u>.ษฎ๊ะ.ะั แ म् । इस साम्प्रे पार्भ र वि । का नाकेश निष्म ना कर मी । विषा ना निष्म तर्र प्रेश च.लोत्राम् ध्रेथ.तथ.यश्चिर,च.वेशश.शे.श्च्र्ट,च.पर क्रुथ.ब्रुथ.पहेची.. त.ब.ली.म.मी. जुल. तपू चीवट. चपू.क.र्यट. यहूब. तर्. क.ज.रंश्वेचेश.व.ला.में.मी..... दह्र यह का प्रवत विना भा के साधि हो। वह के के के पा वे ना सुसाय इम्रायान्वितायसानिराचराव्याल्याचाराद्धाराज्या धेरवे॥ सप्, भक्ष के के दे की ता के श्रम श्री हों चप्, क्षा ता ची हचा जहा **चिर.**तर. टे.चीर.त. दे.लील.ची. १४ च.च.लू ४.डे. ७ स.चे.च.च. ४.डे. ७ च.ली. लील. पुंचा नपुं १ अरु शुं हिंद निर्देश य निर्देश प्रमान कर कर कर कर कर के

म्बर् स्ते मुद्दा स्त्री स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र क्षेत्र के निष्ठ देश स्त्र स



क्र्यास्मायनोषानी त्रेत्रेषाच्या प्रमायास्यात्राच्या

દ્રે વ્યાવદેર કૃત**સ સું** સુંદે વરે બે**રા**ય કે કે વર સર્ટે ક્યાં સંસ્થા બેરાદે | ख्यानु न के केन्या शु यकन पते असस शु र्ह्हाट न दे ने सामा नामा प्येत न ह्या सी। र्स्युर्-पर्यः जेश्वःसःस्याः लेशःमुःनः हे त्रुःस्यःसरः हेन्।यते खेशःसःसरः हेने। हेते नेसायस लेस न न ने नर्ने नर्ने प्रते नेसा मायहेन पर नेत परे नेसायस स्।। <u>ଛି ୱ୍ଟ 'ବଷ୍ୟ'ସଦ୍ଧ'ର୍ଟ୍ୟ ଶ୍ରି'ଶ୍ୟ'ସ ୨ଷଷ' ଷ୍ଟାର୍ଶ୍ରିଟ'ସ'ର୍ଟ ସ'ଗ୍ରିଷ'ସ୍ତ'ସ'ଶି'ଛି '''''</u> केर वश्यक्त तथे द्राती क्या त असल श श्र रा निर्देश पर केर पर हैन हेना ସରି । ପ୍ରିଟ୍ ଔବ ପର୍ଷ ଅଟି । ବୃହଣ ଶ୍ର ଅଟି । ସ । ବୃଷ ସହିଁ ଦ । ୢୄୖ୷ୡ୕ଽ.ପଶ୍ୟକ୍ଷ.ମଣ୍ଡ.<u>୧</u>୯ ପି.^୧ଅ.ଗ.ବ.୬ଅଶ.ଖି.<u>ଗ୍</u>ଟ.ଘ ଔଷ.ସି.ପଣ୍ଡ.ଅହ୍ୟ.୬ୂ**८.**ଥି..... इदायालेशानु यमे दिवारे ।। दे स्यावाद दिवार प्रेमाया प्रहेर यमे भी ¡म्बद्धान्द्रम्वःद्वे रद्धः म्बद्धः द्वे द्वः द्वे พะ:पश्यापते र्व मी क्याप १ स्वर ही हीं : पर मी टिं में से ही या दे है र ... त्य दे रे र र में र र वे र प्रे र पर प्र पर प्र प्र ।। र र में खु व्य र से में हिंदा नु'न'बै'न्युँ न'पदे' केस'मदे' खुष' ठब'कुँ र । दे'नस'ब'न्युँ न'पदे' केस'म बहुर नहीं के ता लहार मेर नहीं ने का ना नहां है से खाल में ता के दे की में में में में मेर के किया में किया में चुर य हे स्टर् दर्दि यदे मेसाय अदा खुवा ही इस य उद प्रेंद है। मानद्रीत्र निर्मे रहास्यामर विद्यार विकान्य वार्ष्य द्राप्त स्वापालेखानु न'दर्श'म्बर'यदे क्रम'य क्रिंप'यर बेर्'द्री। विकाय बेर्स मु न'दर्स

के पहेंद्र भने क्या मार्चेद्र मर ने देंद्र मार के देंद्र के देंदे ने स्थान निर्दे निर्दे नर-मुर-र्ने 'बेश-मु-न'वे-र्ने मुं क्ष-स-पर्-पर्-पर्-ने । पर्-श-वे-नहा-नदे-क्स या महिन्द्रं। यसमायालेशानु वा के तहेन यदे क्साया महिन्द्रा माद मी.ब्रीर.पर्.क्रर.लेज.मी.क्ष.त.क्ष.लेज.मी.प्रेश.त.र्डू.प्रेश.तश.रंशूमीश.तर. प्रमुर्गनः लेबान देवे वेबान्य सुप्रमुन् वेबान विद्यापर मुर्गन्यस र्भुनास.पुट.पट्टून.तर.पर्मीर.ट्रा चाट.बु.था लीज.मु.पुरास.र्भुचास. तर पर्टर तत्। इ.स.पर मीर त. खूचा इ.व। तिषा मी क्या त व्या है। इमाना द्रका प्रवेद द्र विका नि.म.वे. लीमा मी प्रेमान द्री। देपे इमाना द्रवा म रम्माना य विश्व-व-त्र-श्रम्थ-पश्च त्र्य स्वर्य-मान्त्र-क्षेत्र क्षेत्र स्वर-पर-वेत-हाँ। दे द्वर-देने देश दश्य उदाय निमाय विष्य है निमाय विषय है निमाय है निमा र्दि से दें। देने दस्याय उर् या दस्याय विश्व नु न ये दस्य पर न विन मात्रे के देनका सु नुराम देव देव देव का मा कव नु मु सळव के दे र कव प्येव दे। इदि त्या प्यदे । यद्ये : इ**स प्यस** हे : इस प्यस्य विष्य । यदे : य वैर्देष देते क्ष य उव मी मु १९ प्येर परे मि र्रे के क्रें के हो रिव मी क्ष त.मैंर.त.चम्नैव.तर वे.व.इ.ज.ह.भेट.दे.वर्तर तु ह्ये थ में कूश पर हे.डू. वर्षः वर्षः नान्यः क्रेन्यः शु वर्गुरः हो। नाल्यः मुहे क्रें के करायलेय मुहे नान्यः क्रुंबंश ह्या वेश वे न दे नाय हे है अर दे नवर सद के रिट वर्श वे १६८ दे हैं मर्देर् मारे वे के रूप न लेब मी नात्र केना व केन के है। नेते द्वारा छद

मु.मै.व्य.भूट.लुर.तप्ट.बुर.ट्रा इप्ट.बुर.ट्र.कंर.लट.वर्मैर त.लुर. य. ७ अ.चे.च. ज. श्र्माम. तम. पर्टे. च. पर्मेर. तम. पर्ट्येचे. य. पोर्थ्र. ता. १४ मी. ११ र.म. ... वस्र वस्य मात्र कें व्यास मात् पर्रायम प्रमुक्त वर्ष पर्य में मार्थ में ये. य. ण. श्रुचीश. य. थे. ११ स. मी १. जश. य ने थ. य. शहरे. यश. य के थ. त. ले श. मु, ध्यात, रंट येज, व, पंट, लिज मु, प्राय, लु१, तर, पंचीर, व, पंटु पु, प्रुर, प्राय दनद लेना नु दन्युर नर स अर ही। दें गुर हीं भावत दर् थार व्येर मार्थे । ટ્રી. તુલ.વ.કુે.મ.કુે.મ.કુેલ વર.વૈર.ત.જોગ.ર્જા.થ.વ**ર્ષળ.વર.કૌદ.વ.વર.ટે...** भु,रचीर खुर छ्य.तर भुरपीर र खुरा चे तयु र थे. र थे. ही। हे. हेर बु, खु, था. ही भा हैं। अध्यासी श्रेट नपूर ज्ञान नाम नुष्य ज्यान नाम स्वीस नासी नाम ही नाम हो। क्रि.श. हे. बेश. व व. व व. व. व. व. व. व. व. व. हे. वर व. व. व्यवा वर्षे व वर्षे व वर्षे व वर्षे व य. बु. अम स. श्र. श्र. दु. पुंश. य. ज. दुर्घ. पुंश. य. बुश. मु. य. ज. य. व्या असस.स.स्ट्रिं. चत्रे.चेस.स.ज.देह. चेस स.ब्रेस.चर्ष.तर्.चर्रे.चर्त्र.च.ल्ये मी पर्..... नर्नेन्:च:म:भेक्:चन्दे:भ्रैन:न्री। वेश:चन्दे:वेश:ध:भ्रेक:भेक:भेक:बी। सप्र.क्षेत्र.वेश.वे.च.चेश.च.रट.त् पवैदः चप्र.क्षेत्र.क्ष्यं त्यास्वाधायायी . चुंश.त. मुंश.य. पहुँश.यश्च.पश्चात. पार्ता वि.श. मुंश.य हुँय. पर. भु.प वीर.

र्रे. ७४.वे.च.४.चभ्रम.च.५.तीम.म.क.४. हंश.शे.प वटाच.१४.५.भू. पेवी४.५.७४. नु नरे दें दें दें। यक्ष या पर खिया या दे तहें दे पर तहें दे पा साथि दें दे ना **बै 'दे' सं घमा पदे ' બેકા 'વदे 'खेय' છે द' ખે**ય 'વ**ે '**खे**द' र्'** ॥ रेदे. खेता हेर स. *ଭ*ୟ, ପଞ୍ଜ, ଞୂକ, ଞୂକ, ଔଷ, ପି. ପଞ୍ଜ, ଘିୟ, ଘଟ, ଅନ୍ତମ ପଞ୍ଜ, ଅନ୍ତମ म.ट्रे.ये. पेश.त.क्रे.स.क्रे.सप्र.लिय.स.लय.तप्र.क्रेर.स्. ७४.वे.त.लुय.स्।। दे.चश.ष.से.ऱ्ज.मे.लेज.मे. ह्यंश.ग्री.जेश.चर्.जेश.न.ज.चश्रेज.चर्.लेज..... वक्षायाम्ब्रिंगायाः हेर्व यरा दीरायाः क्षेत्र हो। दे मधायाः ख्यायाः क्षेत्र स्थायाः क्षे मि के व प्रमुख्य पर परेंद्र पर मुद्रा। नारायानुस्रानाहायारा हेन यपु. खेश.त.रेबो.च. क्र.भ.वश्रेष गपु. ली.स. हाट. व. लुबे. ब्रु खेश वे. वर रेबोट्स.... श्री तिष्यमी, तेश्वारा प्रश्निय विदाय प्रतिष्य मी स्थाय प्रमुख्य के दे मी शायिश र्वे । भूक्ष्मायाने देक स्वापालेक नुप्त के दे साम्यापाले दानासमा पर ने दे दे ।। वयाय क्रिया या प्रदेश हैं. जेश पी प दे परी केर जीया के माजेश पी पारा पर देश. दश्यम् निर्मात्र सेर्य पालय हो। विश्वापा अश्व शा श्री श्री राय रे प्रेश प्रया प्रेश प्रया लेख'नु'न के नुस्र मदे इस म'३मस'सु'सेंट नदे 'वेस'म'नाट स्रेक'म'र दे दसेन्स" ° यर देने रस बेंस द्वार न देन के ना ने विमाय क्षेत्र साम है स्वार के साम क्षेत्र साम के साम के साम के साम के स चह्र्ये प्रते वेस प्रदेश स्थापित देश प्रति विश्व विष्य विश्व विश्य स्चारा ता पर्दे हैं। विभा तपु क्षा ता कर ची प्रेश ता कर है विशाह विशाह विशाह स्य प्रमुद्धः विशास्य विशास्य विशास्य विशास्य विश्वास्य विश्वासः विश्वासः

बुट: र्जुंश या भ्येत हें बुश हें बुश यर प्रमुद्ध हो। दे प्रश्न ते साम प्रमुख या दि स माह्यान:न्दाः दहिँदः यदे द्वारा मादाः भेदः यः ने 'न्नाः वेद्याया माह्या यदे 'नाह्या यदे ' **देश.त.लुंब.तर.**७<u>ट्</u>टे.त.टुं.केर.ब.टे.त् पु.जुंब.त.जब.जुंब.त.चोडुंब.त.देश. त.चेड्च.चोश.झेच.च.लाव ब्रॉ ट्रे.चेश.तप्र.चेश.चश.वेश.च.३भश.शि.शूर. च.ट्रेट्र.चे**स.त.च**ट.लुब.च.ट्रेट्र.चेश.च.ह्रे.चश्चिश.तश.श्र्म विश्व.चट्र.चेश. चद्रै. वेस य . भेर र्रे चि.च वे चेस . चंद्रै . वेस . त . चोट . लेस . त . देरे . वेस सर . चीर . व . रे.चश.च.चे.चथ.तप्र.च्य त.र्टा.चेश.तप्र.च्यात.चेश.तप्र.च्या त. व्यव व विभायते. जेशाया जेशायते. इसाया है। वाशुकार्य दे द्वा दे जेशा य महिला सदे महिट यर दिल्य रेति है है है है है सुस यदे दस य प्टर वहस यर विश परि वेश परे वेश पर्हेन्। श यर प्रचुर हे **लेश व पर्हेश हो। हे** यारे रेस ह्माप केर त्ये रायर रेमायर मुर्दे । वेस मु मदे प्र केम माँ रे ସଦ୍ଧ ପ୍ରିଟ୍ ଧନ୍ତି , इस 'ସ' देश' दे 'दा 'ख़र्य' य' भीव हैं' । लेख' ପ୍ର' ସ' ଦେବି 'दे 'देश' **ଧ' भीव 'हें** । दे.के.भ.लुबे.बे.टे.के.वेइ.ट्. व्.स लुबे.मंट्र.चेश.व.भुं.चर पंचीरा ପଞ୍ଜିଲା. ବ. ଲାଖୁଟ. ମ. ବଧ. ଯି. ୧୯. ଖ. ଅନ୍ତୁ ୯. ପଟ୍ଟ ନ୍ଦି × ଯିବ. ମ. ଘିସ. ପ. ମୃଶ୍ ଥି। य'यर हैर ज़िस्र सर् सहर यस मार्य केंग्र जे हियाय यस्य हैं लेखा मुखा हिंदा नेस य नाकेस य दे के खावा नेस य वहें विष प्राय केरें। 4×1.22c.c.| र्विं मी दे वसंवेशना व वहार व के प्राप्त में मार्थ है। हे स्राप्त खेशना से ल्र्न प्रते पहिराम द्राप्त हेर्न प्रते द्रमाया माक्रेस द्रमा ग्रीहर वेस प्रति देस

यते ना हर नते हुम पर विशुर है। दे ता रे द्वा ना हर ता है दे द्वा ना हर ता है दे दे हैं र र्रे भेटे.स्. येश.ट्र्य.च.बुश.चे.च.यु.रेशचीश.चर.चौर.च.लीज.जुश.तट्र.स्. वसात्र्रमान्त्र्। लिलाने सिटानाने स्टान्दा सक्तान्त्र सक्तान्त्र त्वा विसान य वे नावदान प्राप्त देव पर देव पर प्राप्त अवदे के दे ना ना अया दे के दे दे हैंद म'हार'न हैर'नुत्रा। र्ष'मु र्रे वेंश'लेश'मु न'यदे ये प्रेय प'र्षेत्र'क्रा। मिश्रमः तथा स् ब्रियाचि चार्यः जेसाचार्यः जेसाचार विस्ताच्याः विस्ताच्याः च्याच्याः विस्ताच्याः च्याच्याः तपु.ध्रा हे क्रि.व.लीज.मी.क्ष व.वव.मी.चेश.चर.क्रैट.च.पट्ट.चेश.च.चशिष. तर लिया पुरा त दहूर तह , तह का कर ही , वेश स विदायर वि । वा लूर्श शि. चार्टर.तर.एचीर.र्. इ. ल.लीज ची देश.त.वरे.ची.पुरु तर.हांट.व.बुंश.चे.च. वर्षान्तित्वत्रित्तत्रे क्षाय दृद्दह्यासु त्रत्रेकारा स्ट्रास्य सु मार्डे द्रायर त्रमूर र्रो । चेश.च. बुंश.चे.च.पर्दश.वु.र हैंद च.३८. लुंब. ख्रां चेल.टु.लें स.ची. क्या.चर. क्य. खुम. चे. च. ज. स्ची थ. तम चाल रे. मी. चशम. च. ट्र्नी श. च. पर्मे . च्री . मी. मी. चु:र्रेब:रेब:क्व:च:र्:ख़्व:चर:ब्रे:चर:चेर:च:फ़्व:बॅ:बे:बं:बेस:मु:च:बै:र्रेब::: क्र-मूर-पर्व इस यादेश इस यादि स्वाय दि स्वाय देश वर मुद्दा स्वाय होता स्वाय विस म देश म मेर माले ला देश मर्ट खेर पर पहेर वर हो र हे से हैं। A. માંત્રાજીવાલું જેવાનાયું જેવાનાયું માંત્રાસ્ત્રાનાયું માંત્રાસ્ત્રાનાયું મુંયાનાયું મુંયાનાયું મુંયાનાયું दे हैं दे दक्द यर नेदर्शी स्राथ है पर हिंद प्राथ रेना य सेद पर हिंस नु न ने स्थाय ता है नर हिं न क्षा यर केश य ता या रह मी द्रमा यर दिन्। या दे मा रेना मं भेर पर है। इस धार हिन पर छेर पासेर पर पेस पस

लेस.चे.चदे.श.कूच म् ।टे.केर.थ.चेस.च.क्य.च.मुट.त.केर.लुक्य.वी **ले**ज. लट.क्स.त.पहूर्च.तर.चुर.तर स.ठवीर.ह्रा। इ.के.ल्ये.व.लट.लेक.रट. र्बरामा वार्षित्र वार्मा केरा वार्षा विश्वान वार्षा विश्वान वार्षा विश्वान वार्षा विश्वान वार्षा विश्वान वार्षा श्रुर्यात्र हिश तपे क्ष पर पेश पाय मुर्वे हे व्यापाय प्रदेश रे के अससा हा शुर्यते देश तर जेश नद मैंदे ह मूर मीर त. ११ मूर मी र्रे मी र्रे मी र्रे तर लेब म उब मी जेश म म लेश म न हो हैं मी इस म से र म म से विवैद्य वर्षः से शार्थः लेबः इतः ह्ये वर्षावानः सेवानः बाद्यानः वादे सादे सादे हा ड्रम.चेत्रा यर क्रुचे. देश यर ख़िर रू ॥ रह. हा. केशश. शे. शहर पह . चुंश य . चुंश में था. स्चिश तर् छिता तर् ।। सिता निर्मा शु. श्रुट वर क्या प द्वा निर्मा सेन्'न्देंस'भेद'द'लेस'मु'न देपाह्यर'न'न्देंद'न'न्ना'देस'मु'नदे देद'ने ॥ म्माने ने अस्य शुं हिंद वदे दिं वे अदिवन विना नु न्यूर व वे स वु वदे शः क्रेंन । प्रहेर मर चेर म लेश च म रे क्ष्मश खु र्स म र मेर में प्रहेर पर चेर नर् ।। अभश श. हा. चर् परेचा केर की. हा. च. चारेचा ने वाप मार पर विकास मार पर विकास मार रदः श्रूदः व केर् पुराविषु रार्टे विषान् प्रति विष्यान् विषयान् विषयान् विषयान् विषयान् विषयान् विषयान् विषयान्त्रित्ते विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विष तुंशामा इसामा सेरामा प्रेरान प्रेरान देवा मुद्रामा प्रेरान स्याप स्टर्स स्ट्रीया र्<u>व</u>्य.त.भ.लूब.ब्र्.ड्रस.र्स्यट्य.स् । तीम.र्यट.ह्म.भडीब. १५५ प्रेश.पप्र. श्रद्भार्यामा त्येष वे विषा न न वे त्याया न हिमा श्रु समृष्या मे के स्वार्थ हिंदा न ने प्राप्त के स्वर्ध हिंदा न ने प्राप्त के स्वार्थ हिंदा न ने प्राप्त के स्वर्ध हिंदा न न ने प्राप्त के स्वार्थ हिंदा न ने प्राप्त क ददे भेसायात्मार्थेन् यदे मात्तुदानान्दान्यहेन्यामादाक्षेत्रायाने हेन्द्रमा है हे त्यामात्तुदा

यत्र द्रमाय केर र् द्राह्म प्रायम अव वे विका मु मदे वा के वा वा विका पर प्रमेर य.भ.लु ७ छ .च.न.परेपु देश. तर प्रमेल. च.च । लील में देश न. १० व में जेश माय इत्यार्व वाद्राप्य प्रहेंद्रायामा ध्रेद हे लेखानु न पद वि । दे . भारे . श्रेर . हरा . विश्व . विश् न्द्रभर र्भा पर्भे देशमहैं सम्मान प्रत्य लेग वहें ने पर्भे व मारहें न क्रेन ब्राट नते हें नहमा य उद क्रेन प्रेन यहे खेर हैं । लेख न क्रेंब की। र्देश मु देश व १ ८ हैं द प देश हैं न दे रहें मु देश प र र र देश हैं। हि निकृषाया के देव में क्रिका साम्प्रेंद्र सामु निक्दा या प्रदान के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स केनामी । । । प्राप्त कर्नि मुं क्या प्राप्त कर प्राप्त अभवा शि. श्रीट्र. प्रति श. म. त्रवे र त्री । दे . हे दे व प्री म. हुटा सव पर हे . महिटा नते क्मा भ केता है। विशेष केटा अदार ना पर हिंदा पर हिंदा पर हिंदा पर हिंदा र्रा विस्तर भार भार प्राप्त स्थान स् यद्र अस्त्र श्र. श्र. चर्ट. चेश्व.त. चेश्व.त. चेश्व.त.त. चिश्व. चर्ट. र्थ्य. त. हेर. र् बैदानर पर्वीर रू ॥ विद्यालय प्रीत पर्वेदान कर विदान कर वि रूट है स प्येद हैं विश्व मु म दे नेश पदे नेश म दहेंद मदे दूर हैं य उद नेश ... य नश्चिम् य त्र लेश नु नदे ह हैं न में । रह दह द दे वे व क्याने निर्मित्र मर नेत गुरालेश निर्म ने ने ने मुरामित मुराम मिराम र्टिनेस्य देवे इस मा अट लेश मु न दे खेल मु इस मा रट ने से पद इस मा र्ना

रेश मु प्रदेश हैंन। मी । श्चिर्यः प्राप्तः लेश प्राप्तः या स्वासायः या नाहिना नुःहसः यर दश्चिमा सदे छुर लेखा छ यर । यात्र केया अ वर दे हैं दे हे वर यह केरामा खेवातारेट वेचाजानारेटामाहरा चाहेराता स्वीकाचर मा प्रीतिकर नाह केरा म्हिः वृद्धनि मुक्षः स्ट्राम् स्ट्रा महर्भागमान्य नु नेर्यानावर नुष्ठिय या वहत पर्यात । ने ने हिन तःल्ह्यद्भावस्यः देशःयःश्वेषःवेषःयः अस्य ।। 至 3. 新二中。 कर के सु अर पर के र लेग न व के हैं र स्या ह्या सार हूं पर सा सुवास " खेलें न वर निर्देश मी। अहत यह निर्देश पति हर् दूर पार पर में में मा र्वाम्याय दे द्वार यह विश्व या नाह अव या देवे हो वा ना अव या देवे वन केना वा लूट्स.सी.शुरात.हो। उच्या व श्रीर त.ज.वेश.च.लूर.चल्। वधारा. ब्द ल दें न नद्र प्रश्ने च वर्ते। ल्ला श्रेष च दे हिर श्रेट से हो। में सं र्व प्येद ता नेद रा नाट ता प्येद दे ता हे स्मद हे सं निर्देश निर्देश य नेर यदे झुर्ट यस दहूर य ने र्रा हे सना सेर यर लेस न के सेन कः सून्। माराअभाव १५७ महे की वीटा लटा उटा के लूरे हैं।। ने सामा द्भ मुन य देश न व दे हैं र्य मी मु नहुन यर न व या मार्ड हैंन्स या है हैंस चन्दे अ.मुन.स.ली र के II नाय हे प्यट.माट मी के खे रहे की हैं म. बुम. च. च. म. मंबर ने ची प्रमानदे हें ने म. न प्रमान के में इस यर विश्व य दश्चेन्य य सेन्यर ह्य प्रति स विद्रान्य सु विद्रान्य प्राप्त व्यन्त्रामाध्ये व मी व्यव गाटामा त्यव द्वार्या मुरासूरा प्रते में ते म्वाराय देन वामकासार्वन दर हा ना द्वा पर प्रविता पर प्रवित्त विशे हिंदी विहर पर द्वा

य'WE दे मिं ब है दे प्रदेश मा अव व ॥ दे है दे वे क्वें स प्रवेश सह मीर क्रिट न प्रवित्र न केर लेक नक कर मेर मं केर लेक से हैं र लेक हैं कर है। हैं दे मार्चेद द्रासु मुर द्वार नार भेद य दे तित्व य ते केद य केद य केद य केद य केद ता स्राम्याया सामा मी से बालेश द्वान है होत वार्त है इसावर नल्नान हे सु द्वरी अर्थरे हेरे दर हो। हे हेर हेर हेर ने मान हेरे हे हेर हर रे हे ্রব্রুহ:(बे.बे। अ:प्र्यं,रंट:য়.चेंर.केंट.च.रचो.ज.बे.बेश.चे.च.ज.क्यंबश.स. ने सेन भने हिन हो। रुप हें नास मने नुस के से सेन स स से माने माने स है नर इंट नदे हैं रे न प्रकार न है है र है नर वर्ग र न रे दे न का स्रवंश ्र हु। र्र्य ही से व्येर पास स्पर्धा 💎 देशमधासे व्येर हुर र्रेस क्र सेर इंदावर् क्र अदार्घदावामाणिक है। दे के क्षेत्राववुदावरे द्वार ख्या ख्वा केर भार नहें हुर मा रहें मार नहें र सम्बंध न के हु में मार केर केर हैं मार केर मार है र मार ह ्री:र्देश में सेर्'न अटार्ट्स में इस् निर्म के रहें प्राप्त के निर्म के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स मानदेवः शःश्रा दे.हेर.वु.कु.वश.स.नवर.त.नवर् तर् स् वस.नवर्यात्र. स्त्रा देव द्व्यूर खें सं वे व का स्त्रा सं स्त्रा चना नुः ब्रूरः नदे स्त्रां ता दे सामन नु उ चुरा है राहे नदे हो साम हा पार्टिका र्ट. ब्रि. मीर. बैट. च. रेट. पंत्रेस. च. ११. मी. मी. रेट. पंत्रस. वें प्रस. व्यास विकास र नेत्रविक्षाम् द्रिम् स्राप्ति स्राप्ति नेत्रित्र मान्य विक्षाम् विक्षाम् विक्षाम् विक्षाम् विक्षाम् विक्षाम् विक्षाम

रमा गुर दर्श में 'भेर फीन पर होर कु दर दर्श सुरे दर्श सेर दमाय न सेर श्रम र नर्यादस स्री इ.सेर.स.त्र प्रमास में मी. खेश.मी.न.है.च रहूस त्र.म. र्स संर देश परे हिर लेस च न दे देहे हेस दर्जा न दर स्वाध देश परे हेस सु वेद्रायव से राह्य दे से दे ते विकास मान त्या के निकास के मार्थक है। सार्चक नुः मुं मुक्ताम र्योद् के लेखान मार्वक हैं। वर्त्यात्र न्यात्र वर्षक्षा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स ्रिम्स्य व लेख स्यात वे वस्य स्व के रे प्रमान स्व ना प्राय वित्र । वनाय से दे प े केर प्रेक कें लेख नु क के नरे का नाकेंद्र य कहा मी केह साह्य वा नाम प्रेक्ट का नाम के किया नाम के किया नाम क " लिक हिम दिन ग्रम सूच पर होत य के लिंद रे सि के अर्दे के हैं के कर चर सूच पर विराद् । द्र्भामा वाराय हे हे राह्रा लेखा वारा है। सहका खे नहा हे खे नहा है खे नहा है मेश के रूप मी रूप मी उत्तर होरार्स के भी के प्राप्त ्चल्याय माहेना वर्र दश लेश मु च अर्थनाय पाय है सूर मु र् य मु र् व र र सु नरे क्मापर वेश यत क्मापर वलना य वर क्थानलक नी है रूप नी र्दे क्मा चर र ल ग य व पे दे दे दे से ' ही र दे से ' मुत र पर के दे ' हे दे ' में ' हु दे के दे पे दे के देख्र सेश व राज्य में प्राप्त में पर है। पर समायर प्रविताय नाउन पर में के द्रा के र्वे दे दे दे के तर वर्षे ने क्र क्ष की पर के के के के पर पर वर्षे ने के लामहेदायालसाम्बुद्धावालम् द्वासामान विद्यापालसानु द्वासामान विद्यापालसामहेदा ्यायसाम्बुदाना कर् खुलान्दानुसादेशाना सेन् पदी सकर हैन कर की हेसाना पर् भाष्ट्रमाथ माध्येत्रहे। र्श्विर स्यान के रमानु हेन्यान्त्रिया नहेन्

याक्रीराणिक्षेराद्र वेदेश्या अराष्ट्रराव वर्ष वेदावरी खेरीदी। विद्याराष्ट्रा व उर्व के विश्व प्रश्न र विद्व वर र विद्व है। र दर दर हन से प्रदेश सामि हैं पर्वे खेर हो। अंशर्यास के स्वाद्य स्थाप हेना पर्वे सेर सूट प हर् मी वेस प्रविद्यातर प्रमुद्य पर दे ने प्रविद्य प्रमुद्ध में प्रमुद् यं भेर हैं है जर इस्टाय कर हो में से या है दिया येर प्रश्रेष हु के दासे हैं के दासे हैं के प्रश्रे मार्थ है र र्। । बुका में , भूर हे भूर किए च कर में लेश च में हेर है ने बबर है । मश सदय " यते हिर र्स्। दे वे रे नास य संभी व व वेस पहल पर पु पति है से वे दास न में भेर लेट देश न पर भर क्रिंश हों। देहें के देश में न के देनां रहा न पर न.रे.च.रू.चा भ राष्ट्र, रेश.१७ । चार.एडा.रे.चर.डीर च १४,चीर जुंशासायवंश. वर दूनियायर त्युर देश व व व ग्या हे देना स सु मुद्दे प दिना प के दे त्या । र्घर सुर खेट. युप्, खुकारा थटा श श्रुट चेर विचीहा या दें प्रे के खेला पर्वेट युद्ध हिला। क्रमा वर्रा में प्रदेश में देश में देश में देश से देश में प्राप्त में प्रदेश में स्था कर्मा स के कर में है पर में ये में ये में ये में कर में वरमा है इस मु मुह यह महि महि लेड मार्था न दे बुर्ब या भेदा भारत दे या है। ही वार्की मार्ट मार्थि या दे या देश वर्षा वर्षा वर्षेत्र वर्ष्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र व वर्षेत्र व वर्षेत्र व वर्षेत्र वे विश] माध्यम् विद्यास्त्री विकालिक लिक्निया विकास केरी ब्राह्म निर्मे में भर्य पश्चित वश्चित्य निर्मे वार निर्मे भर्य दे हैं दि वर ब्रेट् ... यर मु प्यत्र क्। सेर इ- यर है दे इस यर वेशय मुर गुर य स केर गहे. ल लन्दे वर हैं वर नेशत्र में हैर देशनाम वर शत्री देश सद य स्वास म से र बूद विदे हिंदि विदे पर दि पर क्र विदे हिंदि देव "

यर दश्रेम परे केर रें। न्य हे लें ब सेर श्रूट परे हों हैं दे पर श्रूट परे ही लब्दान के हिं है। अर इंदान हो नार वुषाय हिंदे हिर पर नाव र लेर पास क्षेत्रके लेखा माक्षेत्रके का सामित्रका मुक्ता मान्यका हर दुर कर सेर बेट वंद खें. सेर वर लट प्रवेट नर है र ही। हे नश्र मार मी के अदासेर बूदाव देस वन नु'त् वर बूदावरे क्वि है । व व्यव व दे के लिए बेर क्रद नदे हैं क्रेर वर क्रिय गुन नवि है वर वेशन वेश ह नदे हैं रूपने क् लुक्बा द्रांचस्य में बाबर वीर तंत्रे से वस भर हिर व से राम वस मह विष् र् नर जुंशन प्रशाद वर हैं दुव हैं उने नर में र में हैं तर ज़ेश म में र में म स्र रङ्कर म होर पर हिर परि वुकाय हेक हा र्येन पर हिर है। रे देर के प्र हि वु विकास के केर रहा वा तर प्रमुद्द हो। अर क्षेट विदे हिंदा र दिन के वर विदे वि क्स. चर. जुंब. त. के. स प्र. केंट. वर्ष. भें दे. वर. वेंद्र. वर्ष वंत. त. देवूचा वर. वेंद्र. मद्रे द्र नीस वर्ष वर वर्ष पर पर्य से हार पर हैं हैस सुर्पे पर वर्ष रहे नुपर हित पर हैं दे किर किर किर किर कि के कि पर किर ते मा है म हैं सर गुर यस मेर द्वार वरे द्वा के मु के दे दे दे दे हैं है से सु देवें पार है हैं र र्रे वेश मु: न वर्षे भेरे हैं। दे हैं र वेह र वरे हैं र वर्षे मुख्ये वर सर्य रहा । क्वें केर ग्रे मिं वर नेर पस लेस मु व क्वेंस है। दु वर क्रूट यदे हैं ते क्रु होर क्रूट यदे यन कन्य न्याय पर सर य उर्दे र दे हैं स शु'द्रिय प'सूर् केन स'नावर रू परिस'शु नुर पर सेर इट पर हैं शेन प" र्ट वेहरे.व.ज स्वांश वर बेट वर वेश व शेर तर वेर तर वेर वर वेश व शेर वर विश्व देश हमा शु दर्वन पर छैराई। दे कि गु भुर विमेय प छेद पर

ृत्युर गुःलेश नु न्या पु र र्ह्म र सा दे र नु र र र र र र नु र प र दे र नु र प र र र र र र र र र र र र र र र र त.रेट.उष्ट्ररे.त.त्र. सूचीश.घर.बैट.चयु.चै.भुर.बैट.चयु.धुर.उचीर.टू. खेश.चे.. वद्रानुःकुःतुद्रःवस्रम्भःधःरुक्षःवहन्।धर्रःकुरःर्दे। कुःर्द्वःकुःर्द्वःनुःक्षुःवःषः भटारे सर्हत्मारास भेराते। वर्षात्रूर हे लेना से नाटामेश पु ना ही द प्रचार कर मुर प्रचे 'रु'वस र्वेन'यर केर याना प्रकार दे 'यर साम केर केर केर यदी खेर खेना यद्दा व केंद्र या या संना सामते वुषा या केंद्र दुषो व मुद्रा व वुद्र यर त्यापार वातार के तारे बादे वाते होता को देश का की देश है हिर का दे दे हैं पर्यक्ष.वेर.वीर.वपु.रे.व.जका.केर.पर्ट्र.तपु.श.ट्र्य.वेर.व.ट्र्य.रे.वेर.व.ट्र्य. हे मीनास निर्मा मेर्न द से में मुद्दार वृद्ध या प्येत या है यह वा है नहा होना य दह" पक्रेंद्रायर वृक्षायते से त्युदायर विश्वर हैं वेशहे खर हैं या द्वार स्वाय विश्वर वर प्रमुर वस द वर्षित सर्वा मार्थ मार्थ के वे लेखा वहूर वर मुवी मे मे मे म स्पर्व व लेखान्न न के खे र्या मी मेरे मां नर ने द पाम के के है। दे के कम पर खेंश.त.ज.घ.टट.वर.भावीव.तपु.सिर.सू । अर.सिट.व.वर.मी.ट.केर.सु. **७४**.चे.च.कु.चंश्वजाचर.बॅट.च.करे.होचे.च.रट.४कूरे.तर.वेश.तर् सूँ रे.डेर.ची. में। रु.पर मूट व दर दुरा महित्या व हत है है है है के मेद बदे हैं रही। दुर्भिट्रे अट्रे.ने पर्तर तर इस वश्रास्त में के वर लेग वर सिंग कर से संस् मैंर.इ.इ.स. तपु. मृं किर.चर वेश.च.३र.मे.चर छेर.च.३र.लब.ब्. लुम.च.

म्हामा भीवार्षे विकानु नदे देवार्गे महामे सुरारु नर द्वारा नदे हिंद्रा स्व डिना र्क्षेनास माने ना तारम यास यास ने दे हैं है र रहा में मु है र गु से र खूटा या हर् मुै विश्वाया भ्रे**र त**र उटाव हेर् गुै केश हेश शु रवेंवा पर मुेर प हे तश्वा त्रका व के दिया के हिंथा शिर्यं प्राप्त में स्था प्राप्त के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स् द्यम् च के स प्ये के लेख नह के पति हुर र्रो चम कन सम मासय नर सद तपु.श्रुट.त् २२.७४.ते.च.ज.स्येश.च.श्रुंश.ने। श्रुट.श्रूट.चतु.स् पु.मै.सर्च. हे क हैर हे स शुर्विन पार्य र दे देश मा वर्ष मा दिर दा कें त्रासंद्वतात्रारमा त्रास्य वात्राम्य त्रास्य वार्ष्य द्राप्त विकार्य म्यास्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार ક્સ <u>ફ</u>્યાશિ. દેવના ૧. કે. હું શ. વે. વ. ડું ટા. તરે . તરે ર. જાદાદ્ હું શ ચે. વડુचर्डिश तर ट्र्य लाय र्या शामाश देशका वृष्ट ने .च देश य लाट ने चर . मिलिट में हुश हैं प्रचंद में क्षेर क्षेर पर में पर हैं पर हैं पर हैं हैं। अर न्नाति हेर्ना ता क्रिं पा मेर्ना पर विश्वाति व ने अटार्मा पर यहर यह अटा इन यर हैं र य है। अर्थ में निमास उद है देन यह की देन देन पर देन .स.६भारे में के हैं है जाराकूर न भूर तर ह भश्न.हे.में नश हो रूज हो रूज हो रूज जा महेक्क्यानहर्तिताली अल्ला हेक्क्यान पर क्यान प्रमान विम्न ह्नार्थे कितावा विराधक विशासित के में रेने रेगे कर्ण स्थान स्थान के किया कैरावा के त्र ही मि द्र्य रणर त्रायक के ल्या क स्रेत पर हिए पर द्री र के रचन माना में माना हें सहित्र प्रति है र मिन माना पार्य पार्य परिव परिव स

ता.स्कृत्य हेश विदेशन विद्वा मक्ट्रिया मक्ट्रिया पार्ट्र वा ता हेरे वा ता हेरे वा ता हिर वा विद्वार वा विद्वार स्थारीम द्वांचिष्यं विद्यातालयं के लेश वि. व. व. कि. वर का लेश व्या यर निव्ना क केर मिल बिर्मा पर वि न केर यर ने अर खेन कर के पर के केर तहः क्षा चर लेब्राचाने दर दाया न दे हार नदे क्षा चर वेषा चामा न वेषा न दे तक र प्रतास दें र नते हैं ने दे तह दे पते हैं या ना है का ना हर है र ना ना न 'भेक्ना । ने के कार्याद लेगानी के लेखान पत्रित के निवस ता कर प्रसारी देश नालक सके मु म्प्रें क अहम में द्वियुर च लेख छ च के नहीं पर पर्दे पते मु मेंद क्षेत्रानु वर वह वर वुल् वर वेल् वर्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र था हेर पर वर्षा य मुध्यम् तम हुँ र पर जिलाम हिनाम प्रत् ति न र हुनाम पर देन व उस मालाश्चाकामालाकोरायराक्षेरायराचेराह्य। रे.महेरानुम्य मालाश्चाका मधु-पुर म वायानायाने। ् ने वायान्त्रामा हो नाम बुरायम विद्यास ये अ. य प्र श्र्यास. मार्ट में सत्त दे लिंद विभाग सार्ह्र स्पर्ट स सुनास खेसामानावरामा वृद्या है दानाव हे दे द्वा द्वा वाक्स कर दे विद्या पा शुर्भायते बुद्धायक सुंदार हिन्दु विचुराय देवे हैं। कु मुनावर कुरा बुद्धा व ला बुका राष्ट्रे विकास होने पर को बेन हिर है निर स्व कि स होन स होने पर स चेत्रधादेशे सुरावुस्रायायार्स्स्वाद्यायाद्राह्यक्रेचायाद्रीद्या केत्रिणे वुद्यायाकेत्रा लेब व लेब हेवा अध्य त्यु रही। नहेंब पर नु य दि राम दि । व द्वा ने सं दे र स मु कु उद र दे द मर हे स मु न दे वाट से द द न वद द न हे न "

बःल्रॅन् बं लटाव राषा च के हो वा के नाट मी के नार्केश नट चे वा नाव के हे नट वर्षा हे .लश्र.चिवर.त.कें.३.वर.पचीर.व.हे.देट.कंब.व.क्स.मी.कें.क्य. ग्री प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र र्रे भिन्न ता स्वास ता सेन के लेश दी ता है ही रूप ही रूप है रूप है है हा ता मानासा यतु. भि.च.ज. सूर्याका वर् । इ. किं र जर् कु व चंका वे क्रिंग तर हो है र अर्थर यर विश्वास करे हेर करे स विश्व में या व चे या ता श्वांशान पर्देश स्त्रा। पर्वश ये ह्राचा त लेश ये. य. मु. मि. य. मूर य. मूर य. मूर या मुं मार में मारा माल र यह ... कुर्ना भर्द द अदाय सेर पर दे हैं र दे लेश मु नि दे दे हैं। वल अनु नाल कर नाल कर मार्थ वा अन्ति मार्थ मार्थ मार्थ माल कर मार्थ मार्य नाभः ने 'सर् से 'स्प्रें व'स्पर् सेवा से नास्रयामा स्वासाया द्वारा प्राप्त सेवा नु इद म.दर्मी जेशना ही नर से विच्ना न हेते हैं सर्वेद नश दुश म हैन छे त सर प्रचुर रे। अर से रहे से की की रे मुर में वसुर दें लेश मुनर सुर हो। हैं र व दि केर व कर्र व वर्ष व लेश मु:पान क्रिं प्राप्त हुन हैन सर्वे न क्रिं न हैं। हिस शिवर्त्ता वार्टेट क्रिना वार्टे हिस शिचेरामामा भिराजी। क्रिन हे प्रापेत ले ना नाहे मान्यानो अटार्टा। नाहेना हेर गु लेश पु न रहे हिर गु खे स व रह थ श्रे.च.लुब.च.बुब.च.च.चेर्च.च.लुब.च्री वार्ट्च.च.भ चेर्य.च.भ चेर्य.च.भ चेर्य.च.भ चेर्य.च.भ म् जास्चीश व रहाक्र वा लट लेक् वास व क्रिय व के लक्ष वहित वहीं लट मार्ट्र मामा विकास में दरायकार हिंद मा है देश है का विकास मार न्ना थारे प्यूर पा लेश न व व रायते र्दे रहा निर्दे । हे पार्ट पेर दृ हे पर मादकायान्ना त्यालेकानु वादे प्रमा हो पर मादकायका हो वाद्या भी के हु हे वर गारा न स्थाय द्वा था है। है प्याद्वा के याद्वा के स्थाप के प्याद्वा विश्व न न न दे दे दे हैं। दे के हे नर मर्के र न द म प्येव हैं। दे खर व नवस दे खेर ब मर्टे सहर पश है व दर मेट नदे हिर नर की शाय हिर नर है """ वर्षे खेराहर दर्दे वह रावर वर्षेत्र वा भी रहें। न्याया वर्ष में वासवाय केश मिर नु माध्यां व लेश नु त्वर वस वस वस विसे । वर् व में में हार्य ने वेश तथा था ने शाय दें । के शाय हिंदी में वार्थ प्रशासिश केश में नामक पर्टा। केस क्षेत्र हु र दर्बर मानस प्रम केस किर हु में नामक प विकानु वर हुर दर नुर्ये। ने विकानु का के वा रामा स्वाधिका गर्याया पीका नु के प क निवस पर्या प्रेक नु निवस माने विकास माने विकास माने माने हैं। क्षेत्र हेन्त्रा में वद वस गुराम हेर् यदे छेर गुरे भुर वस्व पर उद् लेख न वदे र्दि हो। क्रिम्य व ले म न व र देते हमा यम त्रे ने व व हे ह्राम व ले म न व र्देश विश्व प्राच दर्भ के दे प्राच दे मार्थ प्राच के बिका मु प्राच के नाय है । क्रां प्राच के प्राच के नाय है । क्रां प्राच के प् म्हिम् भेर दे दे हे अस्य न दे मे म्हिल न दे न्या के न महिम् के न महिम् म्हे रु मा हिर प्रेन संदे स्वान प्रान्य स्वान प्रान्त र केर के ने स्वान मेर पर है र नाट व्यस श्रम देट वें ब नाइस चि दे न वें दे नासवा व नट से नासवा व दि सी

ME. U. W. L. Y. M. के न व श्रवाम के द स्मेद पालेश मुन्म द्रमाञ्चर प्रते द्रिके प्रते द्रमान क्ष्मान क्षमान क्षमान केर केर दे दि भारत्ये विषय पार्श्वाकारा त्राम के च वे त्राप्त के कि वे विषय के हिर त्राचित के विषय ন্ম বেশ্বমা लेस.चे.च.धु.केट.च.सच.त.चुंच.तर.चुंद.चलु.चिंक्लुध.तस.च.चुंच.चर.चचीर.ट्रा मालक त्या कर ले था न परे हैं। इस मान परे में प्राप्त के खिरान के लेखा नाम की। श्चीतास्य होत्रायान्यायसार् माल्य हेत् स्पेत्रायते हीता होता स्वाया सेत्रहेसा ୠ'୶ଌୖ*୕*ୡଊ'ଌ୕ଽୣ୕ଌୠ'ଧ'ୠ୕ୣ୵୰ୖୢୠୣ୕୵୴ୡ୕ଽୡ୕ୖ୕୕୕ଢ଼୕୶୕ୠ୳ୠ୕୵ୠ୕ଽ୕ୡ୕ୢ୷ୗ यालेश वि.प.रु हे.च रट.र्ट.च.ल.स्वांश.पहे.के.च.च् च वि.विर.वर की.व ररे.न... डे.के. 4. क्रारेट क्रमामाली रहा हुं रार हिर तथा क्रा है. इस्र स् व.ज.स्चेन.क.क.च.स्र.जूर यर् व.शुर,वर.वुर.वर् हु.वर् वर् वर् वर् वर् वातानाट. लेव वर्षेत्र व के के बार् क्र पर हेर दें।। यद के वह व केर वह के वह बार्ष्ट्र. या होट्र या नाट क्षेत्र वार्ट्र के साम जान क्षेत्र या है कि व स्था प्रमा क्षेत्र था . . . लिक् सम् क्षित्र सम् विद्रा । दे द्वा के दे खे विदेश कर्त के दे विद्रा दे दे । क्रमामान्त्र प्रदेशस्य प्रदेशस्य प्रदेशस्य प्रदेशस्य स्वरं हेर् हवः में ध्रद्भाव के के से तार होते हो। रेस मा वर वसमा कर जा तर मार्ट मार्ट्रत लेश ने प्राचार का में वासर में के प्राचार होते हैं है । पर होते पर होते पर होते पर होते पर होते हैं व बर हिर त. १४ है । अधार्यात समाना समा नुद्र तह उद्याप अस्ति । इंदर होता अर्थ प्राप्त वर्ष निर्मा अस्ति । प्रज्ञात्र निर्देशम् श्रीयः तर हेर्, इट हेर् तर हेर् तर जेर अर हेश्री हेर्

श्रमक्षक्षक्षक्षां वदः यात्रदान् वर्षे दान् वर्षे लिक्षायादे पत्ना विकास्य यायशासुदायदे द्वे मिदे से लेक्दे न्दःक्षॅदः**णु**'वहेनाःदेकःवस्त्रॅदःदससान्दरःवस्त्रंदःदससामाध्येकःवास्यानुदःवाहेनः गुन्द्रियः स्त्रा वस्यास्त्र ताः गुर्देश्यमः यसः दर्गासः यसः नुदायकाष्ट्रवायक्ष्यायक्ष्यायाम् अवायक्ष्यायाम् यदेख्यां मार्थे विश्व के क्षा के क्षा के क्षा का की का विश्व कि की का कि का सब्दर्भका सन् नेदास मुद्रायर नेदायादमा भवाय दे सुर का परे देश वासः कुर्वक्षिय देश्रेष्ठमः स्त्रा । उर्देश्यादः विद्यातः वारा विद्यातः वर्तिस्य वर नेर्द्री। रेस में नेर्य केस्वालेस्व के वर्ष पर्दे पानेर य.दर.स्य:रर्ज्याश्च तर.वेद.त.हो। बार.मु.कु.धु य.चक्रैदातर.रूट. च्र. मानसायाध्येदात्राम्यादे ध्यायाद्यायाक्ष्मानस्यायाः विद्यार्थाः केलावद्यायाद्येद् यान्दरम्ब वर्मिश्चर हेन् या वर्गित यदे सुर र ।। स्ट्राम श्राम वर्गित वर्गित त. बुका. वे. च. जा. सूची का चत्रे. सैका के. प्रूका ने ट. प्रूका मा को के. या च बेट... हैं। अहूर श्रेम रेट अहूर श्रेम मालुस एका ने ने हो हैं रेट नी हैं हैं निस्ता हीत वर होत सरेदे के अर्थ संस्थान में प्रमान हैं निस तक देश तर कुंबा तं भुरे ता है, शहू के शिक्ष अ ता है, कर है। विश्व में र्टा हिंदा सर से हैंस् रा दे हे इससे है नावर देना भट हैन संहित्ति । जुक् तपु. होराह् ।। विश्वास कर कु. पर्रास निका न का विश्वास मुर ्यशः वेशः च क के मारः मो के विश्वसः च मु पुरा सर्द्धरक्षः यः कदः प्येषः यक्के देते मुक्ते । नुसार तम्बद्धान पद्मिताया दे सुरार मुनु तुसाया होत या केदा प्ये दे ॥

ब्रिर वेश लश सेर वाशव लेश वेश मिट में खेर वेश म लश खेत सेर. यह, रु.श्र धवी, यह, खुश, ये.च जा श्रें, जा.श्र्यश, यह, म्रीर, यह, हीश, प्रयेट. यद्.टट.क्ष्य.क्षे मी.पुश.यत्.मीर.वीर.य.श्री.ज.श्चाश.यत्.श्रेर.कुचा.श.र्घ.श... नादार्थित यादिशावक्षेत्रायरार्द्रा। रदानी म्यकुशायक्षेत्राया हे द्वारी नाहा स्तर्व यः कृदः नास्त्र यद्र त्र त्र व्याप्त द्र विद्या नुः य देश । यदे त्र त्र त्र विद्या यदेश । य मिन्नेद्रायते भेषायते मु दे १९५ द्रा देवास सञ्च । यह द्रा प्राप्त दे १९५ वास्यायर विस्ति रही। देते मुक्ते दे संख्या पुण्यें पार्चे पर्दे प्राप्त केया वर्षे द्वात क्षेत्र क् त बुकाने.च.बू. पुकारा दुपू.मैं सेट.कृत स.क्.सर.परिंट.चर्.स्ट.क्य.क्षे में ... ৾৽৻ৼ৾৻য়৻য়য়৸৽ঀৣ৻৻ঽৣ৻৻য়৻ঀ৾৽৻৻৻৻ৠয়৻য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়৽৻য়য়৸৽৽৽ मिहेशासल वर्षेशासपुर्द्ध्ने। दुरिटाक्षेत्रक्रमायद्वादाद्वातामाः ता े दे भीक करदर नुसामहत्या यर प्रदे व अप हेना मानिहेंस यर पर्टे द्वारी हर क्षित बर मी र्रेब ब्रा मिर ह्या त बर मीश मिर लेश में या वे पीश पार ह मी अवरक नश्रा । रेम.र्जर मी और वृत्ता भाषा और वृत्ता मान्तेश पर ्रविदः वर् ८८. १४. १४. मी. १५ मी. ११ मी. तर निर तानार लेब पर प्राप्त कर्य के सम्मार हैना स निर्मेश रा नहीं स राष्ट्र हैं नुसामद्भारतायोग व लेस न न ने देन हो। अन हेना सार्य में न दूर नि द्राह्म क्ष्म में र्वि हैर यह वर्ष मार्केर में सम्मान मार्थे प्रमान है गार्चेर विषि दुन् के पर केर पर करें। जैस के सहेते. के मान ली है. चनात्मसानेसानुसानुस्तिसान् देशानुसान् वात्राम् वीद्यान **ଝ୍ୟ:୷୬୫୩.୬୯.ସିପ:୩**.୯୭୬.ଜୁ୯.୧୬୬.୫**୬୩.**୧୬.୯.୯**୭୩.ସି.୯.୯୬୬.** रदःरेना मदे मन्न हैन्दुः सेश्र माने हैन्स् माने हिन्स म म्यैय.त.लुब.बू.(बुब.टू.चंब.शू)। टु.चोबल.चर.चे.चटु.ब्रुट.इचोब.त.ट्रंब.बु. **७**४ व.ट.ज.स्र्नेश.त.श्रुंश.स्र्रा। टेश.ब्रेश.टर.च.जश.मेट.लुश क्षेत्र.चे३४. माकेर त्राच त्र त्र हिंद नर हिराय नार धेर मालेश हार है दर सागुरामहा पर्यामा सहर प्राप्त ह्या । दे हिन व प्रमुप पर मु पान हिन । पहिन का वहा मान्द केंद्र मालद सूर य तबर य रेव दे लेख र मिट हो। दे राष ए श्रीय र से द व लेश.च च.च.स्नास.चन चन्नर च.लूब ब्रू. लेश च.च.बु.चालक म्री.क्स.च.म्. वर्द्र. न.५.७४.५ हम.९७५.च.६४.५५५.४०.१.चीच.च.लु५.७.७४.च.च.म.ह्र५.चस. 다음 4. 물소·다섯. 중소· 시 [] 조. 다 선스. 다. 전조· MC. M스. 다. 영화· 급·다양 여러. चुंश. दुंडू. चुंश. त. भी है. संबो. फश. बु. क्षेंंग. बोड़ेश. डेंट बुंश. चनेंदे. व. वर्डूंट. क्षेंंग. मार्डेश.चत्र. सें व. श्रीप्र. में . हेर. लुब. तर्र. हेर. र्।। वर. ल. वर स. चत्र. ह्र वर बिश-तुःच-वे-नार्डे-चॅ-स-फेर-८ टॅ-वॅ-वॅ-प्र.। दे-ख़र-वे। दे-चस-द-वेस-पदे-ढ्या माक्रैस केर दे स्पर् पास स्व दें।। विस मार्च य पहुन दस मार मेना पाकेर दे ढ्याम्केशनाकेराणे वराया वर्षायाकेरायो स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप न्त्रुवःसरः अःवःमाल्दः केदः प्येदः दः दे न्यारः देनासः यः सः प्येदः है। मायः हे सेदः व नि हिंद वर हिन स्ते हिंया ही हिंया निक्ष य किन महेद स हेदे हैं है हैर हिंया माकेश या केरा व्यर्गया स से दार्चे 'लेश नुग्न र रेहेश र दारेमा या यत्र यर १ तमुरा य.हे.हेर ४.वश्चेय.तर.वे.व.चंखर.लुश.तर.भु.वर्गेय.र्शे। **इंद्रायेद्र**'यः



ध्ययः मी दम्म प दहेंद परे दि व उद मी निर्पर मी स लेश न प दे पहेंद रते देश व लश ने विन में में रास के मिर्न पर ही श्री अप में देश पर देहें य वैज्ञेश नर्यो। दे है जै दे वें है। रह वेंबिश हु वें वेंद वें प्रे इट सेर से ते विसाय देश मुन के सेन्स था श श द पर रें। दे हर केत मी रे के मेर है मेर के कि मेर के कि मेर के कि मेर के के मेर के के मेर के के कि मेर के र्वे लेवा। रेक्ट व अट शर्म व किया न के अद केमा मारे दे वी। रदःरेवा थ किन हेमा नु व दे प्रति पर विदे पर विदे पर है किन है से विदे मा भारत महि लेश मिन कार्या साम मान कर के के निकार कार्य के निकार महि सर्व के के निकार कार्य कार्य कार कार्य का है। १८ वेश ल में चनर है। डे हर व लिया वेश चड्ड लिया में देश त केर ही. वेश तप में स्थाय ही क्रिया प्रेक की हार्य पर हिंगा ही का पर ही शर है देश हिंगा इन य बारा प्रेन लेश मुन वर्षे ना कुट हैं। र प्रद हिंद न प्रेन थ लेश मुन के दें र्रा प्राप्त वर्षे । स्था मी इमा वा मिर वर्ष प्राप्त के प्र माध्येत वाँ। नामाने नेम माने निमाने निमाने नामाने नामाने निमाने नामाने निमाने नामाने निमाने न ल्येब.च.डे.चंब.ब.चेंब.च.लट ब्रूट.च.लेब.ब्रे. खेब.च.चर पर्वीर.र्जा डे.लट. केट दे लट केमस शुक्रिंद न मेंद्र च व इद ध मेंद्र दें लेश मन व स्वाम पदे

विम्यायि मिश्रावयि हैरागुर स्थायनुराधा वेशाय नालब हिन्द्रभ्यक्ष सु सुर नाम्नाना माना सुरस स्त्री। नार मी से में में में में न्दे न्द्रन् केर नु शुर पदे दुय मुक्रिय पदे ब्रिय न प्रति स्त्राय कार्मिय पर मार्गि हैं. नेस नर् क्रिंग्निकेशम् वा नर्दे हें रूट में द्र वर मुर पर हूट न क्रिंग है ब्रुट. व. मब्रुट. चर्ड. ब्रुड. व. व. व. व. ही र. हा। र र ट. चे. ट्र. च्र. चीर. व लट. हे लेंब ज बेट व अट हे लो प्रथा ने लेंबा ने व व है से ने हैं। वेंब यर रद्भा है दर्भ स्तर खर खर की कर के विकास के किया में विकास कर के विकास के किया में हे र ब्रिन खिन मुं क्यानर वेश न्यू हुं न न हे नहन के हे हुं मुक् तपु र र र मानामान पर के द्वा अप मान के र के से मान के पर मान के र के से मान अस त में होट. य. म. लूब बू ब्रंस. ये. यंत्र. व. हुन. में ालील के हुं बुंब. ये. यं हु. स्था रेवुर विते में दे नावर व केर र वर्ति या सर वृह में द्वार वर के वर्ते :: स्र्भी वेश याश्रमाद्यमाश याहेर ग्रेष्ट्र सर्वे सुमार वेश या नावन मुर व रे वर वर मुद्द की व रेश बेस र वह वस मुद्द व हर केर केर विट रे मिंद दिंद भर खेर पर प्रचुर हैं लेखा देने खेर प्रचा हैर नन्ना केर गुरु अस गासु सिंद नर मिश्र से पेर नदे सुर हे लेश न न मार्सन्स म श्रींस स्था। हैं नार थ असस सु होंद न सेद व प्येंद य दे सद सेद है से वर्ते। देव र अट व वरे ल प्यंद प्रशान देव र अट व देव प्रशान वर्षा। नावन

म केर टे.हार.चर उचीर हा। बुका वि.च.बु रेश्वचाल त.क्श.चर कर तर क्षेत्र मानन्ना केनायान्नामा अदाक्षाया कन्या मानक्षाया कर् नु अर्थेद् त ने तस्य द नाहित्य केन् नु र्लेट्स सु तक्द या द दस्य या दे भेदा यदि । " यर्ग हैर'रु मुर परे अर के भेश नहार य हैर रु ब्रिस व लेश वहीं ही। यसर भ.धन.तप्र. क्षेत्रतं ह. श्रेट. टे.च वट तर्. जुंश.त. य. श्रेट. वट. चिर त रेश्रेड. तट. यर अट्र पर रहेर पड़े जैस पदम नविष्य खला र है ॥ क्र रहा ल स्वीस यर वहार यर बेर हो। दे वले र १ अस । शु खेंद वरे में वरे भट लेस व म बुक्र अम्म शिक्ष्टा वर्ष तहुत्वात हुर दे दे दे तर् हु हु म वै : व हु हूं म है भट्य.रे. ब्र्चिशायर ब्रह्मायर प्रवीराही हे.लश्चावीवशायपुः प्रेशायपुः विदायरः मी में चलेन की देनिया है निर्मा सामिश्व न मार्थिय पाया बदा अहें द ब्रिया नहिंद मारे दमान हेर ग्रेय लेश नुन के बरान र हैना मारे हैं में हेर नु कर न हेर ग्रेस महत्र हेर र पेर मी। नाहर नते इस म हेर र हे साम द्री लेखानु न देन देन देन न के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र के ता के त चुंश.न.चीवरे ३८ ३सम.स.स्ट्राच दु.स.लू १ वुंश ह्वाहा तर विट्री रदः में ब्रिं हैर क्षेर पर हैर है र्या र मि यह सायस लेश न यह कें ब्रिंगिट केंद्र याद 'वेशाय नावश क्रीशा असस ह्या ह्या या दे दे रहा ने हिं है रायेश या दे क्री ते हिंदा दे तहेंद्र पर ने दे पर्य हो हो रें वर्ष हो मान देश पर पर देवा पास प्येत है। मी. स्रिम्मेनामा मा हेर लोग त्रे हीर ही र स्था र मा प्रमान में त्री र ही र से र से प्रमान स्थापन स्थापन स्थापन नु वरे दें हो। देने के अद्धि रेंब दु मि नमूस या बे बेर मर से द्मूर

र. बुश ये.च.बु.रट.चे च्रि.ज.रेशचीश.चर्ड.चुर रेथ.चंथ.ग्रेट वेशस.शे.छूट.चर्ड. म् निवेश न मिल्य में विदेश पर किया मा केर ने अर्थेट पर रियुर रें वेश में ... यते र्व र्हा। इक् यते वाहित वर्षे हीं महित वर्षे के या के र हैं या के र हैं। पर केर म्बर में केर रे किर पर की की नह है दे पर प्रमा केर ने कि पर केर में बैर्नेब निरंत्र प्रतात का केमबा शुं हीं रापते प्रतीत केन ही हैं कि का में प्रता केने लेस शेमश सा। यद प्रमम उद से रेम स्माण हो। वे व हिट प यद प लेक देश नु न क दे दिन पर म नि न द क के नि न द क के नि न द के नि म नि न के नि न शूट व है। वर व दश लिय अधार शिक्षेट वर विधेर व शा ले हैं है से ने वर . व के नक्ष न विषय है है व क सन्ध वर्ष है है पक्ष पर है है कि कि पर है है है र् य में देव देव ये वर्गाय विट हिं परे वाया पार व्यय है। रेव में देव में हिंद न रेरेप्सेन ने लेश तम्य न है। वश्चर वश लेश में व अर में श र है। न भरते लेश च न ने नेस्थान दे देन भेन ने । दे कि में में पहुंचीश तश मिर प्रसित्र चर हुरे हे खेश है वंश है से हैं है है है है है वर ... वनशास्त्र में लिस न न न न न माना माना माना माना माना 35.511 लट्ट्री। नाल्ब मी अया वर मी लेख न व वे हिंब ही वा संनास नाते खुवा बर मित्र रेगर संग्रा में द्रा प्राप्त के स्थाप र . १ र में . १ र . में . श्रद्ध में . य . र में र य . य . य न य में माय . य दे . ये . य . य . य . य . य . य . विष्युर रा। नगर रा व संग्राय पर देशनाश य सर्दर श्रुम हेन स व्याद खिर

र्रे लेखानु च है नगर विवासित च दिश्व त्यर विवास विवास के दे सर्व सुझ नु प्रमुद्र व स प्रेर व लेश मु पर दे दे हों। र्या मा स्मार व स स रह हो द्या र म्ल स्वासायते रस्वासामा वदानी सिंद प्रति द्वासाय वानार प्रवाद नाय हे निगर में व हो ने पार्के ने पिर्व पर्व हैर दु सुर प रेवे हैं। প্রমুখ.**প্রম**. ยิ. ผู้ ะ. ปรู . ปรู . เลร . เมิ . พี ะ. ประชุ . พีพ . เพีย . เพีย . เปลี้ . รู !! नाट.ची.क्रे. नगर स्या अवासाय प्रमेर या स्था बदा नी हिंदा पार्व ना विवाद मुना था केदा सदिव । शुक्र की पर वह द व दे दे के दे ना र व व संग्र पत र मे ना मार र शुक्र मा र्षेत्र-हे। मादानी नार्यभाव है ज्वर च तर ज्वर वर्त्तन व्यक्त वर्तिन प्रेत्र प्रेत्र प्रदेश सुर र्गा अट्व राम मावर मावर सर्ग राम विश्व न मा खेव वा। दे नका का यहना हिर सिंदा या यहाँका य सेर यदे हिगार ये ता सेन सार्य है है है या न र्थित व हैन वस मी नार्य में व विच यर विच न दे लर विवत् य स विव वि द्र-'द'ख्र भार्यद्र' स'फ्रेश व विश व न हेर् हैस नास्य चर से 'देशुर की वेस व " नासम य केर या नासमायर होर य केर गुर हिन य खेर य य.श्रेश.श्री दे दर्भाव न वे न समान स क्षेत्र व नहाम चर हुद क हेद के व व दे हुद के मिन धर हेर्य तनाय न रहीनार यदे। दर वेशिय न पहुन थ फेर्न है। म्बर्भा न संस्थित या निवास नर नित्र न प्यार निवास न है र मुक्त वसक कर मुक् वस्य उर्दिसेत वर विशुर करेंदे हैं हैं र पर्दे हैं हैं विश्व के नार्वे र वे कि हैं हैं। स लेक विशि दे हैं के दे ने विश्व विश्व के निम विष्य के निम विश्व के नि संक्षेत्र य स जीत हैं 'बेस' में न जा से नास यस मिन न महिते हैं। नर्ज्ञिन स्म लिया मु न के बार्य न नर्ज्ञिन यस रह रेना म मुन य प्या है।

च .ज.श्र्माश.चर् मामज.व.व.मामज.च.चेर.च.केर.चे.मीव.तप होर.स्। लारक्रुचेश्वादापु रेम्रचेशाता लेखाने वा शे लिया जारक्रे नेशा रापु रेम्र वेश वा सेश यान्त्रेश्वायान्तराधेतायादे । अदार्यार्यात्मायात्म्यासे व्येताये । खेराये । खेराये । निश्च नः संस्थित हो। देवे के सुष्य वा निश्च निश्च स्थान हों निर्दे निर्दे नुसान्त्रीं यात्रमास्य म्युगायाय्ये निष्यानु यात्रे मादाया वेसायामाल १ พิพาศิพาน จุฆพาผู พัฐานรามิ นริรั น ริาณาศิพานวิ นรุกาจิรากราพิฐาา स्रिभः क्री त्वर्वा केर बार स्प्रे र.न. २६.। स्रिभः क्री त्वर्वा केर वार. लुब. तपु. लीय. हे. देवा. कुवा. वर. भट्व. तर. वीशय. व. ह्य. तर. प्री. कर.पचीर.प.लुश.य.कर.लूर.त.पुश.य.लट.ट्र .केर.पचीर.बुश.य.य.कुना.बर... र्देश-१८: यर्गा-१९८: अर्देश-थर-वाश्रव्य-वर-येर-थ-५ग-५-१वार-१। मेर्पते सुर र्। जिर्पर नार नीश नेश पात्रमश उर् गु श स स रहना कुर.ज.लीज.रची.कुवी.कर.चीशज. चर. प्रचीर.च.मी. लीश.च.र्घ श.रची.च्रि. १.ज ब्रे... माध्येत्रहे। देख्युरमुरम्पदेम् म्यास्याम् दे नमा दः मार् वा वा मार्च वा प्याप्त दे हो हो हो वा है । मार्च वा वा से वा व यदना है दिराख्य हैना हर सहें रूर नास्याय से हि दिराई। रश्चेन्याया लेखा सामा दे दे प्रारास्य मारा सम्मास सामा सामा है है र निसाय अभिवत्तुर वाले भावाय वे द्यार या वार्यामा या विदेश प्रवे पुरा देश मान यर से विचुर हैं। इंद सर्वेट पर है हुर हिर् पर उदार विचुर है शानु न ह सेन ने इस पर किस प्रशायक प्रदेश सद्दे पर नास्त्र पर सर्वे द लिदा। इ.त.चं. देश.तर जेंश.तश.भट्यतर.चेश म.च.ब्र्स.श् ब्रेश.चे च.ज.श्चेमश.चल्री

मुकायु माञ्चनारा अर्थेट पान दे ने अर्थेट पा अट हे नारा पान पान के वे लेखायु पान दे हैं नारा पान पान पान पान पान तर.कर.तपु.चिविधारहूर् त.व। चिविधारात्रभूवश्चात वट.लुवे वश्च थ. र्भेद लेश हें निश्व मा स्मेद है। रद रेना भावस है। सेद परे हुर रे ॥ दे हिर धरानु नुरायामालका वहेंदाया वे हिरायर हेंद्राया हेंदानु स्वराय वका प्येव हो। ष्टिर्'यर र्ह्न्**राय अर्**'यर देश ष्टिर्'यर र्नु मुद्र 'यदे 'स्ट्रिं सर 'में मिले 'वहेंद्र यर '' में वुक्ष च के दे जे हिंद में हिंद में हैं विकास में दे हैं कि से हैं है में के दे हैं कि से हैं है में के हैं मु मे दम्मेन्स स दे स्याप प्रेंद वें। हेन उर रस रेस मीस लेख प्राप्त वें। पर्रमः केना कर अर्थेट न के में मार्था यह हिस ही उत्तर मा कर है मा मीय.प्राय पर वा चार करे वा दे किया मिया के ता के वा चार है सिया दे हैं ১৯বিশ.নত্র.ইশ.শপ্থলের বেইলেরইল.এই পের্লের পরীন.বহ পরীক.বহ পরীক.ব ळे[°] इस्रामुक्षाणुदादद्दिरायाळेद्रादादद्दीसर्वेदायालेकामुनादेदास्राप्तमुदार्देशा ग्रद नुषासञ्चद्रयामायाये यम त्रुदानिर्देश्यः क्षानिः र्वे निर्देशन्ति निर्माना द्वाःवसः वर्षेवः यः केदः वर्षदः यः सः प्रदः है। वेसः यदः दुसः वर्षेदः सेदः यदेः सुरः र्म मुज्यस्य वर नेर्पायस्य प्रमान देवे के देव लेका व वाके देव दरावड यत्र वेश यान्यश्य पत्र नुस वर्षे । दे अद हेश मुन व के प्र प्र विश्व प्र प्र प्र विश्व प्र विश्व प्र विश्व प्र 5. प्रजीर वर्ष रे रे रे रे प्रताय है। हे रे या में श्रेंट या में खेश है या है। बर मी यर मी क्षेर-दे.वीर-तप् रूप्टापर्य वार्याते हिर्दा वर्ता। जेश्रान्ते हू. तू.रेट.सिक. मामाह्यात्र उदायिदादायाः के निमासदे दे वे दे नद्मा के दर्दा। दे वॅर्दा खुक के दें वॅर्द खुक है। रेर्ना मन्तर मन्द्र के व्यक्त वा ने दे अर डेश न हो। रट रेना पास से मे ने नपते हिर री। दे वे स नहि प के

कुली कु कु के तर पुंच निव ते देश व त्यानाश न के र मी से र श मान न न १ द्या था लेश सुर व दे हिंदी दे ते हैं है दे ते दे हैं है दे न दे मुन्य न्या पर्वे ने स्र प्र क्षेत्र पर्वे मुन्ते मुन्ते मुन्ते पर्वे पर्वे पर्वे मुन्ते मुन्त न कर हो। वेश च नरे महार परिये कुरी। यह स्टर्म पर न सम्म गुह बिंद लियाया रन्म केन क्रम्या सु बिंद या सेन परि रेट येलिन उन पन पर र तस र्शा कर है लिस नि व तर देवे देश तर दिनीय व है नगर रि ल सन्धा ्य अर्हेट पर दे ने अर्थ वे य प्रेश हो। अर्हेट पर हे मार्थ पर दे अर्थ पर वर्ड़ेश वस नगर विकास गराम व- वर नुस अलेस मु वः क्रिस है। विसास विस व नाल र भी अवेद व देन स रादे दूस सी। नाल र नाय लेग नेस गु म स स्पेन है। से उद्दर्भ केंद्र रें लेश न व व के नेस य न वर रें रें हिंदर व स 'भेक याम ग्राम में मा महें पा में दिए वरे किर में। देरे के क क खु हिंद न निवर मी दे न भेर निर्म हैं र विकास के न के बद नी नाम मा न नम से खु हिंद न निद्या भी म दे हैं दगार में व्य स्वास पति नासवा न व्यस नाव्य है हैं न क्षित्वमा के नद्वां के द नु वार पा भेत लेस सुवास नाके स न्याद पो वार भेत करें अस रे लिया मालद में ट्र ट्र ये ये प्रति खें या में क्रिंद प्रति दें।। है से बेस मु न स सन्मा पर पर्ना हैर रे मुर पर मुंह स्र पर मेर पर मेर श र्र वर के बहुन य उद वेंश में य वरे य वर य के कर रना यर दनात व व स् स यर दस पर लेख व र रे भेरे है। भर देव यर देवाद र देश पर नदे व व वहन हैंद दे वस वहूँन वस सून वहूम दूद दें दें नु नहें र वह क्र यस वर्द्द थाय वहना धर वनु रेही। दे अद नि वस ले न र्भवाक्ष न्यामा स्ट्रे विर यह समा लेश न न हैं स है। है पर रम्भवास न र्दः नीमस य है से पुर पर है तार पुर के प्रमा पर है से पर है पर है पर वैश्वास्त्र केव वर्षा द्वाय पद्या निर्मय हे स्वाय देर पाय श्रेट. यते वन्ना हैन का लेखा मु याया ननार वने हिन यर मी महत् हैन के वरे वर्गे। लहस अन्तर वह प्रदेश पर में अर्थ हैन के भेग वहा मी वर्ति महिला के कि के बर्ति पर्ता दे देन गर लेख न न के नहें में महिल यद्रा। कर रश्चारा वह ह वर देश वर यविश्व ता लुद हा लेश वे. व दी इसा-नर विभाषात्र दर्पति कुनिर्दु न्दर विर क्रिकेट विकास ब् बिश मिन्द्र हैं वर्त हैं। दे हैं र क्रूट पर मुर या के बदे या स स्मान परि दे व्र श्रद्धान्य मार्गा देना मह लेख मु उ है में नि व र्स्मासन्य देवे वद्मा हैद ग्रैस हिस नुवन है मेश यह वद्मा हैद हैद ग्रैस सी श्चिश्च नु निवाद्ये मान्य पाना प्रति भारति । निवाद्ये । निवाद्ये । निवाद्ये । निवाद्ये । निवाद्ये । निवाद्ये । वं अभावत् विद्यान्यविभागः भरायद्यायम् । म्राया च अस्तर शु शु ह च लेश स नवे रहे हो। हे हे ह छ से स नहे स व र्षाया त.श्रुक्त व. क्. व बुब दे. व. क. श्रुवाका त. श्रुवाका व. क्ये. ही. नेस व दह संब मा हैर में दे हैं जह स हिर पर हेर पार हैर पेन वह हैर रें लेक मु करे बरे हर ने मह मह मह मार पर पर पर पर कर के ने ने ने किर ने गुर प्पर्य या व्यव विशेष पहें महिंद के अप पर प्पर्। पहें माय

लॅन्स परा नहीत् धर्दा देर सूट न हैर हे से न प है ही न दि दे र दे न दे न न र्भेन्स पर इस पर न्विना परे हिर र विश्व न पर र्नेट्स स्वा है निर लुब.त.बु.रह्म.तूर.चीर.त.खुम.चे.वर.वश्मश वर्षा। • कु.केर.कर.वर्ष. य**.५**.७४.२४.तर.**२**.वर्. द्वेर.८.७.२४.चीर.च.७५.**मे**.चखेट.७५. १.७४.मधल. यात्मायमूर्यायास्त्रेन्यास्त्रेन्यास्त्रेन्यास्त्रेन्याः स्त्रेन्याः स्त्रेन्याः स्त्रेन्याः स्त्रेन्याः श्रुम दर वद्या देया हे शाद्वा या है है सार है वर्षे । सर्वेदा से दा है कि सा दिस संस्थेद पर्वे विकास के प्रति विकास के व मानुदः य ददः वेश य दिंदे य दर्दे य दर् य मादः पीद य दे है व विशासः सर्व पर्ता। अर्वेदायासेन्यान्दार्द्राम्बिनान्दास्य पर्दार्वेदासुनानानाः त्य भूर्ति न दे सार स्मर् हिंस नुवर् । नियर सुना द्वार निवर व दर से द्वार वार ধ্নাধান ভ্ৰমান্ত্ৰ বা বিহাস্ত্ৰান্ত্ৰাৰ বাজেমাবহী বালামম বহা হ লামা न्तर। श्रेना वस्ता भ्रेमासया वर देशे ग्रस पर्ते। सी द्वार वा सस है। नर्ज्ञित्यर्गा ...रे.के.य.लटाच्चू. रे.केर.बेट.च रे.क्श.वे.च.भ अब्ट च.ल स्टे. मंत्री क्षेत्र स्प्रीय ही निवर ही वरे व त्र स्त्रीय करे ही व त्र हैं द वह ही है है स ब्रूट व में। यरे व या र्स नामा प्राप्त क पर्या के स्था सामा व पर्या क पर्या के प्राप्त क के. ८ र. जुर पर दे हुंच श. व. श. चुर पर दे दें। वाय हे . द वा दिर पाल र मी श करे र च ज.सूर्याश.वर्ष.भेशक.शे.शुर.च.श्रव्धटमा.वर.चस्त्रीच.वर.चे.च.लुरे.यो भट्रे. क्षमान्दात्नावानामा व्यवस्था दे भन्ने ने ने ने ने ने ने ने ने ने वा संग्रा र्वस्याने में निवास निवास महिता पर हैं ने पर विद्या क्षेत्र वा है अदिन्त सी मिश्री दे प्रवाद नहीं या विसार हेर् राप्ता ने नामा विसार सार ने मुक्ता है -

यशः व. यर्मा र्ट. म्बर्ग में परे प्र. या श्राह्म था सर्वेटशायर हिंदा व म्बर्ग ता वहार । नर ये.च.भ.१९४.१ . ७.४। घटे.च.ज.श्र्याश्चाराचर पहुब्यर लेश ये.च.ज. र्सेन्स.च.श्रॅस.हे। वर्र.सर.टे वर्ट वर्ड वर्ड वर्जन वसीव.च.लेब.हे। वर्ज हे मित्रणीय नरे न मार्थेन्य मार्थेय मान्य मान्य मित्र मार पर्दे मार पर्दे में रैना'य'म'णेब'य'देवे हें रूट'द्र'नावब मुक् मुद्दुद्र'द्रना में हिंद व र्वे व सर में ' ''' त्रमुर है। र्रोट म्यूटम पर द्वीर है। यदे य म स्वास पर हैं दे रट:रेमासदे:ट्रंचे १८.लेब मीम.ट्रंब्य.तर:पेब.त.चीब.त.चीब.समा रट:मे मुद्रात्म विकरमी विकरमी विकरमी विकरमा विकरमा विकर्ण विकास विकर्ण विकास विकर्ण विकास र्खेन्य पर निवस व रेवे की कि रेवे के रूप में कुर गु वरे व व सेन्य पर १ मर्था हु हुर्र म के रह रेमा सदे निष्ये के राये हुर हो। मार्थे में के मार्थे हुर हो। गु क्रा म मल्य मु नदे न म स्वाय पद खुम हिर न पर्द पद पद पर पदे नाम श्र्यकाराये रहानी हूं में शु रहूरे चर् ली मा भेर वालक के श्री मेशमा वर इद केर लेक पर हैर नर्ग रूप निका की केंद्र वर किर पर पर पर के लेश वहार पर त्यीर है। इंडियार में हैं तहरी पा होर व लेश में वाल में श्चमान श्चिमान श्विमान त्रामान यस्य भेव मी व्यव गुर दे वै नर देना य केद सम्भेव वाँ। वर्देद य ୬୨ ଜୁବ.୩.୬.୯.୯୭.୯୬.୯୬.୯.୯.୭.୯.୯.୬.୯.୭.୭.୯.୯.୯୬.୭ रेना य केर यक्ष के स प्येक है। नाय हे कुर नाव कि कि सम य पाद विन म्बायरं प्रायः स्ट्रिंग्यरं वर्द्रं पर्वे वर् प्रायः स्विकायः वर्दे पर मर्ड्यद्रसाथ प्रेषाय ना केलाचे रहे द्रान के हैं। न्या निष्ट मालक द्रमा के हिंद

नदे बद्दा मुहार्के विकामी नामका न भेदे हैं। नह ने हें मान्द्री पदे न'मार्ख्याक्ष'म'वालक मुंक्ष'यहँद पर पर्रे र'म रेपे के चरे म वार्ध्याक माज्यक शु ख्रिंदान मार्मेद या बहुदाया केदालेदा या है । सुर 'दा या दा केदा मार्थेद । नामार्सम्यान के निरायन निर्माय । इसाय देश निर्मान निर्मायन निर्मायम निर्मायन निर्मायम निर्मायम निर्मायम निर्मायम निर्मायम निरम निर्मायम नि श्चित्र व्यक्तिक चर्मा मालक द्वा मालक स्वा न के श्वी प्र प्र द्वा मी वि मु कु रीता वर्षतार में भी था ता हैर ही ना वर्षता हे असा सी श्रुट ता भारती ही असे दी व वे रद रेनायर श्चायते वदामोरेना सत्ये वदना हेद ठव मी श्वना प्रश्नेया श्वेया मा चि.च.वनाना सेंचारक्त का श्रुवाश वारी क्षेत्र प्रचिर तार्वा मी. धेउ'वै। ३ मश्रास ब्राच्यामा त्राये व्यावेश चार्या मावश मी र्रीत प्राया मिना प्रमा प्राय श्रम्यादे क्यादे वें स्वापन मीरा असमा श्रार्सिट वासा ध्येव है।। दे स्वर व रत्युचान हेर् में बार्कियाता श्वांभारा वेषस सी श्वार्य तारी की प्राय हेरा.... बैट.तर श्रेश.त. थे.भ.ले श्रेश विश्व विश्व हैं में प्रविश्व व श्रेश हैं हैं हैं र गर्नाम् मृत्यायम् मृत्यायम् मिर्यायम् मिर्यायम् मिर्यायम् मिर्यायम् स्तरम् इनासकुन्वरमान्नेर कुन्नमान्य हिर वस हिर वस दिन्। वाम हे द कह. यर् यात्र सुनीश म स्मात्यस्ट्र र हा सुरा त.ज. वर्त्स स्मा सहर, तार्राकृत्याक्षेत्रायसाम्बेनासायदि केर दे सद्र सुरा पुरा विकाय प्रकृति लेखा ने वर्षेत्र । वर्षाय मान्य केर न साम्बास वर्ष कर्ष क्या वर्षेत्र क्या वर्षेत्र वर्ष वर्ष पर्व प्रमेना सामे क्षेत्र साम्ब श्रिम.रे.पचीर त.ले हु॥ रूप.श्रेट चर.श्रेश.तश. एंश.रे.च. वु.र्चेचा.पर्वात. रे.केंद्र.चर श्रेश.तश.श्री। दे.केंद्र.च.चेंत्र.च र्चेच.वर्चत, अभभ.शे शुर. च. भुट. थ. लट. देत. पर्चेट. ची. ह्रेचश. पश. रुट. सेट चर... ଞ୍ଜିଷ ପ:रे:रक्ष:मुक्रायरे:व:व:ब्रॉक्टाय:ब्रॉक्ट्यं:ख्रुक्र:केर:र्ट्राई 'यर:व्ववा:य'केद:मुह्ने। য়ঀ৾৾৻ঀয়ড়৻ঢ়৾৾৻য়ৼ৾৻ঢ়৾ড়ৢঀ৾৻য়ৄঀ৾৻ঀয়ড়৻ড়৻য়৾ঀয়৻য়৻য়৻য়য়৻য়৽ঀঢ়৻ঀৗয়৻ঢ়৾৻ঢ়ঀ৾৽৽৽৽ असमास्य स्ति स्तर प्रत्युर हो। इत्ता वस्य या स्त्रीमा प्रते रह विषेष के निष् मुकान हेर क्रम श हिंदान केर हो। दे हैर दे क्रम श ही हिंद न है मा केर क. खेश.चे.च. खुंश.चे। इंर. केंद्र पट्र लूट में केंद्र नर चेश. त ही श.च.चार. क्ष्यामान् र्म्या महावाता स्वाप यदे रहाम है। १९ महासुर्स राम क्षेत्र हैं ख्याचि पर्यास्त्र । पर्या वे राष्ट्र पत्र में प्राप्त विश्व । वर्ष विश्व प्राप्त विश्व वि व्या प्रवाद लेवा उस नु व के रहा में क्यू र केर अस हें व रवदे वर्ष केर नुः भ्रेषाया वेषा नुः नदे १६६०। हर्षा नविष्ने हर्षाय विषा निर्माय विषा मु य परेदे नहिर व दे परे प्रेम विर परेदे परेदे य दे परे प्रेम यममा वेश य म्बिर्द्रतम्त्रः विनामीस्य दहेर्द्राया दे त्था सुत्रे सक्षरं हेर्द्रा स्त्री महिदाया द्रार्ट्रे । नपु रहूस्य त्रा क्षा निष्य में मिर पर दि । यस व लेख या नपु मिर क्रमा मि र्ह्व र्राट केन्द्र अपने के का के किया दमान हिमानी के देनासाधर होत हेश हा नदे च केना मी ।दे दे ही जना हेस वे.च थु.रेचर.तू पु.विरं.चर.रू॥ चञ्चैचम.चोलूच.भुर.ख्म.वे.च.म.स्रीच. मार्भ्य मार्भ्य मार्थ मार्य मार्थ मा भूमा. श्रुवेरामा स्वासायका हेका श्रुपार्थ पानाहरा है। वेसाया से सामा रेका पाना लुक् तर् क्षेत्र हो। दे त्या क्षेत्र वालका या ने त्या हो ता लेका न न के त्या वालका या वालका न वालका न वालका न पहनायर्गा दे अटम्ममुवायालेखानुःयाके हिंद्। हे पदाप्तम्रयः त.रेचे.भ्र.३८.चट्र.ब्रेर.ब्रेश.वे.व.वे.यह्र्य.संस.भ.ल्य.तर.रेभ्रचस.त.क्य.वीश. ष्ठमसःउर्-रृष्ट्वरःसरःसर्पयेर्द्रर्भन्त्वायःविनार्दरः झुन् उनार्ेनर्वन्त्रायः । र्देश नाराया ह्रे ये हिन्यराय्येन याने व्याने स्नन हेया हुए । हेये हिर देन माध्याय बेंबा नु वाब में वाब माध्याय है। ह्वा बेंबा नु विदेश हैं ने मिं । दिव ଵୖ୕୲ୄ୳ୖଽ୕ୣଽ୲ଈୖୢ୲ୠ୲য়୴୲୴୴୳ୖଽୄ୕୬ଽ୲୴ୣଵଽୄୢ୕୳ୄୢୄୠଽ୲୴*ଽ*ୖଵୄ୶୲ୠ୲୴ୡୖୣଈୖ୕*ୡ*ୄୠଽ यर 'य' पर्वेस 'प' से द 'प' है द 'में स 'बेस 'प्रें प र 'से स स 'से । दे ' दे स प से द द वरें विश च केर स्पर् च स से व वा। विश नु च के ने दें ने दें में माना व्यव याने दे विद्याया सेन् वा विद्याय के विद्याय के निर्देश विद्यान के निर्वेश विद्यान के निर्वेश विद्यान के निर्देश विद्यान के निर्वेश विद्यान के निर्देश विद्यान के निर्येश विद्यान के निर्देश विद्यान के निर्येश विद्यान के निर्येश विद्यान के निर्येश विद्यान के प्रति प्रेक्षाय केता स्प्रति वास प्रेक्ष कर्म । स्रोक्ष प्रक्रिया स्पर्के मुक्षाय स्पर्के मुक्षाय स्पर्के मुक् ब्रंबुश.चे.च.ब्रं लीज,उहूर,चपु, ८६.क्ष्य,१४ मी.जुब्र,त,३४४।शे श्रूर,चर् ॥ दे दर दे अर वेश कुर के पुर या देश मुखा यह है। हे हा का अर दे वा दे वेश य क्षेत्र देव दमायर गर्नाय केत्र प्रेत्र प्रमान ले भावाय वे देव देव प्रमान के प्राचे व मेबाय'हैद'दॅब'दमायर'ॲद्र'य'और'हे शेख'यर'द्य'य'हैद'मुं'वदमा'हैद'द्र'चुर" मान्द्रिया १ तर्रे खुरासी। हे हे नेयान सालवाम हनासालदाम हेसान ना श्चिश पश स्विभा ना है सा प प वह दे हैं। विशा प सा लोब प ने दें स ही.

न्त्रे न्या वेस पाय क्षा क्षा क्षेत्र वर्षा प्रमा केर सर्व श्रुम केर संस् ब्रैर स सर्वेट नर्यो। सर्वेट न हो न से न भार मार न मार प्राप्त र पर ने न न है . म मर्देर मर्देर उदारमा ने र्देर भीदारी महित श्रुमामा भी र धार्म मेनामा धा दर् लेश. व. चंद्र, व क्रुंबा. सं विश्व चंद्र, महत्य न व द्रेव, च न क्रुंबा, च विश्व क्रुंबा, च लेस'नु:च है'ल्द लेना देवे खुव्य ठक्मी सर्दे खुस वहना यर दर्द या माट प्येव" य अर्दे यर पर्दे य देवें। क्षाय रे दे द्वा त्यश वावश वीश है। वाद विवा चि.च.ज.भक्ट.च.बु.रेभुवास.त.लुब.जा डे.केर.भक्ट.च.मुर.त.बु.रेभुवास. विसामासाक्षेसामसाद्वासाम्बद्धानामान्यामा दहना धरें देश गुट खुवा ता द्वेन घर हुस हु। डेद गुट सर्हेद हुस दुन हुस है लेब पर्या श्रिट् व क्रेट्स प्यो र पर्य से हिर सर्द्र श्रुम म प्येर पर्य दि दसे न्या व दर ही " र्देशने ने के संसर्वेद व केन ने वया पर विश्व र है। र केन ग्रेस ग्राट वन्न होद्'यदे'सुर र्रा नाय हे इस य दे सु नु है द्वि असह हा सि पर दिहे **५६ॅ१.त.५.७४.७.५.५.५**५.१४.७९ॅ२.१५.४४.५७४१.मे७४.१मे१ मर्येट-पर-प्रगुर-हे। हुमानु-माक्रे-मा-भट-ध्या-य-न्येन्स-ध-द्र्व-ह्यंट-दा-मेन्यर मह्यास्य देव स्था दे हो हो। दे हेन्द्र दे दे दु दु दे दूसाय उदादवा लेखानायाया हा नहार में हुन है। दे प्रकाद वर्ग हैस पर सामुर हैन सुमापस हुस पुर

यः सूर् स्थर्षः तरः पर्ट्र पश्चामिरः भ्रीयाः व सह्यः श्रीयः भारतः त्रीयः रश्चेत्रायः " म. १४ में अ. १५ १ मध्र म. म. लूब. १ . लूब मिंश सिंदा चर ने प्रा है. पंरा थे. माया हे में शावाक व र् दे र्व की में हो पर हे के अपर अर्व श्रीम हेर अ की रा दे दुर द देश द्र में हिर यर दशेट य शर्य द द्रा दे दे हैं। दे देर द अट द्र है है हिर यर.भ.पुरा.य.तार.वाय हे हैं.ज.स्वास.कुर.लुय.यर श्रुंश.वे.के.च.त् शह्य.यर. र्ना ल ल द है। दूर है। है । हो न लूर न लूर न ल के न ल हैं । हे श श रहें न तपु.स्याश्व.श्व.लट.वयीर.ह्या इ.क्षेर चर्त्रशतर.व.वषु.ह्येर.ह्य.ह मु.ज्ब. ସଦ୍ଧ:मेन हेस.ये.च.श्रूस.रे। मुन्याना निष्यं सहूट न मालट नेशन न ૄૡૢ૽ૹૺૡૺ**૾ૡ૽૽**૱ઌૢૣૣૣૣૣૣૣૢૢઌૢઌ૱ઌઌૢ૱ઌૺૺૺૺૺઌૺૹઌ૱૱ઌ૽ૢ૽ૺઌૢૺૹઌ૽ૹ૾ૢ૽ૺ૱ૡઌઌઌ र्स.मी.मी.सम.भूर.क्रुर.क्रुर.मे अट्र.सीम.म.लुर.स.भूर. रेम्याश म हेर में हैर र्मा मलर में र्मेर लेश में न हे से न से म लेश न में हैं श यु नावर में लाट हो 'वेश पर रेड्स में 'वेश पर हे हर्न में हो हो हो हो हो हो है हिन हा है है हिन हो है है है है रिटर मु. प्र. म. मर्जेश हे र. कर बुध च च च. म. हुंश च इंश शे. रेस्मे. म.त् यु.रर.मी.क्श.टे. पुश.त.मोबेशल चर्ड्स.त.धर.त.वर् ह्या हिस.यी. हेश सु दर्जन व में वे लेश मु न व संन्या है दे वे व व द प्रें के व के हों। हिश विह्रेस शु-र्विनामार्च दे.चर्ना ३५-५-चूर परे ते स.च. देस वि. चरे क्स दे वा चर्चेश्वायाक्षेत्रायात्र लेशाची पत्र हुर्गात्र स्टास्त्र सामा लेखा लेशाची य विष्टाने स्थितान्व स्यान् सेवायाय करातु विवास वाह्य परातु स्वास स्वीतास्य र्झस्यायाध्येद्द्री हिं कुन्हे दनास वे रद्दानी हिं दे दनास ही। दहेवा

· चः सेद्रायते सुर- देश मु च है रहें वारा च च दर्राया शहु च छ द हिद्रायि सुरे हिन्द्रमञ्जी हिन्द्र लेखानु नवि देन्द्री। दे से त्युव म लेखानु म से नवद में म्रायम्यायत्। देव नम्म मार्थन लेट ह्या पट मार्थन लेख मुन्द हे हैं देवे ्वत्रसां द्वते वर्गा हैरा की रूप सांसां मुनाया सामा प्रेत लिए क्वि कुते पर्ना हैरा रूप म्युन या अपने व लिस मानवि देन देन । मान ने प्रमुद्द पर व परि में दे मे दे में दे मे में दे मे कि मुन्न नहन्य प्रदायित यस हेत्या य स्नाम के व्यत् व व्यत् व स्मा मर विश्व महिना याद नाम हिना तथा कु दन्य हिन स्री मा के दिन है है । न्वः व ब्रुव व वे द व दे द स् स् स् स् मी व में र मी व त स्वास पट व व स व वार . भुव.त.पवार. बुवा . क्वां तामश कि पवार . बुवा मिट स्प्रे तामव र त. हे . वर व हिंदे ह्य न्युव पारेश कें ले वा वह का सुवन्य लेना रहे का साम कें का या ह्यें का है। हे. डेर. चडिमाय. रट. कुर. ज हैर दा मानार्रमाया पर मु. प्रमाय कुर्या <u>लू</u>र. व. दे. डेर. श्चेर'दवर व मुवाय प्रेर'दे। वि वे के केदादर र र र व प्रेर पर व मुवायर व मुका ्रा दे के वर मुरायदे मुं हेर तर में ने स्थानहर परे खेर रें। तरे क्रि. प्रकारी प्रचार खुच क्र्मा न प्रमास्त्र हीर मैं द्या रचीय ता व ही मैं हेर लुक् स्कानेसायर छात सार्थिक विसामायदे दिवाही। ब्रिंके विसामायदे दिवाही। ब्रिंके विसामायदे व या संभित्र है। विक्रिन के बिन कुर हैं विक्रित के सिन के कि कि के कि कि कि कि कि कि मर्झिशने हिं ते हें वे किन्तु मुक्य न हिंदरि प्रमान स्वार प्रमान में लेश नेश पर विषे लेश व विषे च केंगा वी । दि दे हिर व हैं नाश या कर्द न.भी.च.क्य.लट.खेब.चे.च.ज.शूचेब.न.जा 🧸 यु पु.शूचेश.न.चोट.ल्ये.न. दे 'यम'र्क्षेत्रम य व दर्र य ही य उर्र दे 'अद कु रदः दर्श वुदे द्देश सेंद 'अँद यः क्षेत्रत्य। ब्रिं देनामः हेन् प्रवाहर री। दमः मान्तवर में होन् पदे बुरार् लेशानु माने केंग्रामाने केंगा तारामा केंगा तारामा केंग्रामा माने केंग्राम ५५ यायाम्ना यहा स है भू ५ दूर या वि देश वि देश से का वि देश के देश से का वि देश से का वि देश से का वि देश से का त्नु र सॅर् के क्वार नाट ने वर्ना केर तार्ति वेश तु न तार संन्राय सनान नार मीस है। अस गुः नार्ये व माय य स्वीस पस है स सु नर्वेन प र्वे वनना त्यात्त्रं त्रत्तुव वर पर पर दे दे पर दे । वर्ष पर पर के दे भारत माल इ त्या है । श्रमशः र्रो ने मुनः मशः नावनः नुः वेशः नुः नः वेश्मत्वनः मते सुन् सः स्वान् नवनः पार्श सुनिश लेश नु पति शकेना में दि पश के हेश सु पर्यो प मुवाय धेर बिट हेसा सुप्त मूर्ति वरे अस यद्वाया आर हेश सुप्त मा भी पर्ता पर्मा के पर अद: नु अद: निम्मुक प्रते : क्षेत्र का दिये : क्षेत्र पर : क्षेत्र के दिवा की दिवा का तिमा का कि क चैद्रकेट खुँव्या कु कुँस वद्या य दे दे ये ये कुँवस कुँस प्योद हुँ लेस वह्रद पर वक्र वाद मीस वदवा त्य क्वें हेस हु द्वें वा सर वदें दे से रे क्र दे ते ते के दे ता से क्व ८२. ध्रे. इंश. श्रे. ८ में, च. चर्चा ल. इंश. श्रे. २ चर्चा च. में. लश. मीच. च. च. त. ह. के. न्द्रवात्म व्रिष्टेश शु द्यन्य वर फिन्न पारे त्यश खूर मुवाम फिन्न हो। दे खूर ब हेश सु द्वा प नुव यदे दूस हैश वद्वा म हैं हेश सु द्वा प नुव प प्रद

ीर, पुचा मझैव तर ये.व.चावर जाला , जार कुरा ये.व.दे अधेर पपु .सुंचारा वर्गा दे दे र प्राप्त हिंदि है दे हैं पर वर्गा दे हे र पर द्वे.भव्नुद्यापरे.स्र्वेत्रस.ज.लट.स्र्वे दे.भव्नुद्यापदे.स्र्वेत्रस.म्यूयःयःस.लद्यां। ह्रेस.स्र प्रमूर्त्वाचन्नुयाचार्ये क्षेत्राह्नम्बाक्षित् नु वहूर्याः नादाः प्रेत्रायाहे ये द्वीः नावत् नान्नुवाः यर वु न केर प्रेंब पर यरेश के बुन न सेर परेट र रॉट न महक हैं। रे हैं माध्येय का नाया है हेर लेखा नु या के अधुकाय के खुँ नाया या दें। तर्हर ध्या लेखा नु न दे नर्वा यहाँ। रदे होर य उद लेख नु न दे अधुद परे खुँवास य अद दे ्यानाडेना न्वना केर नाश्रया तर त्यूर त लेश व व त है स् अ तहें तर वेर व বহ-ব্রিণ্-বা-মীর-ব্রিন বা-র-বার্থ শবহ-ব্র-ব দীর-র ।। বা-য়ৢর-ব্র-শেদ कुर वाशयायाल्येयाय रहे भा में क्र्यामीय के खिनान खेंया ने पाया स्वांसायया द्रा म्बर्यायर व हुन् न् वचुर र्। धुय के हे हर म्बर्याय प्रेया ैं है द दें लेख मु ने दें न कुट पर है के ने निलंद मी प्येद हों। पर हर है नदन है द नासवा य हेर दें लेश से या अवीश य है मीय यह अधर हैं। वह केर है। वह से मिट दे 'नद्ना' केद 'नास्त्र 'नद्ना' केद 'प्रेक 'न' दे 'क्षेर 'व ह्व ' ही स'नद्ना केद 'नास्त्र ' वर डेर्प व लेश च वर रेर् री। ब व वल र ब वले र पु र व र व र व रेप की द्यर म् विश्वाप्तर होत्यर त्युर रे विश्वान य वे हे द्वर में दिर दर् य हैन प्रेर

न्तर् क्षेत्राम्बर्धान्य हिदास अप्रकार वद्या हेदा वदा प्रवास क्षेत्र वहार हिसा प्रमुद् यमु मु रूप नामा पर नेर पर देर पर दे के लाट नामा पर नेर पर मा भी सदे वर्गाकेरका केर जैस हिं रे से वर मुर य रा रा कर व से य रे से र में माराष्यायर हेर पर प्रमुद्द हैं किया मुप्ति देव हैं। माराष्या पर प्रमाशिया पर ୖଽ୕ୖ୷୕୶୴ୡ୕୳ୠୖଽୡ୕୶ୡ୕ଽ୲୴**ୡ**ଊୣୠଽ୲୷ୡ୷ୖୢୠୄୄ୴ୠଽ୳ଽ୕୷ୄଈ୶ୖୄ୶ୡ୳ୠ୕୳ୖୡ ंचाश्रमःचतुः ह्य तुःहेशः हव कुःबोश्यान्तेन् भेषा विद्यानरः ह्या विश्वास्त्रे ह्या ्रम् सःलुबे.तपुः विदेत्तरः युःचाश्रणः चेतु विदेत्यर कुषे.यू। टुःखेश चे.प यु **चाश्रणः** ्रदःन्यस्यानुद्रिन् में दर्दर्यहेवा हेव् शक्कृत् नु प्रदेशमाना प्रेव सर्वे। खेश नु पर देश या सेर विश्व नु पा के देव पर सर्वे दि विश्व नु पर है सुरे की यर देश माने हैं। दे अप दें अपूर्वा वर से दायर कियर वार के अपूर्ण दे हैं र ना ेक्ष हे . ह्यू . मह्त त्या कथा सहत . यम . हु श्रायम . यमु मा ताम हे ते . प्र अ . लेखा . मिन वृ. ध्रुं मिन्। ट्रं प्रे प्रका मिट हुर मी खिला वर मी पंतर नावर में बुंदर में · यते देव हैं। हैं सब्दा प्रते तुंश के दे के हैं के क्षा शु ब्रॉट पर्के तुंश के द कर्षेट - वर्गानहूर पर प्रे. है। र्रे . ची लियाक्र प्रे. प्रेशार है , वेश श श ह्रार पर अर. यर द्रे अवेदायर मुक्ताय अ भीव वें वेश नु पर द्रेने अ की े व. प इ. र्युक्त मह्त च देरे. रेश मञ्ज्य महित्र मह्त प्राप्त मा हवे. मी प्रेश र है. ... सर्वर् रेट्रा इत्राम् मार्थिक स्थान र मीय र जा प्रसित्त पर जिया ये.च.बू। श्रुच.र्स्त्र ह्येनाम.ग्रे मीट.स्थ बाल्य.ग्रीम.श्रिब.चर मीच.त.प.चश्रेव. स ३ हिन् मासपा म ने सामा मानु र मी साक्ष्म सा सा सिंट मा प्ये र त श्री पारा से र पर र विकास के के ता के मान के निर्देश विकास के निर्देश के नि

· मूर्.मी. भूराह्ममा सायहर सर वि. वह सुर अट हे वर प्यार् पा कर हा। अप के हिम्मका मामेद खेर हैं विकास मामेद वर्ष मान्य मानेद पर विकास मामेद पर खेर हैं। ्रुवास्तर्भानविष्यास्त्रं सर पञ्चेश्वापते नुस्र वे स्नूर हिषास प्येत वे । वेशन - मन्दे नुदाहे खेद नु नुवास्तर नाल्य प्रदाय प्रदेश प्रदे हे खेद है अदा है जा मालेसानु नरे दें तरी नुसरे शेर है अर है न सम्मेर हैं लेस न नरे शक्षा ्मी । भर हमा मार् मायद्भ यद र्थ गु सब र उद है सेन र हेर य र · महंग्रायालेश्य मान्य मेर्डिंग्सर्ग्य मान्य प्रति । महंग्याने - केन के नुस्क के सम्मद व्यन्ति साने स्मन्ति सामिति। सन्देश सन्देश नदीनुस कुसवत कर है। जिस्सा हु हैवास स नदाय सिंदी से दे सादे सिंद केश नुत्री अना यनुराया केना रामकेना रामकेना यहां साया निकेना केसा नु । यहां स्री र्सर क्षर हो। दुसरे उस मुस लेख मु न देस सेन तहस मा दूस में दूस . श्रमा प्रमेत्र प्राप्त निवानी पुर्वा गुर्वा स्था। हेस प्राप्त प्राप्त स्था निवास स्था निवास स्था स्था स्था स . महिना उस वा भरारें। भी ने मुता सहै दुब के नाक राष्ट्र या सामिक के ्रवेश च न के भेर के न म न के न में न के स न स्थाप पर के शता व दे में के भेर के न म न ्रु अहे चर्चा हेर इन् के भी भी ने नाम कर दूष र ऑर मा अध्येत वी कि दे नक क . भेरमे निहम में दूस के में निहस पदे हैं निहम में भेरमे निहम दिस पर से न्तु र्वा विश्व व पर द्विस श्री प्राप्त प्राप्त पर वे पर्दर सेंद्र हैं १ जै १ १ १ सुब प्यानी निवान रे. खेर तर होराम कर ही दर मा खेर मर होराम हे रखा रहे.

वसन्देट व्याय स्वाधान दे भी ने वहें द्रायके व स्वद् द्रावनु र दे ले व देवे. क्षेर-प्ये-वेद्ये क बसस-स्ट-ज प्यट-बेस-च-च-त्य-स्वास-म-र्झस-७। दे.देया.रट.रूता.तपु.ट्. व्रू.प्यीर.प.रेपु.प्रू. श्री. श्री. व्यूर.प्री. क्री. य'क्रेर'व्यर्'य'दे'स व्यद्रहे। रहारेमा ध'क्रेर'मस'से व्येर'वरे हुर र्हा। वर्गुर ता श्रेश चते हों. दे द्वा क्षश्चार दिन श्र अर्द्ध श्र च उद के दे हों हो देश सर हें वा स ् ८हूर्य.तर.चुर.त.ए वैट.चर.एचीर च.ट्र.चश.य.यश्चातर.चुश.त.चावय.ची.वेशश.. श्व.श्रूट.चंट्र.श्रूर्य उद्देश तंत्र.श्रुरा ह. श्रे २.२. चलर. चड्र. श्रुर्थ. ल्र्र. च थ. ष्पेक् के लिखा देवे कुर हें मायाद्रायक्षायाद्रा हें नाया सेदाय लेखा नाया र्शेन य र में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में में प्राप्त में में प्राप्त में में में प्राप्त में में में ता रेम्बेश व क् में क्रेर में में हिंदन हेन कर वहन व में मेर हैं विश्व उ वत रहें . हैं। दि नम दर्द्रमाय सेद पर मेश्र प नेम प नावद मुम अग्र सु बुर-वर-पर्ट्र-त.चम बट-वर-विर्। बुम-व-वन्निर-ल-विर ल-विर कः नेद्रने त. बुंश नि.च ता श्र्मेश नः श्रुंश ने । इश ने १ ने १ ने १ ने १ ने १ ने वै नाम विश्व नावित कुर्व नावित कुर्नि म विद्यास विद्यास विश्व है। दे है दाय स्मर हिना **अश.पर्देश.त**रु.पंट्र्य.तर.वुंट्रतपंट्रं चुंट्रतपंट्रं चुंट्रतपंट्रं भेट्रं कुंचे.भ्रद्श चुंशः.... नहेनायाभेदाद्वी देशावनानुन्दे कुँदानदे ह्वा वेदानुन दे केदा करानदे भे न्ये करे वहें व पर नुर्पि हैं के अबस शु हिंद पर है वे ।। र में स म ते स म मावन मीस असम श सं चर पर मान पर त्यार न से दे प्याय



क्रिं सार्स वस्तियां में त्रे वस्ति वस्ति वस वर्षे दुनि हैं या

दे हैर्नम्भून पर पु परि छैर देर धूर परि के लेख व न हों । मोदी करिक प्रवितात् मात्रा मात्रा प्रवास कर्म प्रवास देशा मात्रा है ही रहे मात्रा है। ब्रदाय कर दु के के विज्ञ र दें ले का कि की रेस के दे के कि विकास न ण.श्रुबंश त.श्रुंश श्रु ॥ ् ध्रुं , वृथा कर श्रैं त्या है , ब्रेश है , व्या है , व्या हो , व्या है , ૹ.કુ.ના.જમ..ૹૻ૽૮.વડુ..સુંમ.ટુ..જમ.સ.૨.૨૨.ત જુટ તડુ.જુ નો ડુ.મુશ્વ. ઝુર. તર્ને ત્વીંમ. र्र 'भे'में। रेस से'त्युर रे 'बेस'ग्व'न'दे रेस'स'भेद'पर सूट माहेर गुँध पुर म" रट.रेश.भव्दरश.म.वर.हेर त्र्य.सप्.हेर ह्या चाल.हे.रेश.पुर.टे कट.पर. मुरुपादह्व रहेर मुब्द मुंजु मुंदह्व थर दे दे हे रहेर में दर शुराह रामा घर र यर प्रमुक्त रे । दे हित्वे दे दे र के महामुक्त सर्वे वे वे के मुन्य वा र्या मा लेश-स-दे-केन-मुन-लेश-विश्व हाम-नर-दे-पर्न-दे-पर्न-मिनेक हाम-नर केर प्लर् यह रुष ब में मेर यर होर मामा प्लब मी। विव मामा है क मारेश यात्रीयात्मायकूरा वहायीयात्मार्यत् वाट्राटीयाङ्ग्ये के में हैरायराड़िराय ... ल्य रें ले बा रेंदे हिर हीर व अर लेब ने न य स्वाब म हिंब है। ले में इ.भ.रट ल्र्नात्रु देशके वीजा हे भ्रीतायर भारतेर त हे एक द्वीय की लब लना.ची.रेश.च.क.की.स श्रेर.कुना.स कुर.लुब.तु.तु.स लूर.त.कुर.स.लुब.तु.... मैस.च.मै भ.लूच.ल्ट्र. होर.रू॥ ल. मोट्र. क.झ.भ.घ.भट्र. चर. चार्स.च. हुंश. चै.च.धे.कू.भंश शि.चवर चठु.कू. जू। ला.चोटु.क.ध.शदु.चर.रे चोरंश त.वर्र

ড়৾৾য়[৻]ড়৾৾৽ড়৾য়ৣঀৢৢৢৢঀৼ৾য়৾ৼড়৾ৼঀ৾ঽ৽য়ৼয়ঢ়৽য়ৼঢ়ৼৢ৽য়য়য়৽য়৽য়ঢ়৽য়৽ড়৾ৼৢঢ়ৼ৾৽য়৽ঢ়৾৽৽ ୍ୟୁ ହେଉପ୍ଡାର୍ଥା । ଦିଶ ଅହିଲୋଥିଲା ME ଧୂର ସମ୍ବାନ୍ତିକ ନୁଦ୍ର ପ୍ରାଞ୍ଜି ଅ.ଜୁଏ.ଥ୍ୟା त्र्व के त्रिक ले वा कि कि मानि व पट्ट व तरा त्रुव हो। कि कहा मानि तर विमोल च बैं प्लें मोदें क इस लेख सुन मार्से हारा प्लेंब दें। नाबक मार्से प्लेंब मु च दर्दे देश समायर द ने या पार देश नहस्र या पर्द पार में दा दे दे हैं से मु ना सर्हे "" न भवे हो। रेश मंदिरंश ता वर्र मी खिला दर ली रेह्स हो प्रमासिरं म . दे. सेर इस.वे. वंद ती ता संस्थान से दे से होते ही . वंद से पा से दे पर वहें**र** यान्या भेर नारे नुस सर्द्व सामा कर मी ख्राय द्रा ख्राय कर मी दिस में निसा िलुब, च. लूर. ब. ब्रम. चर. चेश. च. जा बम. चर. पहुँ चे। चर. वें सातपूरी की हेरा जीता हेर. लुबान चार भूबान हुन लीम प्रचान कर पुंच नह नाबक न लार प्रचाम करें ना लुब.रे। मैं.रर.पश्चरात्र.लर.रेब.स.स्र.तर.चबक.सप्टु.स्र.र्शा बु.स.र्या.स्था.स्या रट मी.जुश्र.तश.स्ट्रि.त.स्.ट्रे.शश उहुदे.तर.उचीर. र्रे 'बेश-व नमा है' पर भरार है मार देश की कार कर की कार के कार के मार कि पार ्र**डेर'म'श्न**र'केना'स'क्स की वहेना'य'र्थेर' य'रे'स'वन'यते'रे'क्सस'क्ष'र्छेट'यते'' म् मिर्ने त्यस नाल्याय दे त्या नोत्र करे प्रेस मार्के या सार्थ्य हो हे हे स्वर व रहे हे र **वहाँ, वर भू, पेर्ची र.सू. कुम.चे. च.च.च.च.च.मा.च.लेश.च्. श्रेम.चे. श्रेमश.तस.चचीर...** र्रे विश्वायष्ट्रश्चायात्रमुम् र्या वायाने यो मोर्याकायह्नि यदी ह्वी कुशसी नक्ष

न.भे. चर. पर्वीर. थे। हुं ये चार. मुं. चालक. मी. चार. केमश्र. श्रे. मुं. च त्राप्त के खे. थे। नदेश ह्य .इट. ह्य. म. ह्यां भारत प्रमीय हु. हु स.चे. न. प्र . हे स.चे. नाट. ๚๊.ซฺ.๗.๗๕.ซ.ส.ฆ.๙๕ฺ!.๚๕.ฃ๎.३๚๚.ฑื<u>.ฐะ</u>.ਜ਼.<u>ร</u>.๚๚.๚.ร่.३๚๚ ผี.ฑฺะ... यत्र तीयाश्व त्रा मार्च क म् . इमा प्रधु द न अभवा शि. शूर च न मही स. वेश । स. मोत्रे महिमा हु तहें त्यर होरायदे द्वाया माराध्येत यामञ्जूवायर होर दें लेखा रः १९८ रमः निवर मी १३मश श हिर य.स.लुब. यदे रूर বহামশ্ব.ধর্।। मलैंब लेंब नु म के ने न हैं व पर ने न पर में का या मलक र र र रे न या ने दे के मिरा र भ्र. जुर्यत्र स्तुर हीर ह्या दे न्यश्र र हे खेग खें ह्या भ्र. भ्र श शुः ह्यार न से द न से द ୢୖଌଽ[ୄ]୴ୖ୶^୲ଽ୕ଽୖ୕୕୶ୡୖଽୣଽ^୳ୣଌୖୣ୵ୣୠ୳୷ୄୖୠୣୄୣୄୠ୷୷୷୴ୣ୶ୖୣ୶୕୕ୢ୕ଢ଼୕୶ୠ୳୷୷୷ लामोद्रे काश्वाकादहूर वर छेराच लेख मुन ने अटालेकामु दम्दिशः स् ।। म.ब्रे.मू.मोद्रे.क.स.स.क्रस चीव ने.क्ट.न.यहूर्य.चर.नेन.तज्ञा क्रामोद्र.लीका हें लिस दे हर द्व पर से प्रमु र रें लेस मु परे रें वे हैं। दे हर व लेस वि'न'य'र्स्याया दे हैं द में दे पर हे दें। ये पी मी दे के द में पी से पी न्ना मोश हर्ने य लेश अप । भागेते क वहन य हे स्टान के स्टान के स्टान के साम लुर.ज.ट्र.ज पहूरे.तपु.चेश ग.रेचे.चेश स्री ट्रेचेवरे.ज.लट.भव्हेटश. न क्रुबे. खंस. चे.च. ज. श्रुचेश तथ श्रू खंश. चे.च. थे। डे.चे खे ज. क्रट. भर्थेटश. यं प्रवे बिटा। प्रामी हैपा उर विंदा यं प्रवे बेसा गुत्र में रायस यम् ने के यं हित गुं किर ही। केंद्र हेश व न के प्रेमित केंद्र की। प्रेमे बुद्र महिस दमा के नहेंद्र

कर् थ सेर् यर विष्या पर विषय है से हैं में के मो स्मानी से रूर। कें ने हो माहिका कें रहें ने महिन या का का माने माहिना दु हो के कि या मेन यह माने माहिना दु हो के परे तिस्यायर तिशुराते। दे त्यायर ख़ें वहना या सर्शेन्साय केंद्र गु सेर रें लेस'मु'नर नर्गें-स'स्। ननट'चें यस'र्केंन्'सर्चेट'ई यह लेस'मु'न'देंन्नट'चें दे म्रसादे दायते द्रमायर वेसामा हेर प्रत्राचर रहे हर छे छेर दायते द्रमायर वेस न.पश. बुंश चि. चंश. चंकर. हर. चुंरे ह्या रेचर. च्. जश श्र. चें र वेंश चे. च. थे. इस धर केंद्र य द्वा व केंद्र य सेद धर दिवस य द्वार दे दे वेश य वश स भैत्र लेखानु प्रते देवा वि परे के प्येत प्रति मान के दे प्येत प्रते के प्रते के प्रते के प्रते के प्रते के प्रत श क्रूट नदे . पेश त रसश की वेश ने न न ने पेश न रहेर न र ने र त हेर न र हेर तर्र नेस.त. देशस.ग्रेश स्। दे.र्ना.ग्रेट. नेश.त.मिलर.ग्रेशस.श.श्रट. न. है 'ल' मा ब्रमाश रूप रेप्टर है 'लश र्शेंड पते हीं' रेपेड 'लश कुमस 'शु र्हीट पते 'लेश' यादे अप्रवाद्भावत् व्याद्भाव के विश्वाद द्रायम नुक्षा देशकाना अप्रवाद के विश्वाद के विश् श्वार्श्वर पत्रे भेशत हर्ना वर हिनावया वा बुराया ख्रार वर ही देशायर हर्ना वा नवा क्र्रायायार्क्र यासेन यमावित्र यमान्तरार्व वे क्रि.वस्याया वसमारुद् तिस्त्रिमायर वया पर तिसुरार्सी देश में सम्बद्धी द्वार पदे हिर र्रे वेशन व व व नुषा है। सबय से उदावदे हैरारी। रूष गु.सवत.बु.सर. डेन्स प्रदरी डेसन्न नर प ध्येर वी। रत प्रहुर, ताक्ष, कु. चर. टे. कुर. ता. लुक. ता. खेश. वे. च. भे नोदे क नाकेश या दिव यम हो न पदे क्विं के न पर हो न या में हैं न देश

ने'यलैक नु'भे'नोदे'क सें सं य देहें न य कें न'य भे कें। भेने' ्रम्भसः कॅर्-यः व्रॅसः यः दः अपः लेसः तुः यः देः औः नो देः कः ममसः मा। कॅर् यः मेरः मनः तिविकाता ने बदार्य है। ब्रिंग क्षिया त्ये के स्वापा है। ने विकार है निवार में है। ब्रॅ दिस्यायर दर्देर ४ लेख स्याप्तरेष क्रिंग में । रेश मुंश के में बद में द्रा वायर दरायरस यर वहेंद्रायर विकानु या दाहे हुर यो मिति कावा वहेंद्राया यर न्दान्तरुषायान्ते सुराक्ष्या नुदाया स्वारायदे हिना वर्षेत्र या रहती स्वार्या न्नातात्रहेंद्रायाप्रदान्द्रात्रक्षायाक्षेत्रहें। क्वायावहेद्रायराष्ट्रेत् यते क्वि मर-दु-निर्दि-च-१द-मु श्रुर-र्सा .दे-वश-४-५ व्हेंद-च-पर-दि-चरकार्य-श्रूर्यन ब्रुमसाक्ष हिंद नदे हिंस भे नेदे दहिंद पर्दे हिंद स्पेव के विवासि हिंद करानु प्रमुक्ता है । बिकानु स्मर क्षेत्र हो। यो मान समस प्रदेश स्वर होन त.पंचर बुचा कुचा लक्ष्मि प्रताम क्षा भारत लाल स्टार्ट । ्रस्त्रामा सर्वे स्मराद्वे द्वे दित्त होता स्त्रामा स्त्र चीवर मुक्त क्रायर क्रिक्त में प्राय वेश हैं कर देश हम बर त्म्रोयः सः दे 'दे 'भ्रमसः सुः र्ह्याः चत्रे र्स्याः लेखः चुः चः स्पेदः है। नाहः । सामः स्पासः सद्र ख्रांभर वर र् क्रिंग हेर्लेश वर्ष कर्लेश वर्लेश है। वेश वर्ष विशे मुक्तिमाश्चास्य वर्त्र स्वेर स्वा संनिवहित रामहित नुषेस मुनाहि प्यामी ्रमाठेनाः स्पारका मार्डेर् यर मेरेर् या यहेन रहे हो। रे अस मुर्ग मुर्ग से केर् ्रे**द**्री श्रेच्याके कार्याच्या हिंदा हो। विवासी सार्च सार्यह के राष्ट्र सार्य स्टार्थिता ्रव्य वे द्वा हैन क्षेत्र सम् देन सम् अव्या है नमा व देश च वे ते तेश संस्था

र्देश्याके ना नु : भूमा ना से : हो ना से न चाराया वर् देया वा चार्या है दा वा त्ये व छी। हा ही ही वा यह है सा त्ये हैं। मार मेश र व्रस्त पर्ट र ट. मी नेस पस पहीं परा ते के के लट लेस में परी क्रिंग्यंद्रित्यंद्रे क्रिंग्यंद्र क्रिंग्यंद्र क्रिंग्यं क्रिंग्यं क्रिंग्यं क्रिंग्यं क्रिंग्यं क्रिंग्यं नर नुर्यायामा विकासाया हेका सुर्युर्यत दे का नर हेना मा किस यर विश्व यश विश्व न वे देव मावश्य मावश्य मा अभिष्य हैं हिंद वदे वेश ... यानार भेताया देशाया देशाया के शाया देशा है सासु दुर्धे दुर्धे पार है। देश **ୖୖୣ୵୷**ଽ୶ୄ୕୵ୄୖୢୠ୶ୣ୰ୢୖଌ୵ୢ୕**୷**ଌୢ୕୵ୣଌୡ୕୳୷ୖ୷୶୕୷ୖ୷୷ୡ୕୶ୡୢ୷ୢୣୣୣୣୄ୷୷୷୷୷୷ ह्रे गंश तपुर पुंश या माश्चिम यह ॥ हे अस्र शुः शुर व लेश व व व दे दे हमः यर नम्दर य दे । वहेंद्र यह दूस य नमूद नह दे द हिंद के हिंद न लेस नु न प्येद है। वहेंद्र मदे दमा व हे मान दे हिम दे प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र रेप्टे.असस.श्र.श्र. वर्ष. वेस वे च.के.र्ट्स.रट.ट्स.श्रट्ट. वर्षा वेस.तप्र वेस. यस केर् च सेर् यदे इस य नाट थेर च देर ह्राट वर नुर धर्ता में द्धर व मुक् मी वहना य उव मी द्वर में दे के या या मुक् से दक्द यर देव दर सर्वे॥ ् इस्र माया भेषा भेषा भेषा प्राप्त प्रदार्थ के सामु निक्य र्वे दे मूर्यमा है में खुनाय भने कर्म है द रे में ने प्रति दें दें हैं। दें ने हैं सर्रे प्रत्रे सक्षे के हे से कि प्रत्य मार्थ में के पर हे दे रहे। लिना है सूर दूर रे दे से मुन न दे दूस य मार पर मार ने दे रे ने स सर्हे । दे के दे हर कर माणे दार वे लेखा मु पर रेमास दे लेखा मु न के मोर्के पा कर मेद

या उद् लेख मु पर द्वेंद्य स् ॥ नाय है है नाद यस मे द में से पर द्वार मुश्र. पुश्र. व क्ष्य. तर. चलमा. तप्र. हीर. र्. . लेब्र. वी. प. हींश हो। चेश. च. ६ भ. १९ म. म. म. १ हे हे हे हे हे न है है है है है है है है है से चेश तथ क्ष.व क्ष.चर.रविच.च.बुक.वे.च.ल सूर्यश.व.श्रुंश.सूरी हे व.रे.च.क्र. मसःनहर्ने यासेन्य लेसान्य की वेसाय दे वेसानु नाराय ही यापादे त्या क्दामम निर्दे पाम निर्दे पाम निर्दे विशान निर्देश के विष्टि कि विष्टि कि विशान निर्देश के विष्टि कि विशान निर्देश के विष्टि विशान निर्देश के विष्टि विशान निर्देश के विष्टि विशान निर्देश के विशान निर्देश के विष्टि विष व भर हैं।। रशुर् यायमाल्यान्य याने लेवा र्वे सर्वे पारे सावद्वा केर हिंद नःमः प्येषः पर्यः व भेषः यः न्विषः मुक्षः सुँदः वः प्येषः व वेषः देःमः वनाः नुः वस्तरः यः ।। पश्चा देश लेश नु न है का पर केंद्र प अर्थेट न दें। दे ने केंद्र न हैन दे 'अदारमुर्' सामसाद्वस य म्लक्र्य मून यसे मुद्रास्त्री हेरारी। दे 'दर्' केर है लेखा च च.ज.श्र्वास.तस.क्स.तर.रच्चेर.त.केर.वसंस.ट्रा व्यवस.रट.ल्र्र.त.रट. म प्येत है। में भ्रवस से दर्द किया नु पर दे दे हैं। दे के सर्द है र्टः सर्दे पा तम् विष्ट्र से ॥ है हिर दे ते भारते पर दे हिर द्वा वे दे नेश्वाच द्वा भाषा विश्व वा वा के के हुर क्ष्या सर द्वा चा वा के स से ही व दे हुर " न्वर वे वे वेश य रेन्स अधुर य न्ना गुर हो व से र वे लेस नु वरे रें र हैं। <u>इ.५.तपु. इस.श्. पंचर य. ट्र.पुराया योक्या.यीटा योखरा दीशा कु. केरा या यात्राया यर</u> क्षिट न उद के दिर महिद् श्रम है द दि मा मा मा मा मा मि मा है है है दे द

रचाश अधिक तपुर देश तर पुरा त कुना कर भ पर्वेट बुट बुर पे सामि हैं। मीयारे तिया मी द्वा का में या तर विद्या ता रूपी था अधि रा नी हे था व मीर ना रे है है । ୖଽ**ୢ୷ଽ୶**ଽ୳ୢ୕ୣୣୣ୷୶୷୳୰୶୷ୣ୕୶ୢୄ୕୶ୡୢ୷ୢ୕୵ୣଵୣୄ୷ୄଵୖ୵୕ୡ୷ୣ୷୕ୣ୕୶ୄୢୣୣୣଌ୕ୣ୵୳୵ୢୠୣ୵୳ୖୡ୵ न्वन्नाकृत्रक्षातु व्याहर वर्षे प्रायम् यास्य येव वी। व्याववर वे हेन् यासेन य'न्दः द्वसः यर 'हॅन्न 'यदे '. वेस'य'यन्न 'हेन् 'हर्न हो। यर 'हो 'यर 'हो 'यर हेन् 'हों। हैं पर देंग पर किया पर किया भड़ हैन हर पहुना पास के वह दें लेखा मुन्दा है। र्हेपायासेरायदे प्रेकाया**र्**टाञ्चन हेपा हेकानु नार्मेटाक्सार्नुटार्टा। मी दिर नार मी है। दि ने सम्मित्र समाधर हैना परा रे हैर परे प्येत हैं लेस न्यसमानर ब्रुट नाढद क्रि. र्ट्स सॅ. हे. ब्रे. नर व्रेट, क्रेट नाढेन हु. वेट, सदे दस्य सः -देशट्ट 'वेश'नारे क्या यर हिंगाय दे किरामाया यर हूट या भीव वे क्या दा मालवा र् अन्नस्य वर्षे ॥ र् 'वेश च न्यम् यर क्रूट च केन दुर नहेन दुर सर नु न मद्रे शुक्रानी कर म केर र पर्टेर पानाट प्ये र पर ने न वर ने परे हैं। ट् . पुंस. च. चंसका. चर. क्रॅंट. च. बुंश. चै. च. ज. सूचीस. त. श्रुंश स् ॥ कुर करिष्टिंग तप कुर ज़िरा वे या है तर किर चड़िश कर तर पर पर पर पर म्बिर-दर-म्बिर मुंहर् केशन दमा ह्राटर् ।। दे नह द महिमा साम्राह्म यदे के नहेन हैर दूर य यह मामा भेर के। देर हर के श्री न्द्रक्ति दाया स्वीम या विसाय वा न्द्राया उदाया आद दे हेन प्रे प्रे के विसाद नेबाद्ये हीं नाबमानर ब्राट न प्येर न प्रमाही। दे माप्पट हीं 'मलर क्षि पासेद यावाव स्था स्ट्रिके । विवा उर ही वाकेस से ही वारे हीर री। दे वस र सर से व सेविश्वादान्या अध्या दे वेश व नास्कार र हार व प्याद

लेख.ये.च चिश येंट चर.येत्।। वीज. हे . चोश्चाय. वर. श्रीट. वर्ष. च्रीय. ख्रीर. हे . क्रिन्दर येव व विश्व दे विश्व पर वेश विश्व महिं सुमाक्षेत्र विव पर द्युर पर दे के भर.भु.ण.सूर्याश.पपु.ट्. पुंश.ग.लट.पयीर.र्रा अ. में मंग्रश.य.लट.श्री.य. ता. स्योशासाय देरा त्या प्रमाय स्थाप्ता नास या प्रमाय स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स क्षेर मह्त् श्रम लुब तर मा तन्तुर है। मह्त् श्रम नी कर्म लेश पर तन्तुर र् लेश व वरे र्र रें। र अराय इस या नहेना नु तहना या हैर ग्रेस द्वाया य हेर प्रेर परे हैर र लेश न पर न्वित का हे प्रदर प्रवार लेश न र्हे रहेश मु न के न के न के दु न मुन पर न देंदर रहे हैं ने साय है दु स स अह सर्बर् नवर हैर हो। रे.केर. मु. खेना च खेर ही, वशम रश ह्. जैश न रवट. त् .ज. हेब.त. हेर. जब वरायश श्रदश वशायशाय श्रियात हेर. जब पर वह रहिता। इ.इ.रवट त्.ज. पर्वेश.त. हेरे.श.लुश. यु. खुश. पर्वेश तप्र हीर ट्. प्वेश.त.इ.लट. र्वा व .ज. देश वे.व.ज. स्वेश त. स. स्वेश स्वा है . इस स्वे वर्त्वास है स.वे. या में दाल्य सार देश मेरे हेंदा भी केर में कि मार्स मार मार यसद्वद् ने अस्य के में के स्वर्ध के के स्वर्ध के स तम.ह्रेट्.च.हेर क्रे.हेर ट्.७४.वे.वर.ट्यूट्य.श्र्रा प्रवीर.य.लट.बुरा वे. य.वे.र्ज्य अभम.श्री श्रेट य.रेश त क्र्य.रेर ही वर्श्यमात.रेवट त जेश त.प. पनीर वे लट है। विश्व ले रे वे ले रे के देश पर वेश या पहुंव है है परे रे व्रेर। है: इर प्येर मु रसायर प्रेस या हा है हें हे समायहवा या पर्वे र देवदा र्स दे. पेश.स.सट. हेश.चे. चंदे.स. हुनाच् । हे.सश.स.ट.ट. सट. ट्रॉट प्रमुट.

र्रे लेब नु न के प्येन गुँ के नर ज़ेब न प्याप पान न पा केन पर मा यात्मालेखानु नाकी नेद्वानेखायान्द्रात्मेद्वानमानेन प्रती में साम देवा नेखाय न्द्रा र्शं मर्थित्य यानाराज्येयारी ताला हारी ह्यं में देश मा हिरा मानिया हुना दर हेंबाबायर प्रचुर ४ लेखा छ न के रेंब के बादा ना हरान है र जी था रे प्याना वसा यदे हैं र दें। दे य वहार य हैर दे र हैं से सम पर निवर य पर मार लेक स दे ला क्रांचर त्र चुर है। दे अद दु है है हैर दें मी लेख साम दें छै क्षात्राक्षरावादे क्षेत्रा विषायदे वेषावायालय द्वामी वेषायदे के या पुरा नाकु ना ने ब्रिटानर व नीर रू. (ब्रिश न वेर्ड र व नीर रू.) र दे र ने ब्रिटान मा के ब्रिड है। <u> लेश.च.च.च.चेश.पप्. पंशायाकाल ८.इंब.चे.बैट.च.को.मी</u> पुराय हेरे र्ब.चे.बैट. या भेदाबिदा। दिद मी विषाया दे से र्सिमी देवत्य विनायेदाय दे नमाद। र्दे न इंदरमानिक्ष सु ठेना उर त्या दी वेश म दे दना में लेश म न दे दे चुै' वेश.च.चट, दे अध्याश. श्रुट. चयु. वेश.चर्या र्ट्व. ट्रेंबेट च.चार्ड्स.च.च.च. भेद सर् 'ते 'वे स' त न दे 'र्दे 'वे ' नेस प है 'र्द्भ 'वे 'र्द्भ 'ते हैं 'र्द्भ 'ते हैं 'र्द्भ 'ते हैं हैं 'र् म्बिरायटार्देश्ट्राट्राट्रेश्चेश्विश्चिश्चायाय र्स्यायायायात्राया हे रेद्रा स्वेशाय दर् नेशं तर्रे ब्रेट्-वः३अशःश्वःश्वर्टःववे पुशःद्रशःद्रदः हेंद्रः तरःविचुरःवःदेदे के । र्भे मिर्मेश्वाचाला हैए व नामार लेखे व दे दे रे रे रेटर हेंब जेश मही जेश चाला हैए म नार के दूर दे दे दे ने सारा के दे पड़े हुर दे । व दर पर देश पर ने लेना यर अवीर कुटा। क्रिम लीम की विदे तर जाम देश मा अटा बेरेट तर अवीर. र्भा भिन्न निम्न वर्षे द्वार वर वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वा क्रमसं शुं हीं- 'नदे नावस अनस शुर्मा नु 'देश नर नार नार में की दे

୬ଟ.५.७मश.श.ब्र.५८५ . टेस.५.७स.२.५५.५५५.५.५५५ थू.। 59.55 र्देर नु । भेर १ दम मी : ब्रॅंट य : रेस यही द हो व । भर हो स नु य है । श्रूर हिया है । वेस ପଷ:୧୯୯ ଓ ଅଷ:୧୯୯ ଓ ଅଧିକ:୧୯୯ ଓ ଅଧିକ:୧୯୯ ଓ ଅଧିକ:୧୯୯ ଅଧିକ:୧୯ खेश.तश्च.अश्चराशि.श्चर. ट्र. खेश.चे.चठु. व. कुबे.च्र । रूथ. खेश.त रेट. श. उडेश. म. लेंस.चे.च.बु. ट्रब. पेस.च.चाडिट.चर.चीर.च.रट.स.पट्रेश.च.ही यक्ष्यं स्मेर् पर्ते देशहर में सुर प्रयत लेया हो। वहेंद्र पर स्मायर मूह प श्रुट्-वःनाक्रम । श्रुवः वः त्यः श्रुवः वः वः अस्यः श्रु श्रुट्-वितः नदः वित् र्रेट वितुः मिल्री देने खुवा कर लेस मान के खूर पर खूर पर खुवा कर ला दे हैं हर द्रवः प्रते : र्स्च वमः गुर ध्रयः वालवः त्यः वस्यः व वदे : स्वे व व्यवः मीवः व ववः प माट.लुर दा.बुरा ची.च.बुर कुरा.चाट मुत्रा.जुरा.चुरा.चेश्व.शुर्. म.इ.ज.लम् रेष त.सह्मा हे.वस.य.इ.लम्.चेस.त.चेख.त.चेख.३ स.शे.ह्यूम. यर प्रमा र से र मार्टा हे हेर खिलान विश्व पर्से व े र यर प्रमुक्त है । दे अट वर्षे न'मेर वरे मुर्निम्म् प्रेम्ब्राः हान्दे हैं नर वेशमरे खुना हैर् खेर नर् हैर र लेश.व.न.है। रवट.व् र जेश न.रेट.व्.चट.लुश न.रेट्र लेज. कुर प्रवासक स्क्री हिम का अन्य के हो। व सम्माउद का की क्र.चर्चा हेर वस्त्र वर्ते में लेश चि.च हे त्रीय वस्त्र वर्ते कार्य वस्त्र वस्त्र वस्त्र वर्षे त्र वस्त. १८ : ही. वर . वंजा वर्ष . हीर . रू. बेश . वे वर्ष . वे . कूची . व्य भक्ष. हेर. ग्रीर. ग्रीर. ता हे. च. श्रीर. हेर. हुंश. वे. च. हे. हूंव। श. शे. च बर. च प्र. क. थेव द। वसस उर् क्रेंस क्रें रसेनास यदे सह र केर क्रेंर क्रें र क्रेंर केर क्रेंर

वशुर वर दे वर्ष मर् हो। ध्रय भर द मैन्स यरे मर्कर हेर हेर हिर सर्थर देते. खेर 'के 'च हो 'बेस 'चे 'च होंस हों। वाम 'हे 'के 'च 'के हे 'हे सर ' ल्याले मा हीत् नेत हे सान का हों सान महित्या म क्केर यर छेर य केर र पर्टर यर्गा कुर न हे न त्य न वस यद सहित्साय रे स्त्र त्री के लट हिर हिसामायन या क्रिया पर क्रिया के त्री के त्री के स्तर्य ৽ বিষ্ট্রান্ত্রির প্রাম্ভর প্ दरक्रमार्क्ष के.पर. प्रकायर पत्र पर का दे केर के के पक्ष में ही दे लेक के लेक न कर देश के लेक नियम के निकर पर हिर हो। हेर होर উষা ব্ৰাবাৰে ব্ৰামান্ত্ৰ বাৰা সূৰ্বাৰে ব্ৰীবাৰে ইৰা বিৰী ৰাষ্ট্ৰ বাৰা নাৰ্য ता हुर में बुंबा ने पर हुन में । हिंबा ने राज्य मा नर्मा में हिंद वर है। विष्युर दें वेश नु व दे वस्य उर दु देंद है वि वे दे वर देंदिश र्शी वर्गुर वर वे वर्दर सेंद ग्री दें। वर के वर हीं हास र द वे हीं ही वास के वास नुन यदै दें नाट भेर य दे नहें यर नुन यदे हैं देश दें न हहे हा स १ सर् श्रि.श्चर.पर.पर्जीर.स्.खे.या ट्रेट्र.ब्रेर स्य.स्.स्. कुवा.बर.स्<u>र</u> संकुवा.मी.वेशश. श्री श्रूर.व.पत्त्व, वर.पवीर रू. लेश वे.व.श्रूश.श्रा श्रूर.वर की.व.कर.जि.ज. बुश-व-त्या मु-त-र-बुश-व-त्र-द्र-म्नाम्य पर्। श्री पर-कु-मः स्मानाद्रायाः विरुद्धित्यम् कुः च ठत्र व्या दे स्मान पदः दे प्यतः या श्रीतः याप्यत्येशयमान्येत्यराक्त्राच्याक्ष्राचारक्ष्राच्याक्ष्राच्या वर दें दें। ब्रिंग वे वे पान पान के दुन प हो। ब्रिंग द्वारा नाम के पान है है द्रस वर्देश या ४४ है। इं १ असा सु हिंद वा सेदाया था देत वा सेदाय है ।

म्रेट्रायह केट्रायह क ्दवद लेगामाप्तरामी हिंदी दर्भामापद कुर कराया प्रेर कें। है। रूप ही। र्द्रायाचेम्'यासेद्रायत्माने'यायायक्षायासेद्रायास्मस्यावेसामुप्यायायाद्रस्य स'त्रिंश'ध'दः रे'र्तिः ने'र् 'य'स्न् वश्ये रे स्माधर हिन्साया है र्देशकार्यातामान्त्रकार्मन्त्री र्देशमेर्याकेरामुस्या विकास कार्याकाया केंत्रः द्वार्या व्याप्य देशाय देवार्या वादा व्योत प्राप्त देवार देवार विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास सामेदाय भेदाहै। दे हे व मेदायर भटाह्य महिसायदे हुर र्रो। इसायर र्ट्रेस तालका मेर तालक केर महातर मझेत्र जुर हा। जुरा तालहर तालक नालक्ष्रपुः नर्षे नदे कु देव भेरामामाणकार्वे लेख दान के लेखानामामामा पहर्वायानामध्येवायादे यहा नविष्टु हो। क्षेत्रियानी द्वारा प्रित्यम होरायाया पर्यः मदे कुर मुर पदे रॅब ऑर पास भेव बाँ। देव के क्वें दे बुराया अर भेव बा नार लकार्द्र हिंदे हैं दे हैं दे भी बेका नान है सहर ना क्षाय रे दह है या ठ द ही हिं म् रह्रातर नेरातम् ह्रा रेके हिसार मुहत्यरे हिरायाम नुसाय जराया पर र्दे निवर वारस्य वरे रदा द्वार वर्र मी ह्वे रे निरायस धीर देस दावर रेदे रेटे । । नावर में में अप हैं के रायर होत याया दुषाया में राया के राया क केराया जेसासक्केराचारेया वसाया बर या प्येताची रिंत पालताची हिं त्या ने सा प्येता वीं लेश ह्वारा पर त्युर। दे प्रश्न द हुर पेश भ हु द भ दे भ म ह द भ र न लेक न्यूरक स्था अवानहना हिकारहे नेक म कुरा प केर प

लेश नि.च.तु. में .कि.श कि.श. में स रभू याता तह, में देश में .की.श. में .का की सार् मु दु त्रिया व 1.३८. तेश तर निर्मे र.त. क्षेत्र वर्षे . हे. ज.क्षेत्र त लूरे व लाहा लियामोबर पा पुरा म पहना वर प्रचीर र लेश. चे. व. स. मी. म. म. मी स. म. त्र क्रम्बर्धः सः प्यूर्वः स्पटः गुक् निवेष्कः सरः वेषः सः व्युष्कः सः प्यूर्वः चः क्रेर् गु हुरः। मु र पर विश्व १ वर्ष मुक्त प्रमान मुक्त १ वर्ष १ वर १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष हुश.च.च.ष.श्रूनश.चश.बर.प प्रत्यातह ताव परेच वहा हे.हे.हेर.व.ईश. तर वेश त. वेश त. भूर. च. भ लेश व. के भ व बे बेश चे. च. ज. श्र्येश तथा के म. भ. भ. ह्यूर पर नेर्देश अर्थेटश लेश च पर्दे प्रतिर पर्दे वेश स. भूगे ह्यू . लेश व.व.लूब.री वेंब.त.रेट.चंज.व.लुब.ब्रू. हेंब.वे.चर्.ब.कूचे.च् ।रेड. हे वुसामासेदाय दर ज्ञामान हेद कु हुर है। कु वह है सान वह वह है है। य वै.सी.म.ह केर.के.म.वेष व.रेस्। करे.में क्षा तर वेश नर्य वे.हंस चलुबर् रे. श्री तर प्रचीर र जुल चे.च बु.क्स.सर रेची च.क्सल रे। क्स.तर हुंचा,ता,चीहुश्व,बु हुचा,कर भु,पविदा,चंद्र, हीर हुंगा, अभ्यक्ष,ता,चीर लुबे, ता. लुस.च.च.च.चु.चु.चम.ता.स्चम पर्ता। स्त्रीचक्चा.च.कामप्र.चेस.ता.स् स्र्र. देश पा त्यक्ष का प्येद वें ले द लेश नु न दे। सहद सा पा ने सा वना पर में दे लश्र में मार्थ दे में निकार मध्य परि में निक्षा मुद्दे परि मार्थ में प्राप्त मार्थ में । ्रहराष्प्रास्त्रवादुःवङ्काः अञ्चेदायाध्ये (विषामुः वादेः विरोध दिरे र्देशणुदाद्राः हुन बर.श वर्शन अर्था १ रेवट क्षेत्रक लूर् के लट बुश मे च क शूनका महे.

भैपमा शेर् ।। बार मी के लिया पुर पुर प्राम्य साम के पा का के के पा का के कि का के कि का के कि का के कि का कि का च लेखानु न दे खुकारा नेदानु मायका न वना हे न दार लेदा न खुका में वर करा ्र दवदःस् नालक्'र्दः त्रेचेया चर्षे प्येदःहेशः सरः त्रेचुरः हो। देवः ह्वा क्रा लेशः लील मु.स्. र्यश्रा वर्षा हेर. इस.चे. च. यु. सुस.चे. चर्चा हैन पर्ने प्रमार्था। परमा प्येन नि है स्मार देश प्रमा है साम है साम है साम न. बु. इस नर. रूचा त रेट. नवस. नंत्र, इस. नर. जुंश च. इसस. स् ॥ बेर्यवेष्ट्रेर्रो। रेक्रिक्षिर्वेष्ट्राव्यकेषा वित्र केर महिना म हिर केर केर हैं। दिनम इसका विवेद दुर्म वा भार के नविदानु स्वरायाम्बर देवाया साधिव देवा प्रमाय स्वरामिक स्वराम स्वरामिक स्वरामिक स्वरामिक स्वराम स्वराम स्वरामिक स्वराम स्वर ર્ના ક્રિયા છે. વૈં. તેવલ હિના માટ અંદે તાલુ ક્રિયા કે. વેશ્વા કે. દનો ની દ્રશ્રા જેવા वित् य नहिन हैर में लिखा वाय है विराध वि दर्ग हैर त्या वर्षेश दक्ष वेर पर हा क्षेर ले १ वे ॥ के छैर सर से र सम विद्विश व प वे वर्श महिनासा ल.श्र्माम.व.भर्यूट.पम.र.भर्यूट.पर् ॥ के.च.चू.रे भर्यू.भर्यूट.पप्.रंभा सर प्रेस मा क्षेत्र मा र के हर देर में प्रेस के साम र मेर हैं र हैं। हुका मु.नु. सका लेखा मु: च वा क्वाका पर प्रक्रा र र हिन्दी। हे हे प्रदा द्भायार्था नुम्मद्भार्या निमालिका निमाल ं यात्रार्या कुर् पुर्मिर्या सामित्र भी। रे प्रमा के में प्रमा में कि प्रमा मीस ् ८ हुना यर २ तुनु र र्स्। दे च स व निर व हिन य सं निहेन र दे य र स दे व स है। ंचःवारुवाःक्षेत्रःवरः**द्वयुरः**विदःवादःत्यःदेतःयःयाः नुःरःष्टेतःयःदेतःवादेवाः

संभागितान कर्ने मार्श्वेर तर नेरेर ट्रेलिश परामश तर्ता। ट्रेलिश वे.च. भःश्रेन्स्य च के मूर्य प्रदेश्म वर्षः स्थान्य प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्थान वर्षः स्थान वर्षः स्थान वर्षः स्थान व मार्च दे द्रमा ने मार्च ता के मार्च दे के मार्च दे के मार्च दे के मार्च दे 'पुरा'रा श्राम्मत्रे मुद्दान्तर धरा उत्रामी पुरापान्द वर्षेत्रा पामर्वेद्या पर पुरापान वर्षा । लक्ष देश तंर जेश राष्ट्रभश रूथ मुश्न ही पर जिन्दे न लुब व वेश व सर्ब्र प सेर्या उद मु प्येर द म मुक्ष हे लेना म लेका मु नमार्य स्था है। दे हैर दे दिर् कि. देश तर पुराया देश तर्या केर हुरा छै । या सार्षेत्र या ही सारी नुसायते मुन्साम्ब्रास्य विकार्यन विकार्य द्वा देश देश देश रामक केर मा करे र न विवास व संग्राय न विवार है न न में केर मा कर हैं। इस सर विश्वाच द्राविषाच खेर् राज्या श्वान प्रति । वृत्वाचर वृत्र सेदाव दे वृत्र वर्षित ्रामी दर नदी क्षेत्रार्ती व्यत्ना केरासेमस प्रित् पाकेरा के दि व केरा प्रेत कर न क्सायर विकास केरान या केराला राम विवास वर्षी होता वर्षा व भीर सर.वेश.वट्. चर्ना.हुर.बु.बिर.तर हुर.चना.क्चाश.श्रूरश.श्र.श्रूरा.हो। व्यक्ष व क्षेत्र याया सर्देशनु क्षित्र यदो यना कता स दे रे विराधर र दे हो हो हो क्साधर विशायर दें नियामार्येदाय दे त्यादे क्षित् हें सुर्वे। दे दूर दर्दे बेबानु माने प्येत का में। येत गुंदिना बारे वे ने ना कर वे बादा की ही ना प्येत सरायहर् रू॥ चाराची हूर म्या है पर लो र या है र लाख इसायर केर या ्रमाइसस्य भी ही म देवे हो। पदेश ये दश हेश हा दवन यर म न मान्यायार्जी। मान्यायार्ज्दात्रालेशाचायात्री हियाचा न्याकृत्याम्बर्धाः व्यक्तित्व विश्व च च च च च च च व्यक्ति व व व च च च च

पर्वेदः यप्र, ददः क्षित्र क्षां मी. बुंश सि. य. य. य. य. ये. प्रेने मी. व्याद्यां व्याद्यां विश्वा नु न के ह्वा वसाय दे ने नार क्षेत्र प्रति है । वर्षेत्र स्था ह्वा क्षेत्र ब्रा १५.कंर.धु.पवीर.श्रूर.की.खुश.वे.च.ज.श्रूचश.त.ज.खेश.पवीर.चटु.स्. के.चर.जुर् तप्राह्म स्त्राह्म कि.म.ही. कि.म.जुर त. कु.म.ही स्त्राची कर सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित पवीर न बु.भ.रूष बु.खे.वे। बुश.चे.च.कुश.पवैद.वर झु.ल.धु.के.भ.क्श.चिवर. चिह्न चार्केन चार्चेन य.ज.श्र्यका.त.जा उहुर.तपुं.भक्ष्रे हुर.वर्.मु.४भग्नर.तुस.त.मुर.तर. डेर् यानाम्भीतामारे केराना इटाय रे सक्त हैर ग्रेमाइटाय हेर प्रेम में लेखा हा माइट.राष्ट्रे ४९१ हुर.ग्रेश.भ्रेर तर.तमुर य माइट.प.हेर. यते र्ने ने ।। ष्येष् प्रमा प्रश्नुमार्मा लेखानु ना के दश्चेषाखा स्वये स्वर्षक के दा ग्रीमा सुमास्वये दिसा सिंग क्स.तर.पुरु त.मुर.तर.प्यूर.प.वे.च्यूर.प.वे.च्यूर.प.वेर.प्येव व्या पहेर्यतर हेर नर मेर प्रेर परि दें हैर भी वरे हिर लेश मा व के हैं सर में सर मेर या भ्रीत्यात्मा के वर्षा यह द्वा केता कर महास्त्री महासामा निता केता म ल स्थारा न दिन स्राप्ता हे नर केर परे हैं ने से हैं तार केर हैं। नदन हेर्हिन्यान्विक्तु वहिंद्रायाद्यां मात्रास मात्रास लेखायाया संवाहाया नात्रा प्र सद्यक्तित्रक्षेत्रक्ष्या वाच्यायक्त्रेत्रक्ष्यक्षेत् चेत्रे । वाव्यक्ष्यक्षयावायायाम् क्षायात्राह्मरायान्द्र प्रदेशक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षे म ल.श्रुरे.त.क.श्रुशकारेट श्रुशशामश.वैट.चरु.क्रु.वेश.वे चरु हुं हुं। चेट. मीकामा हर यदे कर केर प्रेर प्रेर हो । यदमा केर हे दे य प्रमा मुखालका चारा खुंबाओं। नाहर नाहे सक्षा हैर गुर नुर नाहे हे व दे ता नाहर

न हेर.पश. होर चर. दोर.च. इ.चालर स.लंब. दी। व्यं ग्रीट. रट. ची. पेश.च. होर. यर होत्य हेत्यवार पर होत्य प्याप्त कर्ता महर हेत् कर्त हेत् सम् तीयाता श्र्वाशानशानश्चेषा ताता श्र्वाशाचा शास्त्र ता त्रशा होशाची ता त्रीही ता त्रशाहि सामि भरीय.त.दर भी.कं.त.भूरे.त्रा श्लीश तपं.सै.रंट.त्स.यु.भ.कूरं.त.रंट.रट. पर्लेक हिर पर उक रहा। कु नालक इक रहेना नेराम सेना भार्यनाकाम ना हराही। मार्हेश,तक्ष कु.रट.चंडुव.सि.र.तर.कब.भट्ट.रे.स्रिमश दारट। क्रूमश.त. र्ना न्विदःहा रेश्वान्य हेन्द्र हे सुध्य मुह्म स्वर्भ य विदा मुट.त.रट। रट.पड्डि.विर.तर.वर.भट्र.टे.ब्रे्चशादा.व.मुर.वाडर.क्र्चश यते किर हे विश्व न पर से से विश्व है। पहें से मेरे केर से व रट.शुट्र.च. बुश् मु.च.ता वहुर्यं चर मुद्दे पर्या व दहुर पर्या हो वहुर्यं पर्या इस पर लेखाय लेखान पति हर्ने ।। पहिरायत है। दे वसः श्रेटः नते स्त्रः नतः वसः नद्वः न स्त्रः । हे नरः लेशः चः वसः वः नः ने नद्रः न्द्र में र र मुर निर्देश हैं र र लिय है न न न न न न न न न न न न मुक् केर लेव वर् से इस वर वेश वर के वर विष्य वर विषय वर्ष रे.बे.चरेब.टे.चलब.चे.प्रशास्त्र वशारे क्षर.टे.वहर.च.लब.स्.स्.। चलर.ट्य. के द्वर में प्रत के पर ते के पर पर्ते पर दे के स्था के प्रया के स्था के दे पर प्रया इस.तर. कट. वह इस. चर. वेश. च.रेचट च्. हेर. ही हे. चर होर नश हिर. च. लेर. वें लेश हैं। र्य ही र्य पर्न सर ही या वर्षेत्य प्रेव वें। वेदे हे यर त्रेव तपुंद्, त्य व श्र्येश त. भ. १९ ४. तपुं हिर हूं . बिश . १ . ध य त श्र्ये था तपुं . सेंश हे हूं ये.

नाहेना'व्य'दर्श्चर्'चरकृर्'वरकृर्'वर्ष्यंन्य'यंभेर्'यानाहर हें ॥ कु.चर.जब. य हैन द्राय प्रेक के लिय नु य दर नु द नुष्ठ य प्रेक के । दे यह के लिय व्यापाने के निमाले स्पर्ध प्रति स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर् पर नेसाय वर्तिय वर्षाय हे हर प्रेम ले न हे पर मेर्य नेसम म्बर्ध्य विद्वालका निक्षा निक् र्वे 'लेख नु 'वरे 'र्वे 'र्वे । व्याम प्रस्थ पर नुरू पाय क्रिं मळ के कि प्रस् Q5:य:दवा'मीश'मारेवा' दर्रु चु'र् अ: ठीर'रेट । रु'स'र्व' गुरा दुश्राय'र्देश चॅर मुर यामहिनादा खर या हेर गु छिर दास व महिन छेर या पर व वे बेसा । म्बर्द्यास्त्रम् संस्था। वृषायायाद्येय द्राय्यम् विस्य सः स्वाद्या मानु मान सम् सम् ह्यानि भी १६। द्रमार्गर मानु लेस मु नर दर्गरस र्से । भूत्रमान्त्रान् वहर्तायाल्य उपाने देवान्त्रमानुसानुदा हे रह्र ल्राह्म श्रीयर्थ राय द्वीर लेश मि वाम स्वाम तर् स्वाम सं वर्ष में हैं। देखाराय स्वाधायायदालेयानु माने मेरी वाका समुद्रायदे माने माने माने सामिता स्वीदाय हैं। यात्रार्श्य स्वाधायाञ्चर हेना नेरायरे मुक्षा भी रही। हैंनासाया नहिना सी ब्रे.चिव्यक्ष.वेश.चे.चर्.सेचस.लुरे.च्री डे.ज लेट देश.चर.चेस.च.च्रे. के.वर.जुब.चर्.मी.लुब.बुद.बुझ.चे.च ब्रु। क्र्यांचाचविक जानविकातप्र. मिंडेचेलकुरान्नेच,चं.रेभातर जेशता भेंट.च.टे.ज.रभातर जेशता भेंट.च.टे.हे. नर त्रेव सर्व कुष्ण । वे 'बेब मुनदे मकेंन'मी |देदे त्रामात्रम र नवस

य भु:बुद् लेश.व व.ज.चाह्याश.द भूग.ज.स्चाश.चर् क्र्यश.व.दे.ज.चा**रश.**.. दे 'ब' झुक रेवा चेद प्रवे मुक्कि केद प्रवे प्रवे दें। क्र क्र क्र क्र क्र क्र वा नावर क्र वा नावर क्र वा नावर क्र वा नावर क्र वा मा लुक् बु खुक नि व बु हु किर चुकारा कि का चिडर त दें व लुकार है किर दें त त કે.ભદ.૨૪.મ.માલ્ય.કે.તર.ઝેય.મર.મીર.ત.કંશ.મધીર.તર.ઉ વ.જુય.હુદ......] दे 'लट.स**७४.सी.'लु४.स.ट्.डेर.**४.२४.सपु. पु**श**.स.स.सक्री.स.लु४.स्.। · ୯୪, ୬୯.୯୯ ପ୍ରକ୍ଷର ହେଲ୍ଲ ଅଟ୍ର ପ୍ରକ୍ଷର ଅଟ୍ର ପ୍ରକ୍ଷର ପ୍ରକ୍ଷର ଜ୍ୟା ଅଧିକ ଅଟି । ୧୯୯ ପ୍ରକ୍ଷର ଜ୍ୟା ଅଟି । ୧୯୯ ପ୍ରକ୍ଷର ଜ୍ୟା ଅଟି । मुक्ष पर्ट्र त चार लुबे तर्हे ज वहुंश वहा वहेंब वहुंश महर वक्ष हैं . हुर हुन हुन या सेन् धर हें न्या सहन की 'त्र दिले ही 'वस कि एक लेखा हें व पर 'द वीर र्रो । विस्तुर इट वर्ष केर खुर लेश उप दे नार लार्य हा खे ह्रार वरे देला स्र्रियादे वे स्राष्ट्रिया व्यव हे दे के द्रार्थ स्थान स्थान है है दर्श स्थान स्थान है है दर्श है दर्श स्थान स्थान है है दर्श स्थान वे नार में के बेबान व व र्यम्ब वस वकर यर ने र री। भागाना पहुन. तपुर्टि विया वर्ष मि पुराया पहितायर भेर या में स्था यो स्था या स्था राष्ट्री हर ब्रिय बर् की जेशन विश्वान व है जहानी के जेश मानविन केर क्रिया जेशन स्थान हैं। **स'र्**राख्याम्बर्गदहेर् यरादर्रिय'र्देदे कें। थे मो ज दहन रहे दर क्षा देश मी प्रेश मार हैं। यम है पर है पर मी मी पर मी हो वा स्वाधाय है । तह्रिक्षित्र विकास के में के प्राप्त के में में कि प्राप्त के में में कि प्राप्त के में में कि प्राप्त के प्रा ब्रा र मी नेशम ने तार में ये है है रिय मी ध्रम में हिए। मामाय प्रियरे प्रामी अपने मी जा निहर मारे दि हुं महन मी नेहा पा हूटा न्यामुनाम के भी मी खा भेदार्वे॥ दे 'क्रूम क भी मी खा अहेद सहै दिए हिंस

उदामी नेशक दे दिद्व धर वर्देर धर वे के धर वे के धर वे के धर वे ल्लामो खाः र्टः बूटः वरः बूटः वर्षु र वरः दे प्रश्ने ह्या आटः बूटः व प्रश्ने हे । दे 'सुर द म् निद्मा वा नहेंद्र या निद्ध शु त्नुर दिर्दे । वेदे ने पहेंद्र या तथ निव्दर् विषानु निषे दुटानु वार्सिन्यायर ने प्यते भी नी दे प्यति द्वारा में द्वारा प्राप्त । ्वेषायद्या हेना हर तहेंद्रायर वनुर रे लेखानु नदी व हेना मी माल्य प्रेम अ लिस मु च के दे अ क्यां अ अ वि । मा भ दे ' उ दे ' कुर ले द । स्रुतावातहना यदे देश य सर्पात उद्गति वेश य द्वा उद्गति स्राप्त व चर पुरा र वहूर् तपु रट. थ्रिंग म्री. जुंश रा.ज. बांडिबांश मी. जुंश रा.ज. बांडिबांश .. मु द्वार न र हिन्दे द्वार न दे लेख न न दे न न न ने हे लेख न न ने दे न न ने दे न न ने दे न न ने हैं न न ने ने न साम्ना-नुःङ्काटान्ये दस्य धरा विशाया हो न ने ये हें ने शाक्षा प्राचित हा निह निह ता हा निह साम म्बिन्सः सुः बूदः व रुदः मी सेना नी दस्य वरः विश्वः व रूट्सः सुः नहिंदः व रेवे रे. प्रा. व. भूबी. मी. बेंशायर. प्रेशाय. कुरे. वीवटा व. लुवे. वर्. खुर. दे. वा ल्र्न् यद्रे मात्रमारा के द्राप्त मात्रमारा के द्राप्त मात्रमारा के द्राप्त मात्रमारा के द्राप्त मात्रमारा के द क्यातर जेशता पहुर्व पत्र हरा द्वा उर जी के पत्र क्या पर मेश पाया बेट पर विचीर वर्षा। चारुचा ग्रीट मार्डेस मार्डेस हैंट र व दे लेश में न न न हिरा पर रे रे न् नृहेश शु शूराय देते ॥ न्या दिर दे ह्व श्वर हुर दे लेश न प दे खाय क्री रहा मी दि दे दे पर्वा प्येदाय दे त्या द्रिया मादी प्रेश या दे दे दे दे सुर प्रमुद् ीवर्षाः दे दे हैं . वे : वर्षाः द ह्वां द्षाः अः हो। ध्रायः हो। ध्रायः हो। ध्रायः हो। न्दर्भामि । दे वे मर्दे में मर्दे मर

मार्डेश.सर् ॥ नुस नहिन नी के लेस नु म य स्निस य है वहें य यह य लेक कें।। रहानी केंबाया अपर्दे पर लेबानु या के की मो कि दी केंबा या अपर्दे रे नविषानु नवितास क्रिंग सामहेना त्यावेसानु न वे तरे खूरा तर.प्रीर.ग्रा रे अट है अर र नवर वरे इस वर रह ने विश्व वर दि के वर्ष वर के का ब्रुट यर दियुर हो। दे प्रश्न व महिना पहिन या मध्येव व निवान वे प्रेक्षान मा उना नी 'खु म'नांब्र 'दर खेंस' च हा स'नहीं 'च स धेर हे 'बेस'नु नरे 'ह हैंना ' म् । तेश्वाताचारात्रशादव तारे लेश वाचा के क्षेत्रण इसायर पेश्वायद सम् मान्याप्र दर द्वा उर देश य मान्य मोश क्रमश शुः हैं : न मा भी न मश खुक नालक नुष्य न दे के रह देना यर त्युर र्सी देने खेर केश य नालक के किंद वर अधुर य स व्येष है। विश्व व स्थान गुर श सदे विश्व य विश्व दुर्ग हेरे के वंश उद श्रिट मेद म्यामर प्रमुद लेश न व व माने प्रेश पर्वे महित्री हेर्स अर वदे खेर अर्र नु केर गुर सेर्ध प्रति वर विसाय संस्कारमा हा श्रें प्राप्त वेश य मेर पड़ेर भेर दें। विश्व वेश य श्रेम अम्म श्रु श्रें पर मेर त रे. बेर. ब राभशा बर. भेमदा श्री शिर. ब राज पर भू प्रचिर हो। मी. पुरा त तथा तिवा ४ थरा शि. श्र. न . व्रंथ ने न के हा सेट लिया वा क्षा न न विवे मील असलाश क्रिट्र च चर्चा १८ महूर शिमामान्त्रेय च ३८ म् होर असला शि. क्रिट्र यर प्रश्नुर व स प्रें य दे हर व र द में वेश य अद वह में कें सदें शंस है दास ल्रुष.तर.पंचीर.च.रेष्.ष्ट्र. १ अस्त्राश्च श्रेट.च.लट.३मश.श्च.श्चर.चर.पंचीर.च... म प्रवन्ते। वेशका शि. हिर्दा च केरे जारदार्य मीवक मी. जेका चारेची छे । सेचा ल्र्नियं मालीब विशा मिना पुंची र प्रमान प्रमान का भीका सम नाम र प्रमान के



🗱 देश.मूर्या. ७. पटु.मी. अक्टूर. रू. चेडुचा. री वि.सं. पटु. श्रवंत. लंश. क्रम द्वाप्त प्रत्यक त्यूट। । क्रिया यो मात्रे ग्रम स में स गुट द्वाप्त सुना इ.स.ल्ट्स प्रविट.जुनस.चन्ट. वर्टेट कु.पट्र। ।रवर.टे.वर्झेश.चपु.४स.ट्येर. बिट. तु प्रवेश । लट. रेच. क्र्र. में. स्. स्. हेट. संच. पची। । चेट्टश. हे. मुराष्ट्ररे तर्मे वासायुषाया । दिशायेन् सार्वे रामुके सहरि य र्राट प्रमेर র্বা । विश्वायादरी अदारेट नुशासीर शुव गुरु कुर वक्कश्यदे ग्रामी दे ह्रीचा-ब्रॅड्-भ्र चवर नवशाचारसार्ज्यहरू अ. क्रुश्न विश्व हि न ब्रुवायदे नव्यक्षाय देवा বহ-বিধা ক্রি-বে-রিম্ব-বি-রিম রব-নী পর্যুব-জ্ম্বাধানাবীনা বাধু-নার্ব-तकें ना नारी कें कि ने दे निषेत्र ने निष्ति ने निष्ति के निष्ति क र्द्धेनाश सर्वे : बेर न्वर्स्य म. उरे रेना झेना भरे : रे . है . है . है . वि म विम स्थान स करार नक्षर प्रज्ञे में श्रीम अधार्म प्रविद्य नार्स्स हे के बाम प्रविधास प्रज्ञे हिंद्य ଦ୍ରଶ୍ୱ 'ଆଟ'ସ୍ପର'ସଭିଗ୍ରେମ୍ବର୍ମିଷ ଅଧି 'ସ ମ୍ୟ'କ୍ରଷ'ଷ୍ଠ'ଦ୍ର ସ୍ଥର' ସ୍ଥର' । पहंस मिट तर्म नहु हिंद न पष्टु मेर है. न न मा हेर्। क्या पड़े न न में हार्से रे. हुट अचारा स् प्रेय वर्षा में साम स्याप प्रत्या तिया त्राया स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप केर टे.रशूबात्र, वेट चर्लेश मीव अवर हुत हुन हुन ही मिश्रिट रच देवा देवर टे टर्झेंश. ह्यूट.क्र्म.झे.च.टचे.रेवट.झे.च३ट.चर्ने ७६५.चे भक्रूत.झेर.वर्गी